दूरदर्शन

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सत्यमेव जयते

बहुजनहिताय बहुजनसुखाय

आकाशवाणी

प्रसार भारती

भारत का लोक सेवा प्रसारक

वार्षिक रिपोर्ट

2016-2017

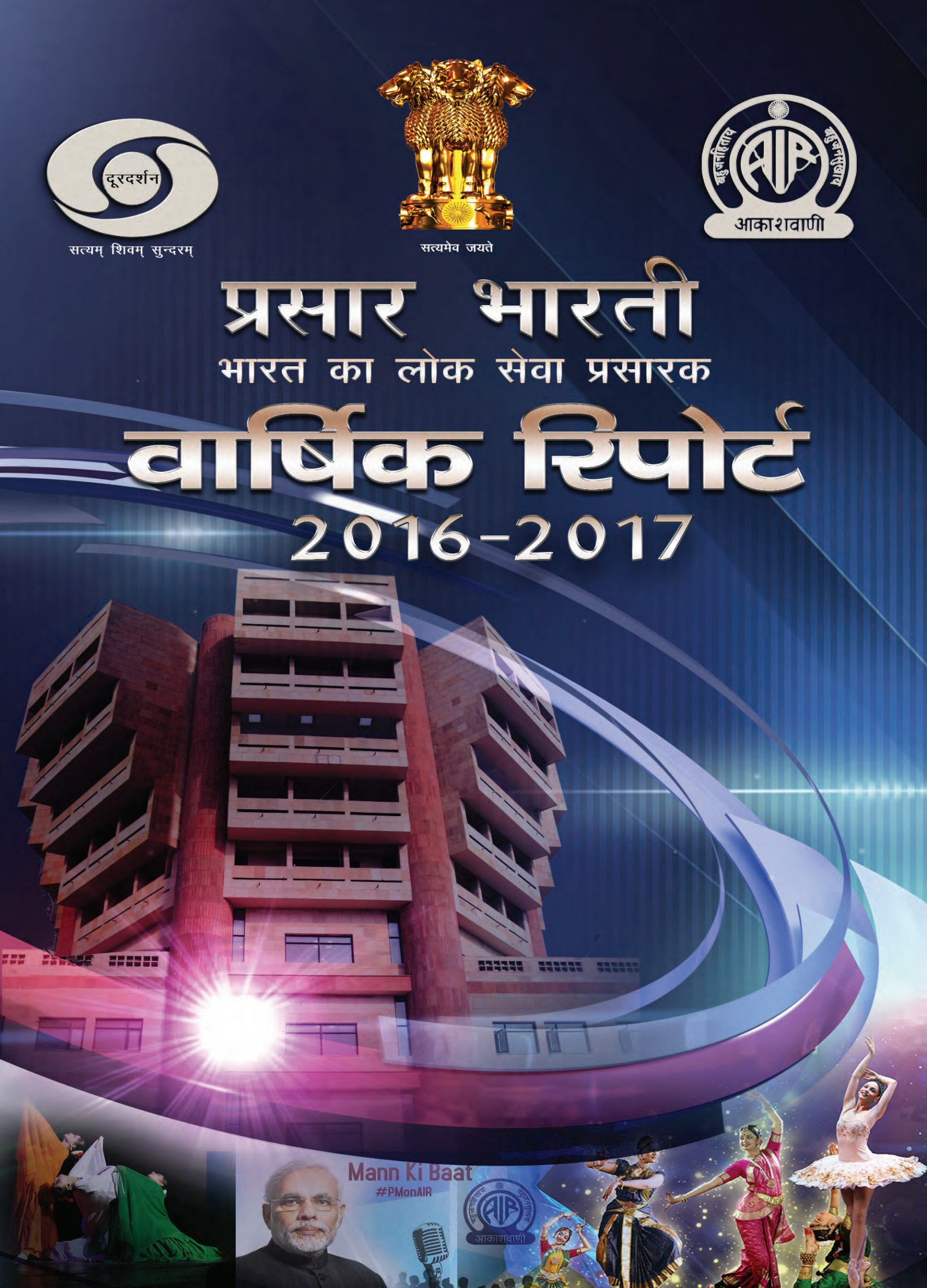

प्रसार भारती

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

विषय वस्तु

अध्याय 1	प्रसार भारती	04
अध्याय 2	प्रसार भारती-लोक सेवा प्रसारक	12
अध्याय 3	आकाशवाणी	34
अध्याय 4	दूरदर्शन	133
अध्याय 5	प्रसार भारती-वित्त और लेखा	194
	अनुलग्नक	235

अध्याय - 1

प्रसार भारती

लोक सेवा प्रसारक

परिचय:

प्रसार भारती (भारत का लोक सेवा प्रसारक) देश का एकमात्र लोक सेवा प्रसारक है, जिसके आकाशवाणी और दूरदर्शन दो घटक हैं। यह 23 नवंबर, 1997 को अस्तित्व में आया। इसका उद्देश्य लोक प्रसारण सेवाओं को संगठित और संचालित करना है तथा आम जनता को सूचना, षिक्षा और मनोरंजन प्रदान करने के साथ–साथ रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारण का संतुलित विकास सुनिश्चित करना है।

उद्देश्य :

प्रसार भारती अधिनियम, 1990 में दिए गए प्रसार भारती के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार हैं :

i) देश की एकता और अखंडता तथा संविधान में दिए गए मूल्यों को अक्षुण्ण रखना।

ii) राष्ट्रीय अखंडता को बढ़ावा देना।

iii) सार्वजनिक हित के सभी विषयों की जानकारी प्राप्त करने के नागरिक अधिकारों को सुरक्षित रखना और सूचना को उचित और संतुलित रुप में प्रस्तुत करना।

iv) शिक्षा और साक्षरता के प्रसार, कृषि, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों की ओर विशेष ध्यान देना।

v) महिलाओं से संबंधित मामलों के संबंध में जागरुकता उत्पन्न करना तथा बच्चों, बुजुर्गों और समाज के अन्य निर्बल वर्ग के लोगों के हितों की रक्षा करने के लिए विशेष उपाय करना।

vi) विविध संस्कृतियों, क्रीड़ा व खेलकूद और युवा मामलों को पर्याप्त कवरेज देना।

vii) सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना, श्रमजीवी वर्ग, अल्पसंख्यकों और जनजाति समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना।

viii)प्रसारण प्रौद्योगिकी में प्रसारण सुविधाओं का प्रसार और विकास तथा शोध को बढ़ावा देना।

प्रसार भारती बोर्ड

प्रसार भारती, प्रसार भारती बोर्ड द्वारा शासित होता है, जिसमें एक अध्यक्ष, एक कार्यकारी सदस्य (मुख्य कार्यकारी अधिकारी), एक सदस्य (वित्त), एक सदस्य (कार्मिक), छः अंशकालिक सदस्य, सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक प्रतिनिधि तथा पदेन सदस्यों के रुप में आकाशवाणी और दूरदर्शन के महानिदेशक सम्मिलित हैं। अध्यक्ष का कार्यकाल 70 वर्ष की अधिकतम आयु सीमा के अंतर्गत तीन वर्षों का होता है। कार्यकारी सदस्य का कार्यकाल 65 वर्ष की आयु सीमा के अंतर्गत पांच वर्षों का होता है। सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) का कार्यकाल पूर्ण–कालिक सदस्य के रुप में 62 वर्ष

की अधिकतम आयु सीमा के अंतर्गत छः वर्षों का होता है। प्रसार भारती बोर्ड की एक वर्ष में कम से कम छः बार बैठकें होती हैं।

प्रसार भारती बोर्ड 2016–17 का गठन

अध्यक्ष – डॉ. ए. सूर्य प्रकाश

मुख्य कार्यकारी अधिकारी
- श्री जवाहर सरकार (03.11.2016 तक)
- श्री एस.सी.पंडा (अंतरिम प्रभार) (04.11.2016 से 05.02.2017 तक)
- श्री राजीव सिंह (अंतरिम प्रभार) (06.02.2017 से)

पूर्णकालिक सदस्य

सदस्य (कार्मिक) – श्री सुरेश चंद्र पंडा (05.02.2017 तक)

सदस्य (वित्त) – श्री राजीव सिंह

सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा नामित सदस्य

श्री जे एस माथुर, विशेष सचिव (25.04.2016 तक)

श्री अजय मित्तल, सचिव (16.05.2016 से 29.08.2016 तक)

सुश्री जयश्री मुखर्जी, अपर सचिव (30.08.2016 से)

अंशकालिक सदस्य

- श्री मुज़्ज़फर अली
- श्री अनूप जलोटा
- श्री अशोक कुमार टंडन
- श्री सुनील अलघ
- श्री शशि शेखर वेम्पटि
- श्रीमती काजोल देवगन

पदेन सदस्य

- श्री एफ. शहरयार
- श्रीमती अपर्णा वैश (29.06.2016 तक)
- सुश्री सुप्रिया साहु (29.06.2016 से)

संगठनात्मक ढांचा

प्रसार भारती बोर्ड शीर्ष स्तर पर कार्य करते हुए संगठन की नीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन एवं प्रसार भारती अधिनियम, 1990 में दिए गए जनादेश का पालन सुनिश्चित करता है। कार्यक. ारी सदस्य, प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रुप में कार्य करता है। प्रसार भारती सचिवालय में कार्यरत विभिन्न विषयों से संबंधित अधिकारी कार्रवाई, प्रचालन, योजनाओं और नीतियों के कार्यान्वयन को संगठित करने में तथा संगठन के बजट, लेखा और सामान्य वित्तीय मामलों की देखरेख में मुख्य कार्यकारी अधिकारी को सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) सहयोग देते हैं।

मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नै, बंगलुरु, तिरुवनंतपुरम, कोच्चि, गुवाहाटी और हैदराबाद में अवस्थित प्रसार भारती विज्ञापन राजस्व प्रभाग आकाशवाणी और दूरदर्शन दोनों के विपणन एवं राजस्व संबंधी सभी कार्यों की देख–रेख करते हैं। 15 मुख्य विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्रों के साथ एक स्वतंत्र केंद्रीय विक्रय एकांश आकाशवाणी में प्रसारण समय के विपणन की देख–रेख करता है।

प्रसार भारती के मुख्यालयों में एकीकृत सतर्कता व्यवस्था भी है, जिसके प्रमुख मुख्य सतर्कता अधिकारी हैं।

महानिदेशक, आकाशवाणी और महानिदेशक, दूरदर्शन क्रमशः आकाशवाणी महानिदेशालय और दूरदर्शन महानिदेशालय के प्रमुख हैं। जबकि महानिदेशक समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी के समाचार स्कंध तथा महानिदेशक, समाचार एवं समसामयिकी, दूरदर्शन के समाचार स्कंध के प्रमुख हैं।

आकाशवाणी

महानिदेशक, आकाशवाणी प्रसार भारती के अंतर्गत कार्य करते हैं। महानिदेशक विभागाध्यक्ष होते हैं और पूरे आकाशवाणी नेटवर्क के समग्र प्रशासनिक और पर्यवेक्षण कार्यों के लिए जिम्मेवार हैं। अपनी ड्यूटी और प्रकार्यों के निष्पादन के लिए महानिदेशक, आकाशवाणी निम्नलिखित स्कंधों के अधिकारियों की सहायता लेते हैं।

कार्यक्रम स्कंध

मुख्यालयों और विभिन्न क्षेत्रों में अपर महानिदेशक केंद्रों के उचित पर्यवेक्षण हेतु महानिदेशक की सहायता करते हैं। क्षेत्रीय अपर महानिदेशकों के मुख्यालय कोलकाता (पूर्वी क्षेत्र), मुंबई (पश्चिमी क्षेत्र– ।),लखंनऊ (मध्य क्षेत्र– ।), भोपाल (मध्य क्षेत्र– ।।), और गुवाहाटी (पूर्वोत्तर क्षेत्र), चेन्नै (दक्षिणी क्षेत्र–।), बंगलुरु (दक्षिणी क्षेत्र–।।), दिल्ली (उत्तरी क्षेत्र– ।) और चंडीगढ़ (उत्तरी क्षेत्र– ।।)

में अवस्थित हैं। अपर महानिदेशक का अन्य कार्यालय अहमदाबाद (पश्चिमी क्षेत्र–।।) में स्थापित किया जाना है।

अभियांत्रिकी स्कंध

तकनीकी मामलों में, महानिदेशक की सहायता मुख्यालय में तैनात प्रमुख अभियंता और अपर महा. निदेशक (अभियांत्रिकी) एवं क्षेत्रीय मुख्य अभियंता करते हैं। इसके अतिरिक्त, आकाशवाणी की विकास योजना स्कीमों के संबंध में मुख्यालयों में एक योजना एवं विकास एकक है। सिविल निर्माण गति. विधियों के लिए, महानिदेशक की सहायता हेतु आकाश्शवाणी का सिविल निर्माण स्कंध है, जिसके प्रमुख, प्रमुख अभियंता हैं। सिविल निर्माण स्कंध दूरदर्शन की आवश्यकताओं को भी पूरा करता है।

प्रशासनिक स्कंध

अपर महानिदेशक (प्रशासन) और अपर महानिदेशक (वित्त) सभी प्रशासनिक और वित्तीय मामलों में महानिदेशक की सहायता करते हैं। जबकि प्रत्येक निदेशक अभियांत्रिकी प्रशासन और दूसरा निदेशक कार्यक्रम प्रशासन और वित्तीय मामला देखते हैं।

सुरक्षा स्कंध

आकाशवाणी की संस्थापनाओं जैसे ट्रांसमीटरों, स्टुडियो, कार्यालयों आदि की सुरक्षा एवं सावधानी से जुड़े मामलों में उप महानिदेशक (सुरक्षा), सहायक महानिदेशक (सुरक्षा) और उप निदेशक (सुरक्षा), महानिदेशक की सहायता करते हैं। दूरदर्शन की सुरक्षा आवश्यकताओं की देख–. रेख भी इन्हीं अधिकारियों द्वारा की जाती है।

श्रोता अनुसंधान स्कंध

आकाशवाणी केंद्रों द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की फीडबैक सर्वेक्षण करने में निदेशक (श्रोता अनुसंधान) महानिदेशक की सहायता करते हैं। निदेशक (श्रोता अनुसंधान) को संयुक्त निदेशक (श्रोता अनुसंधान) सहायता करते हैं।

आकाशवाणी के अधीनस्थ कार्यालयों की संक्षिप्त गतिविधियां

आकाशवाणी के कई अधीनस्थ कार्यालय हैं, जो कि विशिष्ट कार्य करते हैं। उनकी बृहत गतिविधियों का संक्षेप में वर्णन इस प्रकार है:

समाचार सेवा प्रभाग

समाचार सेवा प्रभाग चौबीसों घंटे काम करता है और यह देश और विदेश दोनों सेवाओं हेतु 607 समाचार बुलेटिनों से अधिक प्रसारित करता है। ये बुलेटिन देशी और विभिन्न विदेशी भाषाओं में प्रसारित होते हैं। महानिदेशक (समाचार) इस प्रभाग के प्रमुख हैं। आकाशवाणी में 46 क्षेत्रीय समाचार एकांश हैं। ये बुलेटिन राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय मामलों की समाचार गुणवत्ता के अनुसार क्षेत्र–दर–क्षेत्र भिन्न–भिन्न हैं।

विदेश सेवा प्रभाग

आकाशवाणी का विदेश सेवा प्रभाग 27 भाषाओं अर्थात 15 विदेशी और 12 भारतीय भाषाओं में प्रसारण करता है। ये सेवाएं प्रतिदिन कुल 72 घंटे की होती हैं और 100 से अधिक देशों में प्रसारित की जाती हैं।

प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा

यह सेवा, केंद्रों के बीच कार्यक्रमों के विनिमय का देख–रेख करती है, साथ ही ध्वनि अभिलेखागार के निमार्ण व अनुरक्षण के साथ–साथ प्रसिद्ध संगीतज्ञों की अनमोल रिकॉर्डिंग का व्यापारिक लोकार्पण जारी करती है।

अनुसंधान विभाग

अनुसंधान विभाग के प्रकार्यों में आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा आवश्यक उपस्करों का विकास और अनुसंधान, आकाशवाणी और दूरदर्शन संबंधी अध्ययन एवं जांच, आकाशवाणी और दूरदर्शन के नेटवर्क के सीमित प्रयोग वाले क्षेत्रों में फील्ड ट्रायल हेतु आर एंड डी उपकरण के प्रोटोटाइप मॉडल का विकास करना सम्मिलित है।

केंद्रीय भंडार कार्यालय

नई दिल्ली में स्थित आकाशवाणी के केंद्रीय भंडार कार्यालय का कार्य आकाशवाणी केंद्रों में तकनीकी उपस्करों के रखरखाव हेतु आवश्यक अभियांत्रिकी भंडारण और वितरण करना है।

सीबीएस केंद्र और विविध भारती सेवा (वीबीएस)

विशेष विविध भारती केंद्रों सहित 41 विविध भारती–सह–विज्ञापन प्रसारण सेवा (सीबीएस) केंद्र हैं। विज्ञापन प्रसारण सेवा से संबंधित कार्य दो स्कंधों जैसे बिक्री स्कंध और प्रस्तुति स्कंध में निष्पादित

किया जाता है। 15 मुख्य विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्रों के साथ एक स्वतंत्र केंद्रीय विक्रय एकांश आकाशवाणी में प्रसारण समय विपणन की देख–रेख करता है।

आकाशवाणी में स्वीकृत पदसंख्या

आकाशवाणी में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की स्कंधवार स्वीकृत पद संख्या निम्नानुसार है:

समूह	स्वीकृत पदों की संख्या	पदस्थ	रिक्त पद
समूह–क	2002	806	1196
समूह–ख	5160	3056	2104
समूह–ग	18967	10187	8780
कुल	26129	14049	12080

दूरदर्शन

दूरदर्शन के प्रमुख महानिदेशक हैं, जिनकी सहायता कार्यक्रम स्कंध के अपर महानिदेशक, अभियांत्रिकी स्कंध के प्रमुख अभियंता, प्रशासन एवं वित्त स्कंध के अपर महानिदेशक, समाचार स्कंध के प्रमुख अपर महानिदेशक (समाचार) करते हैं।

कार्यक्रम स्कंध

आकाशवाणी की भांति, अपर महानिदेशक राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम संकल्पना, निर्माण और उपार्जन से संबंधित सभी कार्यों की देखरेख करते हैं। उनकी सहायता के लिए उप महानिदेशक होते हैं। ये अधिकारी दूरदर्शन के कार्यक्रम संवर्ग के होते हैं।

समाचार स्कंध

दूरदर्शन का समाचार स्कंध राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर दूरदर्शन चैनलों पर प्रसारित सभी समाचारों और समसामयिक कार्यक्रमों के उपार्जन, संपादन एवं प्रसारण के लिए उत्तरदायी है। दूरदर्शन समाचार स्कंध के प्रमुख महानिदेशक (समाचार) हैं।

अभियांत्रिकी स्कंध

प्रमुख अभियंता अभियांत्रिकी स्कंध के प्रमुख हैं। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नै और गुवाहाटी में स्थित आंचलिक कार्यालयों और निदेशालय के अपर महानिदेशक और उप महानिदेशक (अभियांत्रिकी) उनकी सहायता करते हैं। योजना, सिस्टम डिज़ाइन, परियोजना कार्यान्वयन, प्रचालन और अनुरक्षण, मानव संसाधन एवं प्रशिक्षण सहित संपूर्ण अनुरक्षण और तकनीकी गतिविधियों का दायित्व भी प्रमुख अभियंता पर है।

प्रशासन एवं वित्त स्कंध

अपर महानिदेशक (प्रशासन) और अपर महानिदेशक (वित्त) सभी प्रशासनिक और वित्तीय मामलों में महानिदेशक की सहायता करते हैं। जबकि प्रत्येक निदेशक अभियांत्रिकी प्रशासन और दूसरा निदेशक कार्यक्रम प्रशासन और वित्तीय मामला देखते हैं।

स्वीकृत पदसंख्या

दूरदर्शन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समूह–वार स्वीकृत पदसंख्या निम्नानुसार है:

समूह	स्वीकृत पदों की संख्या	पदस्थ	रिक्त पद
समूह–क	1083	529	554
समूह–ख	5964	5185	779
समूह–ग	13580	8302	5278
कुल	20627	14016	6611

राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टी मीडिया अकादमी (कार्यक्रम)

आकाशवाणी और दूरदर्शन के विभिन्न केंद्रों/कार्यालयों में कार्यरत कार्मिकों को राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टी मीडिया अकादमी (एनएबीएम) प्रसार भारती का प्रशिक्षण स्कंध जो किंग्सवे कैंप, दिल्ली में स्थित है जिसकी सेवारत कार्यक्रम और प्रशासनिक कार्मिकों को प्रशिक्षण देने की जिम्मेवारी है। आकाशवाणी और दूरदर्शन के स्टाफ को उपयुक्त प्रशिक्षण संपूर्ण देश में प्रदान करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, एनएबीएम (का.) भुवनेश्वर और आरएबीएम (का.) अहमदाबाद, हैद. राबाद, लखनऊ, शिलांग और तिरुवनंतपुरम में अस्तित्व में आए। क्षेत्रीय प्रसारण एवं मल्टी मीडिया अकादमी (आरएबीएम) को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के समन्वय के लिए राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टी मीडिया अकादमी (कार्यक्रम), दिल्ली नियंत्रित करता है।

राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टी मीडिया अकादमी (तकनीकी)

राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टी मीडिया अकादमी (तकनीकी) 1985 से महानिदेशालय का भाग है, अब किंग्सवे कैंप, दिल्ली में कार्यरत है। यह संस्थान तकनीशियन से लेकर अधीक्षण अभियंता के स्तर तक के आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के अभियांत्रिकी स्टाफ के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन करता है। यह विभागीय, अर्हकारी और प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं का भी आयोजन करता है। साथ ही, एक क्षेत्रीय प्रसारण एवं मल्टी मीडिया अकादमी (तकनीकी) भुवनेश्वर में है।

अध्याय -2

प्रसार भारती

लोक सेवा प्रसारक

प्रसार भारती, आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से अधिकतम जनसंख्या का कवरेज प्रदान करता है और यह दुनिया का सबसे बड़े स्थलीय नेटवर्कों में से एक है। प्रसार भारती– आकाशवाणी और दूरदर्शन की सामाजिक जिम्मेदारी नेटवर्क की क्षमता के अनुरुप व्यापक है क्योंकि यह देश भर में बहुतायात लोगों तक पहुंचता है। पिछले वर्षों में, प्रसार भारती ने प्रसार भारती अधिनियम की धारा 12 में निर्दिष्ट अपने विधायी जनादेश को सफलतापूर्वक पूरा करके भारत का लोक सेवा प्रसारक की अपनी भूमिका सही सिद्ध की।

संभवतः दूरदर्शन और आकाशवाणी ही एकमात्र मीडिया है जो लोकहित, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय सभी मामलों को स्वतंत्रतापूर्वक, सही और उद्देश्यपूर्ण ढंग से नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित रखते हैं और निष्पक्ष तथा संतुलित रुप में सूचना प्रदान करते हैं जिसमें अपनी ओर से किसी राय या विचार दिए बगैर वैषम्य विषयों को भी शामिल किया जाता है। इसके विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से, इस संगठन ने देश की एकता और अखंडता को संविधान में उद्धृत मूल्यों को बनाए रखने का हमेशा प्रयास किया है।

यह संगठन शिक्षा और साक्षरता विस्तार, कृषि, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेष ध्यान देता रहा है। यह समुचित कार्यक्रमों के प्रसारण द्वारा देश के विभिन्न क्षेत्रों की विविध संस्कृति और भाषा का पर्याप्त कवरेज उपलब्ध कराता रहा है। युवाओं की विशेष आवश्यकताओं, महिलाओं की स्थिति और समस्या, सामाजिक न्याय, कर्मी वर्गों का कल्याण, अल्पसंख्यक और आदिवासी समुदायों की विशेष आवश्यकताएं, बाल एवं समाज के दुर्बल वर्ग आदि के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समुचित कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता रहा है।

केवल व्यावसायिक कार्यक्रमों पर केंद्रित 800 से ज्यादा चैनलों के मद्देनजर प्रसार भारती जैसे लोक सेवा प्रसारक के लिए यह आवश्यकता और बढ़ गई है। अत्यधिक व्यावसायिक इलैक्ट्रानिक्स मीडिया पर्यावरण में प्रसार भारती ही एकमात्र संतुलित शक्ति के रुप में है। वास्तव में, काफी समय से प्रसार भारती द्वारा विकसित नैतिक मूल्य और दिशानिर्देश इस उद्योग के लिए निर्देश–चिह्न के रुप में सेवारत हैं।

प्रसार भारती बोर्ड की नीतिगत पहल

वर्ष 2016–17 के दौरान प्रसार भारती बोर्ड की छः बैठकें (135वीं से 140वीं) आयोजित हुईं। इसके अतिरिक्त, बोर्ड को संदर्भित मुख्य मुद्दे और उन पर प्रभावकारी निर्णय पर चर्चा हेतु बोर्ड के द्वारा

गठित विभिन्न समितियों की बैठकें आयोजित की गईं।

इन बैठकों में कई नीतिगत, वित्तीय और प्राथमिक मुद्दों पर चर्चा हुई और निर्णय लिए गए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रणाली से संगठन को बेहतर राजस्व, रियायतों के लाभकारी उपयोग, मानव शक्ति की बेहतर तैनाती, लोक प्रसारक सेवाओं इत्यादि के बेहतर उपयोग का लाभ मिल सके। इन प्रयासों के भाग के रुप में वर्ष के दौरान मुख्य मुद्दे जिन पर निर्णय लिया गया, विचाराधीन इस प्रकार है :

1. दूरदर्शन के लिए प्रभावकारी लागत कार्यक्रम खरीद के लिए स्लॉट सेल पॉलिसी।
2. डीडी–किसान और डीडी–नेशनल चैनलों के लिए स्व वित्त पोषण योजना के अंतर्गत कार्यक्रमों के लिए एस.एफ.पी. दिशानिर्देशों में संशोधन।
3. पूर्वोत्तर, डीडी–कशीर, डीडी– नेशनल चैनलों के लिए कार्यक्रम शुरुआत दिशानिर्देशों में संशोधन।
4. पूर्वोत्तर के लिए अरुण प्रभा टीवी चैनल की शुरुआत।
5. तेलंगाना सरकार के साथ साझे में हैदराबाद में पहले एपीयू (एशिया पैसेफिक ब्रॉडकास्टिंग यूनियन) नृत्य महोत्सव 2017 का आयोजन।
6. दूरदर्शन के डीटीएच (डायरेक्ट टू होम) प्लेटफार्म के लिए दिशानिर्देश नीति तैयार करना।
7. निजी प्रस्तुतकर्ताओं से देय की वसूली के लिए एकमुश्त निपटान योजना।
8. एयरटाइम सेल के लिए विज्ञापन शुल्क सूची के निर्णय की प्रक्रिया।
9. उच्च लागत अभियांत्रिकी खरीद प्रस्तावों की प्रक्रिया।
10. प्रसार भारती के लिए डिजीटल प्लेटफार्म तैयार करना।
11. आकाशवाणी और दूरदर्शन के बीच तकनीकी मानवशक्ति संसाधनों का प्रभावकारी उपयोग।
12. कार्यक्रम कार्मिकों से क्षेत्रीय समाचार इकाइयों (आरएनयू) में रिक्तियों को भरना।
13. आकाशवाणी और दूरदर्शन में कार्मिकों को विभिन्न श्रेणियों की पदोन्नति के लिए विभागीय पदोन्नति समिति।
14. प्रसार भारती के कर्मचारियों के लिए भर्ती नियमों को बनाने संबंधी मुद्दे।
15. प्रसार भारती में प्रतिनियुक्तिवत और दिनांक 05.10.2007 के उपरांत भर्ती किए गए प्रसार भारती के कर्मचारियों के लिए चिकित्सा नीति।
16. प्रसार भारती कर्मचारी समृद्ध बीमा योजना।
17. वार्षिक आधार पर सरकार से प्रसार भारती में कार्यरत सरकारी कर्मचारियों के चिकित्सा व्ययों की पूर्ति।
18. आकाशवाणी और दूरदर्शन में कर्मचारियों की विभिन्न श्रेणियों की संवर्ग समीक्षा और सिफारिशों का क्रियान्वयन।

प्रसार भारती के अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रभाग की गतिविधियां

समझौता ज्ञापन

वर्ष 2016–17 के दौरान, आपसी हितों के प्रसारण क्षेत्र में सहकारिता और सहयोग हेतु किर्गिस्तान, तजाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात के लोक प्रसारकों के साथ समझौता ज्ञापन हस्तांतरित हुए। दूरदर्शन और आकाशवाणी के परामर्श से समझौता ज्ञापन के विभिन्न प्रावधानों के क्रियान्वयन हेतु देशों के मध्य पर्याप्त कदम उठाए गए। इसके अतिरिक्त, समाचार विनिमय और समाचार–निर्देशता के लिए 30.08.2016 से चीन में दूरदर्शन समाचार और सीसीटीवी न्यूज कंटेंट कं. लि. के बीच संयुक्त समझौता हस्ताक्षरित हुए।

समझौता ज्ञापन के प्रावधानों के अंतर्गत कार्यक्रम विनिमय / विषय वस्तु विनिमय

अप्रैल 2016 में बीजिंग में भारतीय राजदूत, सदस्य (का.), पीबी और सीसीटीवी, चीन के बीच बैठक के फलस्वरुप, सीसीटीवी ने खेल कार्यक्रमों सें भरी 2 हार्ड डिस्क भेजी। प्रसार भारती और सीसीटीवी, चीन के बीच कार्यक्रम विनिमय, जो कि विशेषतः माननीय राष्ट्रपति जी की 24 मई से 27 मई, 2016 के दौरे के दौरान हुई। दूरदर्शन स्पोर्ट्स पर सीसीटीवी, चीन से प्राप्त तीन वृत्तचित्रों का प्रसारण किया गया। सीसीटीवी, चीन से प्राप्त एक और वृत्तचित्र शीर्षक "लॉफिंग मीट बाल्स" का प्रसारण डीडी भारती पर 23 मई, 2016 को किया गया। सीसीटीवी चीन में 20 मई, 2016 को प्रचारित किए जाने के लिए दूरदर्शन में चार उच्च स्तरीय कार्यक्रमों को हार्ड डिस्क भेजी गई। अधिकतर कार्यक्रम विनिमय निःशुल्क आधार पर किए जाते हैं और इसमें राजस्व अर्जन या व्यय नहीं होता।

एमबीसी ने 10 दूरदर्शन के कार्यक्रमों का चयन एमबीसी पर प्रसारण के लिए किया है अर्थात "गोरा", "ये है इंडिया मेरी जान", "स्पेक्टाकुलर इंडिया", "फोर्ट्स ऑफ इंडिया", "श्रीकांत–स्टोरी ऑफ लव", "वैल्यूस एंड स्ट्रगल", "कशमकश जिंदगी की", "पीछा करो", "आखिर कौन", "एक लक्ष्य और बेटी का फर्ज़"। एमबीसी ने दूरदर्शन पर प्रसारण के लिए कुछ कार्यक्रम भी भेजे अर्थात अंजोरिया (3 कार्यक्रम), रंगसाज (3 कार्यक्रम), माटी बनल सोना, सतरंगी और संस्कृति सरोवर।

वर्ष के दौरान अति विशिष्ट व्यक्तियों के दौरे

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने एवं आपसी हितों के विषयों पर दृष्टिकोणों के विनिमय और द्विपाक्षिक संबंधों को मजबूत करने के लिए रोमानिया, टर्की, चीन, तुर्कमिनिस्तान, किर्गीस्तान और तजाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडलों ने प्रसार भारती का दौरा किया।

भारत और टर्की के बीच सिनेमा और टेलीविजन में सहयोग बढ़ाने के लिए टर्की की कंपनियों के प्रतिनिधिमंडल ने फिक्की फ्रेम्स 2016 में भाग लिया जिसका नेतृत्व इस्तानबुल चैंबर ऑफ कॉमर्स और टूरिज़्म ने किया। इन तीन दिवसीय सभा में आरंभिक प्रतिक्रिया से टर्की का प्रतिनिधिमंडल बहुत उत्साहित हुआ और टर्की का अनुमान 2018 तक भारत को 20 मिलियन डॉलर के कार्यक्रम निर्यात करने का है, ऐसा भारत में टर्की के राजदूत बुराक अक्सापार ने कहा। टर्की के प्रतिनिधिमंडल ने पूरे व्यय का वहन किया।

एक 16 सदस्यीय चीनी मीडिया दल ने 14.10.2016 को दूरदर्शन समाचार का दौरा किया और महानिदेशक दूरदर्शन, दूरदर्शन समाचार के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसके बाद दूरदर्शन समाचार के समाचार कक्ष, स्टूडियो और अन्य सुविधाओं का दौरा किया। आकाशवाणी और दूरदर्शन के समाचार स्कंधों ने अतिविशिष्ट दौरों सहित 50 कार्यक्रमों को मीडिया कवरेज प्रदान की।

एशिया पेसेफिक प्रसारण संघ (ए.बी.यू.) और ए.आई.बी.डी. गतिविधियां

ए.बी.यू. प्रसार भारती और तेलंगाना सरकार ने संयुक्त रुप से हैदराबाद, भारत में 13–16 जनवरी 2017 के दौरान पहले एबीयू अतर्राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव का आयोजन किया। देश–विदेश में 15 नृत्य समूहों ने इसमें भाग लिया। 2200 से अधिक दर्शकों ने इसका आनंद उठाया।

एबीयू के स्थापना सदस्यों में से एक आकाशवाणी है और एशिया पेसेफिक क्षेत्र में प्रसारण के विकास को प्रचार करने में उसको विभिन्न तकनीकी गतिविधियों में योगदान दिया है। बाली, इंडोनेशिया में 53वीं एशिया पैसेफिक ब्रॉडकॉस्टिंग की महासभा के दौरान महानिदेशक दूरदर्शन को तीन साल की अवधि के लिए उपाध्यक्ष चुना गया। दूरदर्शन को एबीयू के तकनीकी परिषद के सदस्य के रुप में दोबारा चुना गया और आकाशवाणी को भी एबीयू के कार्यक्रम परिषद के सदस्य के रुप में दोबारा चुना गया। आकाशवाणी के प्रस्तुतिकर्ता ने इस गतिविधि के दौरान "डायरी ऑफ ए टाइगर" के लिए एबीयू "सामुदायिक सेवा उद्घोषणा पुरस्कार" पाया। उद्घोषणा का लक्ष्य बाघ लुप्ता के बारे में चेतना बढ़ाना है।

दूरदर्शन के प्रस्तुतकर्ता ने वातावरण बदलाव और आपदा जोखिम रिस्क रिकवरी पर अपने कार्यक्रम के लिए दूसरा एबीयू पुरस्कार पाया।

आकाशवाणी और दूरदर्शन से 30 अधिकारियों ने विभिन्न एबीयू बैठकें और विदेशों में आयोजित गतिविधियों में भाग लिया।

प्रसार भारती एआईबीडी की गतिविधियों में भी काफ़ी सक्रिय है। एनएबीएम (त.) ने एआईबीडी की ओर से एशिया पैसेफिक क्षेत्र से प्रतिभागियों के लिए बहुत से प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाए।

एबीयू प्रशासनिक परिषद बैठक 2016, सुअवा, फिजी

एबीयू महासभा और संबंधित बैठकें, 2016 बाली, इंडोनेशिया

एआईबीडी आम सम्मेलन 2016, तेहरान, ईरान

एशिया मीडिया सम्मेलन, 2016 (इंचीयन, कोरिया)

वर्ष 2016–17 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों की सूची जिसमें प्रसार भारती ने भाग लिया

क्रम सं.	गतिविधियों का नाम	अवधि	स्थान/देश
1.	एबीयू रेडियो एशिया और चौथा एबीयू संगीत महोत्सव	24–26 अप्रैल, 2016	बीजिंग, चीन
2.	101वीं एबीयू मध्य–वर्ष प्रशासनिक परिषद बैठक	20–21 मई, 2016	नादी, फीजि
3.	13वीं एशिया मीडिया सम्मेलन– 2016 और पूर्व सम्मेलन कार्यशाला	22–26 मई, 2016	इंचीयन, साउथ को. रिया
4.	ब्रॉडकास्ट एशिया	31 मई– 03 जून, 2016	सिंगापुर
5.	एबीयू रेडियो ड्रामा कार्यशाला	25–29 जुलाई, 2016	कोलंबो, श्रीलंका
6.	एआईबीडी आम सभा और संबंधित बैठकें	25–27 अगस्त, 2016	तेहरान, ईरान
7.	31वें ओलंपिक खेलों की कवरेज	अगस्त, 2016	रियो डे जेनेरियो, ब्राजील
8.	एबीयू–रोबोकॉन–2016 अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता	19–23 अगस्त, 2016	बैंगकॉक, थाईलैंड
9.	एआईबीडी/बीआईआरटीवी/सीआईटीवी तकनीकी/कार्यक्रम विनिमय परियोजना	23–28 अगस्त, 2016	बीजिंग, चीन
10.	अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण सम्मेलन (आइ. ंबीसी)– 2016	08–11 सितंबर, 2016	एम्स्टरडम, नीदरलैंड
11.	यूनीसेफ संकट मूल्यांकन प्रवीणता कार्यक्रम (सीएएसपी)	18–22 सितंबर, 2016	ऑक्सफोर्ड, यूनाईटेड किंगडम
12.	मीडिया के लिए ओटीटी और आ. ईबीबी तकनीकी सेवाओं पर चौथी क्षेत्रीय कार्यशाला	27–30 सितंबर, 2016	कुआलालमपुर, मलेशिया
13.	ईबीयू नए रेडियो दिवस में सहभागिता	13–14 अक्तूबर, 2016	मैडरिड, स्पेन
14.	53वीं एबीयू आम सभा और संबंधित बैठकें	18–26 अक्तूबर, 2016	बाली, इंडोनेशिया

15.	डीवीबी एशिया 2016 सम्मेलन और प्रदर्शनी	29.11.2016 से 01.12. 2016 तक	बैंगकाक, थाईलैंड
16.	एआईबीडी/एबीयू लोकल–टू–ग्लोबल न्यूज कवरेज पर क्षेत्रीय कार्यशाला	5–7 दिसंबर, 2016	कुआलालमपुर, मलेशिया
17.	एएसईएएन मीडिया विनिमय कार्यक्रम	11–19 दिसंबर, 2016	कंबोडिया और इंडोनेशिया
18.	एबीयू द्वारा सहयोग की गई इन–कंट्री न्यूज वर्कशॉप	19–24 दिसंबर, 2016	भूटान
19.	एबीयू डिजीटल प्रसारण संगोष्ठी	6–9 मार्च, 2017	कुआला लामपुर, मलेशिया
20.	मॉरिशियस में एमबीसी स्टाफ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन	15–17 मार्च, 2017	मॉरिशियस

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (एनएबीएम)

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (कार्यक्रम) जिसको अब तक कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) के नाम से जाना जाता था, प्रसार भारती का शीर्ष प्रशिक्षण संस्थान है। यह किंग्सवे कैंप, दिल्ली में स्थित है और आकाशवाणी और दूरदर्शन के विभिन्न केंद्रों/कार्यालयों में कार्यरत कार्यक्रम और प्रशासनिक कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसको 1948 में आकाशवाणी महानिदेशालय के संबद्ध कार्यालय के रुप में स्थापित किया गया था और बाद में 01.01.1990 में इसे आकाशवाणी महानिदेशालय के अधीनस्थ कार्यालय के रुप में वर्तमान स्थान रेडियो कॉलोनी, किंग्सवे कैंप में शिफ्ट कर दिया गया। बाद में, छः क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान नामतः एनएबीएम (पी) भुवनेश्वर और आरएबीएम (पी), अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, शिलांग और तिरुवनंतपुरम विभिन्न क्षेत्रों में अस्तित्व में आया जिसका जनादेश था पूरे देश में आकाशवाणी और दूरदर्शन के कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करना है। राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (कार्यक्रम) जिसको पहले क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान (का.) के नाम से जाना जाता था विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयन के लिए राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (कार्यक्रम), दिल्ली के नियंत्रण और पर्यवेक्षणाधीन है।

उसके अर्थात एनएबीएम दिल्ली और एनएबीएम भुवनेश्वर को प्रसार भारती के आदेश सं. ए–10011/8/2016–पीपीसी, दिनांक 11/07/2016 के तहत प्रसार भारती को स्थानांतरित कर दिया और आदेशों ने दोनों एनएबीएम (पी) और एनएबीएम (टी) की कार्य स्वायत्तता को बनाए रखा गया, यह विशेष रुप से बता कर कि आरएबीएम को निम्नानुसार नियंत्रित किया जाएगा– "दिल्ली में स्थित

तकनीकी और कार्यक्रम एनएबीएम को एनएबीएम भुवनेश्वर और आरएबीएम (तकनीकी) शिलांग और मलाड (मुंबई) और आरएबीएम (कार्यक्रम) शिलांग, लखनऊ, हैदराबाद, अहमदाबाद और तिरुवनंतपु. रम" के पर्यवेक्षण के लिए उत्तरदायी बताया गया।

प्रसार भारती के उक्त आदेश में यह भी वर्णित था कि कार्यालय प्रमुख, एनएबीएम (तकनीकी और कार्यक्रम), दिल्ली अब से अपर महानिदेशक (स्थापना और प्रशासन), प्रसार भारती के माध्यम से सदस्य (कार्मिक) को रिपोर्ट करेंगे।

आपदा प्रबंधन कार्यशाला 17 और 18 जनवरी- 2017

1. प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2015 में प्रसार भारती द्वारा पहली बार बृहत और संयुक्त रुप से प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईटीपी) की शुरुआत हुई जिसका लक्ष्य था दो वर्षों से कम समय में आकाशवाणी और दू. रदर्शन दोनों के कार्यक्रम और अभियांत्रिकी संवर्गों में प्रसार भारती द्वारा भर्ती किए गए कार्मिकों को प्रशिक्षण देना, प्रसार भारती के लिए ऐतिहासिक घटना है। एनएबीएम दिल्ली और भुवनेश्वर में एकसाथ आयोजित आईटीपी पिछले दो वर्षों के दौरान सहायक निदेशक (का.)/कार्यक्रम निष्पादक/ प्रसारण निष्पादक/वैयक्तिक सहायक के संवर्ग में लगभग 561 नए भर्ती कार्यक्रम कार्मिकों के लिए प्रशिक्षित मानव शक्ति के साथ पूर्ण है। आईटीपी के लिए योजना, शेडयूलिंग और अन्य आवश्यक

पहलें एनएबीएम, दिल्ली द्वारा शुरु की गई जिसमें दिल्ली और भुवनेश्वर में स्थित दोनों एनएबीएम के लिए टेलीविजन प्रस्तुति पर पाठ्य सामग्री का विकास, रेडियो हैंडबुक, दो खंडों में प्रशासनिक हैंडबुक, प्रशिक्षण किट की आपूर्ति सहित संस्थागत व्यक्तियों के प्रबंधन में सहायता और लॉजिस्टिक सहायता शामिल है। दोनों अकादमियों में नौ सप्ताह चलने वाले प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम का ढांचा जहां दोनों आईटीपी एक साथ तीन सप्ताह चले जिसकी मुख्य भूमिका एनएबीएम (पी) दिल्ली में सहभागिता इस नौ सप्ताह के कार्यक्रम के निष्पादन में थी। यहां यह कहना आवश्यक होगा कि इससे पहले दूरदर्शन के कार्मिकों का प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम एफटीआईआई पूणे को आउटसोर्स किया जहां अपने प्राध्यापक तैनात किए गए, अतः प्रसार भारती में अधिक मात्रा में पैसा खर्चा किया गया जिसको अब कम कर दिया गया है।

उत्पत्ति

सृजनात्मकता, कल्पना और नवोन्मेष ही स्वाभाविक अग्रदूत है

आज के समकालीन और बदलते हुए मीडिया उद्योग में ऐसे व्यक्तियों की मांग होती है जो स्वाभाविक सृजनात्मकता का विश्लेषण और चुनौती समझ सके और ताजे और नवीन प्रस्तुतिकरण करें। प्रवेश प्रशिक्षण मैट्रिक की योग्यता इसी स्वाभाविक सृजनात्मकता को प्रभावशाली ढंग सें उजागर करता है और उन्हें आधारभूत रेडियो और टेलीविजन प्रस्तुति से परिचित कराता है। यह बहुत से सर्वव्यापी संकल्पनाओं और डिजाइन से प्रेरित है जो एक साथ इसके चयन और संवर्धन, समता और सृजनात्मकता बढ़ाते हैं और बदलते मीडिया युग में इसे बेहतर बताते हैं।

इस दूरदर्शिता के साथ आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रम निष्पादक, प्रसारण निष्पादक, प्रस्तुति सहायक, सहायक निदेशकों और अभियांत्रिकी सहायकों के संवर्ग में दिल्ली और भुवनेश्वर के "राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी" में समेकित मल्टी नोडल प्रशिक्षण प्रक्रिया बताई गई।

नौ सप्ताह मॉडयूल

छह सप्ताह की सैद्धांतिक और तीन सप्ताह की अभ्यासिक प्रशिक्षण श्रव्य और दृश्य दोनों मामलों में विशेष रुप से तैयार की गई ताकि प्रसारण में उपयुक्त व्यावसायिक, व्यावहारिक और सैद्धांतिक शिक्षा मिले। पूरे पाठ्यक्रम में कार्यक्रम प्रस्तुति (कार्यक्रम और तकनीकी) पर विशेष जोर है जो प्रस्तुति और प्रचालन के सभी मामलों को देखता है। पहले तीन दिन विशेष तौर पर सामान्यतः संगठन और मीडिया जगत से परिचित कराते हैं। जिसके उपरांत तीन सप्ताह श्रव्य और दृश्य कार्यक्रम प्रस्तुति पर अभ्यास प्रशिक्षण के होते हैं। पहले तीन दिन और आखिरी के तीन सप्ताह कार्यक्रम कार्मिकों और अभियांत्रिकियों के लिए समान होते हैं। मीडिया व्यवसायिकों के रुप में प्रसार भारती के कार्मिकों को

बेहतर बनाने के लिए जिसमें रेडियो और टेलीविजन प्रस्तुति के सभी पहलुओं की समझ और साथ ही उन्हें उत्तरदायी और स्वतंत्र लोक सेवा प्रसारक बनाने के लिए एक विचित्र दृष्टिकोण अपनाया जाता है।

अंतिम रेडियो प्रस्तुति

10 मिनट
योजना, लेख और रिकार्डिंग
रेडियो कार्यक्रम का संपादन और साउंड मिश्रण।

टेलीविजन कार्यक्रम की प्रस्तुति

इस चरण में सहभागियों को दो भागों "क" और "ख" में बांटा जाता है।
समान ब्रीफिंग के बाद "क" को रेडियो प्रस्तुति और भाग "ख" को क्रमशः टीवी प्रस्तुति में लगाया जाता है। समूह को अगले दिन के लिए बदला जाता है और इस तरह प्रत्येक समूह को बदलकर अगले तीन सप्ताह के लिए रेडिया/ईएनजी और टेलीविजन स्टूडियो प्रस्तुति का अभ्यास कराया जाता है।

विश्लेषण

पूर्ण समीक्षा और समीक्षा इस चरण के महत्वपूर्ण भाग हैं जहां सहभागियों को उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम का विश्लेषण और अंत में फीडबैक प्रस्तुत करने को कहा जाता है।

निष्कर्ष

नौ सप्ताह के बृहत प्रशिक्षण, कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षार्थी मीडिया जगत के संबंधित चुनौतियों के रुबरु होने को सक्षम होते हैं।

2. आकाशवाणी और दूरदर्शन कर्मियों के लिए गृह प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रसार भारती के एनएबीएम और आरएबीएम का लक्ष्य पाठ्यक्रम जो उपयोगी और संबंधित हो उनकी योजना और निष्पादन द्वारा प्रभावकारी कार्यशक्ति की प्रतिस्पर्धा और स्वाभाविक शक्ति को बढ़ाना है। पाठ्यक्रम का लक्ष्य कार्मिकों के सहजगुण को बढ़ावा देना है और साथ ही उनकी सजगता बढ़ाना और बदलते वक्त के साथ मीडिया की चुनौतियों का सामना करना है। यह कार्यशालाएं आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रम और प्रशासनिक स्टाफ के लिए हैं। कार्यक्रम, अभियांत्रिकी और प्रशासनिक कार्मिकों के लिए संयुक्त पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि तकनीकी और कार्यक्रम स्टाफ के

बीच सहयोग और तालमेल बढ़े। वर्ष के दौरान विभिन्न विषयों, कार्यक्रम पाठ्यक्रम जैसे अभिलेख. ागार और डिजीटलीकरण, स्पेशल मीडिया की भूमिका, जनजाति और लोक संस्कृति पर कार्यशाला, रेडियो प्रारुप दल निर्माण और नेतृत्व, पुनर्सज्जा, विकास कार्यक्रम पर प्रोग्रामिंग, मास मीडिया और पर्यावरण जागरुकता, स्वास्थ्य कार्यक्रम, युवा और बाल कार्यक्रम, लैंगिक मुद्दे और लैंगिक संबंध ी कार्यक्रम, वाणी प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, एयरटाइम विपणन, प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रसारण नीति, रेडियो एग्रीविजन, सहभागिता विशेष श्रोता कार्यक्रम, ड्यूटी रुम प्रबंधन, सोशल मीडिया और कार्यक्रम, नीति और कार्य संस्कृति, श्रोताओं को हैंडल करना, प्रसारण पत्रकारिता, स्पोर्टस कवरेज में नए ट्रेंड्स, विपणन नीति और संचार, स्पोर्ट्स और गैर–स्पोर्ट्स गतिविधियों पर कमेंट्री, प्रोमो जिंगल्स और क्रॉस चैनल प्रचार, डिजीटल भुगतान प्रणाली इत्यादि शामिल थे पर समेकित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

दूरदर्शन महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्वच्छ भारत और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर तीन एक दिवसीय जागरुकता अभियान आयोजित किए गए।

प्रशासनिक स्टाफ और साथ ही आकाशवाणी और दूरदर्शन में तैनात कार्यक्रम और अभियांत्रिकी अनुभाग में तैनात स्टाफ के लिए प्रशासनिक पाठ्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें कार्मिक कल्याण उपाय, सूचना अधिकार और रिकार्ड प्रबंधन, अनुशासनिक प्रक्रिया और विभागीय जांच, वित्तीय प्रशासन, सेवाओं में आरक्षण, स्थापना नियम, क्रय प्रबंधन, न्यायालय/कैट मामले और सूचना अधि ाकार मामलें। सेवानिवृत्ति लाभ और गणना, खरीद प्रक्रिया और भण्डार प्रबंधन, एमटीएस का कौशल उन्नयन, कार्यालय प्रबंधन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, सेवानिवृत्ति योजना, प्रशासनिक सतर्कता, प्रसार भारती की प्राप्ति और भुगतान प्रणाली का वेब आधारित हल इत्यादि। यह पाठ्यक्रम सामान्य तौर पर प्रशासनिक स्टाफ को उनके कार्य निर्वहन की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

3. अशक्त व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण

प्रसार भारती ने अशक्त व्यक्तियों की विभिन्न श्रेणियों में विभिन्न पदों पर नियुक्ति का कार्य इस संस्था को सौंपा है, जो पिछले साल सूचना और प्रसारण मंत्रालय और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार समय पर पूर्ण हो गया। यही नहीं पीडब्ल्यूडी लाभार्थियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र चलाए गए उनकी विशेष आवश्यकताओं के अनुसार संसाधन व्यक्तियों की व्यवस्था करके और सामान्य आईटीपी की प्रक्रिया से उनको जोड़कर।

4. विशेष टेलीविजन प्रस्तुति पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया (कार्यक्रम) अकादमी, दिल्ली और भुवनेश्वर ने सात पाठ्यक्रम की योजना बनाई है जिसमें नए प्रवेश करने वाले प्रसारण निष्पादक और कार्यक्रम निष्पादक जिन्होंने अध्यक्ष, प्रसार भारती की इच्छानुसार प्रवेश प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा कर लिया, उनके लिए वर्ष 2017–18 के लिए वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर में टीवी प्रस्तुति पर विशेष स्ट्रीम पर पुनश्चर्या पा. ठ्यक्रम भी शामिल है।

5. पदोन्नति पाने वालों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (कार्यक्रम), दिल्ली हाल ही मे पदोन्नति पाने वाले कार्यक्रम निष्पादकों और सहायक निदेशक कार्यकर्मो को दिल्ली और भुवनेश्वर मे प्रवेश प्रशिक्षण देने की योजना बना रहा है जो कि पिछले कुछ वर्षो से रुक गई थी।

6. प्राप्ति और लेखा पर प्रशिक्षण

एनएबीएम (टी) और प्रसार भारती के बीच समन्वयन से प्रसार भारती की प्राप्ति और भुगतान निगरानी प्रणाली के वेब आधारित हल के संबंध में आकाशवाणी और दूरदर्शन के आहरण और संवितरण अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ पर कार्यशाला - 2016

7. मानव संसाधन सूचना प्रणाली

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (कार्यक्रम), दिल्ली ने संगठनीय ढांचे के साथ अपनी मानव संसाधन संबंधी सूचना को सफलतापूर्वक अपलोड और अद्यतन कर दिया है।

8. नवीनीकरण और कम्प्यूटराइज़ेशन

एनएबीएम दिल्ली और भुवनेश्वर में कम्प्यूटर लैब के साथ नवीनतम सुविधा प्रदान की गई है। सभी आरएबीएम में ऐसी सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

9. नई पेंशन योजना और प्रशिक्षण कार्यक्रम

नई पेंशन योजना के क्रियान्वयन के लिए सीआरए सुविधा प्रदान करते हुए एनएसडीएल के पोर्टल पर सफलतापूर्वक पंजीकरण कर लिया गया है। हमारी प्रशिक्षण अकादमियों में पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ पर कार्यशाला में नई पेंशन योजना का विषय शामिल किया गया है।

10. सीमित विभागीय प्रतिस्पर्धा परीक्षाएं

सूचना और प्रसारण मंत्रालय अधिसूचना सं. 10(43)/92–एस–।। (बीएंडए) दिनांक 14.11.94 द्वारा अधिसूचित भर्ती नियमों की शर्तों पर अवर श्रेणी लिपिक से प्रवर श्रेणी लिपिक और मुख्य लिपिक/लेखाकार/सहायक के ग्रेड में पदोन्नति के लिए सीमित विभागीय प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं का आयोजन एनएबीएम, दिल्ली में 23 जुलाई, 2016 और 24 जुलाई, 2016 को देश के विभिन्न अंचलों में स्थित 7 और 14 परीक्षा केंद्रों में किया गया। अवर श्रेणी लिपिक परीक्षाओं की प्रक्रिया 28 मार्च, 2017 और 31 मार्च, 2017 को परिणाम घोषणा के साथ पूर्ण हुई।

11. डिजिटल भुगतान प्रणाली पर प्रशिक्षण

मुद्रा के विमुद्रीकरण के मद्देनजर स्टाफ को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार के दिशानिर्देशानुसार डिजिटल भुगतान के प्रसार के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित की गई।

12. वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर बैठक: 2017-18

एनएबीएम दिल्ली द्वारा दो दिन 20 फरवरी 2017 और 21 फरवरी 2017 को सभी एनएबीएम और आरएबीएम के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अंजाम देने के लिए वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर बैठक 2017–18 आयोजित की गई जिसमें विचार–विमर्श के उपरांत आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्मिकों के लिए 60 कार्यक्रम पाठ्यक्रम और 40 प्रशासनिक पाठ्यक्रम सहित 107 प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अंतिम रुप दिया गया। इसमे 7 विशेष टीवी पाठ्यक्रम शामिल हैं जिनके आयोजन की योजना एनएबीएम दिल्ली और भुवनेश्वर में है। प्रशिक्षण कैलेंडर भारत सरकार से संबंधित पाठ्यक्रम पर केंद्रित है और आपदा के दौरान प्रबंधन, नई मीडिया प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया और प्रसारण, लैंगिक संवेदनशीलता पर कार्यक्रमों का पुनर्निर्माण विधि जागरुकता कार्यक्रम के नए आयाम, गो ग्रीन, अच्छा प्रशासन, बदलता लाइफस्टाइल, स्वास्थ्य और फिटनेस, विकासशील प्रसारण, सेवाओं में आरक्षण, डिजीटल साक्षरता और लेन–देन, वेब आधारित प्राप्ति और भुगतान लेखा, सूचना अधिकार, रिकार्ड प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, प्रशासनिक सतर्कता इत्यादि जैसे विषयों पर केंद्रित था।

13. डाटा एंट्री ऑपरेटरों के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट

एनएबीएम (पी) दिल्ली ने 27 मार्च, 2017 को प्रसार भारती अभिलेखागार के अनुरोध पर 45 डाटा एंट्री ऑपरेटरों के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट का सकल आयोजन किया।

बाहरी भुगतान पाठ्यक्रम

1. वाणी (आवाज़ उच्चारण और अभिव्यक्ति) सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

आकाशवाणी देश का पहला इलेक्ट्रिकल मीडिया है जहां उद्घोषकों/प्रस्तुतकर्ताओं/कम्पोज़र्स और समाचार वाचकों ने प्रस्तुति की शैली में पहचान दी है। इस अनोखी विशेषता के आधार पर एनएबीएम (कार्यक्रम) दिल्ली ने प्रसारण मीडिया में प्रदर्शनों के लिए विशेष पाठ्यक्रम चलाए। वाणी सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है जो कार्यक्रम प्रस्तुतकर्ताओं, उद्घोषकों और एंकरों के कौशल विकास में सहायक है। पांच दिवसीय वाणी सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम का आयोजन आकाशवाणी केंद्रों द्वारा किया जाता है। इस पाठ्यक्रम के लिए अभ्यर्थियों का चयन प्रत्येक केंद्र पर ऑडिशन के उपरांत किया जाता है और उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। अप्रैल 2016 से मई 2017 के दौरान 43 पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें 923 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जिससे रु. 25,76,050/– (रु. पच्चीस लाख छियत्तर हजार पचास केवल) के कुल राजस्व का अर्जन हुआ ।

वाणी हैंडबुक के हिंदी और अन्य क्षेत्रीय संस्करण निकालने का प्रयास किया जा रहा है जो अब तक केवल अंग्रेजी में उपलब्ध है।

2. मास कम्युनिकेशन (अभ्यास प्रशिक्षण)

कैपिटल/क्षेत्रीय केंद्रों में भुगतान पर मास मीडिया के मान्यता प्राप्त संस्थानों/विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों को इंटर्नशिप (अभ्यास प्रशिक्षण) प्रदान किया जाता है। कुल 2 पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें अप्रैल 2016 से मार्च 2017 के दौरान 37 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जिसमें रु. 96,000/– (रु. छियानवे हजार केवल) का कुल राजस्व अर्जित हुआ।

3. एयर इंडिया के लिए वॉयस कल्चर कार्यशाला/कस्टमाइज़्ड वाणी

एयर इंडिया के केबिन क्रू के लिए एनएबीएम दिल्ली वॉयस कल्चर पाठ्यक्रम का आयोजन करता है जिसके माध्यम से वर्ष में पर्याप्त राजस्व अर्जित किया जाता है। एयर इंडिया हमेशा से इस पाठ्यक्रम का आकलन उत्कृष्ट करता रहा है और आकाशवाणी में शैक्षिक अनुभव को अपनी व्यक्तिगत और व्यवसायिक जिंदगी में एक सुखद याद संजोए है।

हाल ही में एनएबीएम ने वैष्णों देवी ट्रस्ट, जम्मू और कश्मीर की मांग पर कस्टमाइज्ड वाणी कार्यक्रम का प्रारंभ किया, ऐसे प्रस्ताव और आ रहे हैं जो भविष्य में राजस्व की पर्याप्त राशि का सृजन होगा।

4. बहु कैमरा टीवी-स्टूडियो प्रस्तुति पाठ्यक्रम

प्रसार भारती ने एनएबीएम(पी) द्वारा वर्ष 2017–18 के दौरान बहु कैमरा टीवी–स्टूडियो प्रस्तुति पर चार पाठ्यक्रम के आयोजन को अनुमोदन प्रदान किया, प्रत्येक पाठ्यक्रम की रु. 20000/– प्रति विद्यार्थी की निर्धारित पाठ्यक्रम फीस के साथ अधिकतम प्रतिभागियों की संख्या 20 तक सीमित कर दी गई।

विज़न डॉक्यूमेंट

प्रसार भारती द्वारा दृष्टिगत दस्तावेज एसटीआईपी और आरटीआईपी का नाम बदलकर राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया (कार्यक्रम) और क्षेत्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (कार्यक्रम), इन प्रशिक्षण अकादमियों का लक्ष्य और उद्देश्य पुनर्परिभाषित हुए और देश में मीडिया शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान में उत्कर्ष केंद्र के रुप में इन अकादमियों के विकास और पूर्ण रुप से बदलने के लिए प्रसार भारती के अधीन। स्वतः निर्भर और पर्याप्त बनाया गया। यह उद्योग के मानक निर्धारित और मीडिया शिक्षा के लिए एक प्रमाणिक प्राधिकरण बनेगा। यह सब गृह कर्मियों के कौशल का विकास करते हुए राजस्व मॉडल का नवोन्मेष करते हुए मीडिया वोकेशन्स के चिह्नित क्षेत्रों में जरुरतमंदों का कौशल विकास करना है।

उपर्युक्त के आलोक में एनएबीएम (पी), दिल्ली ने दृष्टिगत दस्तावेज तैयार किया जो उद्योग के साथ लोक–निजी साझेदारी के अंतर्गत सहयोग की संभावना को तलाशता है। यह साथ ही उद्योग में गृह कार्मिकों को प्रमाणित कौशल उपलक्ष्य कराने के लिए कौशल विकास उद्यमी मंत्रालय के पास एक लिंक के रुप में परिकल्पना करता है।

दृष्टिगत दस्तावेज में अल्प समय रेडियो और टीवी पाठ्यक्रम शामिल हैं जिसकी रचना राजस्व वृद्धि करना है। दस्तावेज को पहले ही विचार–विमर्श और प्रसार भारती के अनुमोदन के लिए दे दिया गया है। यह पाठ्यक्रम इस संगठन के लिए राजस्व उगाही के नए आयाम खोलेगा।

अर्जित राजस्व (भुगतान वाले पाठ्यक्रम)

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (कार्यक्रम) दिल्ली ने अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक भुगतान वाले पाठ्यक्रम से रु. 26,72,050/– (केवल छब्बीस लाख बहत्तर हजार पच्चास रुपए) का

कुल राजस्व अर्जित किया। आकाशवाणी महानिदेशालय द्वारा आकाशवाणी केन्द्रों से वाणी पाठ्यक्रमों की आवश्यकताओं को खत्म करने से राजस्व क्षीण हो गया।

एनएबीएम (पी) दिल्ली और भुवनेश्वर दोनों ने मिलकर पिछले दो वर्षों में रेडियो और टेलीविजन प्रस्तुति और तकनीक में 26 बैचों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया जिसका प्रबंधन पूर्ण रुप से स्वतः किया। एनएबीएम ने इसके लिए किसी प्रकार का व्यय नहीं किया जिसको पहले भुग. तान के आधार पर एफटीटीआई और अन्य संस्थानों के साथ किया जाता था, जिससे इस प्रक्रिया में बचत हुई है।

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी (तकनीकी)

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी, एनएबीएम (टी) जिसको पहले कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तक.) के नाम से जाना जाता था, प्रसार भारती का एक शीर्ष प्रशिक्षण संस्थान है। अकादमी का मुख्य उद्देश्य आकाशवाणी और दूरदर्शन के प्रसारण व्यवसायियों का विकास और पोषण तथा प्रसारण के प्रतिस्पार्धिक वातावरण के लिए तैयार करना है। पिछले कुछ समय में एनएबीएम एशिया पैसेफिक क्षेत्र में प्रसारकों के लिए रेडियो और टेलीविजन प्रस्तुतिकरण में परिचय–प्रस्तुति और प्रसारण के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक शीर्ष संस्थान के रुप में उभरा है।

अकादमी के पास विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इंफ्रास्टक्चर और बदली तकनीक के साथ कदम मिलाने की क्षमता है। कक्षाएं अव्यपगत श्रव्य और दृश्य सुविधाओं से सुसज्जित हैं। अकादमी के पास अद्यतन प्रस्तुति और पूर्व प्रस्तुति उपस्कर, मैजरमेंट लैब, कम्प्यूटर लैब, नेटवर्किंग लैब, रेडियो और टीवी ट्रांसमीटर वाले रेडियो और टीवी स्टूडियो हैं। 7000 पुस्तकों के संग्रह के साथ इसके पास एक पुस्तकालय भी है। अकादमी के पास 120 कमरों की एक उत्कृष्ट हॉस्टल सुविधा है। अकादमी, एनएबीएम, भुवनेश्वर, आरएबीएम, शिलांग और आरएबीएम मलाड के पर्यवेक्षण का कार्यकलाप भी करती है।

प्रत्येक वर्ष अकादमी हजार से अधिक अभियांत्रिकी कार्मिकों को प्रशिक्षण देती है। इसके अतिरिक्त एशिया पैसिफिक क्षेत्र में विभिन्न देशों के रेडियो और टीवी अभियांत्रिकी कार्मिकों के लिए एशिया पेसिफिक ब्राडकास्टिंग यूनियन के साथ सहयोग से प्रशिक्षण/कार्यशालाओं का आयोजन भी करती है। मुख्य गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार है :

1. राष्ट्रीय गतिविधियां

क. आकाशवाणी और दूरदर्शन के अभियांत्रिकी स्टाफ के लिए प्रशिक्षण गतिविधियां

1. टीवी पाठ्यक्रम:

- टीवी स्टूडियो और समाचार कक्ष स्वचलन
- टीवी प्रस्तुति और पश्च प्रस्तुति (एसडीटीवी और एचडीटीवी)
- टीवी प्रेषित्र (एनालाग और डिजीटल)
- उपग्रह–भू–केंद्र, डायरेक्ट–टू–होम और डीएसएनजी

2. रेडियो पाठ्यक्रम:

- रेडियो स्टूडियो और समाचार कक्ष स्वचलन प्रणाली
- रेडियो प्रस्तुति और पश्च प्रस्तुति
- रेडियो प्रेषित्र
- डिजीटल रेडियो प्रेषित्र और प्रौद्योगिकी
- कैप्टिव भू–केंद्र और डीएसएनजी

3. कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी:

- कम्प्यूटर नेटवर्किंग और सर्वर प्रशासन
- कम्प्यूटर हार्डवेयर और रख–रखाव
- नई मीडिया प्रौद्योगिकी

4. प्रबंधन और प्रशासनिक कौशल विकास पाठ्यक्रम

5. डीज़ल जनरेटर – डीज़ल जनरेटर का प्रचालन और रख–रखाव।

6. विशेष पाठ्यक्रम

- आकाशवाणी/दूरदर्शन के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम।
- नए भर्ती किए गए कार्यक्रम निष्पादक/प्रसारण निष्पादक/अभियांत्रिकी सहायक के लिए प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- नए भर्ती किए गए तकनीशियनों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
- एनएबीएम, दिल्ली, एनएबीएम भुवनेश्वर, आरएबीएम शिलांग और आकाशवाणी पुणे में वेब आधारित प्राप्ति और भुगतान निगरानी प्रणाली पर कार्यशाला।

- सूचना, सुरक्षा और शैक्षिक जागरुकता पर कार्यशाला (2 दिवस)।
- तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला (2 दिवस)।
- सूचना और साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला (3 दिवस)

7. पूर्व-परीक्षा कार्यक्रम

2016-17 के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का सारांश

क्रम सं.	प्रशिक्षण संस्थान का नाम	आयोजित पाठ्यक्रम	बाह्य प्रशिक्षुओं सहित प्रशिक्षित व्यक्ति
1	राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी, दिल्ली	65	1766
2	राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी, भुवनेश्वर	21	580
3	क्षेत्रीय प्रसारण और मल्टीमीडिया अकादमी, शिलांग	06	121

ख. राजस्व अर्जन करने वाले पाठ्यक्रम:

अकादमी पोलीटेक्नीक और स्नातक कॉलेजों के लेक्चरर/सहायक प्रोफेसर/कार्यालयाध्यक्षों के लिए संकाय निकाय पाठ्यक्रम आयोजित करती है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य अद्यतन प्रसारण प्रौद्योगिकी और औद्योगिक अनुभव उपलब्ध कराना है। अकादमी ने निम्नलिखित ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए:

क) 36 अभ्यर्थियों के लिए आकाशवाणी पुणे में 25 से 29 जुलाई, 2016 तक महाराष्ट्र राज्य पोलीटेक्नीक के संकाय के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम।

ख) 44 अभ्यर्थियों के लिए आकाशवाणी पुणे में 26 से 30 सितंबर, 2016 तक महाराष्ट्र राज्य पोलीटेक्नीक के संकाय के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम।

ग) 30 अभ्यर्थियों के लिए आकाशवाणी पुणे में 13 से 17 फरवरी, 2017 तक महाराष्ट्र राज्य पोलीटेक्नीक के संकाय के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम।

घ) अभियांत्रिकी प्रशिक्षुओं के लिए ग्रीष्म प्रशिक्षण: 19 अभ्यर्थियों के लिए 10 जून, 2016 से 18 जुलाई, 2016 तक "अभियांत्रिकी प्रशिक्षुओं के लिए ग्रीष्म प्रशिक्षण" पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

2. अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियां

प्रत्येक वर्ष अकादमी एआईबीडी के सहयोग से देश में उप–क्षेत्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित कराती है। देश में प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए प्रतिभागियों को आकाशवाणी और दूरदर्शन से आमंत्रित किया जाता है और संसाधन व्यक्ति/प्रशिक्षण एआईबीडी द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं। उप–क्षेत्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए प्रतिभागियों को आकाशवाणी और दूरदर्शन के साथ–साथ एशिया–पेसिफिक क्षेत्रों के देशों से आमंत्रित किया जाता है और संसाधन व्यक्ति/प्रशिक्षक एआईबीडी द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं।

अकादमी ने एनएबीएम, दिल्ली में 21 अभ्यर्थियों के लिए 19 से 23 सितंबर, 2016 तक उपग्रह प्रसारण में उभरते चलन पर देश में एआईबीडी कार्यशाला आयोजित की।

प्रसार भारती सचिवालय में हिंदी का प्रयोग

प्रसार भारती सचिवालय का हिंदी अनुभाग नियमित तौर पर निम्नलिखित गतिविधियों में कार्यरत है

- प्रसार भारती की वार्षिक रिपोर्टों, लेखा परीक्षा रिपोर्टों एवं लेखा रिपोर्टों का हिंदी अनुवाद।
- संसद में प्रस्तुत संसद प्रश्नों के उत्तरों का हिंदी अनुवाद।
- प्रसार भारती और विभिन्न देशों के मध्य प्रसारण संबंधी समझौता ज्ञापन का हिंदी अनुवाद।
- सूचना के अधिकार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के उत्तरों का हिंदी अनुवाद।
- हिंदी तिमाही, अर्ध वार्षिक और वार्षिक प्रगति रिपोर्ट तैयार करना।
- सभी बैठकों के कार्यवृत्त और कार्यसूची हिंदी में तैयार करना।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकों का आयोजन और कार्यवृत्त जारी करना और क्रियान्वयन करना।
- संसदीय राजभाषा समिति को दिए गए आश्वासनों की पूर्ति में की गई कार्रवाई का अनुपालन।
- राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत सभी पत्राचारों का हिंदी अनुवाद।
- हिंदी कार्यशाला और डेस्क कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी प्रशिक्षण, हिंदी टंकण/आशुलिपि प्रशिक्षण की व्यवस्था।
- हिंदी को बढ़ावा देने के लिए हिंदी दिवस/पखवाड़े और हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।
- प्रसार भारती सचिवालय के सभी कम्प्यूटरों पर हिंदी में कार्य करने के लिए यूनीकोड के प्रयोग को सुनिश्चित करना।
- कभी भी सौंपी गई अन्य रिपोर्टों का अनुवाद।
- आवश्यकता पड़ने पर प्रसार भारती सचिवालय में हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए अन्य गतिविधियों का आयोजन।

प्रसार भारती

आकाशवाणी

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

तथ्यों पर एक नजर

कुल प्रसारण केंद्र 420

- क्षेत्रीय केंद्र 128
- स्थानीय रेडियो केंद्र 86
- रिले केंद्र 201
- सामुदायिक रेडियो केंद्र 05

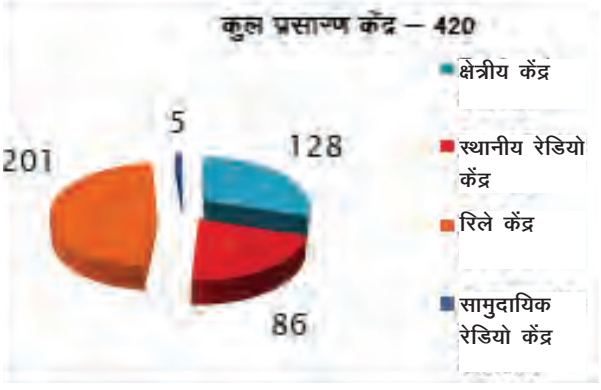

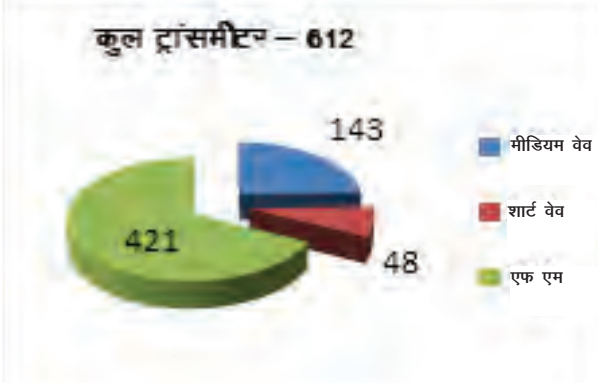

ट्रांसमीटर

- मीडियम वेव 143
- शार्ट वेव 48
- एफ एम 421

कुल (मी.वे.+शार्ट वेव+एफ.एम.) 612

डीटीएच प्लेटफार्म पर सैटलाईट डिजिटल रेडियो

डीडी डायरेक्ट प्लस - भारत की एकमात्र नि:शुल्क डी.टी.एच.सेवा

- मौजूदा आकाशवाणी चैनल 32
- क्षेत्रीय समाचार एकांश 46

अध्याय -3

प्रसार भारती

आकाशवाणी के चैनल और कार्यक्रम

पिछले आठ दशकों में आकाशवाणी के उल्लेखनीय विकास ने इसे विश्व भर में सबसे बडे मीडिया संगठनों में से एक बना दिया है। अब इसके पास 420 केंद्र और 612 ट्रांसमीटर हैं। भारत जो कि एक बहुल समाज है, इसकी सूचना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नेटवर्क का नई तकनीकी एवं नई कार्यक्रम निर्माण की तकनीक को अपनाकर विस्तार किया गया है। आकाशवाणी की सेवाओं का डिजिटलीकरण किया जा रहा है।

उद्देश्य

आकाशवाणी जनसमुदाय को सूचना, शिक्षा और मनोरंजन, कल्याण और खुशहाली (बहुजन हिताय बहुजन सुखाय) को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रयत्नशील है :

क) देश की एकता को बनाए रखना और संविधान में प्रतिष्ठित लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखना।

ख) राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, स्थानीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अभिरुचियों की सूचना की निष्पक्ष एवं संतुलित प्रस्तुति जिसमें अपने मत अथवा विचारधारा को प्रस्तुत किए बिना असमान दृष्टिकोणों को प्रस्तुत करना भी सम्मिलित है।

ग) संपूर्ण देश की अभिरुचियों एवं दिलचस्पियों को बढाना, देश में सौहार्द एवं समझदारी की आवश्यकता को ध्यान में रखना और यह सुनिश्चित करना कि कार्यक्रमों में वे सारे विभिन्न तत्व हों, जो भारत की संयुक्त संस्कृति को दर्शाते हैं।

घ) समस्त वर्गों के व्यक्तियों को जागरूक, सूचित, शिक्षित करना, और उन्हें मनोरंजन एवं समृद्धि प्रदान करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को बनाना और प्रसारित करना।

ड.) विकासशील गतिविधियों में कार्यक्रमों को उसके सभी पक्षों के साथ बनाना और प्रसारित करना जिसमें कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और विज्ञान एवं तकनीकी में विस्तार का कार्य सम्मिलित है।

च) युवाओं, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों, जनजातीय जनसंख्या और सीमावर्ती, पिछड़े एवं दूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों की विशेष आवश्यकताओं और रूचियों को ध्यान में रखकर ग्रामीण, अशिक्षित और लाभवंचित जनसंख्या को सेवाएं उपलब्ध कराना।

छ) सामाजिक न्याय और शोषण के विरूद्ध लड़ाई को बढ़ावा देना और असमानता, छूआछूत एवं सीमित संकीर्ण निष्ठाओं जैसी बुराइयों से लड़ना।

ज) ग्रामीण जनसंख्या, अल्पसंख्यक समुदायों, महिलाओं, बच्चों, अशिक्षितों के साथ–साथ समाज के अन्य कमजोर एवं असुरक्षित वर्गों को सेवाएं उपलब्ध कराना।

झ) राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना।

त्रिस्तरीय प्रसारण

अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कई वर्षों से आकाशवाणी ने राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय प्रसारण की त्रिस्तरीय प्रणाली विकसित की है। यह इस देश में महाद्वीपीय सीमा और सामुदायिक समाज के श्रोताओं की सूचना, शिक्षा एवं मनोरंजन की आवश्यकताओं को पूरा करता है। आकाशवाणी देश की लगभग पूरी जनसंख्या – 2011 जनगणना के अनुसार 121.0 करोड को समाचार, संगीत, उच्चरित शब्द और अन्य कार्यक्रम उपलब्ध करवाता है। आकाशवाणी की व्यापक पहुंच खासकर ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में पहुंचने के कारण इसको प्राथमिकता प्रदान करती है और कभी–कभी केवल आकाशवाणी ही सूचना एवं मनोरंजन का एकमात्र साधन होता है।

राष्ट्रीय चैनल राष्ट्रीय कार्यक्रमों का प्रसारण करता है, जिसे देश के अधिकांश भाग में मीडियम वेव पर सुना जा सकता है जो कि प्रथम स्तर के प्रसारण की आवश्यकताओं को पूरा करता है। हाल ही में इसका प्रसारण शार्ट वेव पर भी प्रारंभ हो गया है। क्षेत्रीय और उप–क्षेत्रीय केंद्रों के प्रसारण का एक दूसरा स्तर है जिसमें क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों का प्रसारण और क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहलुओं को बढ़ावा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त मेट्रो शहरों में एफ एम चैनल जनसमूह मुख्यतः युवाओं की आधुनिक आवश्यकताओं को पूरा करता है। 40 स्थानों पर विविध भारती को भी एफ एम प्रसारण में परिवर्तित कर दिया गया है। देश के विभिन्न भागों में छोटे शहरों के श्रोताओं की आवश्यकताओं एवं रूचियों को पूरा करने के लिए एफ एम मोड पर स्थापित 86 केंद्र, स्थानीय रेडियो केन्द्र हैं। हाल में पिछले कुछ वर्षों में देश में उपलब्ध विभिन्न इलैक्ट्रानिक मीडिया में सामुदायिक रेडियो अत्यंत लोकप्रिय हो गया है और इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आकाशवाणी ने स्थानीय जनजातीय जनसंख्या को सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में 5 स्थानों पर सामुदायिक रेडियो केन्द्रों की स्थापना भी की है।

राष्ट्रीय चैनल

राष्ट्रीय चैनल आकाशवाणी प्रसारण की त्रिस्तरीय प्रणाली प्रदान करता है तथा इसकी शुरूवात 18 मई, 1988 को की गई थी। आकाशवाणी का राष्ट्रीय चैनल रात्रि सेवा के रूप में सायं 6:50 बजे से अगली सुबह प्रातः 6:10 बजे तक चलता है।

भारत का संपूर्ण भूभाग इसके जोन में होने के कारण चैनल के कार्यक्रम संघटन को इस तरह तैयार किया गया है कि वे संपूर्ण राष्ट्र के विविध सांस्कृतिक संघटन तथा राष्ट्र के लोकाचार का प्रतिनिधित्व करें।

क्षेत्रीय चैनल

आकाशवाणी के क्षेत्रीय चैनल अधिकतर राज्यों की राजधानियों और प्रदेशों के प्रमुख भाषायी सांस्कृतिक क्षेत्रों में स्थित हैं। देश में कुल मिलाकर 128 चैनल 29 राज्यों और 6 संघ शासित प्रदेशों में फैले हैं। आकाशवाणी का लोक सेवा प्रसारण अंग, क्षेत्रीय चैनल अपने श्रोताओं के जीवन को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से सूचना और मनोरंजन के कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। क्षेत्रीय चैनलों का प्रसारण मुख्यतः मीडियम वेव फ्रीक्वेंसी पर होता है और इसमें संयुक्त कार्यक्रमों का सम्मिश्रण होता है। ये भारतीय शास्त्रीय संगीत पर मुख्य बल देते हुए कला और संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। प्राथमिक चैनलों पर कुल प्रसारण में से 40 प्रतिशत प्रसारण संगीत का होता है जिसमें शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, लोक संगीत, फिल्म और अन्य विभिन्न भाषाओं का संगीत सम्मिलित होता है। प्रसारण समय का 20 से 30 प्रतिशत समाचार और समसामयिक विषयों के कार्यक्रमों का होता है। रेडियो नाटक और ड्रामा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम, महिलाओं व बच्चों के लिए कार्यक्रम, कृषि एवं गृह कार्यक्रम प्राथमिक चैनलों के अन्य महत्वपूर्ण खंड हैं जिनका उद्देश्य ग्रामीण जनसमूहों का सशक्तीकरण है। आकाशवाणी के समस्त चैनलों में से इन चैनलों की पहुंच सबसे ज्यादा है और ये सबसे ज्यादा समझी जाने वाली भाषा में अपने श्रोताओं तक पहुंचने का प्रयास करते हैं।

स्थानीय रेडियो केंद्र (एल आर एस)

इस समय 86 स्थानीय रेडियो केन्द्र हैं जो पूरे देश में फैले हैं। स्थानीय क्षेत्र की जनसंख्या के लिए सेवा उपलब्ध करवाते हुए ये केंद्र उपयोगी सेवाएं उपलब्ध करवाते हैं, और समाज के दिल तक सीधे पहुंचते हैं, जो माइक्रोफोन के उपयोग से समाज के जीवन को प्रतिबिंबित करता है और इसे समृद्ध बनाता है। जमीन से जुड़ा, घनिष्ठ एवं अबाधक दृष्टिकोण स्थानीय रेडियो को क्षेत्रीय नेटवर्क से अलग करता है। स्थानीय रेडियो के कार्यक्रम क्षेत्र विशिष्ट होते हैं। ये कार्यक्रम लचीले एवं सहज होते हैं जिससे केंद्र स्थानीय समुदाय के प्रवक्ता के रूप में कार्य कर पाता है।

वर्तमान परिदृश्य में, अकाशवाणी के अधिकांश एलआरएस एफएम पर हैं, उनमें से अधिकांश द्वारा स्थानीय सामग्री के अलावा विविध भारती कार्यक्रमों को रिले किया जाता है। वर्तमान में अधिकांश स्थानीय रेडियो केन्द्र 17 घंटे की अवधि के लिए प्रसारण कर रहे हैं, जिसमें से 7 घंटे विविध भारती रिले के लिए हैं। सामग्री में लगभग 60 प्रतिशत स्थानीय तथा 40 प्रतिशत रिले है (क्षेत्रीय स्टेशनों के समाचार और अन्य रिले कार्यक्रमों सहित)। इस प्रकार, वे उस उद्देश्य को पूरा कर रहे हैं जिसके लिए वे बनाए गए थे।

सामुदायिक रेडियो केंद्र

पूर्वोत्तर भारत में स्थानीय जनजातीय जनसंख्या के लिए 5 स्थानों पर सामुदायिक रेडियो केंद्र स्थापित किए गए थेः–

1. मोन	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1584 किलोहर्ट्ज़
2. तेंगसेंग	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्ट्ज़
3. नांगस्टाइन	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1485 किलोहर्ट्ज़
4. विलियमनगर	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्ट्ज़
5. सेहा	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्ट्ज़

एफ एम रेनबो

आकाशवाणी के एफ एम रेनबो चैनल का प्रारंभ उस समय हुआ था जब मुख्यतः बडे शहरों में रेडियो का सुनना घट रहा था। समाज के उच्च वर्ग के व्यक्तियों की सोच थी कि रेडियो कार्यक्रम सुनना फैशन के बाहर है क्योंकि उनके अनुसार यह कार्यक्रम मध्यम वर्ग के रेडियो श्रोताओं की आवश्यकताओं को पूरा करता है। साउंड रिकार्डिंग के क्षेत्र में किए गए तकनीकी सुधारों ने युवा संगीत प्रेमियों को अन्य संगीत वाद्य प्रणालियों के विकल्प अपनाने के लिए लालायित किया क्योंकि ए.एम. मोड में गानों की रिसेप्शन क्वालिटी स्टीरियोफोनिक सिनेमाघरों अथवा डिजिटल इलैक्ट्रानिक उपकरणों की तुलना में उतनी सजीव नहीं थी। एफ एम रेडियो ने श्रोताओं को बाधा रहित उच्चकोटि का संगीत प्रसारण सुनिश्चित कर इस फर्क को प्रभावशाली रूप से भरा है। श्रोताओं की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार एफ एम चैनल पर कम्पीयर की प्रस्तुति शैली में बदलाव किया गया है। कम्पीयर की संवाद शैली ने युवाओं की नब्ज़ को पकड़ा और उन्हें रेडियो के करीब आने के लिए आकर्षित किया। एफ एम प्रसारण रेडियो श्रोताओं को 24 घंटे नई शैली से मनोरंजन प्रदान करता है। शीघ्र ही एफ एम ने आधुनिक रेडियो की प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली क्योंकि वह उनकी अपनी शैली में बोल रहा था और उन्हें रेडियो सुनने का आनंद प्रदान कर रहा था। रेडियो श्रोताओं के प्रतिशत में बढ़ोत्तरी से रेडियो को अपना पुराना गौरव एक बार फिर प्राप्त हो गया।

वर्तमान समय में आकाशवाणी के पास 421 एफ एम ट्रांसमीटर है जिससे वह देश में 34 प्रतिशत क्षेत्र और 47 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करता है। इसमें से एफ एम रेनबो चैनल 23 स्थानों नामतः दिल्ली, मुंबई, चेन्नै, कोलकाता, बंगलुरू, लखनऊ, पणजी, जालंधर, कानपुर, कोच्ची, पुद्दुचेरी, शिलांग, कसौली, कटक, कोडईकनाल, तिरूचिरापल्ली, कोयम्बटूर, हैदराबाद, विशाखापट्टनम, रायबरेली, जम्मू, श्रीनगर एवं विजयवाडा में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त दिल्ली रेनबो, मसूरी, अलीगढ़ से पूर्ण रूप से और धर्मशाला और भटिंडा से आंशिक रूप से रिले किया जाता है। एफ एम चैनल में पॉप संगीत, फिल्म संगीत और शास्त्रीय व भक्ति संगीत, मुख्य समाचार आदि सम्मिलित हैं। मीडियम वेव और शार्ट वेव की तुलना में एफ.एम. चैनल के लाभ निम्नलिखित हैं:–

* उच्च गुणवत्ता वाली ध्वनि

* स्टीरियो प्रसारण
* इंटरफेस व शोर से ज्यादा मुक्ति
* दिन और रात में एक समान कवरेज
* उपयोगी सेवा प्रदान करने की क्षमता

एफ एम गोल्ड

एफ एम गोल्ड चैनल 1 सितंबर 2001 से दिल्ली में उचित सूचना व मनोरंजन चैनल के रूप में प्रारंभ हुआ था जिसमें 30 प्रतिशत समाचार एवं समसामयिक विषयों के कार्यक्रम और 70 प्रतिशत मनोरंजन कार्यक्रम थे। वर्तमान में एफ एम गोल्ड चैनल 24 घंटे उपलब्ध है। वर्तमान में एफ एम चैनल पांच जगहों अर्थात 4 महानगरों अर्थात (दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नै)तथा लुधियाना में उपलब्ध है। यह अतिरिक्त चैनल अपने श्रोताओं को क्षेत्र में चल रहे समानांतर आकाशवाणी चैनल और निजी एफ एम चैनलों के बीच चुनने का विकल्प प्रदान करता है। यह चैनल मनोरंजन के साथ सूचना उपलब्ध करवाने का प्रयास करता है और ट्रैफिक, एयरलाइनों, रेल, मौसम रिपोर्ट आदि की अद्यतन सूचना उपलब्ध करवाता है।

डी टी एच सेवा

डी टी एच रेडियो चैनल एक उपग्रह सेवा है जो उन श्रोताओं के लिए है जिनके पास टी वी सेट हैं। डी टी एच सेवा प्रसार भारती के डी टी एच प्लेटफार्म के द्वारा उपलब्ध है जिसकी अपलिंकिंग सुविधाएं टोडापुर, दिल्ली में है। यह स्थलीय प्रसारण सेवा नहीं है और डी टी एच के कार्यक्रमों को साधारण रेडियो पर नहीं सुना जा सकता। डी टी एच पूरे देश के साथ–साथ पड़ोसी देशों को भी कवर करेगा। डी टी एच 24 घंटे चलने वाली डिजिटल प्रसारण सेवा है। कार्यक्रमों की योजना इस प्रकार बनाई गई है कि पुनः प्रसारण कम से कम हो।

डी टी एच सेवा विभिन्न भाषाओं के चैनलों को देश के हर कोने में उपलब्ध करवाती है। डी टी एच प्रसारण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू डिजिटल क्वालिटी है।

निम्नलिखित 32 चैनल डी टी एच पर उपलब्ध हैं:

1. हिंदी : मूलरूप से आकाशवाणी दिल्ली केन्द्र इसका उदगम केन्द्र है। दिल्ली के साथ लिंकेज सुविधा सहित अन्य हिंदी केंद्रों अर्थात, आकाशवाणी लखनऊ, आकाशवाणी जयपुर, आकाशवाणी भोपाल, आकाशवाणी शिमला और आकाशवाणी पटना से कार्यक्रम हिंदी डी टी एच चैनल में शामिल हैं।

2. गुजराती : आकाशवाणी, अहमदाबाद केंद्र इसका उदगम केन्द्र है। गुजरात डी टी एच चैनल में वडोदरा, राजकोट, भुज और सूरत से गुजराती कार्यक्रमों को समायोजित किया जाता है।
3. मराठी : आकाशवाणी, मुंबई इसका उदगम केंद्र है। एफ एम रेनबो और एफ एम गोल्ड के अतिरिक्त नागपुर व पुणे के मराठी कार्यक्रम डी टी एच चैनल का हिस्सा हैं।
4. बंगाली : आकाशवाणी, कोलकाता इसका उदगम केंद्र है। कोलकाता 'ए', एफ एम कोलकाता और सिलिगुडी के कार्यक्रम बांग्ला डी टी एच चैनल का हिस्सा हैं।
5. तेलुगु : आकाशवाणी हैदराबाद इसका अपलिंक केंद्र है। हैदराबाद के मुख्य केंद्र के कार्यक्रमों के अतिरिक्त सी बी एस हैदराबाद, विजयवाडा, कड़प्पा, विशाखापट्टनम भी कार्यक्रम उपलब्ध करवाते हैं।
6. तमिल : आकाशवाणी, चेन्नै इसका अपलिंक केंद्र है। तमिल डी टी एच चैनल में चेन्नै, एफ एम त्रिची, पुद्दुचेरी, मदुरै, विज्ञापन प्रसारण सेवा चेन्नै, एफ एम रेनबो चेन्नै से कार्यक्रम इसमें सम्मिलित हैं।
7. कन्नड : आकाशवाणी बंगलौर इसका एंकर केन्द्र है। कन्नड डी टी एच चैनल में विज्ञापन प्रसारण सेवा बंगलौर, एफ एम रेनबो, धारवाड़, मैसूर, मंगलोर से कार्यक्रम सम्मिलित हैं।
8. पंजाबी : आकाशवाणी जालंधर मुख्य रूप से पंजाबी डी टी एच चैनल के लिए कार्यक्रम प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त जालंधर 'बी', एफ एम जालंधर और चंडीगढ के कार्यक्रम भी इस चैनल से प्रसारित किए जाते हैं।
9. पूर्वोत्तर सेवा : आकाशवाणी शिलांग और पूर्वोत्तर क्षेत्र में अन्य राजधानी केन्द्र
10. विविध भारती सेवा : मुंबई
11. एफ एम रेनबो : दिल्ली
12. एफ एम गोल्ड : दिल्ली
13. उर्दू : विदेश प्रसारण सेवा
14. मलयालम : आकाशवाणी तिरूवनंतपुरम
15. उडिया : आकाशवाणी कटक
16. असमिया : आकाशवाणी गुवाहाटी
17. एफ एम रेनबो : आकाशवाणी चेन्नै
18. एफ एम गोल्ड : आकाशवाणी मुंबई
19. एफ एम रेनबो : आकाशवाणी बंगलौर
20. एफ एम रेनबो : आकाशवाणी मुंबई
21. एफ एम रागम/अमरूथावारशिनी : आकाशवाणी बंगलौर/तिरूचिरापल्ली
22. एफ एम (गोल्ड) : आकाशवाणी कोलकाता

23. राष्ट्रीय चैनल : आकाशवाणी दिल्ली
24. प्राथमिक चैनल : आकाशवाणी विजयवाड़ा
25. प्राथमिक चैनल : आकाशवाणी लखनऊ
26. प्राथमिक चैनल : आकाशवाणी पटना
27. प्राथमिक चैनल : आकाशवाणी भोपाल
28. प्राथमिक चैनल : आकाशवाणी जयपुर
29. एफ एम रेनबो : आकाशवाणी मुंबई
30. एफ एम गोल्ड : आकाशवाणी चेन्नई
31. एफ एम रेनबो : आकाशवाणी कोलकाता
32. प्राथमिक चैनल : आकाशवाणी इंफाल

विविध भारती

लोकप्रिय विविध भारती सेवा, 41 विज्ञापन प्रसारण सेवा–विविध भारती केन्द्रों से एक दिन में 15 घंटे मनोरंजन उपलब्ध कराती है। इसके अलावा, विविध भारती सेवा को पूरे देश में स्थित 65 स्थानीय रेडियो केन्द्रों और 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटरों के माध्यम से भी रिले किया जाता है।

कार्यक्रम मुंबई में तैयार किए जाते हैं और अन्य आकाशवाणी विविध भारती केंद्रों द्वारा रिले किए जाते है। क्षेत्रीय केंद्र अपनी संबंधित भाषाओं में कुछ कार्यक्रम अपने निर्धारित समय हेतु तैयार करते है:–

ट्रांसमीटर	समय (प्रत्येक दिन)
I	प्रातः 05.55 बजे से प्रातः 10.05 बजे
II	दोपहर 12.00 बजे से सायं 05.30 बजे
III	सायं 06.15 बजे से रात्रि 11.00 बजे

विविध भारती दिल्ली अब प्रातः 5:55 बजे से सायं 11:10 बजे तक सहज प्रसारण करता है।

सीधा प्रसारण

एफएम रेनबो, एफएम गोल्ड, उर्दू सेवा, विविध भारती और रागम चैनल के सीधे प्रसारण के अलावा आकाशवाणी के निम्नलिखित आठ अतिरिक्त लोकप्रिय चैनलों को शामिल किया जा रहा है:

i. गुजराती
ii. मलयालम
iii. पंजाबी

iv. मराठी
v. बांग्ला
vi. तमिल
vii. तेलुगु
viii. कन्नड़

विदेश प्रसारण सेवा

विश्व के विदेश रेडियो नेटवर्कों में आकाशवाणी के विदेश प्रसारण सेवा प्रभाग को उच्च रैंक प्राप्त है और इसकी पहुंच 27 भाषाओं में लगभग 100 देशों तक है। आकाशवाणी का उद्देश्य विदेश प्रसारणों के माध्यम से विदेशों में बसे भारतीयों को भारतीय लोकाचार से जोड़े रखना है। विदेशी श्रोताओं तक पहुंचने वाली आकाशवाणी की भाषाएं हैं अंग्रेजी, फ्रैंच, रूसी, स्वाहिली, अरबी, फारसी, पश्तो, दरी, बलूची, सिंहली, नेपाली, तिब्बती, चीनी, थाई, बरमी तथा भाषा इंडोनेशिया। हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम तथा गुजराती की सेवाएं विदेश में बसे भारतीयों के लिए हैं जबकि उर्दू, पंजाबी, सिंधी, सराइकी, कन्नड़ तथा बंगाली भाषाओं की सेवाएं भारतीय उप महाद्वीप के श्रोताओं के लिए हैं।

11 दिसंबर, 2016 को आकाशवाणी कलबुर्गी स्वर्ण जयंती समारोह का उद्घाटन करते हुए माननीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री, श्री एम. वेंकैया नायडु

वर्ष के दौरान नई पहलें

क. आकाशवाणी द्वारा लोक विरासत जिसमें सभी आठ धर्म, सैकड़ों पंथ, संप्रदाय, देश में प्रचलित मत–संप्रदायों के साथ छह हजार से अधिक जातियां/उपजातियां/जनजातियां/वंश तथा अन्य समुदाय शामिल हैं को संरक्षित करने हेतु संस्कार गीत के महा परियोजना, पहला राष्ट्रीय आंदोलन शुरू किया गया है। इसमें पूरे देश की 1652 भारतीय भाषाएं तथा बोलियां/उप बोलियां शामिल हैं। इन के अलावा, फिजी, गुयाना, सुरिनाम, मॉरीशस, घाना, दक्षिण अफ्रीका, त्रिनिदाद–टोबैगो आदि के गिरमिटिया मजदूरों की लोक विरासत को भी इस महा परियोजना में शामिल किया गया है।

ख. सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग –8 (दिल्ली से जयपुर) पर शुरू की गई राजमार्ग सलाहकार प्रणाली का कार्यान्वयन। इस योजना के अंतर्गत, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ समझौते अनुसार आकाशवाणी दिल्ली, जयपुर और अलवर के जरिए लाइव अपडेट के साथ एचएएस–बुलेटिन प्रसारित किए जा रहे हैं।

ग. भारत के साथ–साथ बांग्लादेश और म्यांमार के कुछ हिस्सों के श्रोताओं को ध्यान में रखते हुए आकाशवाणी की मैत्री सेवा का उदघाट्न 1000 किलोवाट (एसपीटी) डीआरएम ट्रांसमीटर के साथ पश्चिम बंगाल में चिनसुरा में 28 जून, 2016 को भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा किया गया।

घ. आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा मई, 2016 में विज्ञान प्रसार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ सहयोग से आपदा प्रबंधन के एक 26 एपिसोड का विज्ञान धारावाहिक, ''कहीं देर ना हो जाए'' (हिंदी संस्करण) और ''लैस्ट वी लूज'' (अंग्रेजी) 19 भाषाओं में शुरू किया गया।

ड. विज्ञान प्रसार के सहयोग से 2017–18 में ''सस्टेनबल डेवलपमेंट'' विषय पर एक 52 एपिसोड का विज्ञान धारावाहिक शुरू किया जाएगा। नवंबर, 2016 में बेंगलुरू में इस धारावाहिक के लिए तैयारी कार्यशाला आयोजित की गई।

च. एनएसडी ने विभिन्न बोलियों में समाचार बुलेटिन शुरू करने की लोकप्रिय मांग को भी ध्यान में रखा है।

छ. नवंबर 2016 में, आरएनयू जम्मू से अतिरिक्त गोजरी बुलेटिन शुरू किया गया।

ज. बांग्लादेश और भारत में स्थित बांग्ला श्रोताओं के लिए, बांग्ला में समाचार और समाचार आधारित कार्यक्रमों की शुरूवात हाल ही में आकाशवाणी मैत्री चैनल पर आरंभ की गई।

झ. विशेष रूप से भारतीय उप–महाद्वीप, हमारे पड़ोस, अफ–पाक क्षेत्र और उन क्षेत्रों जिन्हें विदेशी संबंधों और रणनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जाता है को लक्षित करते हुए, विदेश प्रसारण सेवाओं को सुधारना और सुदृढ़ करना शुरू किया गया।

ञ. पाकिस्तान में बलूची नागरिकों की स्थिति संबंधी सरोकार को साझा करते हुए स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले के प्राचीर से माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को ध्यान में रखते

हुए बलूची सेवा का एक मल्टीमीडिया वेबपेज और मोबाइल ऐप सेवा शुरू की गई।

ट. ईएसडी के सभी 27 सेवाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रसारकों के समान लाइव इंटरनेट रेडियो, मोबाइल ऐप और रेडियो पर डिमांड घटकों के साथ एक मल्टीमीडिया वेबसाइट लॉन्च की गई है। इससे विश्व स्तर पर और विशेषकर उन क्षेत्रों में सभी ईएसडी सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी जहां पहले से यह सेवा नहीं पहुंच रही थी। ईएसडी का मल्टी–मीडिया वेब पोर्टल (www.airworldservice.org) पर उपलब्ध है।

ठ. अभिलेखीय महत्व की सभी रिकॉर्डिंगों के लिए बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण कार्य शुरू किया गया है, जिसमें विभिन्न भारतीय और विदेशी भाषाओं में 25,000 से अधिक टेप समयबद्ध तरीके से डिजिटल किए गए हैं और बाकी डिजिटलीकरण कार्य प्रगति पर है।

ड. ईएसडी ने भी सभी विदेशी भाषा इकाइयों को कंप्यूटरीकृत करने के लिए कदम उठाए हैं ताकि धीरे–धीरे कागज रहित प्रणाली की ओर आगे बढ़ा जा सके।

ढ. ईएसडी ने अपने कार्यक्रमों के प्रसार और उन्हें और अधिक इंट्रक्टिव बनाने के लिए फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप, मोबाइल ऐप आदि जैसे अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। उर्दू सेवा में व्हाट्सएप आधारित फरमाईश कार्यक्रम को शुरू किया गया है, जिसे दुनिया भर से प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं, जबकि मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च के साथ, ईएसडी सेवाएं अब दुनिया भर में आसानी से उपलब्ध हो गई हैं।

ण. वर्ष 2016–17 के दौरान, आईआर यूनिट ने चौथे एबीयू रेडियो सांग फैस्टिवल में आकाशवाणी की भागीदारी का सफलतापूर्वक समन्वय किया। इम्फाल (मणिपुर) के एक बारहवीं कक्षा की छात्रा सुश्री थोकॉम लांसाना चानू द्वारा गाए गए गीत शीर्षक प्रविष्टि ''क्रिएशन'' को फैस्टिवल में चौदह चुने गए फाइनल लिस्ट के बीच जगह मिली।

त. आकाशवाणी की प्रविष्टि ''डायरी ऑफ ए टाइगर'' (एक बाघ की डायरी) को प्रतिष्ठित एबीयू पुरस्कार 2016–रेडियो कार्यक्रमों की एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता की 'कम्युनिटी सर्विस एनांउंसमेंट' श्रेणी में प्रथम पुरस्कार मिला।

थ. आकाशवाणी ने एबीयू पुरस्कार 2016 में दो श्रेणियों के प्रारंभिक निर्णय में योगदान दिया। श्री आर एन मिश्रा, एडीजी (न्यूज़), एनएसडी, आकाशवाणी, नई दिल्ली और श्री राकेश धौंडियाल, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, भोपाल ने क्रमशः 'न्यूज़ रिपोर्टिंग' तथा 'रेडियो ड्रामा' श्रेणियों के अंतरराष्ट्रीय प्रविष्टियों के लिए बाहरी जूरी सदस्यों के रूप में सेवा दी।

द. मानव संसाधन सूचना प्रणाली (एचआरआईएस) सॉफ्टवेयर विकसित होने के एक हिस्से के रूप में, 'बेसिक डाटा एंटी' का एक मॉड्यूल प्रसार भारती के सभी कर्मचारियों के बुनियादी आंकड़ों को कैपचर करने के लिए तैनात किया गया है। ज्यादातर कार्यालयों के लिए डेटा प्रविष्टियां पूरी हो चुकी हैं। डेटा की सत्यापन प्रगति पर है।

ध. एक ऑन लाइन टेलिफोन डायरेक्टरी को विकसित और कार्यान्वित किया गया। यह AIRNET के होम पेज पर ''Contacts'' लिंक के साथ जुड़ा हुआ है।

न. एनआईसी सर्वरों पर ईमेल के माइग्रेशन (Domain : air.org.in) की प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है तथा एनआईसी द्वारा आकाशवाणी के कर्मचारियों के लिए 25,000 निः शुल्क ई–मेल आईडी का प्रावधान किया गया है।

प. गुणवत्तायुक्त लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से आकाशवाणी की ऑडियो सामग्री को प्रभावी ढंग से वितरित करने के लिए, सीडीएन के माध्यम से वेब पर रेडियो अनिवार्य हो गया है। इस पहल में, आकाशवाणी की वेबसाईट और मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से श्रोता के स्ट्रीमिंग के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एनआईसी से सीडीएन सेवाएं ली जा रही हैं।

फ. रसीदों और भुगतानों की निगरानी के लिए सॉफ्टवेयर का प्रदर्शन किया गया और प्रशिक्षण प्रदान करने के बाद आंशिक रूप से शुरू किया गया।

ब. PRASARNET का एक बुनियादी ढ़ांचा विकसित किया गया है। एप्लीकेशन और मॉड्यूल विकसित किए जा रहे हैं

भ. आकाशवाणी भवन में सहज कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए, वायरलेस लैन सेटअप चालू किए जाने के अंतिम चरण में है।

म. मानव संसाधन सूचना प्रणाली (एचआरआईएस) सॉफ्टवेयर का विकास किया जा रहा है। विभिन्न मॉड्यूल जैसे छुट्टी मॉड्यूल, प्रशिक्षण मॉड्यूल, शिकायत प्रबंधन, प्रदर्शन मूल्यांकन आदि विकसित करने का प्रस्ताव है।

य. प्रसार भारती, आकाशवाणी, दूरदर्शन और एनएसडी के प्रतिनिधियों की समिति की सिफारिशों के आधार पर PRASARNET में छूट गए मॉड्यूलों का विकास।

कक.भुगतान पोर्टल के एकीकरण के पूरा होने के तुरंत बाद ऑनलाइन पंजीकरण सॉफ्टवेयर 'ऑनलाइन म्यूज़िक ऑडिशन सिस्टम' भी लॉन्च किया जा रहा है।

खख.''पेरोल पैकेज'' आईटी डिवीज़न द्वारा स्वयं ही विकसित किया गया है और सभी कार्यालयों/केन्द्रों द्वारा वेतन और वेतन पर्ची तैयार करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। 7 वें वेतन आयोग की अधिसूचना से 6वें वेतन आयोग के नियमों और 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के संयोजन का एक मामला सामने आया है। उसे शामिल किया गया और कार्यालयों के लिए समय पर उपलब्ध कराया गया था और इस समय यह संचालन में है।

कार्यक्रम गतिविधियां

(क)	महत्वपूर्ण सीधा प्रसारण
1.	मंगलवार, 12 अप्रैल, 2016 को सायं 3:55 बजे से राजधानी चैनल और एफएम रेनबो चैनल पर बाघ संरक्षण पर तीसरे एशिया मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र का विज्ञान भवन, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण।

2.	मंगलवार,03 मई, 2016 को सायं 05:50 बजे से 63वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वितरण समारोह का विज्ञान भवन, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण।
3.	8 जून, 2016 को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भाषण को शामिल करते हुए एक विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण।
4.	मंगलवार, 28 जून, 2016 को आकाशवाणी की विदेश प्रसारण सेवा के बांग्ला चैनल आकाशवाणी मैत्री तथा आकाशवाणी की मल्टी मीडिया बांग्ला वेबसाइट के भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा उद्घाटन समारोह का रवींद्र सदन ऑडिटोरियम, कोलकाता से सीधा प्रसारण।
5.	रविवार, 26 जून, 2016 को इंटरनेशनल डे अगेंस्ट ड्रग अब्यूज एंड इलिस्टि ट्रैफिकिंग के अवसर पर वर्ष 2013 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं को माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा पुरस्कार वितरण का विज्ञान भवन, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण।
6.	मंगलवार, 05 जुलाई, 2016 को केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल होने वाले नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह का राष्ट्रपति भवन से सीधा प्रसारण।
7.	शनिवार, 06 अगस्त, 2016 को एप रिलीज करने, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान करने संबंधी समारोह और डिजिटल भारत पर इंट्रैक्टिव कार्यक्रम का इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण।
8.	मंगलवार, 9 अगस्त, 2016 को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत की स्वतंत्रता के 70वें वर्ष की शुरूआत संबंधी समारोहों की शुरूआत का स्वतंत्रता संघर्ष नायक चंद्र शेखर आजाद के जन्म स्थान ग्राम भाभरा, जिला अलीराजपुर, मध्य प्रदेश से सीधा प्रसारण।
9.	15 अगस्त, 2016 को प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लाल किले के प्राचीर से ध्वाजारोहण समारोह तथा राष्ट्र के नाम संबोधन का सीधा प्रसारण।
10.	सोमवार, 29 अगस्त, 2016 को राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार और अन्य खेल पुरस्कारों की प्रस्तुति समारोह का राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण।
11.	14 सितंबर, 2016 को हिंदी दिवस के अवसर पर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित समारोह का राष्ट्रपति भवन सभागार, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण।
12.	2 अक्टूबर, 2016 को चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में आयोजित प्रवासी भारतीय केंद्र के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण।
13.	13 दिसंबर, 2016 को बिल्डिंग गेट सं 11 और 12 के बीच फलक पर, संसद भवन, नई दिल्ली में शहीदों को पुष्पांजली का सीधा प्रसारण।

14.	बजट सत्र में संसद के दोनों सदनों को माननीय राष्ट्रपति के संबोधन का सीधा प्रसारण।
15.	8 मार्च, 2017 को महिला सरपंचों के राष्ट्रीय सम्मेलनः स्वच्छ शक्ति – 2017 सम्मेलन का सीधा प्रसारण।
16.	18 मार्च, 2017 को प्रवासी भारतीय केंद्र, चाणक्य पुरी, नई दिल्ली में आयोजित एनएएलएसए (नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी) के राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के 15वें अखिल भारतीय मिलाप के उद्घाटन सत्र का सीधा प्रसारण।
17.	20 मार्च, 2017 को रक्षा अलंकरण समारोह का राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण।
18.	30 मार्च, 2017 को सिविल अलंकरण समारोह का राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली से सीधा प्रसारण।

6 मार्च, 2017 को आकाशवाणी दिल्ली का कुहुक सम्मेलन

ख.	अन्य महत्वपूर्ण कवरेज/प्रसारण
1.	'मन की बात'– विभिन्न मुद्दों/विषयों पर (हर महीने) भारत के नागरिकों को माननीय प्रधान मंत्री के संबोधन का प्रसारण।
2.	पोस्ट–बॉक्स नं.111 मन की बात (श्रोताओं के फीडबैक पर आधारित कार्यक्रम)
3.	मंगलवार, 5 अप्रैल, 2016 को उत्तर प्रदेश के नोएडा से माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्टैंड–अप इंडिया की योजना का शुभारंभ।

4.	गुरुवार, 14 अप्रैल 2016 को सायं 6:25 बजे से माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय कृषि बाजार (एनएएम) शुरू करने के समारोह का विज्ञान भवन, नई दिल्ली से प्रसारण।
5.	28 मई, 2016 को सायं 4:55 बजे से, इंडिया गेट, नई दिल्ली के लॉन्स से, केंद्र सरकार के दो साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम 'एक नई सुबह' का प्रसारण।
6.	29 मई 2016 को कर्नाटक के दावणगेरे में केंद्र सरकार के दो साल पूरे होने के संबंध में आयोजित समारोह में माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए भाषण की रिकॉर्डिंग का प्रसारण।
7.	मंगलवार, 21 जून 2016 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2016 के अवसर पर चंडीगढ़ में आयोजित सामूहिक योग प्रदर्शन समारोह का प्रसारण।
8.	14 अगस्त, 2016 को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के राष्ट्र के नाम संदेश का प्रसारण। आकाशवाणी के केन्द्रों द्वारा क्षेत्रीय भाषा के संस्करणों का भी प्रसारण किया गया।
9.	13 सितंबर, 2016 को हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह के संदेश का प्रसारण।
10.	20 नवंबर, 2016 से 25 नवंबर 2016 तक पणजी (गोवा) में आयोजित भारत के 47वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह पर कर्टेन रेजर का प्रसारण।
11.	गणतंत्र दिवस –2017 समारोह के संबंध में निम्नलिखित कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया है:– क) गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी, 2017 को माननीय राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्र को संबोधित किया गया। क्षेत्रीय भाषा के संस्करणों को भी संबंधित आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा प्रसारित किया गया है। ख) 25 जनवरी, 2017 को कवियों की राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिकॉर्डिंग का प्रसारण। ग) 26 जनवरी, 2017 को नई दिल्ली में राजपथ से गणतंत्र दिवस परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम का सीधा प्रसारण। घ) 29 जनवरी, 2017 को बीटिंग रिट्रीट समारोह पर रेडियो रिपोर्ट। ड.) गणतंत्र दिवस 2017 संबंधी अन्य समारोहों/घटनाओं को कवरेज प्रदान की गई।
12.	7 मार्च, 2017 को स्वच्छ शक्ति, 2017 सम्मेलन पर कर्टेन रेजर का प्रसारण।

13 - 14 जुलाई-2016 को पुणे में सीईओ प्रसार भारती की अध्यक्षता में केन्द्र निदेशकों का सम्मेलन

ग.	रेडियो रिपोर्टें
1.	मंगलवार, 5 अप्रैल, 2016 सायं 8:30 बजे, भारत के पूर्व उप–प्रधान मंत्री बाबू जगजीवन राम की 109 वीं जयंती के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह पर एक रेडियो रिपोर्ट
2.	14 अप्रैल, 2016 को सायं 10:00 बजे बाबासाहेब डॉ बी आर अंबेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों पर एक रेडियो रिपोर्ट।
3.	25 अप्रैल, 2016 को सायं 03:00 बजे, राज्यों के मुख्य मंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के 24 अप्रैल, 2016 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त सम्मेलन के उद्घाटन सत्र पर एक रेडियो रिपोर्ट।
4.	नई दिल्ली में सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम में आयोजित ब्रिक्स देशों के फिल्म महोत्सव के समापन समारोह पर 6 सितंबर, 2016 को समेकित रेडियो रिपोर्ट।
5.	विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) द्वारा 3 फरवरी, 2017 को इनर स्ट्रेंथ एंड डिजास्टर रिसाईलेंस कार्यक्रम पर एक रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण।
6.	6 फरवरी, 2017 को नई दिल्ली में पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) पर आयोजित कार्यशाला पर एक रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण।
7.	मंगलवार, 28 फरवरी, 2017 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के संबंध में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों पर एक रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण।

30 जून, 2016 को सैन्य बलों के प्रतिनिधिमंडल द्वारा आकाशवाणी का दौरा

डॉ राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान-2016

आकाशवाणी ने वर्ष 1969 से भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के सम्मान में एक वार्षिक स्मृति व्याख्यान माला शुरू की थी। यह देश में सबसे प्रतिष्ठित स्मृति व्याख्यान मालाओं में से एक है। व्याख्यान को हर वर्ष बारी बारी से देश के अलग अलग भागों में आमंत्रित दर्शकों के सामने आयोजित किया जाता है। प्रख्यात हस्तियों और साहित्य, संस्कृति, अर्थशास्त्र, राजनीति, विज्ञान और अन्य सामाजिक विज्ञानों के क्षेत्र से विद्वानों को अपनी पसंद के विषय पर हिन्दी में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी, महादेवी वर्मा, डॉ हरिवंश राय बच्चन, प्रसिद्ध सामाजिक वैज्ञानिक डॉ पीसी जोशी जैसे कई दिग्गज वर्षों के दौरान इस व्याख्यान देने वालों की सूची में शामिल हैं। वर्ष 2016 के लिए स्मृति व्याख्यान पश्चिम बंगाल के गवर्नर श्री केसरी नाथ त्रिपाठी, द्वारा 'निर्वाचन विधि की संशोधन प्रक्रिया में सुधारः जनगणना के संदर्भ में' विषय पर दिया गया था। डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जन्मदिन के अवसर पर 3 दिसंबर, 2016 को सायं 9:30 बजे आकाशवाणी के राष्ट्रीय नेटवर्क पर व्याख्यान की रिकॉर्डिंग का प्रसारण किया गया।

डॉ राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान-2016

सरदार पटेल स्मृति व्याख्यान -2016

इस व्याख्यान माला का आयोजन स्वतंत्र भारत के पहले सूचना एवं प्रसारण मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की स्मृति में 1956 से किया जा रहा है। अंग्रेजी में दी जाने वाली इस व्याख्यान माला में प्रसिद्ध विद्वानों, प्रशासकों, न्यायविदों, इतिहासकारों, सामाजिक वैज्ञानिकों, अर्थशास्त्रियों को उनके द्वारा चुने एक विषय पर आमंत्रित दर्शकों के सामने बोलने के लिए आमंत्रित किया जाता है। पहला व्याख्यान प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल डॉ सी राजगोपालाचारी, द्वारा दिया गया था। तब से, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्री पीएन भगवती, प्रसिद्ध इतिहासकार जैसे प्रो बिपिन चंद्रा, प्रो रोमिला थापर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री शिव शंकर मेनन जैसे अनेक वक्ता इस व्याख्यान देने वालों की सूची में शामिल हैं।

वर्ष 2016 के लिए सरदार पटेल स्मृति व्याख्यान 28 अक्टूबर, 2016 को डॉ. जितेंद्र सिंह, राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष द्वारा ''कॉपरेटिव फैड्रलिज्मः रिसाईकलिंग रिजनल एस्पिरेशन्स एंड नेशनल कोहेशन'' विषय पर दिया गया। इस व्याख्यान की रिकॉर्डिंग का प्रसारण 31 अक्टूबर, 2016 को सायं 9:30 बजे आकाशवाणी के राष्ट्रीय नेटवर्क पर किया गया।

सरदार पटेल स्मृति व्याख्यान -2016

सर्व -भाषा कवि सम्मेलन -2016

1956 में शुरू किया गया, सर्व भाषा कवि सम्मेलन (कवियों की राष्ट्रीय संगोष्ठी) आपसी संपर्क और सभी भारतीय भाषाओं की सर्वश्रेष्ठ समकालीन कविताओं की समन्वित प्रस्तुति के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और भाषाई सौहार्द के लिए एक रचनात्मक मंच प्रदान करने के लिए एक प्रयास है। इसकी विशिष्टता इसी तथ्य से उजागर होती है कि यह अपनी तरह का एकमात्र कार्यक्रम है जिसमें 22 भारतीय भाषाओं से प्रख्यात कवि एक मंच पर एक साथ आते हैं और आमंत्रित दर्शकों के सामने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हैं, जिसके बाद प्रख्यात कवियों द्वारा उनके अनूदित हिन्दी संस्करणों को प्रस्तुत किया जाता है। इस कार्यक्रम की दो घंटे की रिकॉर्डिंग को आकाशवाणी के राष्ट्रीय नेटवर्क पर गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी को सायं 10 बजे प्रसारित किया जाता है। उसी समय, इस कार्यक्रम के क्षेत्रीय भाषा के संस्करणों को संबंधित आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा प्रसारित किया जाता है। इस प्रकार, यह कार्यक्रम देश के कोने–कोने तक पहुँचता है।

2005 में, चार नई भाषाओं, अर्थात, डोगरी, मैथिली, संथाली और बोडो को भाषाओं की सूची में जोड़ा गया था और भाषाओं की कुल संख्या बाईस हो गई है । यह कार्यक्रम भारतीय भाषाओं की समृद्ध सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत का एक प्रतिबिंब है जो कि अपने दर्जे और भव्यता में किसी भी अन्य कार्यक्रम के साथ अतुलनीय है।

इस वर्ष के दौरान "सर्व भाषा कवि सम्मेलन" 12 जनवरी, 2017 को वाराणसी में आयोजित किया गया था और इसका प्रसारण 25 जनवरी, 2017 को किया गया था।

सर्व-भाषा कवि सम्मेलन-2016

आकाशवाणी लोक संपदा संरक्षण महापरियोजना (संस्कार गीत)

यह लोक विरासत को संरक्षित करने के लिए आकाशवाणी द्वारा शुरू किया गया पहला राष्ट्रीय आंदोलन है जिसमें छह हजार से अधिक जातियों/उप–जातियों/जनजातियों/कुलों तथा अन्य समुदायों सहित देश में प्रचलित सभी आठ धर्म, सैकड़ों पंथ, संप्रदाय, मत–संप्रदाय शामिल हैं। इसमें देश भर में 1652 भारतीय भाषाएं और बोलियां/उप–बोलियां शामिल हैं। इसके अलावा फिजी, गुयाना, सुरिनाम, मॉरीशस, घाना, दक्षिण अफ्रीका, त्रिनिडाड–टोबैगो आदि के गिरमिटिया मजदूरों की लोक विरासत भी इस महा परियोजना में भी शामिल है।

आकाशवाणी की परियोजना में निम्नलिखित को रिकार्ड करने की अभिकल्पना की गई है (I) एक व्यक्ति के जीवन काल में विभिन्न अनुष्ठानों(संस्कारों)– चरणों/महत्वपूर्ण उपलब्धियों से जुडे गीत (II) विभिन्न लोक गीत जैसे ऋतु गीत, पर्व गीत, श्रम गीत, नाडी गीत, वृक्ष गीत, स्थल गीत, पर्वत गीत और आंदोलन गीत (III) लोक कथाएं (किंवदंतियां)। यह भावी पीढ़ी के लिए भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में आकाशवाणी के कई प्रमुख उपलब्धियों में से एक होगा।

इस प्रक्रिया में 22 भाषाओं और 87 बोलियों में लगभग 20,000 संस्कार गीतों और पारंपरिक लोक गीतों को रिकॉर्ड किया गया और आकाशवाणी अभिलेखागार में संरक्षित किया गया। इन गीतों के अभिलेखीय मूल्य को ध्यान में रखते हुए, संस्कृति मंत्रालय के तहत नेशनल बुक ट्रस्ट ने आकाशवाणी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

जयपुर में महा परियोजना संस्कार गीत पर कार्यशाला

प्रचार

1. आकाशवाणी ने वर्ष 2016–17 के दौरान 420 केन्द्रों के अपने नेटवर्क पर सरकार द्वारा शुरू किए गए विभिन्न कार्यक्रमों/योजनाओं को समर्थन दिया। उच्चरित शब्द अनुभाग, भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों के महत्वपूर्ण विषयों/योजनाओं/नीतियों के प्रचार के कार्य को देखता है। 01 अप्रैल 2016 से 31 मार्च, 2017 की अवधि के दौरान देश के सभी आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा निम्नलिखित सरकारी योजनाओं का विभिन्न फार्मेटों के कार्यक्रम के माध्यम से नियमित प्रचार किया गया:

i. स्वच्छ भारत अभियान (स्वच्छ भारत पखवाड़ा, स्वच्छता आदि)

ii. मेक इन इंडिया और कौशल भारत कार्यक्रम

iii. गंगा कायाकल्प कार्यक्रम (नमामी गंगे) – जल संसाधन मंत्रालय अभियान

iv. एक भारत श्रेष्ठ भारत

v. पर्यटन को बढ़ावा और विश्व पर्यटन दिवस

vi. स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका

vii. आजादी के 70 साल का उत्सव

viii. केबल टीवी डिजिटलीकरण का चौथा चरण

ix. बोनस अधिनियम 1965 अधिसूचना (संशोधन अधिनियम 2015) का भुगतान

x. अमरनाथ यात्रा और कैलाश मानसरोवर यात्रा

xi. देशभक्ति समारोह – 12 से 14 अगस्त 2016

xii. कानूनी जागरूकता कार्यक्रम

xiii. सचिवों के समूह की सिफारिश पर आठ विषयगत क्षेत्रों पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संदर्भ में कार्यवाही योजनाएं।

2. जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव, जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा ''शराब तथा मादक पदार्थों(ड्रग्स) से बचाव'' हेतु पुरस्कार योजनाओं के लिए घोषणा द्वारा उपयुक्त प्रचार किया गया।

3. लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय से निम्नलिखित विषयों/समितियों/विधेयकों पर प्राप्त अधिसूचनाओं/घोषणाओं के लिए प्रचार समर्थन किया गया:

- नागरिकता संशोधन विधेयक –2016
- ट्रांसजेंडर व्यक्ति(अधिकार संरक्षण विधेयक 2016)
- पुस्तकें लिखने के लिए लोकसभा 21 फैलोशिप
- देश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल
- दुश्मन संपत्ति (संशोधन और मान्यकरण) विधेयक 2016, रीयल एस्टेट (विनियमन और विकास) विधेयक, 2013 पर राज्य सभा की चयन समिति।

4. राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान की विभिन्न योजनाओं का प्रचार किया गया।

5. ''स्वच्छ भारत अभियान'' के प्रचार के लिए विशेष जोर दिया गया है और कार्यवाही रिपोर्ट नियमित रूप से मंत्रालय को भेजी जा रही है।

6. मासिक मंत्रिमंडल सारांश हर महीने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भेजा गया।

7. प्रधान मंत्री के नए 15 बिंदु कार्यक्रम सहित विभिन्न विषयों पर आवधिक रिपोर्टों को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय/प्रसार भारती को भेजा जाता है।

कार्यक्रम योजना तथा विकास

1. आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम 2015 के लिए जूरी सत्र, 2015 को 4 अक्टूबर, 2016 से 6 अक्टूबर 2016 तक आयोजित किया गया।

2. गांधीवादी दर्शनशास्त्र और लोक सेवा प्रसारण पुरस्कारों के जूरी सत्र – 2016, 10 नवंबर, 2016 को आयोजित किया गया।

3. वर्ष 2012 और 2013 के लिए आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह 15 नवंबर, 2016 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। एक शानदार समारोह में माननीय सूचना एवं प्रसारण माननीय श्री एम. वेंकैया नायडु तथा श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड, माननीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री ने कार्यक्रम, इंजीनियरिंग, समाचार, श्रोता अनुसंधान, प्रशिक्षण आदि विभिन्न वर्गों में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

15 नवंबर, 2016 को आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार समारोह 2012-13 के दौरान श्री एम. वेंकैया नायडु, माननीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री और श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड, माननीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री

राष्ट्रीय चैनल

राष्ट्रीय चैनल अपने श्रोताओं के व्यापक ज्ञान को समृद्ध करने के लिए तीन भाषाओं – हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी में बड़ी संख्या में विज्ञान, स्वास्थ्य, खेल, साहित्य, हास्य, वर्तमान सामाजिक मुद्दों, और सांस्कृतिक विरासत पर कार्यक्रम प्रदान करता है। एक–एक दिन छोड़कर हिंदी और अंग्रेजी में प्रसारित किए जाने वाले विविध कार्यक्रम में मुख्य फोकस शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक आर्थिक विकास पर होता है। इसी प्रकार, एक उर्दू कार्यक्रम मंजर का दैनिक प्रसारण होता है। अर्थशास्त्र, विज्ञान, खेल, संगीत और साहित्य पर पत्रिका कार्यक्रम नियमित आधार पर प्रसारित किए जाते हैं। साप्ताहिक कार्यक्रम 'फोकस' में कैरियर मार्गदर्शन, समसामयिकी मामले, और सामाजिक मुद्दों को शामिल किया जाता है। अन्य साप्ताहिक कार्यक्रमों में विभिन्न क्षेत्रों से व्यक्तित्वों को वरिष्ठ नागरिकों और मुलाकात के कार्यक्रम में शामिल किया जाता है।

वर्ष 2016–17 में निम्नलिखित कार्यक्रम प्रसारित किए गए:

1. राष्ट्रीय चैनल पर, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम – 'मन की बात' को इस अत्यंत लोकप्रिय कार्यक्रम की शुरुआत से ही विशेष प्रसारण शुरू करके लाईव रिले किया जा रहा है। हालांकि, राष्ट्रीय चैनल में शाम और रात्रि को ही प्रसारण होता है, प्रत्येक महीने के आखिरी रविवार को एक विशेष दोपहर प्रसारण सेवा आयोजित की जाती है। इसके अलावा, कार्यक्रम 'मन की बात' को उसी दिन नियमित रात्रि प्रसारण में सायं 8:00 बजे के लिए पुनः निर्धारित किया गया है।
2. राष्ट्रीय प्रसारण सेवा (एनसीएच) में, 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 की अवधि के दौरान राष्ट्रीय चैनल द्वारा सरकार की नई कल्याणकारी योजनाओं जैसे कि 'प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना', 'स्मार्ट सिटी मिशन', 'स्वच्छ भारत अभियान', 'स्टेंड अप इंडिया', 'अल्पसंख्यकों के लिए उस्ताद योजना'

और 'दिव्यांगों के कल्याण के लिए योजना' पर प्रकाश डालने वाले कई कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

3. समय–समय पर समाज के विभिन्न वर्गों के लिए शुरू की गई विभिन्न योजनाओं पर कार्यक्रम शामिल किए गए। इनमें राष्ट्रीय सौर ऊर्जा मिशन, स्टार्ट अप इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया इत्यादि जैसी स्कीमें शामिल हैं।

4. सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकारी पहलों जैसे 'मिशन इंद्रधनुष', 'राष्ट्रीय बीमा योजना', 'आयुष' आदि के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम फार्मेटों जैसे, फोन–इन कार्यक्रमों सहित बातचीत, साक्षात्कार का प्रसारण किया।

5. इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि सरकार समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों के वित्तीय समावेश पर ध्यान केंद्रित कर रही है, ऐसी योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक बनाने के लिए राष्ट्रीय चैनल विभिन्न विषयों पर विभिन्न कार्यक्रमों को प्रसारित करता है। 'प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना', 'अटल पेंशन योजना', 'प्रधान मंत्री जन धन योजना', आदि जैसी योजनाओं पर फोकस किया गया।

6. राष्ट्रीय चैनल ने देश के किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के उत्थान से संबंधित लगभग सभी सरकारी योजनाओं जैसे कि 'दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना', 'फसल बीमा योजना', 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड', 'प्रधान मंत्री सिंचाई योजना' पर कार्यक्रम तैयार किए।

7. कार्यक्रमों में पर्यावरण संबंधी मुद्दों को भी शामिल किया गया, जिसमें सचिव स्तर के संबंधित अधिकारियों को आमंत्रित किया गया। प्रख्यात पर्यावरणविद श्री. एम.सी. मेहता भी हमारे व्यक्तित्व आधारित कार्यक्रम 'मुलाकातश' में शामिल हुए।

8. इस साल 70वें स्वतंत्रता दिवस के स्मरणोत्सव के संबंध में, राष्ट्रीय चैनल ने महान स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर केंद्रित 25 स्वतंत्र रेडियो स्पॉट को तैयार और प्रसारित किया। अगस्त, 2016 के पूरे महीने के दौरान आम आदमी के लिए सरकार की लोक कल्याण योजनाओं पर थीम आधारित गीतों सहित देशभक्ति गीतों के साथ ये स्पॉट प्रसारित किए गए।

9. राष्ट्रीय चैनल ने 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया और इस पर कई कार्यक्रम तैयार किए। इस अवसर पर, 'योग–फॉर हैप्पीनैस एंड स्ट्रैस फ्री लाईफ' पर एक पैनल चर्चा भी की गई।

10. मीडिया में महिलाओं के सकारात्मक चित्रण के माध्यम से जागरूकता पैदा करने और लोगों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से विभिन्न फार्मेटों में उपयुक्त कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

11. वित्तीय मुद्दों जैसे 'प्रधान मंत्री स्वर्ण निवेश योजना', 'जीएसटी का प्रभाव', 'प्रधान मंत्री मुद्रा योजना', 'ई–कॉमर्स के उभरते क्षेत्र' पर कार्यक्रम। सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के विचारों और प्रतिक्रियाओं के आधार पर कार्यक्रम प्रसारित किए गए। इन कार्यक्रमों को विभिन्न फार्मेटों में तैयार किया गया जिनमें, फोन–इन कार्यक्रम और ओ.बी. आधारित कार्यक्रम शामिल थे।

12. नए कार्यक्रम की पहल के संबंध में, 'वाट्सएप चॉइस' (श्रोता के मैसेज और फिल्म संगीत अनुरोध पर आधारित) नामक एक नया कार्यक्रम शुरू किया गया।

13. अप्रैल, 2016 से मार्च 2017 की संपूर्ण अवधि के दौरान विश्व प्रसिद्ध लेखकों की कृतियों पर आधारित कई रेडियो श्रृंखलाएं 'कमीशन्ड प्रोग्राम्स' की श्रेणी के तहत प्रसारित की गईं।

वर्ष 2016 -17 के दौरान आधुनिकीकरण और कम्प्यूटरीकरण के संबंध में की गई नई पहलें

(i) इस केन्द्र के विभिन्न स्टूडियो में इंस्टाल पॉच डेस्कटॉप कंप्यूटर पुरानी पीढ़ी के थे, जिन्हें नवीनतम विंडो सॉफ्टवेयर और एडोब रिकॉर्डिंग सॉफ्टवेयर के साथ नई पीढ़ी के कंप्यूटरों से बदला गया।

(ii) नेटिया रिकॉर्डिंग सिस्टम जो केन्द्र पर लंबे समय से कार्य नहीं कर रहा था, उसे पुनः चालू किया गया।

(iii) इस केन्द्र में टेप लाइब्रेरी में कई रिकॉर्डिंग हैं, जिनमें स्पूल टेप पर कुछ महत्वपूर्ण रिकॉर्डिंग शामिल हैं जो समय के साथ खराब हो रही हैं। इसके अलावा इस केन्द्र की लाईब्रेरी में पुराने गानों की बहुत सारी विनाईल डिस्क मौजूद हैं। इन सभी रिकॉर्डिंगों को संरक्षित करने के लिए, दो स्पूल टेप रिकॉर्डर, एक कंसोल और रिकॉर्डिंग सॉफ्टवेयर और डीवीडी राईटर के साथ एक कंप्यूटर सहित एक प्रोफशनल टर्न टेबल को संस्थापित करके एक स्टूडियो को परिवर्तित किया जा रहा है ताकि इन सभी रिकॉर्डिंगों को डिजिटल स्वरूप में बदला जा सके।

(iv) इस केन्द्र की कवरेज को बढ़ाने के लिए, एयरनेट प्लेटफार्म से कार्यक्रमों और इस केन्द्र की मूल कृतियों की लाइव स्ट्रीमिंग के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

कृषि एवं गृह प्रसारण

आकाशवाणी पांच से भी ज्यादा दशकों से अपने ग्रामीण श्रोताओं के प्रति समर्पित है। आकाशवाणी के सभी केन्द्रों द्वारा कृषि एवं गृह कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। कृषि समुदाय की दिन–प्रतिदिन की मौसमी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कार्यक्रम डिजाईन किए गए हैं जिनमें सर्वोत्तम कृषि उत्पादन के लिए नवीनतम जानकारी तथा प्रौद्योगिकी को शामिल किया जाता है। ये कार्यक्रम देश के कृषक समुदाय में गुणवत्ता सुधार के तरीकों तथा उपायों के बारे में जागरूकता सृजित करते हैं। कार्यक्रमों का प्रसारण ग्रामीण महिलाओं, बच्चों तथा युवाओं के लिए प्रतिदिन प्रातः, दोपहर तथा सायं किया जाता है जिनकी अवधि औसतन 60 से 100 मिनट प्रतिदिन होती है। आकाशवाणी के कृषि एवं गृह एकांश मिश्रित कार्यक्रम प्रसारित करते हैं जिसमें ग्रामीण विकास योजना और कृषि कार्यक्रम समान मात्रा में शामिल होते हैं जिसमें बागवानी, पशुपालन, मुर्गी पालन तथा डेयरी उत्पादन, मत्स्य पालन, वानिकी, पर्यावरण संरक्षण तथा खाद्य एवं कृषि प्रसंस्करण जैसी सहायक कृषि

गतिविधियां, सूखी और बंजर भूमि पर कृषि जैसे कार्यक्रम शामिल हैं तथा इसमें रोजगार योजनाओं, ऋण, बीमा तथा प्रशिक्षण सुविधाओं, साफ–सफाई, स्वास्थ्य संबंधी साफ–सफाई और पोषण आदि पर भी कार्यक्रम शामिल होते हैं।

आकाशवाणी ने कृषि तथा सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय के सहयोग से फरवरी, 2004 से कृषि हेतु जनसंचार सहायता पर एक कार्यक्रम 'किसानवाणी' की विशिष्ट परियोजना की शुरूआत से अपने कृषि प्रसारण का विस्तार किया है ताकि स्थानीय किसानों को दैनिक बाजारी कीमतों, मौसम रिपोर्टों तथा माइक्रो स्तर पर उनके संबंधित क्षेत्रों में दिन प्रतिदिन की जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। इस समय देश के 96 निर्धारित आकाशवाणी केन्द्रों से किसानवाणी का प्रसारण तथा रिले किया जा रहा है। प्रसारण नैरोकास्टिंग मोड में किया जाता है तथा कार्यक्रम अधिकतर इन्ट्रैक्टिव होते हैं जिसमें किसानों की फील्ड आधारित रिकार्डिंग तथा विशेषज्ञों और कृषि समुदाय के साथ स्टूडियो डायल आउट तथा डायल इन शामिल होते हैं जोकि लक्षित दर्शकों में काफी लोकप्रिय हैं।

कीटनाशकों के सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग पर अभियान

कीटनाशकों के सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग तथा खपत से पहले फलों और सब्जियों में कीटनाशकों की मात्रा को कम करने के तरीके और साधन के बारे में आम जनता और विशेष रूप से कृषक समुदाय के लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने वाले कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

इस संबंध में केन्द्रों के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी किए गए, जिसमें किसानों के लिए कीटनाशकों का क्रय, भंडारण, हैंडलिंग और छिड़काव करते समय क्या करें और क्या न करें का ब्यौरा है। खाद्य पदार्थों, फलों और सब्जियों में कीटनाशकों की मात्रा को कम करने के लिए उपभोक्ताओं और नागरिकों के लिए क्या करें और क्या न करें को केन्द्रों द्वारा अपने कार्यक्रमों में शामिल किया गया।

किसानों के लिए व्यापक मौसम पूर्वानुमान

सभी आकाशवाणी केंद्रों तथा 'किसानवाणी' कार्यक्रमों का प्रसारण कर रहे सभी 96 केंद्रों में प्रतिदिन कृषि तथा गृह कार्यक्रमों में 5 मिनट की अवधि के समग्र मौसम अनुमान को शामिल किया जाता है। दैनिक मौसम अनुमान में अब महत्वपूर्ण पैरामीटरों के ब्यौरे शामिल हैं जैसे बारिश, तापमान, मृदा तथा हवा में नमी, रेडिएशन, गर्म, शुष्क, सर्द तथा बारिश वाला मौसम और इसमें सूखा, बाढ़, तूफान, चक्रवात, ओले बर्फ आदि जैसी उग्र घटनाएं शामिल हैं ताकि किसानों को अलर्ट किया जा सके और फसल खराब होने से बचाई जा सके ।

पर्यावरण

पर्यावरण के महत्व को देखते हुए, आकाशवाणी वन्यप्राणी एवं वन संरक्षण को एक चुनौती के रूप में लेता है एवं इसमें विकास गतिविधियों और सामाजिक रीति–रिवाजों को महत्व देता है। आकाशवाणी वनरोपण, वन्यप्राणी संरक्षण एवं पारिस्थितिक संतुलन संबंधी सरकार के प्रयासों की सफलता को प्रस्तुत करता है। इस प्रकार, आकाशवाणी अपने विभिन्न विशेष श्रोता कार्यक्रमों के माध्यम से वन्यप्राणी तथा पशु देखभाल जैसे विषयों पर कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है।

केन्द्रों द्वारा दिनांक 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है जिसमें पर्यावरण के संरक्षण के बारे में जागरूकता सृजित करने हेतु विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। कार्यक्रमों की समयसारणी में सामाजिक वानिकी, भूमि के स्तर में गिरावट तथा मरूस्थलीकरण को रोकने, ओज़ोन परत में छेद होने, जलवायु परिवर्तन, जल संचयन तथा ध्वनि प्रदूषण जैसे मुद्दों को भी उपयुक्त रूप से शामिल किया जाता है।

सभी आकाशवाणी केन्द्र पर्यावरण तथा वानिकी संबंधी कानूनी मुद्दों का व्यापक प्रचार कर रहे हैं। निदेशालय केन्द्रों द्वारा भेजे गए मासिक विवरणों के माध्यम से इन कार्यक्रमों की नियमित मानीटरिंग करता है।

केन्द्र सभी के लिए एक स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने में ग्रामीण और शहरी स्वच्छता के महत्व पर ध्यान केंद्रित कर, प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए सफाई अभियान 'स्वच्छ भारत अभियान' का निरंतर प्रचार कर रहे हैं।

कृषि एवं गृह और किसानवाणी कार्यक्रम प्रसारित कर रहे सभी आकाशवाणी केन्द्रों को सलाह दी गई है कि वे स्वच्छ भारत मिशन हेतु मीडिया अभियान के तहत कृषि में खाद के रूप में जैविक ठोस कचरे के इस्तेमाल के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न फार्मेटों में उपयुक्त कार्यक्रमों को शामिल करें। आकाशवाणी केन्द्रों को निर्देश दिए गए हैं कि वे कृषि और कृषक कल्याण मंत्रालय के विभिन्न प्रमुख कार्यक्रमों पर ऑडियो स्पॉट प्रसारित करें।

किसानों के लिए फसल विशिष्ट सलाह का प्रचार

आलू उत्पादक क्षेत्रों में स्थित केन्द्रों को सलाह दी गई है कि वे केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान द्वारा अनुमानित मौसमी आलू फसलों के लिए फंगस रोगों के पूर्वानुमान हेतु प्रतिरक्षात्मक उपायों को अपनाने के लिए किसानों हेतु जागरूकता कार्यक्रम तैयार करें।

हरियाणा और पंजाब के राज्यों में स्थित केन्द्रों को कृषि और कृषक कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी सलाह के अनुसार खरीफ कपास की फसल में सफेद मक्खी की बीमारी की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए किसानों के लिए जागरूकता अभियान शामिल करने की सलाह दी गई।

विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस (05-12-2016)

देश में मृदा संरक्षण की आवश्यकता तथा महत्व और मिट्टी के क्षरण की समस्या से निपटने के लिए केन्द्र ने विशेष कार्यक्रम शामिल करके 05.12.2016 को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस मनाया।

रेडियो किसान दिवस (15-02-2017)

प्रसारित जानकारी से लाभान्वित होने वाले प्रगतिशील किसान, किसानवाणी कार्यक्रम के जरिए अपनी क्षेत्रीय भाषा/बोलियों में अन्य साथी किसानों के साथ अपने अनुभव को साझा करते हैं। आकाशवाणी अपने सभी केन्द्रों पर इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम शामिल करते हुए, 15 फरवरी को रेडियो किसान दिवस के रूप में मनाता है। इस असवर पर किसानवाणी कार्यक्रम का प्रसारण करने वाले केन्द्रों ने सफलतापूर्वक विशेष आमंत्रित श्रोताओं के कार्यक्रमों का आयोजन किया जिनमें वरिष्ठ जिला प्रशासन के अधिकारियों, वरिष्ठ राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों, विश्वविद्यालय विशेषज्ञों और चयनित प्रगतिशील किसानों को आमंत्रित किया गया।

आकाशवाणी के नेटवर्क पर फ्लैगशिप कार्यक्रम

सभी आकाशवाणी केंद्रों को सलाह दी गई है कि कृषि समुदाय में जागरुकता पैदा करने के लिए विभिन्न योजनाओं के बारे में विभिन्न फार्मेटों में कार्यक्रमों को प्रसारित किया जाए। प्रसारित कुछ कार्यक्रमों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

1) सिटी कम्पोस्ट

सभी आकाशवाणी केन्द्रों को सलाह दी गई कि वे विशेष रूप से कृषक समुदाय को कृषि में सिटी कम्पोस्ट तथा वर्मी–कंपोस्टिंग के लाभों के बारे में शिक्षित करने के लिए उचित प्रचार अभियान शामिल करें। इस विषय पर जिंगल भी प्रसारित किए जा रहे हैं।

2) मृदा स्वास्थ्य कार्ड

कृषक समुदाय में मृदा स्वास्थ्य कार्ड के फायदे तथा कृषि में नीम लेपित यूरिया के उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए भी कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। मृदा स्वास्थ्य कार्ड के फायदों, सिटी कम्पोस्ट के लाभ, पारम्परागत कृषि विकास योजना और पूर्वोत्तर राज्यों हेतु जैविक वैल्यू चेन विकास के लिए मिशन का व्यापक प्रचार किया गया।

3) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

आम जनता और विशेष रूप से कृषक समुदाय में प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना के बारे में जागरूकता फैलाने वाले कार्यक्रम प्रसारित किए जा रहे हैं। किसानवाणी कार्यक्रमों में प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना, खाद्य सुरक्षा मिशन, आदि पर माननीय केंद्रीय कृषि और कृषक कल्याण मंत्री के संदेश प्रसारित किए गए।

4) उर्वरक की कीमतों में कटौती पर ऑडियो स्पॉट

कृषि एवं गृह और किसानवाणी कार्यक्रम प्रसारित करने वाले आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा उर्वरक की कीमतों में कमी पर ऑडियो स्पॉट प्रसारित किए गए।

5) राष्ट्रीय कृषि बाजार (एनएएम)

केन्द्र राष्ट्रीय कृषि बाजार (एनएएम) पर उपयुक्त कार्यक्रमों शामिल कर रहे हैं। यह एक अखिल–भारतीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग पोर्टल है, जो मौजूदा एपीएमसी मंडियों को कृषि वस्तुओं के लिए एकीकृत राष्ट्रीय बाजार बनाने के लिए नेटवर्क करता है, एकीकृत बाजारों में प्रक्रियाओं को व्यवस्थित करने के लिए एकरूपता को बढ़ावा देता है, खरीदारों और विक्रेताओं के बीच सूचना संबंधी विषमता को दूर करता है, वास्तविक मांग और आपूर्ति के आधार पर, किसी समय तब की कीमत पता करने को बढ़ावा देता है, और नीलामी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को बढ़ावा देता है।

किसानवाणी और कृषि एवं गृह कार्यक्रमों के प्रसारित कर रहे सभी आकाशवाणी केन्द्रों के कार्यक्रम प्रमुखों को सलाह दी गई थी कि वे राष्ट्रीय कृषि बाजार के बारे में जानकारी के प्रसार के लिए विभिन्न फार्मेटों में उपयुक्त प्रचार करें।

6) खरीफ कृषि हेतु अभियान पर राष्ट्रीय सम्मेलन

11 अप्रैल और 12 अप्रैल 2016 को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र, आईसीएआर, पूसा, नई दिल्ली में आयोजित खरीफ कृषि अभियान पर राष्ट्रीय सम्मेलन पर रेडियो रिपोर्ट प्रसारित की गई।

7) सरकारी खरीद कार्यक्रम का प्रचार

केन्द्रों को दालों, तेल के बीज और अनाज के संबंध में सरकार के खरीद कार्यक्रमों और नीतियों पर उपयुक्त कार्यक्रमों को शामिल करने की सलाह दी गई।

8) दालों के वितरण हेतु सरकार के उपायों का प्रचार

दालों की बढ़ती कीमतों को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों जैसे कि निर्यात पर प्रतिबंध लगाने, शून्य शुल्क पर आयात की इजाजत देने, उत्पादन को प्रोत्साहित करने और बफर स्टॉक से राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों को वितरण का प्रबंधन करने का व्यापक प्रचार किया गया।

9) भारत-अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला - 2016 का प्रचार

आकाशवाणी ने आईआईटीएफ 2016 में 'डिजिटल कृषि' थीम पर कृषि और कृषक कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित कृषि मंडप के लिए व्यापक प्रचार किया, जिसमें कृषक समुदाय के लाभ के लिए कृषि क्षेत्र में अभिनव प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया था।

10) किसानवाणी के प्रभाव का आकलन और क्षमता निर्माण कार्यशाला

कृषि एवं गृह एकांश, आकाशवाणी महानिदेशालय वर्तमान में वित्त वर्ष 2016–17 और 2017–18 के दौरान कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से किसानवाणी प्रसारण करने वाले सभी निर्धारित 96 आकाशवाणी केन्द्रों के किसानवाणी कार्यक्रम निर्माताओं के लिए पूरे देश में पांच 'इम्पैक्ट एसेसमेंट एडं कैपिसिटी बिल्डिंग' कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है। कृषि मंत्रालय और आकाशवाणी महानिदेशालय के अधिकारियों के प्रतिनिधित्व के अलावा, इन कार्यशालाओं में क्षेत्रीय विषय मामले/कृषि उद्योग विशेषज्ञ, कृषि वैज्ञानिक, आईएमडी के कृषि मौसम विज्ञान, राज्य कृषि विभाग/जिला प्रशासन के अधिकारी, एनआईसी वैज्ञानिक, सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, प्रगतिशील किसान आदि भाग लेंगे। श्रृंखला में पहली बार कार्यशाला 29 से 30 मार्च 2017 तक राष्ट्रीय थर्मल पावर कॉम्प्लेक्स, रहंद नगर (बीजपुर), सोनभद्र, उत्तर प्रदेश में सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रम

महिला कार्यक्रम

आकाशवाणी के महिला कार्यक्रमों में महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आहार एवं पोषण, वैज्ञानिक गृह प्रबंधन, महिला उद्यमी, प्रौढ़ शिक्षा सहित शिक्षा, महिला सशक्तीकरण तथा महिला–पुरूष संबंधी विषय शामिल होते हैं।

आकाशवाणी बालिकाओं के कल्याण के लिए कई फार्मेटों में कई कार्यक्रमों को प्रसारित करता है। केन्द्रों के परिवार कल्याण अनुभाग के कार्यक्रमों का उद्देश्य सामान्यतः बालिका भ्रूण हत्या तथा महिला–पुरूष आधारित भेद–भाव संबंधी मुद्दों पर सामाजिक जागरूकता तथा कानून साक्षरता के प्रसार के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों तथा विशेषाधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाना है।

ग्रामीण श्रोताओं के साथ संचार के लिए विभिन्न लोक तरीकों का भी प्रयोग किया गया। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानमंत्री द्वारा 2015 में की गई थी। कार्यक्रम की शुरूआत के बाद आकाशवाणी महानिदेशालय ने सभी केन्द्रों को दिशा निर्देश जारी किए कि 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाने के लिए वे अपने कार्यक्रमों की योजना बनाते समय विशेष ध्यान दें। वर्ष 2017 में भी वही अभियान जारी रहा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए 2017 का विषय है, 'वीमेन इन द चेंजिंग वर्ल्ड ऑफ वर्कः प्लानेट 50–50 बाई 2030'. इस थीम पर विभिन्न फार्मेटों में कार्यक्रमों को प्रसारित किया गया, जैसे कि बातचीत, चर्चा, साक्षात्कार इत्यादि जिनमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने की दृष्टि से इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह मनाया गया।

इसके अलावा, विभिन्न मंत्रालयों से प्राप्त संदर्भों के आधार पर सभी आकाशवाणी केन्द्रों के कार्यक्रम प्रमुखों को सलाह दी गई कि वे महिलाओं के खिलाफ यौन अपराध, मीडिया में महिलाओं के अश्लील चित्रण, स्तन कैंसर जागरूकता माह तथा मासिक धर्म के दौरान साफ–सफाई संबंधी कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करें। आकाशवाणी ने महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपने कार्यक्रमों जैसे नियमित टीकाकरण, महिला–पुरूष संबंधी हिंसा, स्तनपान को बढ़ावा देने (एमएए प्रोग्राम) इत्यादि में यूनिसेफ के साथ सहयोग किया।

स्वास्थ्य कार्यक्रम

स्वास्थ्य कार्यक्रम आकाशवाणी के नियमित प्रसारणों का हिस्सा हैं। लगभग हर आकाशवाणी केन्द्र नियमित रूप से स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। इन कार्यक्रमों की योजना और इनका प्रसारण संबंधित क्षेत्र की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता, संभावित मौसमी बीमारियों के फैलने तथा मंत्रालय और आकाशवाणी महानिदेशालय के निर्देशों/सलाह के आधार पर किया जाता है। सभी स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों जैसे कि रोग, उनके कारण और निवारण संबंधी जागरूकता, उपलब्ध उपचार के बारे में जानकारी, टीकाकरण के बारे में जानकारी, विभिन्न रोगों के उपचार के लिए सरकारी सुविधाओं के बारे में जानकारी, स्वास्थ्य से संबंधित सरकारी योजनओं को इन कार्यक्रमों में शामिल किया जाता है।

स्वास्थ्य कार्यक्रमों के नियमित प्रसारण में शामिल अन्य विषयों में शादी की सही उम्र, पहले बच्चे में देरी, दो बच्चों के बीच में अंतर, आवधिक पद्धति, मातृ देखभाल, शिशु उत्तरजीविता, पति–पत्नी के बीच बातचीत को बढ़ावा देना, पुरुष की जिम्मेदारी, लड़के की चाहत के संलक्षण को निष्प्रभावित

करना, गर्भावस्था के लिए चिकित्सा लाभ, संस्थागत कानूनी प्रावधानों का प्रचार प्रसार, प्रजनक क्षेत्र संक्रमण (आर टी आई) और यौन संचारित संक्रमण (एसटीआई) में देखभाल, प्रसव पूर्व निदान तकनीक (विनियम और दुरूपयोग की रोकथाम) अधिनियम – 1994, स्तनपान, विकलांगता, टीबी, कुष्ठ रोग और प्रजनन शिशु स्वास्थ्य, आदि शामिल हैं।

देश के कई हिस्सों में स्वाइन फ्लू फैल गया था और एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन गया था। आकाशवाणी महानिदेशालय ने सभी आकाशवाणी केन्द्रों, विशेष रूप से वे जो स्वाइन फ्लू प्रभावित क्षेत्रों में स्थित थे को कहा कि वे बीमारी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए उपयुक्त कार्यक्रम शामिल करें।

इसी तरह देश के कुछ हिस्सों में डेंगू तथा चिकनगुनिया के फैलने के समय, आकाशवाणी के नेटवर्क पर, डेंगू की रोकथाम पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम प्रसारित किए गए। आकाशवाणी कार्यशालाओं तथा जागरूकता फैलाने संबंधी कार्यक्रमों के मामले में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ सहयोग कर रहा है।

नोटो (राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन) द्वारा शुरू किए गए अंग दान अभियान का व्यापक प्रचार किया जा रहा है। नशीली दवा के दुरूपयोग, एड्स और कुष्ठ से प्रभावित व्यक्तियों/परिवारों के पुनर्वास और उन्हें दी जा रही सुविधाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए उपयुक्त कार्यक्रम भी शामिल किए गए।

वैश्विक आयोडीन की कमी संबंधी विकार पर जागरूकता पैदा करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। सभी आकाशवाणी केन्द्र कुपोषण के खिलाफ अभियान को बढ़ावा देने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार का प्रचार कर रहे हैं।

विषम शिशु लिंग अनुपात और बालिका शिशु भ्रूण हत्या के बारे में प्रतिकूल सोच को बदलने के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए देशभर के सभी आकाशवाणी केन्द्रों से विभिन्न फार्मेटों में विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जा रहे हैं।

वैक्सीन कवरेज में सुधार के लिए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने अप्रैल, 2015 में मिशन इंद्रधनुष शुरू किया है। पूरे वर्ष के दौरान आकाशवाणी नेटवर्क के माध्यम से मिशन को व्यापक कवरेज दी गई। वर्ष 2017 में इस अभियान के माध्यम से प्रतिरक्षण के अगले चरण को कवर किया गया है और आकाशवाणी इस पर व्यापक कवरेज और प्रचार कर रही है।

आकाशवाणी प्रसारण के कई कार्यक्रमों में पोषण पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। राष्ट्रीय पोषण दिवस को व्यापक कवरेज दी गई और बच्चों के प्रारम्भिक वर्षों के दौरान और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के पोषण के महत्व के बारे में जानकारी प्रसारित की गई।

सभी आयु समूहों की महिलाओं के बीच स्तन कैंसर के कारणों, लक्षणों, रोकथाम और इलाज के बारे में जागरूकता पैदा करने स्तन कैंसर जागरूकता माह का भी प्रचार किया गया। स्तन कैंसर जागरूकता माह, प्रत्येक अक्टूबर में दुनिया भर के देशों में मनाया जाता है, जिससे इस रोग पर ध्यान देने तथा जागरूकता, शीघ्र पहचान और उपचार के साथ–साथ इस रोग की उपशामक देखभाल में सहायता मिलती है।

ग्रामीण/महिला/युवाओं और स्वास्थ्य जैसे कुछ विशेष श्रोता कार्यक्रमों में, आकाशवाणी के पंजीकृत दर्शक समूह हैं। इन समूहों ने स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर सामान्य जागरूकता फैलाने में योगदान दिया।

बच्चों के कार्यक्रम

सभी केन्द्र नियमित रूप से बच्चों के लिए कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों से बच्चों के लिए तीन श्रेणियों के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं, अर्थात 5 से 7 वर्ष की आयु के बच्चों, 8 से 14 साल की आयु के बच्चों के लिए कार्यक्रम और ग्रामीण बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम। कुछ कार्यक्रम साप्ताहिक आधार पर प्रसारित किए जाते हैं जैसे कि नाटक, लघु कथाएँ, फीचर, कोरल गायन, साक्षात्कार, महाकाव्यों से कहानियां आदि।

आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा बच्चों के लिए प्रसारित कार्यक्रमों में निम्नलिखित बिंदु को नियमित रूप से शामिल किया जाता है:

1. बच्चों के अधिकारों का संरक्षण और विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान को छुपाना और संघर्ष कानून के मामले में किशोरों का संरक्षण।
2. दिव्यांग बच्चों की देखभाल और उन्हे सहायता।
3. मुश्किल परिस्थितियों में बच्चों की देखभाल और सहायता।
4. लड़कियों को समान दर्जा।
5. बच्चों को बुनियादी शिक्षा सुलभ कराना और बालिका शिक्षा पर अधिक ध्यान।
6. बच्चों को सुरक्षित और सहायक वातावरण प्रदान करना।

7. परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार और आत्मनिर्भर समाज।

8. बच्चे के बेहतर भविष्य के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।

9. स्वच्छ पेयजल सुविधा और मलमूत्र निपटान के साफ–सुथरे माध्यम।

10. इंटरनेट और ऑनलाइन दुनिया में जोखिम से बचाव।

दिल्ली बाल अधिकार आयोग के अनुरोध पर माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा जारी किए गए अनुमोदित ''बच्चों पर रिपोर्टिंग मीडिया के बारे में दिशा निर्देश'' का व्यापक प्रचार किया गया। आकाशवाणी ने पूरे भारत में सूचना का प्रसार कर यूनिसेफ के कार्यक्रमों में योगदान दिया।

बच्चों के नियमित टीकाकरण, बच्चों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने पर यूनिसेफ की कार्यशालाओं में आकाशवाणी के अधिकारियों ने भाग लिया जिसका उद्देश्य मुद्दों को समझना और सूचना का प्रसार करना था। इस वर्ष भारत सरकार ने पीसी एंड पीएनडीटी (प्री–नेटाल डायग्नॉस्टिक टेक्निकिक्स) एक्ट पर माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों पर अपने फोकस को दोहराया।

आकाशवाणी ने अपने कार्यक्रमों में ऐक्सेसबल इंडिया अभियान को व्यापक कवरेज दी। सभी भवनों, कार्यालयों, कार्यस्थलों और सार्वजनिक सुविधाओं को दिव्यांगों (डिफ्रेंटली एबल्ड) व्यक्तियों को सुलभ कराने के लिए सरकारी अभियान का प्रचार करने के लिए स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास किए गए।

सरकार की फ्लैगशिप योजनाएं

दिव्यांगों के लिए सरकार द्वारा शुरू की गए ऐक्सेसबल इंडिया अभियान का आकाशवाणी द्वारा अपने नेटवर्क के जरिए व्यापक प्रचार किया गया। सरकार की विभिन्न उपलब्धियों को भी आकाशवाणी के प्रसारण का हिस्सा बनाया गया।

आसपास की सफाई के लिए स्वच्छ भारत मिशन को शुरू किया गया। आकाशवाणी द्वारा इसका उचित प्रचार किया गया। इस मिशन में स्वास्थ्य और व्यक्तिगत स्वच्छता, ग्रामीण स्वच्छता, शहरी स्वच्छता, बीमारी की रोकथाम, जल जनित बीमारियों, प्रदूषण संबंधी बीमारियों आदि संबधी पहलुओं को शामिल किया गया है, जो आकाशवाणी के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रसारण के अभिन्न अंग

हैं। सभी आकाशवाणी केन्द्रों के कार्यक्रम प्रमुखों को सलाह दी गई कि महिलाओं, बच्चों और युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रमों में इन पहलुओं पर उनकी कवरेज को और अधिक मजबूत किया जाए। महिला सशक्तिकरण के तहत प्रमुख बल 'स्वच्छ शक्ति सप्ताह' पर रहा, जिसमें भारत सरकार ने समाज में सफाई और स्वच्छता से महिलाओं को जोड़ने पर जोर दिया। यौन अपराधों और अन्य अत्याचारों के खिलाफ संरक्षण हमेशा से प्रमुख फोकस रहा है और समाज में महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने और मीडिया में महिलाओं की छवि में सुधार लाने में आकाशवाणी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

संगीत

आकाशवाणी अपनी शुरूवात से ही भारतीय संगीत के प्रसार और संरक्षण में एक सार्वजनिक सेवा प्रसारक के रूप में अपनी प्रतिबद्ध सेवाएं प्रदान करता आ रहा है।

संबंधित वर्ष (अप्रैल 2016 से मार्च 2017) की शुरूआत अप्रैल–जून, 2017 के महीनों में निर्धारित राष्ट्रीय संगीत कार्यक्रम में त्रिनिटी और अन्य वाग्गयकारा संगीत कार्यक्रमों के प्रसारण से हुई, जिसमें प्रमुख कलाकार जैसे श्रीमती रंजनी और चेन्नई की श्रीमती गायत्री (त्यागराजा रचना), त्रिशूर के श्री एम के शंकरन नंबोथ्री (मुथुस्वामी दिक्षितर रचना), हैदराबाद की श्रीमती आई. श्वेता प्रसाद (श्यामा शास्त्री रचना) और मेडिकेरी के श्री एम राघवेंद्र (बेल्लारी सेषागिरी आचार की रचना) ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय संगीत कार्यक्रम, रविवासरीय अखिल भारतीय संगीत सभा और क्षेत्रीय सुगम एवं लोक संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम में शामिल कुछ प्रसिद्ध कलाकार थेः

क) हिंदुस्तानी शास्त्रीय

पं. रंजीत सेन गुप्त (सरोद), केंद्रीय अभिलेखागार से विदुषि किशोरी आमोनकर (गायन) को विशेष श्रद्धांजलि, जयतीरथ मेवुंडी (गायन), रविकिरण नाकोड (तबला), संजीव अबेयनकर (गायन), अभय रुस्तम सोपोरी (संतूर), पं. कार्तिक कुमार (सितार), कैलाश पात्रो(वायलिन), डी कुमार दास (गायन), पं. प्रतीक चौधरी (सितार), विदुषि सुरंजना बोस (सुगम शास्त्रीय गायन), पं. सुजीत साहा (तबला), प्रदीप कुमार बरोट (सरोद), और एस. एल. वेणुगोपाल (गायन)।

ख) हिंदुस्तानी सुगम और लोक

गुरू गोविंद सिंह जी की 350वीं जयंती पर भाई निर्मल सिंह रागी तथा पार्टी द्वारा विशेष शबद् कीर्तन, संजीव घोष द्वारा आधुनिक बंगाली गीत और देवयाणी मुखर्जी द्वारा पुरातनी गीत, मेघालय के गीत, जितेन्द्र सिंह द्वारा गजल तथा हेमंत चौहान द्वारा गुजराती तथा लोक गीत।

ग) कर्नाटक शास्त्रीय

श्री आर. मोहन (क्लैरीनेट), तुमकुर श्री बी रविशंकर (मृदंगम), श्रीमती एम. जोगुलम्बा और श्रीमती एन. कृष्णावेनी(वीणा युगल), श्री. वीएसके चक्रपाणि (वायलिन), श्री प्रपंचम एस. बालचंदर (बांसुरी), श्रीमती नागवल्ली नागराज (गायन), श्री द्वारम दुर्गा प्रसाद राव और श्री द्वारम सत्यनारायण (वायलिन युगल), श्री महाराजपुरम एस. श्रीनिवासन (गायन), श्रीमती एस. श्रीवानी (वीणा), कोठाकोटा श्री एन. रामाराव (डोलूसोलो), श्रीमती राजी गोपालकृष्णन (गायन), श्री अलंगुडी एवी. पकिकिरीसामी तथा पार्टी (नागस्वरम), श्री सुरेश के. नायर (गायन), श्री के. सथ्यनारायण (कीबोर्ड), श्रीमती शेरथालाई आर. अनंतकृष्णन (मृदंगम), अनायादी श्रीमती सी. धनलक्ष्मी (गायन), लालगुड़ी श्री जीजेआर कृष्णनन और श्रीमती विजयलक्ष्मी (वायलिन युगल)

घ) कर्नाटक सुगम और लोक

श्रीमती संगीता बालचंद्र (भक्ति संगीत), श्री एम. महादेव स्वामी (तंबुरी पाडा/देवरपदा), श्री. पी. पूर्णचंदर (सुगम संगीत–तेलुगु) और श्री एमवी. सिंहचला शास्त्री (हरीकथा)

ङ) 70वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के सिलसिले में एसपी. बालासुब्रमण्यम (देशभक्ति गीत) द्वारा देशभक्ति गीतों का एक विशेष कार्यक्रम

आकाशवाणी संगीत सम्मेलन 2016

यह एक वार्षिक संगीत कार्यक्रम है जिसकी शुरूवात वर्ष 1954 में हुई थी तथा यह कलाकारों और संगीत प्रेमियों दोनों के बीच अत्यंत लोकप्रिय है। पिछले छः दशकों के दौरान आकाशवाणी संगीत सम्मेलन संगीत प्रेमियों के मन में एक मजबूत ब्रांड बनकर उभरा है। इसे पूरे देश में आयोजित किया जाता है तथा इसमें हिंदुस्तानी और कर्नाटक शास्त्रीय संगीत की धारा से प्रख्यात कलाकार और उभरते हुए कलाकार दोनों ही शामिल होते हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के लगभग सभी कलाकार इस प्रतिष्ठित समारोह का हिस्सा रहे हैं।

आकाशवाणी संगीत सम्मेलन-2016

इस वर्ष के आकाशवाणी संगीत संमेलन समारोहों की मुख्य विशेषता परंपरागत रूप से प्रदर्शित शास्त्रीय कलाकारों की मंडली के अलावा, इस कार्यक्रम को लोक, सुगम और पश्चिमी संगीत कलाकारों को भी शामिल करके और समृद्ध कर दिया गया ताकि इसे एक पूर्ण संगीत उत्सव बनाया जा सके।

इस साल के आकाशवाणी संगीत सम्मेलन समारोहों का आयोजन 24 सितंबर, 2016 (शनिवार) को 24 जगहों पर किया गया जिसमें देश के कई प्रतिष्ठित और होनहार कलाकार शामिल थे। हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत के लिए संगीत शाम कार्यक्रम का आयोजन 16 स्थानों अर्थात दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरू, आगरा, भोपाल, चंडीगढ़ (जालंधर), धारवाड़, जयपुर, पुणे, वलसाड (वडोदरा), तिरुवनंतपुरम, कोझीकोड और विजयनगरम (विशाखापत्तनम) में किया गया। हिंदुस्तानी संगीत के लिए संगीत सुबह समारोह दो जगहों अर्थात् पटना और शिमला में आयोजित किए गए। 5 स्थानों अर्थात् अल्मोड़ा, रामपुर, संबलपुर, मैसूर और कलबुरगी में सुगम और लोक संगीत शाम कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शिलांग में पश्चिमी संगीत समारोह आयोजित किया गया। कुल मिलाकर, लगभग 200 कलाकारों ने इस प्रतिष्ठित समारोह में भाग लिया है।

सभी राजधानी और क्षेत्रीय केन्द्रों राष्ट्रीय हुक–अप के अलावा डीटीएच पर रागम चैनल पर, वेब स्ट्रीमिंग और एआईआर लाइव मोबाइल ऐप पर इन समारोहों का प्रसारण किया गया जो कि 22 अक्टूबर, 2016 से शुरू हुआ और 30 नवंबर, 2016 तक जारी रहा।

इस वर्ष के संगीत सम्मेलन समारोहों में शामिल कुछ कलाकार, प्रमुख और उभरते हुए दोनों थेः

पं. विश्वमोहन भट्ट (मोहन वीणा), उस्ताद मोइनुद्दीन खान (सारंगी), विक्कू विनायकरम (चतुर घाटम), एस शशांक (बांसुरी), पं. सूर्यकांत खलदकर (सुन्दरी), रितेश–राजनीश मिश्रा (गायन युगल), डॉ. एस. सोम्या (गायन), विष्णुभाटला बहनें (गायन युगल), पठ्ठाभिरमपंडित (गायन), पुण्य श्रीनिवास (वीणा), कोयल दासगुप्ता (सुगम शास्त्रीय गायन), प्रशांत–निशांत मलिक (ध्रूपद/धमार), पं. कुशल दास (सितार), मदुरै टी एन एस कृष्णा (गायन), पुष्पराज कोश्ती (सुरबहार), वी वी रमन मूर्ति (मृदंगम), उस्ताद अकरम खान (तबला) और केजी कल्याणसुंदम (तवील), दीपाली वॉटल (गज़ल), वी दीपिका (भक्ति), पवानी काशीनाथ (देवरनामा), शारदा भारत वादावटी (वाचन), उस्ताद अहमद हुसैन और उस्ताद मोहम्मद हुसैन (गज़ल/भजन) और बसंती बिष्ट (गढ़वाली लोक), प्रोशांतोचुंदर दत्त–वायलिन (पश्चिमी शास्त्रीय), लू माजॉ एंड पार्टी (रॉक एंड रोल) और रूडोल्फ वालंग एंड पार्टी (पश्चिमी बैंड)।

आकाशवाणी संगीत प्रतियोगिताएं- 2016

युवाओं के बीच नई प्रतिभा को तलाशने के लिए आकाशवाणी संगीत प्रतियोगिता एक नियमित आयोजन है। शहनाई उस्ताद भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्ला खान को श्रद्धांजलि के रूप में, 21 मार्च, 2016 को उनके जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में इस वर्ष की आकाशवाणी संगीत प्रतियोगिताओं में इस महान हस्ती के नाम से एक विशेष पुरस्कार 'आकाशवाणी उस्ताद बिस्मिल्ला खान विशेष पुरस्कार' की शुरुआत की। इस वर्ष हिंदुस्तानी संगीत के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन धारवाड़, जालंधर और पटना में तथा कर्नाटक संगीत के लिए बेंगलुरु और हैदराबाद में किया गया।

पश्चिमी संगीत के क्षेत्र में प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए, आकाशवाणी ने निम्नलिखित श्रेणियों में प्रथम और द्वितीय पुरस्कार शुरू किए:

1. पश्चिमी संगीत (गायन), 2. पश्चिमी वाद्य संगीत (सोलो), 3. पश्चिमी बैंड

संत रचनाकार त्यागराजा के 170वें अराधना समारोह के अवसर पर 14 जनवरी, 2017 को राष्ट्रीय हुक–अप पर राष्ट्रीय संगीत कार्यक्रम में त्यागराजा आराधना संगीत समारोह का सीधा प्रसारण किया गया तथा 17 जनवरी 2017 को सुबह थिरुवायारू से पंचतंत्र गोष्ठी गणम (पंचतंत्र रचनाओं की सामूहिक प्रस्तुति) की लाईव कवरेज भी की गई।

खेल

1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 की अवधि के दौरान, आकाशवाणी ने अपने राष्ट्रीय हुक–अप और साथ ही क्षेत्रीय केन्द्रों पर भी विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए उचित कवरेज प्रदान की। राष्ट्रीय हुक–अप पर कुछ प्रमुख आयोजनों की कवरेज का विवरण इस प्रकार है:–

(क) मल्टी-डिसिप्लिन आयोजन

1. 31वें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल–2016, रियो डी जनेरियो, ब्राज़ील:

आकाशवाणी ने 31वें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल–2016, रियो डी जनेरियो (ब्राज़ील) को व्यापक तथा विशेष कवरेज प्रदान की जिसमें 5 जुलाई 2016 को कर्टेन रेजर कार्यक्रम, 6 अगस्त, 2016 से 22 अगस्त, 2016 तक रोजाना हाईलाईट्स कैप्सूल, सभी भारत विशिष्ट महिला हॉकी और बैडमिंटन मैचों, टेनिस मैचों पर लाइव कमेंट्री तथा सभी भारत विशिष्ट पुरुषों के हॉकी मैचों, सेमीफाइनल और फाइनल मैचों पर लाइव कमेंट्री शामिल है। एफएम रेनबो नेटवर्क और एफएम गोल्ड चैनल पर ब्रेकिंग न्यूज़ के साथ एफएम रेनबो पर घंटेवार लाइव अपडेट प्रसारित किए गए।

भारत सरकार की टारगेट ओलंपिक पोडियम (टॉप) योजना पूरे आयोजन के दौरान संपूर्ण आकाशवाणी पर हाईलाइट किया गया। योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों को भी पर्याप्त कवरेज दी गई।

31वें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल-2016, रियो डी जनेरियो, ब्राज़ील

2. 16 से 26 अक्टूबर, 2016 तक दिल्ली में आयोजित एनसीसी कैडेटों के राष्ट्रीय खेल –2016 पर रेडियो रिपोर्ट।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री, कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर जो कि स्वयं एक ओलंपिक रजत पदक विजेता हैं, के साथ आकाशवाणी

(ख) क्रिकेट

1. 15 मार्च, 2016 से 3 अप्रैल 2016 तक भारत में आयोजित आईसीसी विश्व ट्वेंटी –20 क्रिकेट टूर्नामेंट।
2. 'स्ट्म्प्ड' – सीजन III एआईआर–बीबीसी–एबीसी सह–प्रस्तुति, 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च, 2017 तक (एफएम रेनबो नेटवर्क पर हर शनिवार)

(ग) वॉलीबॉल

1. 3 अक्टूबर 2016 को नई दिल्ली में सीमा सुरक्षा बल और बॉर्डर गार्डिंग बांग्लादेश के बीच खेले गए मैत्री कप वॉलीबॉल मैच पर लाइव कमेंट्री।

(घ) फुटबॉल

1. 11 सितंबर, 2016 को दिल्ली में खेले गए 128वें डुरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट फाइनल मैच की लाइव कवरेज।
2. 15 अक्टूबर, 2016 को पणजी में खेले गए ब्रिक्स अंडर सेवेंटीन फुटबॉल टूर्नामेंट फाइनल मैच की लाइव कवरेज।
3. 22 अक्टूबर, 2016 को दिल्ली में खेले गए सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अंडर सेवेंटीन लड़कों के फाइनल मैच की लाइव कमेंट्री।
4. 26 मार्च 2017 को गोवा में खेले गए 71वें संतोष ट्रॉफी फुटबॉल टूर्नामेंट फाइनल मैच की लाइव कवरेज।

(ड.) टेनिस

1. 29 जून, 2016 से 11 जुलाई 2016 तक विंबलडन टेनिस चैम्पियनशिप पर दैनिक रिपोर्ट।
2. 15 से 17 जुलाई 2016 तक चंडीगढ़ में खेले गए डेविस कप टेनिस वर्ल्ड ग्रुप प्ले–ऑफ टाई मैच पर लाइव कमेंट्री।
3. 16 से 18 सितंबर, 2016 तक दिल्ली में खेले गए डेविस कप टेनिस वर्ल्ड ग्रुप प्ले–ऑफ टाई मैच पर लाइव कमेंट्री।
4. 8 जनवरी 2017 को चेन्नई में खेले गए चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट–2017 पर लाइव कमेंट्री।
5. 3 से 5 फरवरी, 2017 तक पुणे में खेले गए डेविस कप ग्रुप 1 एशिया/ओशिनिया पहले दौर टेनिस मैचों पर लाइव कमेंट्री।
6. 7 से 9 मार्च तक बेंगलुरू में खेले गए डेविस कप ग्रुप 1 एशिया/ओशिनिया दूसरे दौर टेनिस मैचों पर लाइव कमेंट्री।

(छ) हॉकी

1. 11 नवंबर, 2016 को जालंधर में 33वें सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट के फाईनल मैच की लाइव कवरेज।
2. 27 दिसंबर, 2016 को कोलकाता में खेले गए 121वें बीगटन कप हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल मैच की लाइव कवरेज।

(छ) बैडमिंटन

1. 29 जनवरी, 2017 को लखनऊ में खेले गए सैयद मोदी इंडिया ग्रां प्री गोल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप–2017 के फाइनल मैच की लाइव कवरेज।
2. 7 फरवरी, 2017 को पटना में खेले गए 81वीं सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैम्पियनशिप–2017 के फाइनल मैच की लाइव कवरेज।

(ज) सायक्लिंग

6 से 10 फरवरी, 2017 तक दिल्ली में आयोजित 37वीं वरिष्ठ, 24वीं जूनियर एशियाई ट्रैक सायक्लिंग चैम्पियनशिप और 6ठी पैरा सायक्लिंग चैम्पियनशिप पर रेडियो रिपोर्ट 11 फरवरी, 2017 को प्रसारित की गई थी।

(झ) शूटिंग

24 फरवरी से 4 मार्च 2017 तक दिल्ली में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चैम्पियनशिप पर दो रेडियो रिपोर्ट 27 फरवरी और 4 मार्च 2017 को प्रसारित की गईं। 24 फरवरी से 1 मार्च, 2017 तक एफएम रेनबो नेटवर्क पर हर घंटे लाइव अपडेट प्रसारित किए गए। कुल 41 अपडेट प्रसारित किए गए।

समाचार सेवा प्रभाग

आकाशवाणी को विश्व में प्रमुख प्रसारण संगठनों में से एक होने का गौरव प्राप्त है। आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग भारत और विदेशों में श्रोताओं तक समाचार और समाचार आधारित कार्यक्रमों को पहुँचाता है।

लक्ष्यों का विवरण

'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' के अपने महान आदर्शों पर खरा उतरते हुए, आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग (एनएसडी) रेडियो प्रसारण में उच्चतम पेशेवर नैतिकता और मानकों का पालन

करते हुए इस विशाल देश के विभिन्न भू–भागों में लगभग सभी बड़ी भाषाओं और बोलियों में प्रत्येक निवासी को 24x7, समाचार और विचार उपलब्ध करने का प्रयास करता है। यह अपना दैनिक जीवन से गुजरते हुए लोगों को आवाज के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

एनएसडी, आकाशवाणी पारंपरिक प्लेटफॉर्म के साथ नई प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं को अपनाएगा और रेडियो प्लस के रूप में सोशल मीडिया सहित न्यू मीडिया एप्लीकेशनों पर समाचार और चर्चा कार्यक्रम प्रदान करेगा।

एनएसडी, अकाशवाणी संगठन के भीतर सभी स्तरों पर रचनात्मकता, उत्कृष्टता, ईमानदारी, अखंडता और पारदर्शिता से पूर्ण सहकारी उत्पादक कामकाजी वातावरण को बढ़ावा देगा।

समाचार स्रोत

आकाशवाणी के समाचारों का बड़ा हिस्सा देश भर में फैले उसके अपने संवाददाताओं से आता है। भारत और विदेशों में इसके लगभग 90 नियमित संवाददाता हैं। वर्तमान में, एनएसडी के विशेष संवाददाता कोलंबो, ढाका, दुबई और काठमांडू में तैनात हैं। इसके अलावा, आकाशवाणी के लगभग 500 से अधिक अंशकालिक संवाददाता लगभग सभी जिला मुख्यालयों में मौजूद हैं।

एनएसडी ने समाचार तार एजेंसियों– अर्थात यूएनआई, पीटीआई और उनकी इसी हिंदी सेवाएं – यूनिवार्ता और भाषा की भी सदस्यता ले रखी है।

आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग गृह, क्षेत्रीय, विदेशी तथा डी टी एच सेवाओं में प्रतिदिन लगभग 92 भाषाओं/बोलियों में लगभग 607 बुलेटिनों का प्रसारण करता है। बाह्य बुलेटिन 15 विदेशी भाषाओं में हैं जैसे अरबी, बलूची, बर्मी, दरी, फ्रेंच, नेपाली, फारसी, पश्तो, सिंहली, तिब्बती आदि। । एनएसडी प्रतिदिन 61 घंटे से भी ज्यादा अवधि के समाचार बुलेटिनों और समसामयिक मामलों के कार्यक्रमों का प्रसारण करता है और प्रत्येक माह लगभग 1318 घंटे समाचार आधारित कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। इस नियमित प्रसारण के अलावा, समय–समय पर चुनावों, बजट, संसद/राज्य विधान सभा के सत्रों के दौरान विशेष बुलेटिन/कार्यक्रम भी शामिल किए जाते हैं।

विस्तार और अभिनव प्रयास

एनएसडी, आकाशवाणी वर्ष दर वर्ष भर विभिन्न डोमेनों में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है, जिसका उद्देश्य जनता तक समाचार पहुँचाना और समाज के सभी वर्गों तक पहुँच बनाना है।

एनएसडी, आकाशवाणी ने पिछले तीन वर्षों के दौरान अपने पारंपरिक प्लेटफॉर्म के अतिरिक्त नई प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं को अपनाया है यह रेडियो प्लस के रूप में सोशल मीडिया सहित न्यू मीडिया एप्लीकेशनों पर समाचार और चर्चा कार्यक्रमों को प्रदान करता है।

समाचार सेवा प्रभाग ने सोशल मीडिया जैसे, वेबसाइट, फेसबुक, ट्विटर, साउंडक्लाउड, यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर अपनी उपस्थिति में काफी हद तक वृद्धि की है और दर्शकों तक पहुंचने के मामले में यह बड़े मील का पत्थर को पार कर चुका है।

- साउंड क्लाउड – 2014 में शुरू किया गया एक बहुत ही लोकप्रिय ऑडियो मंच है। प्रमुख राष्ट्रीय बुलेटिन और समसामयिकी मामलों के कार्यक्रमों को उनके प्रसारण के तुरंत बाद साउंड क्लाउड पर डाल दिया जाता है और ट्विटर और फेसबुक के माध्यम से लिंक उपलब्ध कराए जाते हैं। इस समय एनएसडी में कुल 13734 फॉलोअर हैं और कुल 2 लाख से ज्यादा प्ले हैं।
- युवा पीढ़ी की सेवाएं देने के जून 2013 में फेसबुक पर सेवा को शुरू किया गया था। आज की स्थिति के अनुसार फॉलोअर्स की संख्या 32 लाख से अधिक तक पहुंच गई है।
- श्रोताओं को मिनट दर मिनट के अपडेट देने के लिए जनवरी 2013 में ट्विटर एनएसडी के एकाउंट airnewsalerts को शुरू किया गया था। आज, इसके फॉलोअर्स की संख्या 15 लाख से ज्यादा है, जिसमें देश भर में लगभग सभी पत्रकार शामिल हैं।
- एनएसडी मुख्यालय के साथ तालमेल रखते हुए, एनएसडी की क्षेत्रीय समाचार इकाइयों ने भी अपनी संबंधित क्षेत्रीय भाषाओं में अपने ट्विटर पेजों को शुरू किया है।
- एनएसडी की वेबसाइट– newsonair.com पर समाचार आधारित कार्यक्रमों, फीचरों और विशेष कार्यक्रम के अलावा विभिन्न राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, खेल, व्यापार समाचार हैं। एनएसडी और क्षेत्रीय समाचार इकाइयों से समाचार बुलेटिनों के ऑडियो और पाठ भी वेबसाइट पर डाले जाते हैं। प्रति माह 343 लाख से अधिक बार इसे देखा जाता है।

नई आरएनयू / बुलेटिन की शुरुआत

- एक सार्वजनिक प्रसारक होने के नाते, एनएसडी ने विभिन्न बोलियों में समाचार बुलेटिन शुरू करने की लोकप्रिय मांग को भी ध्यान में रखा है।
- नवंबर 2016 में, आरएनयू जम्मू से अतिरिक्त गोजरी बुलेटिन शुरू कर दिया।
- राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने बंगाली श्रोताओं के लिए 23 अगस्त 2016 को कोलकाता में आकाशवाणी मैत्री चैनल और इसकी वेबसाइट शुरू की, जिसमें बंगाली में समाचार और समाचार आधारित कार्यक्रम शामिल हैं। आकाशवाणी मैत्री न केवल भारत और बांग्लादेश में बल्कि पूरे विश्व में भी बंगाली श्रोताओं तक पहुंचने के लिए एक नवीन पहल है।

बल दिए जाने वाले क्षेत्र

1. डिजिटाइज़ेशन; आवश्यक सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर प्राप्त करना और प्रशिक्षण प्रदान करना।
2. समाचार का डिजिटल प्रसारण– इंटरनेट रेडियो।
3. रेडियो प्लस फार्मेट– सोशल मीडिया का समाचार कार्यकलापों के साथ एकीकरण।
4. समाचार सेवा प्रभाग द्वारा तैयार समाचार और समसामयिकी मामलों के कार्यक्रमों को संग्रहित करना।
5. विस्तारित आईटी बुनियादी ढांचे के उपयोग के माध्यम से आरएनयू का ऑटोमेशन।
6. एनएसडी समाचार सेवा का उन्नयन।
7. सामाजिक मीडिया पर आरएनयू की बढ़ी हुई उपस्थिति।

विदेशी समाचार पूल को सुदृढ़ करना

विदेशी समाचार पूल को व्यवस्थित और सुदृढ़ बनाने के लिए, मॉनिटरिंग युनिट का सामान्य समाचार कक्ष के साथ विलय कर दिया गया है और एक अलग विदेशी समाचार पूल डेस्क (एफडीडी) बनाया गया है।

संपादकीय, अनुवाद और समाचार पढ़ने के कौशल को बढ़ाने के लिए, 20 अक्टूबर, 2016 को ठेके पर तथा आकस्मिक कर्मचारियों सहित हिन्दी हिंदी संपादकों और न्यूज़रीडर–सह–अनुवादकों के लिए, 'बेहतर सम्पादन, अनुवाद और वाचन' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें अनुभवी संपादकों को प्रतिभागियों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया।

क्षेत्रीय समाचार एकांश

आकाशवाणी के 46 क्षेत्रीय समाचार एकांश (आर एन यू) लोगों की सूचना संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। क्षेत्रीय समाचार एकांश समाचार को क्षेत्र विशिष्ट और जनता सुगम बनाने के लिए 77 क्षेत्रीय भाषाओं/बोलियों में समाचार बुलेटिन तथा कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। प्रत्येक राज्य में कम से कम एक आर एन यू है और बड़े राज्यों में उस राज्य की घटनाओं की प्रभावशाली ढंग से कवरेज के लिए चार तक आर एन यू हैं। आर एन यू अपनी क्षेत्रीय, विदेश, डी टी एच सेवाओं और एफ एम मुख्य समाचार प्रतिदिन लगभग 33 घंटे की अवधि के 444 बुलेटिनों को प्रसारित करते हैं। आर एन यू राज्य विधानसभाओं के सत्र के समय विशेष कार्यक्रम प्रसारित करने के अलावा एक माह में कुल लगभग 1706 घंटे की अवधि के 12720 समाचार आधारित कार्यक्रम भी प्रसारित करते हैं।

एफ एम मुख्य समाचार जानकारी की इच्छा रखने वाले लोगों की शहरों और नगरों में व्यस्तता के दौरान तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इस समय आर एन यू द्वारा 16 भाषाओं में 249 मुख्य समाचार बुलेटिन तैयार किए जा रहे हैं।

पूरे देश में आरएनयू में लगभग 92 पूर्ण कालिक संवाददाता/संपादक (सात गैर–आरएनयू संवाददाताओं सहित) हैं। इसके अलावा, दूरदराज के क्षेत्रों से समाचार पाने के लिए जिला स्तर पर 500 अंशकालिक संवाददाताओं (पीटीसी) की सेवाओं का उपयोग किया जा रहा है। उन्हे आरएनयू में नियमित संवाददाताओं और संपादकों द्वारा मार्गदर्शन और पेशेवर सहायता प्रदान की जाती हैं। बेहतर मात्रात्मक और गुणात्मक प्रदर्शन के लिए पीटीसी के व्यावसायिक कौशल को सुदृढ़ करने के लिए, एनएसडी समय–समय पर उनके लिए उन्मुखीकरण कार्यशालाओं का आयोजन करता है। पीटीसी कार्यशाला का आयोजन 13 अक्टूबर, 2016 को भुवनेश्वर, ओडिशा में किया गया था जिसमें पीटीसी को नए मीडिया जैसे ट्विटर/फेसबुक के उभरने और उन्हें किस तरह से इनपुट देना है इसके बारे में सूचित किया गया था। महानिदेशक (समाचार), श्री. सितांशु कार ने पीटीसी को इस मुद्दे के बारे में बताया। अब 31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार 45 आरएनयू के ट्विटर हैंडल हैं और 23 आरएनयू का अपना फेसबुक अकाउंट है।

एनएसडी ने पश्चिम बंगाल, केरल, यूपी, मणिपुर, उत्तराखंड, गोवा और पंजाब के चुनाव के लिए जाने वाले राज्यों में पीटीसी कार्यशालाओं का आयोजन किया ताकि उन्हें चुनाव कवरेज और मॉडल आचार संहिता के बारे में संवेदनशील बनाया जा सके।

जनता की मांग पर आरएनयू जम्मू से 5 मिनट की अतिरिक्त गोजरी बुलेटिन नवंबर, 2016 में शुरू किया गया।

'मन की बात' कार्यक्रम

राष्ट्र के नाम प्रधान मंत्री के 'मन की बात' संबोधन को क्षेत्रीय भाषाओं के बुलेटिनों सहित सभी प्रमुख समाचार बुलेटिनों में शामिल किया गया था। एनएसडी की वेबसाइट पर लाइव वेबकास्टिंग भी की गई।

स्वच्छ भारत मिशन गतिविधियों की कवरेज

आकाशवाणी के समाचार सेवा प्रभाग ने बुलेटिनों में 1 मार्च, 2017 से 8 मार्च, 2017 तक आयोजित स्वच्छ शक्ति सप्ताह को विशेष कवरेज सहित विभिन्न सरकारी मंत्रालयों और विभागों में स्वच्छता

पखवाड़ा गतिविधियों को व्यापक कवरेज दी। एनएसडी ने स्वच्छ भारत मिशन से प्रेरित आम जनता के योगदान को अपने प्रमुख समाचार बुलेटिनों में प्रसारित किया। 'स्वच्छ भारत मिशन' की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर एनएसडी ने कई विशेष कार्यक्रम भी प्रसारित किए।

आकाशवाणी की 46 क्षेत्रीय समाचार इकाइयां ने 2 अक्टूबर 2016 को अपने संबंधित क्षेत्रीय बुलेटिनों में स्वच्छ भारत मिशन की दूसरी वर्षगांठ के स्पॉट समाचारों को व्यापक कवरेज दी। आरएनयू ने अपने समसामयिक मामलों के स्लॉट के तहत थीम पर विशेष कार्यक्रमों को शामिल किया। एनएसडी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अर्थात ट्विटर और फेसबुक के साथ–साथ वेबसाइट पर व्यापक रूप से पूरे देश में आयोजित थीम पर विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों को कवर किया गया है। कवरेज का सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रभाव स्पष्ट रूप से नजर आ रहा था। थीम पर रेडियो पर निर्धारित विशेष कार्यक्रमों के क्रॉस मीडिया प्रचार के लिए भी ट्विटर/फेसबुक का भी इस्तेमाल किया गया था।

फेसबुक पर 50 से अधिक वृतांतों को फेसबुक पर पोस्ट किया गया। वृतांतों को ट्वीट किया गया और संबंधित महत्वपूर्ण घटनाओं के रीट्वीट भी भेजे गए थे। इसके अलावा, इसने अपने ट्विटर फॉलोअर्स को वीडियो क्लिप, ऑडियो क्लिप और चित्र वाले ट्वीट्स भी भेजे। अभियान की अवधि के दौरान 100 से अधिक ट्वीट पोस्ट किए गए।

एनएसडी ने स्वच्छता से संबंधित गतिविधियों के लिए एक कार्य योजना निर्धारित करने का लक्ष्य तैयार किया, जो कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा परिचालित गतिविधियों के कैलेंडर में निर्धारित है, जिसमें हर महीने स्वच्छता अभियान पर ध्यान केंद्रित किया गया है। प्रसार भारती/सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को हर महीने एक प्रगति रिपोर्ट भी भेजी जा रही है।

एनएसडी, आकाशवाणी और इसकी 46 क्षेत्रीय समाचार इकाइयों (आरएनयू) में 16 से 31 जनवरी, 2017 के दौरान सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। समाचार बुलेटिन और समाचार आधारित कार्यक्रमों में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की स्वच्छता पखवाड़ा से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को व्यापक कवरेज भी दी गई।

सरकारी योजना की कवरेज

एनएसडी, आकाशवाणी ने सरकार द्वारा समय–समय पर शुरू की गई विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और विकास योजनाओं/कार्यक्रमों जैसे, वित्तीय समावेश, डिजिटल भारत, स्वच्छता अभियान, मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप, भीम ऐप, प्रधान मंत्री आवास योजना,प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना, दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार, सुलभ भारत अभियान आदि को समाचार बुलेटिनों के साथ–साथ वार्ता और समसामयिकी मामलों के कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापक कवरेज दी। सोशल मीडिया यूनिट द्वारा सरकारी योजनाओं संबंधी समाचार मदों को ट्विटर और फेसबुक पेज पर नियमित आधार पर पोस्ट किया गया। आकाशवाणी की क्षेत्रीय समाचार इकाइयों ने अपने संबंधित क्षेत्रीय बुलेटिनों में सरकारी योजनाओं को व्यापक कवरेज दी और संबंधित विषयों पर कार्यक्रमों को भी शामिल किया।

डिमनीटाईज़ेशन स्कीम पर कवरेज

सरकार द्वारा उठाए गए डिमनीटाईज़ेशन कदमों के समर्थन में व्यापक प्रचार किया गया। एनएसडी ने नवंबर और दिसंबर 2016 माह के दौरान डिमनीटाईज़ेशन योजना के प्रचार हेतु विशेष अभियान के रूप में विभिन्न बुलेटिनों में डिमनीटाईज़ेशन पर 350 से अधिक समाचारों को शामिल किया जिसमें प्रधान मंत्री, वित्त मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्री और अन्य केंद्रीय मंत्रियों के साथ–साथ आर्थिक मामलों के सचिव और आरबीआई गवर्नर के साउंड बाइट शामिल हैं। विभिन्न बुलेटिनों में समाचार प्रसारण के अलावा, एनएसडी ने डिमनीटाईज़ेशन योजना के संबंध में विभिन्न विषयों पर विशेष चर्चा कार्यक्रमों की एक श्रृंखला को प्रसारित किया। आकाशवाणी की क्षेत्रीय समाचार इकाइयों ने भी अपने संबंधित क्षेत्रीय बुलेटिनों में इस योजना के व्यापक कवरेज दी और विशेष कार्यक्रमों को भी शामिल किया। सोशल मीडिया टीम ने पत्र सूचना कार्यालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा अफवाहों/मिथकों के बारे में स्पष्टीकरण देने संबंधी पोस्टों की श्रृंखला को रीट्वीट किया। एनएसडी ने पूरे देश के विभिन्न शहरों/राज्यों में आयोजित डिजी धन मेला और लकी ग्राहक योजना कार्यक्रमों को विशेष कवरेज प्रदान की। एनएसडी मुख्यालय और आरएनयू द्वारा डेली मार्केट मंत्र कार्यक्रम के अलावा, डिजी धन मेला से संबंधित कई चर्चा कार्यक्रम भी प्रसारित किए गए।

एनएसडी ने 5 दिसंबर, 2016 को एक कार्यशाला का आयोजन किया ताकि कर्मचारियों को नकदी के बजाय निजी लेनदेन के लिए डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। एनएसडी 'मीडिया कैंपेन एबाउट सेफ एंड लीगल माईग्रेशन' से संबंधित विशेष कार्यक्रमों को भी प्रसारित करता है।

विधानसभा चुनावों का विवरण

एनएसडी ने नौ राज्यों अर्थात पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा और पंजाब में राज्य विधानसभाओं के चुनावों और इन राज्यों में नए मुख्यमंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोहों की कवरेज के लिए उचित व्यवस्था की। एनएसडी, आकाशवाणी की सोशल मीडिया सेल ने भी चुनाव से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को व्यापक रूप से कवर किया। विशेष कार्यक्रमों जैसे रेडियो ब्रिज, जनता की बात को एनएसडी द्वारा परिदृश्य का विश्लेषण करने और लोगों को नवीनतम जानकारी देने के लिए शामिल किया गया।

वेबसाइट और सोशल मीडिया सेल

आई टी एकांश एन एस डी की अधिकारिक वेबसाइट newsonair.nic.in का रखरखाव करता है और उसे अद्यतन करता है। वेबसाइट पर विभिन्न समाचार आधारित कार्यक्रमों, रूपकों और विशेष कार्यक्रमों के अलावा विभिन्न राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय, खेल, बिजनेस समाचार अपलोड किए जाते हैं। एन एस डी और क्षेत्रीय समाचार एकांशों के समाचार बुलेटिनों के आडियो और टेक्स्ट वेबसाइट पर डाले जाते हैं। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री के भाषण, स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति के भाषण, केन्द्रीय बजट, रेल बजट इत्यादि के आडियो और टेक्स्ट वेबसाइट पर अपलोड किए गए। विशेष विन्डो और पेज के माध्यम से 'मन की बात' कार्यक्रम की लाइव वेबकास्टिंग एन एस डी वेबसाइट पर की जाती है। वेबसाइट पर 'आजादी 70 साल–याद करो कुर्बानी', 'स्वच्छ भारत अभियान', 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस', मतदाताओं के लिए ऑनलाइन सेवाएं, जैसे जागरूकता अभियान शामिल किए गए, 'राष्ट्रीय एकता दिवस', 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' जैसे अभियानों को कवरेज दी गई, भूकंप के दौरान क्या और क्या नहीं, प्रसारण मीडिया के लिए समाचार नीति, आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा चुनावों के कवरेज के लिए दिशानिर्देशों तथा कई अन्य विषयों को शामिल किया गया।

एनएसडी ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज की है। एनएसडी के फेसबुक पेज के लिए लाईक्स 3.2 मिलियन को पार कर चुके हैं। एनएसडी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल @airnewsalerts के फालोअर्स का आंकड़ा 1.59 मिलियन को पार कर गया है। विशेष घटनाओं और जागरूकता अभियानों जैसे आर्थिक सर्वेक्षण, आम बजट की प्रस्तुति तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और राष्ट्रीय एकता दिवस उत्सव और स्वच्छता दिवस अभियान आदि के लिए लाइव ट्विटिंग की जाती है।

चलायमान आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए आकाशवाणी मोबाइल एप अप्रैल, 2013 में शुरू की गई थी। श्रोता अपने मोबाइल फोन पर समाचार और समाचार आधारित कार्यक्रमों को सुन सकते हैं। एप इंटरनेट पर निःशुल्क उपलब्ध है।

रिपोर्टिंग एकांश

रिपोर्टिंग एकांश ने अवधि के दौरान विभिन्न समाचारों और घटनाओं को कवर किया, जिसमें सरकार के 2 साल पूरे होने, 'ग्रामोदय से भारत उदय' जैसी नई पहल और 'आजादी के 70 साल जरा याद करो कुर्बानी' जैसे कार्यक्रम भी शामिल किए गए। आकाशवाणी पर प्रधान मंत्री की 'मन की बात' के सभी संस्करण व्यापक रूप से कवर किए गए। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधान मंत्री की यात्रा की व्यापक कवरेज के लिए विशेष संवाददाता विदेश गए। इसमें राष्ट्रपति की चीन, घाना, आइवरी कोस्ट, नामीबिया और नेपाल की यात्रा शामिल है। उप राष्ट्रपति की हंगरी, अल्जीरिया, नाइजीरिया, माली, मोरक्को, ट्यूनीशिया, एनएएम सम्मेलन के लिए वेनेजुएला, रवांडा, यूगांडा और जकार्ता की यात्राएं शामिल हैं। प्रधान मंत्री की सऊदी अरब, ईरान, अफगानिस्तान, स्विटजरलैंड, कतर, मैक्सिको, उज़बेकिस्तान, वियतनाम, जापान, मोजाम्बिक, दक्षिण अफ्रीका, तंजानिया, केन्या औरजी–20 शिखर सम्मेलन के लिए हांग्जो, चीन, आसियान–इंडिया और ईस्ट एशिया शिखर सम्मेलन के लिए लाओस की यात्रा को आकाशवाणी के समाचार बुलेटिन में व्यापक रूप से कवर किया गया। गोवा में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और भारत–रूस वार्षिक सम्मेलन को भी व्यापक रूप से कवर किया गया।

इसके अलावा, संसद के मानसून सत्र, शीतकालीन सत्र और बजट सत्र, पं. दीन दयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी और सरदार पटेल की वर्षगांठ रिपोर्टिंग यूनिट द्वारा कवर किए गए अन्य समारोह थे।

वार्ता और समसामयिक घटना एकांश

वार्ता और समसामयिक घटना एकांश को विभिन्न विषयों पर विश्लेषणात्मक समाचार आधारित कार्यक्रमों का प्रसारण करने का दायित्व सौंपा गया है। इसका उद्देश्य श्रोताओं की प्रमुख समाचार के घटनाक्रम को समझने, बातों को परिप्रेक्ष्य में रखने और विषय को समझने में मदद करना है। समसामयिकी, स्पॉटलाईट/समाचार विश्लेषण, सामयिकी, मनी टॉक, वाद संवाद, कंट्रीवाइड, सुर्खियों से परे, पब्लिक स्पीक तथा चर्चा का विषय कार्यक्रमों में विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

जिन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया उनमें एनडीए सरकार के दो साल पूरे होने पर चर्चा, डिमनीटाईजेशन योजना तथा डिजी धन मेला, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ– बेटी पढ़ाओ, कन्या भ्रूण हत्या, महिला सुरक्षा, पंडित दीन दयाल उपाध्याय का योगदान, भारत को एकजुट करने में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान, स्टैंड–अप इंडिया स्कीम का उद्घाटन, भारत–अमेरिकी रक्षा सहयोग और मेक इन इंडिया स्कीम, विभिन्न राज्यों में विधानसभा चुनावों पर चर्चा, प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना, ग्रामोदय से भारत उदय, हार्ट ऑफ एशिया सम्मेलन – 2016, युवाओं में कौशल विकास, विभिन्न विधानसभा चुनावों में मतों की गिनती का लाइव कवरेज शामिल हैं।

एनएसडी ने अल्पसंख्यक कल्याण पर कार्यक्रम, धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना,भारत पर यूरोपीय संघ से ब्रिटेन की निकासी का प्रभाव, सातवें वेतन आयोग की रिपोर्ट, नीति आयोग का पंद्रह वर्ष का विजन दस्तावेज, स्वच्छ सर्वेक्षण –2017, परमाणु सुरक्षा सम्मेलन और वैश्विक आतंक डाटाबेस, जी –20 वित्त मंत्रियों की बैठक, कृषि बाजारों के एकीकरण और किसानों का हित, जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौता, भारत–चीन संबंध और कई अन्य द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा का भी प्रसारण किया।

एनएसडी ने कई मंत्रियों, सरकारी संस्थानों के प्रमुख और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साक्षात्कार का प्रसारण किया। राष्ट्र के नाम प्रधान मंत्री के मासिक संबोधन 'मन की बात' पर चर्चाओं को शामिल किया गया। आम बजट पेश करने पर विशेष लाइव द्विभाषी कार्यक्रमों को शामिल किया गया। संसद सत्रों के दौरान अंग्रेजी में स्पेशल इश्यूज बिफोर पार्लियामेंट तथा हिंदी में संसद के समक्ष मुद्दे पर विशेष कार्यक्रम भी प्रसारित किए गए। विधानसभा चुनावों के लिए वोटों की गिनती के दिन विशेष लाइव रेडियो ब्रिज कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

साल की समाप्ति पर विशेष कार्यक्रम श्रृंखला

एनएसडी ने 21 दिसंबर, 2016 से 30 दिसंबर, 2016 के दौरान साल की समाप्ति कार्यक्रमों की श्रृंखला–2016 का प्रसारण किया जिसमें कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, डिजिटल भारत, वित्त, मेक इन इंडिया, रक्षा, विदेशी मामलों सहित विभिन्न क्षेत्रों में सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। एनएसडी ने सरकार के स्वच्छता अभियान और डिमनीटाईजेशन योजना पर भी विशेष चर्चा कार्यक्रमों को शामिल किया। इन कार्यक्रमों को स्पॉटलाइट, समायिकी, न्यूज एनालिसिस, मनी टॉक, वाद–संवाद, सुर्खियों से परे, करेंट अफेयर्स, चर्चा का विषय है, कंट्रीवाइड, लाइव फोन–इन कार्यक्रम पब्लिक स्पीक आदि में नियमित चंक में प्रसारित किया गया। आकाशवाणी ने वर्ष 2016 की महत्वपूर्ण घटनाओं पर एक विशेष कार्यक्रम को भी शामिल किया जिसका प्रसारण 31 दिसंबर, 2016 को राष्ट्रीय हुक अप पर किया गया।

संदर्भ एवं कार्यक्रम योजना और विकास एंकाश

यह एकांश एनएसडी के विभिन्न एकांशों को दैनिक आधार पर सरकार और राजनीतिक दलों की विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों के बारे में पूर्व जानकारी प्रदान करता है। एकांश कार्य योजनाओं और कार्यवाही रिपोर्टों, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, प्रसार भारती और आकाशवाणी महानिदेशालय द्वारा मांगी गई विभिन्न रिपोर्टों का संकलन करता है, जिसमें मासिक कैबिनेट सारांश तथा सरकार की

उपलब्धियों, योजनाओं और संदेशों के प्रसार के लिए एनएसडी के कार्यक्रमों के प्रसारण पर प्रगति रिपोर्ट तथा साथ ही साथ स्वच्छता कैलेंडर के अनुसार मासिक गतिविधियों पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट संबंधी कार्य शामिल है। यह एकांश आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कारों के लिए आवेदनों की जांच का भी कार्य देखता है। रिपोर्ट की अवधि के दौरान आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार (समाचार) के दिशानिर्देशों की समीक्षा की गई थी नए दिशानिर्देश जारी किए गए। एकांश ने समय समय पर प्रसार भारती/सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में विभिन्न महत्वपूर्ण बैठकों के लिए इनपुट भी उपलब्ध कराए, जिसमें संसदीय स्थाई समिति और प्रसार भारती बोर्ड की बैठकें शामिल हैं। प्रभारी अधिकारी (संदर्भ/पीपी एंड डी) पुस्तकालय की देखरेख भी करते हैं, जिसमें 15654 शीर्षक हैं। कुल संग्रह में से, जन मीडिया और प्रसारण पर लगभग 856 पुस्तकें हैं। पुस्तकालय ने लगभग 26 अखबारों और 67 पत्रिकाओं की सदस्यता ले रखी है। पुस्तक चयन समिति की सिफारिश पर पुस्तकालय के लिए विभिन्न पुस्तकें खरीदी गईं और पुस्तकालय की वार्षिक सत्यापन भी पूरा किया गया।

प्रशासनिक विंग

दिन प्रतिदिन के प्रशासनिक और लेखा कार्यों में पारदर्शिता के लिए संवेदनशील पदों पर विभिन्न कर्मचारियों की तैनाती में सीवीसी दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है। फाइल ट्रैकिंग प्रणाली को लागू किया गया। 123 आरटीआई आवेदन और 18 प्रथम अपील प्राप्त हुईं और 121 आरटीआई आवेदनों और प्रथम अपीलों के उत्तर निर्धारित समय सीमा के भीतर दिए गए। मार्च, 2017 के आखिरी सप्ताह में 2 आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए थे और वे प्रक्रिया में थे।

महिला कल्याण गतिविधियां

एनएसडी में महिला कर्मचारियों की शिकायतों का निवारण करने के लिए आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) मौजूद है। महिला कर्मचारियों के लिए एक अलग आराम कक्ष भी रखा गया है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देश का सख्ती से पालन किया जा रहा है।

राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन

राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन के लिए राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए विभिन्न आदेशों को उचित महत्व दिया गया। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति दिल्ली (मध्य) ने एनएसडी को दो पुरस्कारों से सम्मानित किया, अर्थात राजभाषा हिन्दी में उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रथम पुरस्कार और गृह पत्रिका 'आकाशवाणी समाचार भारती 2015' के लिए तृतीय पुरस्कार।

आकाशवाणी का विज्ञापन स्कंध

आकाशवाणी के लिए राजस्व अर्जित करने की जिम्मेदारी विज्ञापन स्कंध की है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान रेडियो प्रसारण क्षेत्र में तेजी से बदलते परिदृश्य के बावजूद आकाशवाणी का विज्ञापन स्कंध अपने केन्द्रीय विक्रय एकांश, मुंबई तथा देश के विभिन्न भागों में स्थित 15 मुख्य विज्ञापन प्रसारण सेवा केन्द्रों तथा मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरू तथा कोलकाता स्थित के माध्यम से लोक सेवा प्रसारक के रूप में अपनी मूल पहचान बनाए रखते हुए वर्ष दर वर्ष संगठन के राजस्व में बढ़ोत्तरी करने में सफल रहा है।

आकाशवाणी की निर्धारित आचार संहिता कार्यक्रमों के साथ–साथ विज्ञापन प्रसारण को नियंत्रित करती है। सभी आकाशवाणी केन्द्रों और विज्ञापन प्रसारण सेवा केन्द्रों, विविध भारती केन्द्रों और एफ एम चैनलों में बजट व कर्मचारियों की कमी के बावजूद प्रसारण और विज्ञापन स्कंध संहिता का पूर्ण रूप से पालन करते हुए विज्ञापन स्कंध, सरकारी विभागों और पी एस यू के साथ–साथ मुख्य कार्पोरेट ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं से व्यापार प्राप्त करने में सक्षम रहा है।

राजस्व सृजन के लिए नई पहलों के भाग के रूप में हमने पहली बार राजस्व साझा करने की व्यवस्था शुरू की। हाल ही में एम.एस. धोनी की जीवनी और महाभारत के ऑडियो संस्करण के प्रसारण के लिए सफलतापूर्वक ऐसे समझौते किए गए। इन समझौतों से हमें न केवल अपनी उत्पादन लागत पर बचत करते हुए आकाशवाणी के लिए गुणवत्ता की सामग्री प्राप्त हो रही है बल्कि इससे दोनों पक्षों के साझा बाजार प्रयासों से अच्छा राजस्व भी अर्जित हो रहा है। इसके अलावा टैरिफ संशोधन की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है और नए दर कार्ड को शीघ्र ही लागू किया जाएगा।

विज्ञापन स्कंध ने प्राथमिक चैनलों, स्थानीय रेडियो केन्द्रों, एफएम और साथ ही साथ विविध भारती केन्द्रों पर स्पॉट–बुकिंग के लिए 1:1 बोनस योजना जारी रखी। ऐसे बाजार–अनुकूल योजनाओं की मॉनीटरिंग करते हुए, विज्ञापन स्कंध सभी स्तरों पर ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं के साथ लगातार संपर्क में है ताकि उन्हे अपने विज्ञापन–खर्च के बड़े हिस्से का निवेश, जो कि पूरे देश को कवर करने वाला एकमात्र माध्यम है, आकाशवाणी पर करने के लिए राजी किया जा सके। सीआरडी और सीबीएस केंद्र अपने ग्राहकों के लिए लागत–प्रभावी मीडिया योजनाएं प्रदान करते हैं, जो उनके उपलब्ध बजट के भीतर अपने उत्पादों/सेवाओं को प्रचार के अधिकतम अवसर प्रदान करती हैं।

आकाशवाणी का विज्ञापन स्कंध समान रूप से आकाशवाणी की विज्ञापन नीति के साथ भी जुड़ा हुआ है और इस तरह वह प्रत्येक चरण में विभिन्न सीबीएस केंद्रों के प्रस्तावों की जांच करके उन्हे प्रत्येक कदम पर मार्गदर्शन प्रदान करता है। इसके अलावा यह स्कंध कार्यक्रम स्कंध में नीति निर्माताओं को सहायता/फीडबैक भी प्रदान कर रहा है ताकि वर्तमान प्रतिस्पर्धी मीडिया वातावरण में रेडियो

प्रसारण को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। वास्तव में, संगठन के लिए राजस्व अर्जित करने की पूरी जिम्मेदारी विज्ञापन स्कंध की है और निस्संदेह इसने इस दिशा में दीर्घकालिक और अल्पावधि पहल की शुरुआत करके तथा देश भर में सीबीएस केंद्रों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करके पिछले कुछ सालों में संगठन के समग्र राजस्व को बढ़ाने में अच्छे परिणाम दिए हैं।

पिछले पांच सालों के दौरान विज्ञापन सहित सभी स्रोतों से आकाशवाणी के अर्जित सकल राजस्व को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है–

वर्ष	सकल अर्जित राजस्व
2012–13	376.68 करोड़ रू
2013–14	510.95 करोड़ रू
2014–15	473.05 करोड़ रू
2015–16	524.13 करोड़ रू
2016–17	531.01 करोड़ रू

विज्ञापन और राजस्व प्रभाग

2000 में विपणन प्रभाग के शुरू होने के बाद से ही प्रसार भारती के कुल राजस्व में लगातार उल्लेखनीय वृद्धि होती आ रही है। पहला विपणन प्रभाग मुंबई में स्थापित किया गया था तथा वर्तमान में विपणन विभाग नई दिल्ली, बेंगलुरू, कोलकाता तथा मुंबई में कार्य कर रहे हैं। आकाशवाणी के लिए विज्ञापन राजस्व अर्जित करने की दिशा में काम करने वाले सभी इन सभी प्रभागों का नाम बदलकर विज्ञापन और राजस्व प्रभाग कर दिया गया है।

प्रसार भारती के विज्ञापन और राजस्व प्रभाग पूरे मीडिया बाजार और प्रोग्रामिंग लिंक के बीच मुख्य फ्लैशप्वाइंटों के रूप में कार्य करते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो कि एक प्रगतिशील तरीके से रेडियो और दूरदर्शन पर बाजार प्रथाओं को आगे बढ़ाया जाए। इन प्रभागों की नियोजित, सामरिक और आक्रामक विपणन कार्यप्रणाली प्रसार भारती के कुल राजस्व में वृद्धि में अन्यंत योगदान दे रही है। आकाशवाणी और दूरदर्शन, के सभी चैनलों के लिए एक एकल खिड़की सुविधा, सीआरडी विज्ञापन की सभी जरूरतों को पूरा करते हैं।

हमारे प्रमुख ग्राहकों में कृषि मंत्रालय, उपभोक्ता मामले मंत्रालय, पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय, अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, आयकर निदेशालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय, जन्म और मृत्यु महापंजीयक, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, पीसीआरए, बीएसएनएल और प्राइवेट ग्राहक

स्पाइस जैट, फिनोलक्स पाइप्स, एक्साइड लाइफ इंश्योरेंस, सुजुकी टू व्हीलर, ग्लेक्सो स्मिथक्लाइन हेल्थ केयर, मारूती सुजुकी आदि शामिल हैं।

'मन की बात' कार्यक्रम के चलते भारत के प्रधानमंत्री के आकाशवाणी से जुड़ने से न केवल आकाशवाणी की छवि को बढ़ाया है बल्कि इससे अच्छा राजस्व भी मिल रहा है। इस साल के मुख्य आकर्षण में लोकप्रिय फिल्म 'एम.एस. धोनी– द अनटोल्ड स्टोरी' के साथ रेडियो साझेदारी से अच्छा राजस्व अर्जन और पतंजलि, नालसा, गोपालजी आनंद, टीवीएस मोटरसाइकिल, भारतीय निर्वाचन आयोग, यूजीसी और नई और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय आदि जैसे कई नए ग्राहकों को जोड़ना शामिल है। यह पहली बार है, कि आकाशवाणी ने लोकप्रिय फिल्म 'एम.एस. धोनी– द अनटोल्ड स्टोरी' के साथ रेडियो साझेदारी का सफल विपणन करके 1.1 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। इस वर्ष की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक दूरदर्शन के 1988 के महाकाव्य धारावाहिक 'महाभारत' के ऑडियो संस्करण का सफल विपणन रहा है। इस धारावाहिक के प्रभावी विपणन के जरिए अब तक लगभग 9 करोड़ रू अर्जित किए हैं। वर्ष 2016–17 में आकाशवाणी ने कुल मिलाकर 531.01 करोड़ रू का विज्ञापन राजस्व अर्जित किया, जिसमें से अकेले सीआरडी दिल्ली का योगदान 272 करोड़ रू था।

आकाशवाणी राजस्व पुरस्कार - 2016-17 वितरित करते हुए श्री जवाहर सरकार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और श्री एस सी पंडा, सदस्य (कार्मिक) ।

प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा

प्रत्यंकन सेवा का आरंभ 3 अप्रैल 1954 को हुआ था, जिसका मुख्य कार्य गणमान्य व्यक्तियों सहित विशेष रूप से भारत के देश के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के भाषणों का अनुलेखन तैयार करना है। यह एकांश भविष्य में प्रसारण के लिए रिकार्डिंग को सुरक्षित रखने के लिए विनाइल डिस्क लेबल ''ए आई आर– टी एस रिकार्ड्स'' तैयार करने का भी कार्य करता था। इस सेवा का नाम 1 अप्रैल 1959 से बदलकर 'प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा' कर दिया गया था तथा इस कार्यालय का स्वतंत्र प्रभार एक निदेशक को दे दिया गया था। चूंकि तैयार रिकार्ड किफायती सिद्ध नहीं हो रहे

थे, अतः इन्हें तैयार करने का कार्य जून 1967 में बंद कर दिया गया तथा एनालॉग मैग्नेटिक टेपस इत्यादि जैसा नया तरीका प्रयोग में लाया गया। देश में अनौपचारिक रूप से सामग्री संग्रहित करना पहले से ही प्रचलित था, बाद में इस एकांश को यह कार्य सौंप दिया गया।

संगठनात्मक संरचना

इस कार्यालय में निम्नलिखित कार्यशील इकाइयां हैं–

क. केन्द्रीय अभिलेखागार (डिजिटल ध्वनि अभिलेखागार)

ख. कार्यक्रम विनिमय एकांश (आंतरिक और विदेशी)

ग. राष्ट्रपतियों/प्रधान मंत्री के भाषणों का प्रतिलेखन

घ. सुसज्जीकरण एकांश

ड. वाणिज्यिक रिलीज और विपणन

आकाशवाणी अभिलेखागार से रिलीज

आकाशवाणी को पिछले कुछ समय से सभी प्रमुख संगीतकारों के वादन को रिकार्ड, प्रसारित और सुरक्षित रखने का अवसर मिला है। आज इसके पास हिन्दुस्तानी और कर्नाटक दोनों में भारतीय शास्त्रीय संगीत का समृद्ध रंगपटल है। अप्रैल, 2003 से आकाशवाणी अभिलेखागार ने ''आकाशवाणी संगीत'' बैनर के तले अपने बेशकीमती संगीत संग्रह से चयन को रिलीज़ करना शुरू कर दिया है। केन्द्रीय अभिलेखागार से अब तक 105 संगीत एलबम रिलीज़ की जा चुकी हैं। इसके लिए 100 आकाशवाणी केन्द्रों और कई दूरदर्शन केन्द्रों में ब्रिकी काउंटर खोले गए थे। इसके अलावा, रिलीज़ की गई एलबम दिल्ली हाट, नई दिल्ली की एक रिटेल संगीत स्टॉल पर भी उपलब्ध हैं।

आकाशवाणी अभिलेखागार के बिक्री काउंटर का उद्घाटन करते हुए श्री एस सी पंडा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती

रिलीज़ के लिए तैयार ऑडियो सीडी

स्क्रीनिंग, चयन, ऑडियो गुणवत्ता सुधार और अंतिम रूप देने के बाद, निम्नलिखित ऑडियो सीडी रिलीज़ के लिए तैयार हैं:

क) गुरबानी,
ख) चर्च क्वायर्स
ग) हम्द–नात–सलाम–मांकाबत
घ) उस्ताद मुश्ताक अली खान (सितार)

नई विपणन रणनीतियां

आकाशवाणी 'आकाशवाणी संगीत' के बैनर के अंतर्गत प्रामाणिक और मूल अभिलेखीय संगीत को जारी कर रहा है। लेकिन हाल ही में उचित ऑनलाइन और प्रचार के अन्य तरीकों की कमी के कारण, बाजार में इसकी उपलब्धता ध्यान देने योग्य नहीं थी। इस कमी को दरकिनार करने के लिए, विभिन्न प्रस्तावों का पता लगाया गया है। इसके बाद, www.prasarbharatiarchives.co.in नामक एक ऑनलाइन पोर्टल फरवरी, 2016 में शुरू किया गया था। आकाशवाणी और दूरदर्शन के अभिलेखागारों से दुर्लभ संग्रह अब जनता के लिए इस पोर्टल पर उपलब्ध है। साथ ही, यह भी www.amazon.in पर उपलब्ध है।

ध्वनि अभिलेखागार

अखिल भारतीय रेडियो के ध्वनि अभिलेखागार को राष्ट्र के राष्ट्रीय ऑडियो अभिलेखागार कहा जा सकता है क्योंकि यह भारतीय संगीत रिकॉर्डिंग की सबसे बड़ी ऑडियो लाइब्रेरी है।

पुस्तकालय प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों, स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रीय नेताओं के आवाज रिकॉर्डिंग को सुरक्षित रखता है। इसके अलावा, पुस्तकालय में पुरस्कार विजेता रेडियो नाटक, विशेषताओं, वृत्तचित्र और स्मारक व्याख्यान भी उपलब्ध हैं। इस पुस्तकालय में भारत के सभी राष्ट्रपतियों और प्रधान मंत्रियों की रिकॉर्डिंग भी है।

डिजिटल ध्वनि अभिलेखागार

प्रत्यंकन तथा कार्यक्रम विनिमय सेवा ने एनालॉग विषयवस्तु के डिजिटलीकरण की बड़ी परियोजना आरंभ की है। 2001 में सभी अभिलेखागार रिकार्डिंगों को डिजिटाइज़ करने की एक विशेष परियोजना का शुभारंभ किया गया था और यह परियोजना अभी जारी है। इसके साथ ही आकाशवाणी अंतर्राष्ट्रीय स्वीकृति मानकों के अनुसार नई टेप नंबरिंग प्रणाली के साथ प्रसारण नेटवर्क की प्रमुख डिजिटल लाइब्रेरी में से एक बन गई है।

डिजिटल मीडियम में बदले गए कार्यक्रम लगभग 29432 घंटे की अवधि के हैं।

रेडियो आत्मकथा

रेडियो आत्मकथा की श्रेणी में अभिलेखागार में विभिन्न क्षेत्रों के सुप्रसिद्ध व्यक्तियों की 228 रिकार्डिंग सुरक्षित रखी गई हैं। आकाशवाणी का केन्द्रीय अभिलेखागार प्रसिद्ध संगीतकारों, लोकप्रिय हस्तियों, साहित्यकारों जैसे जे. आर. डी. टाटा, उस्ताद अली अकबर खान, श्री. हरिवंश राय बच्चन और डॉ. वर्गीस कुरियन आदि की रेडियो आत्मकथाओं की अनमोल रिकॉर्डिंग से समृद्ध संग्रह है। ।

हाल ही में, हमने निम्नलिखित प्रसिद्ध व्यक्तित्वों की आत्मकथाएं रिकार्ड की हैं:
क) पद्मश्री विदुषी प्रोफेसर रीता गांगुली, प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका
ख) पद्मश्री डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी, राष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ कार्टूनिस्ट
ग) डॉ. कपिल तिवारी, वरिष्ठ लेखक, दार्शनिक, भाषा विशेषज्ञ और अनुसंधान विद्वान

संग्रह को अधिक समृद्ध करने के लिए, केन्द्रीय अभिलेखागार विभिन्न क्षेत्रों से विभिन्न अन्य दिग्गजों की रिकार्डिंग करने की योजना बना रहा है।

कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी

इस एकक का मुख्य कार्य उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों का केन्द्रों में उनकी आवश्यकतानुसार विनिमय करना है। कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी में इस कार्य के लिए रेडियो धारावाहिकों, तथा भाषा पाठों और सामुदायिक गायन सहित संगीत और उच्चरित शब्द कार्यक्रमों की रिकार्डिंगों के लगभग सुरक्षित रखे 8000 टेपों का प्रयोग किया जाता है। प्रत्यंकन एवं कार्यक्रम विनिमय सेवा को आर एन चैनल के माध्यम से सभी आकाशवाणी केन्द्रों को कार्यक्रम प्रसारित करने के लिए 11.10 बजे और 12.15 बजे का निर्धारित समय आबंटित किया गया है। इनमें ध्वनि अभिलेखागार, कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी, तथा केन्द्रों द्वारा दिए गए कार्यक्रम भी शामिल हैं।

कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी अभिनिर्धारित रेडियो केन्द्रों को रेडियो सीरियल परिचालित करती है, ये रेडियो सीरियल आकाशवाणी महानिदेशालय के पीपीएण्डडी एकक की साफ्टवेयर विकास परियोजनाओं के तहत तैयार किए जाते हैं। इसके अलावा, आकाशवाणी महानिदेशालय के केन्द्रीय नाटक एकांश द्वारा मासिक चेन–प्ले तैयार करके नियमित आर एन चैनल चंक के माध्यम से प्रसारित करने के बाद अभिनिर्धारित रेडियो केन्द्रों को भी परिचालित किए जाते हैं।

प्रत्यंकन एकक

इस एकक का एक मुख्य कार्य राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के भाषणों की रिकार्डिंग तैयार करना और उनको खंडों के रुप में क्रमवार सुरक्षित रखना है।

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक समारोहों में दिए गए सभी भाषणों को रिकार्ड करना आकाशवाणी केन्द्रों का अनिवार्य कार्य है। सभी प्रत्यंकनों के बंडल बनाए जाते हैं और उन्हें अभिलेखागार में सुरक्षित रखा जाता है। राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री के सभी भाषण विस्तृत डाटा प्रविष्टि के साथ सी डी के रूप में सुरक्षित रखे जाते है। आडियो सी डी सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'मन की बात' की प्रतिलिपि भी केन्द्रीय अभिलेखागार में सुरक्षित रखी जा रही है।

24 फरवरी 2017 को लखनऊ वसंतोत्सव 2017

1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च, 2017 के दौरान हाइलाइट्स

1. आकाशवाणी संगीत सी डी और आकाशवाणी और दूरदर्शन की अभिलेखीय सामग्री की जानकारी और प्रचार प्रसार के लिए निम्नलिखित आयोजनों के दौरान स्टाल लगाए थे:–

क. 21 से 23 अप्रैल 2016 को ग्रेटर नोएडा में सी आई आई जी ई एस 2016

ख. 27 अगस्त से 4 सितंबर 2016 प्रगति मैदान में दिल्ली पुस्तक मेला।

ग. 24 सितंबर, 2016 को नई दिल्ली में आकाशवाणी संगीत सम्मेलन।

घ. 25– 26 अक्टूबर, 2016 को ली मेरीडियन नई दिल्ली में सी आई आई बिग पिक्चर सम्मेलन।

ड. 9 से 10 दिसंबर, 2016 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में सिम्कोन सम्मेलन।

च. 7 से 15 जनवरी, 2017 को प्रगति मैदान नई दिल्ली में विश्व पुस्तक मेला।

छ. 17 से 19 मार्च, 2017 को होटल ताज वाराणसी में अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक फिल्म महोत्सव।

2. निम्नलिखित ए सी डी जारी की गई:-

क. श्रीमद्भागवतः 8 आडियो ए सी डी का सेट जारी किया गया और www.prasarbharatiarchives.co.in (उडिया भाषा में श्रीमदभागवत) पर आनलाइन बिक्री के लिए डाला गया।

ख. जगन्नाथ भजनावली की एक सी डी (खण्ड 4 और खण्ड 5) :

(पहले के उडिया गायकों की आवाज में भगवान जगन्नाथ के श्रद्धालुओं पर एक अनोखा जादुई प्रभाव डाला जो अब गुमनाम हो गई थी। आकाशवाणी अभिलेखागार ने हजारों श्रोताओं के मस्तिष्क में उनकी सजीव और जीवंत के लिए कड़ी मेहनत की।)

23 जून, 2016 को भुवनेश्वर में श्री जगन्नाथ भजनावली का सी डी रिलीज समारोह

ग. इन्द्रु औरू थगवाल, थेन्काची को स्वामीनाथन (खण्ड 1 और खण्ड 2) :

(थेन्काची को स्वामीनीनाथन जो कि एक व्यावहारिक व्यक्तित्व वाले और प्रभावी वक्ता थे वे आकाशवाणी चेन्नै में प्रति दैनिक कार्यक्रम 'इन्द्रु ओरू थगवाल' के आयोजक थे)

घ. एम एस स्वामीनाथन (प्रसिद्ध संगीत निदेशक की रेडियो आत्मकथा) :

प्रस्तुत सी डी स्वर्गीय एम एस स्वामीनाथन (एम एस वी) की आत्मकथा है, जो आकाशवाणी, चेन्नै के कार्यक्रम निष्पादक श्री सुदर्शन द्वारा उनके साथ किए गए लम्बे साक्षात्कार पर आधारित है। एम एस वी ने अपने कैरियर के लम्बे सफर के यादगार लम्हों को याद करते हुए अपने जीवन और काम के बारे में चर्चा की है।

ड. तन्जोर एस कल्याणरमन (कर्नाटक गायन) :

संगीत के क्षेत्र में एस के आर के नाम से प्रसिद्ध तन्जोर एस कल्याणरमन 20 वीं सेंचुरी के मध्य में

समारोह प्रस्तुति में अग्रणी थे।

च. इमानी शंकरा शास्त्री (वीणा गायन) :

उच्च स्तर के संगीतकार और बेहतरीन वीणा उस्ताद इमानी अपने समय में अग्रणी थे, उन्होंने देश ओर विदेश में सम्मेलन किए। पूर्व–पश्चिम संगीत समारोह, तानसेन समारोह, आकाशवाणी का संगीत का राष्ट्रीय कार्यक्रम, विष्णु दिगम्बर समारोह, सुर सिंगर सम्वाद का हरिदास संगीत सम्मेलन और अन्य प्रतिष्ठित संगीत सम्मेलनों में उनकी भागीदारी ने उन्हें संगीत के क्षेत्र में प्रतिष्ठा दिलाई।

छ. बोरगीत (असमी भक्ति गीत) :

बोरगीत या श्रेष्ठ गीतों के असम में नए वैष्णव धर्म के संस्थापक और महान प्रचारक श्रीमंत शंकरदेव और उनके शिष्य श्री श्री माधवदेव द्वारा 15वीं शताब्दी के आखिर और 16वीं शताब्दी के शुरूआत में रचना की गई थी। बोरगीतों का वैष्णव धर्म के संगीत में विशिष्ट स्थान है।

ज. बैदेहीसा बिलासा (उड़िया भक्ति गीत) :

बैदेहीसा बिलासा 19वीं शताब्दी के कवि उपेन्द्रभजन के महान कार्यों में से एक है। संगीत के रूप में इसकी प्रस्तुति से आकाशवाणी ने पुराने उड़िया साहित्य को सुनने का नया चलन शुरू किया है।

झ. अक्षय मोहंती (लोकप्रिय गीत) :

अक्षय मोहंती एक भारतीय गायक, गीतकार, संगीतज्ञ और लेखक थे। उन्होंने उडिया भजनों, गीतों, लोक गीतों, फिल्मी ओर गैर–फिल्मी संगीत ओडिसा में प्रसिद्ध किवदंतियों पर आधारित समकालीन विषय पर उडिया के आधुनिक सुगम संगीत में योगदान दिया।

3. संस्कार गीत और अन्य रीति रिवाज गीत:

आकाशवाणी लोक संपदा संरक्षण महापरियोजना के तहत आकाशवाणी महानिदेशालय द्वारा अब तक भेजे गए संस्कार गीत के लगभग 4200 गाने उनके संकेत, लिपि, हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद और फोटोग्राफ केन्द्रीय अभिलेखागार में सुरक्षित रखे गए हैं।

4. वेब आधारित लाइब्रेरी प्रबंधन प्रणाली:

आकाशवाणी और दूरदर्शन दोनों के लिए एक वेब आधारित लाइब्रेरी प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है। इसे मुख्य रूप से आकाशवाणी और दूरदर्शन के आडियो और वीडियो सामग्री, फोटो और दस्तावेजों से संबंधित बड़ी मात्रा में बहुमूल्य जानकारी को अभिलेखों के रूप में रखने के लिए शुरू किया था।

5. पुराने प्रकाशनों का डिजिटलीकरण:

आकाशवाणी यानि भारतीय श्रोताओं, आकाशवाणी इत्यादि की पुरानी मैगज़िनों, जर्नल और किताबों के डिजिटलीकरण का कार्य पूरा हो चुका है और इसे www.pblibrary.co.in पर अपलोड कर दिया गया है।

विदेश सेवा प्रभाग (ई एस डी)

क. संक्षिप्त परिचय

अंतर्राष्ट्रीय/विदेश प्रसारण द्वारा विदेश नीति और लोक कूटनीति के यंत्र के तौर पर निभाई गई प्रमुख भूमिका के किसी प्रकार की व्याख्या की जरूरत नहीं है। राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण को विदेश में अपनी छवि और अपने पक्ष को प्रस्तुत करने के तरीके के रूप में महत्व देते हैं।

इंग्लैण्ड के साथ उपनिवेशीय संबंध होने के कारण प्रसारण इंग्लैण्ड और भारत में साथ–साथ आया। इसी तरह, बीबीसी द्वारा 1938 में अरबी में पहला विदेशी भाषा प्रसारण शुरू करने के कुछ समय बाद ही, आकाशवाणी ने 1 अक्टूबर 1939 को पश्तो भाषा में प्रसारण आरंभ करके दूसरे विश्व युद्ध के दौरान सहयोगियों हेतु प्रचार के तंत्र के रूप में विदेशी प्रसारण के क्षेत्र में प्रवेश किया ताकि केवल विश्व के इस भाग में बी बी सी द्वारा की गई कोशिशों का पूरक बन सके और क्षेत्र में जर्मनी रेडियो बल्ट्ज़क्रीग के तूफानी हमले का प्रत्युत्तर दे सके। स्वतंत्रता के शुरू में विदेश सेवा प्रभाग उभरते हुए राष्ट्र की आवाज, पुरानी सभ्यता, कूटनीति के तंत्र और संकट की घड़ी में प्रभावी प्रचार तंत्र के रूप में उभर कर आया।

तब से आकाशवाणी का विदेश सेवा प्रभाग भारत और शेष विश्व के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है विशेषकर उन देशों में जहां उन देशों में रह रही भारतीय जनसंख्या का हित भारत के साथ बंधा हुआ है। वे भारतीय, जिन्होंने दशकों पहले अच्छे जीवन की तलाश में भारत छोड़ दिया था और जो विश्व के प्रत्येक भाग में रहते हैं और आज भी यह जानने के इच्छुक हैं कि उनके ''जन्मदाता देश'' में उनके लिए क्या–क्या हो रहा है। स्वाभाविक तौर पर विदेश सेवा प्रभाग अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मामलों में भारतीय दृष्टिकोण प्रस्तुत करता रहा है।

कैलाश सत्यार्थी के साथ जी ओ एस का ई एस डी विशेष कार्यक्रम

विश्व के विदेश रेडियो नेटवर्क में आकाशवाणी की विदेश प्रसारण सेवा की पहुंच और विस्तार उच्च श्रेणी का है और इसका प्रसारण लगभग 100 देशों में 27 भाषाओं में किया जाता है। आकाशवाणी

अपने विदेश प्रसारण के माध्यम से विदेशों में श्रोताओं को भारतीय लोकाचार से जोड़े रखना है। अपने विदेशी श्रोताओं तक आकाशवाणी की पहुंच अंग्रेजी, फ्रैंच, रूसी, स्वाहिली, अरबी, फारसी, तिब्बती, चीनी, थाई, बर्मी और भाषा इंडोनेशिया भाषाओं में है। हिंदी, बंगला, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और गुजराती सेवाएं विदेशों में बसे भारतीयों के लिए हैं जबकि उर्दू, पंजाबी, सिंधी, सराइकी, सिंहली, बंगला तथा नेपाली भाषाओं की सेवाएं भारतीय उप–महाद्वीप के श्रोताओं तथा पड़ोसी देशों के लिए हैं। विदेश सेवा प्रभाग का प्रसारण मिले जुले रूप में होता है और जिसमें आमतौर पर समाचार बुलेटिन, समीक्षाएं, सम–सामयिकी और भारतीय प्रेस की समीक्षा शामिल हैं।

न्यूज़रील के अलावा, खेलकूद और साहित्य पर पत्रिका कार्यक्रम, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, ऐतिहासिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विषयों पर वार्ताएं और परिचर्चाएं शामिल होती हैं, विकास गतिविधियों की विशेषताएं, महत्वपूर्ण घटनाओं और प्रथाओं, शास्त्रीय लोक संगीत और भारत के विविध क्षेत्रों का आधुनिक संगीत संपूर्ण कार्यक्रम के एक बड़े भाग के रूप में प्रसारित होता है।

विदेश सेवा प्रभाग के सभी कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य भारत की शक्तिशाली धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक, गणतंत्र, स्पंदनशील, प्रगतिशील और तीव्रगतिशील अर्थव्यवस्था, औद्योगिक और प्रौद्योगिक प्रगति के कार्य में व्यस्त भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करना है। भारत की बड़ी तकनीकी मानवशक्ति, उनकी उपलब्धियां और पारिस्थितिक संतुलन जैसे तथ्यों को श्रोताओं को आसान और साधारण तरीके से बताया जाता है। विदेश प्रसारण प्रभाग विद्यमान सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत करीब 20 विदेशी प्रसारण संगठनों को संगीत, उच्चरित शब्द तथा मिश्रित कार्यक्रमों की रिकार्डिंग प्रदान करता है। इसके अलावा, विदेश सेवा प्रभाग अपने सभी प्रसारणों में पूरे विश्व भर में समसामयिक और संबंधित मामलों एवं प्रेस समीक्षा पर टीका टिप्पणी प्रसारित करता रहा है।

ख. नई पहलें व आधुनिकीकरण के प्रयास

1. भारतीय उपमहाद्वीप, हमारे नजदीकी पडोसी अफगानिस्तान पाक क्षेत्र और ऐसे क्षेत्र जो विदेशी संबंधों और सामरिक परिप्रेक्ष्य से महत्वपूर्ण माने गए हैं को पुनर्गठित करने और संवर्धन का कार्य शुरू किया गया था। इसी के भाग के रूप में विदेश सेवा प्रभाग ने हाल ही में इन क्षेत्रों को लक्षित कर इसकी विभिन्न सेवाओं के पुनर्गठित करने और आधुनिकीकरण का कार्य शुरू किया है। वर्ष के दौरान नेपाली, तिब्बती, चीनी, दरी, बलूची, उर्दू, सिंधी, बंगला, पुश्तो और पारसी सेवाओं की सामग्री के पुनराभिमुखीकरण पर विशेष बल दिया गया।

इस कोशिश में, हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ईरान दौरे के दौरन विदेश प्रसारण सेवा ने अपनी पारसी सेवा को समर्पित मल्टी मीडिया वेबसाइट और मोबाइल एप की शुरूआत की है।

इस प्रयास के भाग के रूप में विदेश सेवा प्रभाग ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अभी हाल में ईरान के दौरे के दौरान मल्टी मीडिया वेबसाईट और मोबाइल एप को अपनी फारसी सेवा के लिए आरंभ किया। माननीय प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष अपने ईरान के दौरे के दौरान इस सेवा का विशेष रूप से जिक्र किया था। भारत की विदेशी नीति और विदेशी संबंधों में बंगलादेश की खास जगह को ध्यान में रखते हुए भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने 23 अगस्त 2016 को बंगलादेश और बंगला भाषी प्रवासियों को समर्पित 'आकाशवाणी मैत्री' सेवा की शुरूआत की। भारत के माननीय प्रधानमंत्री की ढाका यात्रा के दौरान दोनों पड़ोसियों के बीच विद्यमान गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक राजनैतिक और भावनात्मक संबंधों को सुदृढ करने के लिए दोनों देशों के प्रसारण संगठनों के बीच विषयवस्तु के आदान–प्रदान की संभावनाओं को तलाशने के लिए विशेष चैनल शुरू करने का निर्णय लिया गया। पूरे बंगलादेश को कवर करने की क्षमता वाले पश्चिम बंगाल के चिन्नसुरा में संस्थापित अत्याधुनिक उच्च शक्ति 1000 किलोवाट डी आर एम ट्रांसमीटर से यह चैनल कार्यक्रम प्रसारित करता है। यह चैनल प्रतिदिन 16 घंटे कार्यक्रम प्रसारित करता है और मल्टीमीडिया वेबसाइट airworldservice.org और मोबाइल एप पर लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से भी उपलब्ध है।

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा मैत्री चैनल का 23 अगस्त 2016 को शुभारंभ

इसी तरह, स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान में बलूची नागरिकों की स्थिति के बारे में चिन्ता जाहिर की और उन्हें सचेत करने के लिए बलूची सेवा का मल्टीमीडिया पेज और मोबाइल एप का शुभारंभ किया। ई एस डी की बलूची सेवा मई 1974 से प्रसारण कर रही है। यह सेवा अफगास्तिान पाक क्षेत्र में रह रहे बलूची लोगों में काफी लोकप्रिय है। काफी समय से रिसेप्शन और क्षेत्र के बाहर रह रहे प्रवासी बलूची में इसकी पहुंच बढ़ाने की जोरदार मांग है। 16 सितंबर 2016 को शुरू की गई मल्टी मीडिया वेबसाइट और मोबाइल एप इस सेवा की पहुंच को ओर बढ़ाएगी।

चैयरमेन श्री ए सूर्य प्रकाश द्वारा 16 अगस्त, 2016 को बलूची सेवा वेबसाइट का शुभारंभ

2. विदेश सेवा प्रभाग के वार्ता एकांश के संवर्धन के लिए कदम उठाए जा चुके हैं ताकि यह और अधिक विशेष क्षेत्र आधारित समाचार और समसामयिक मामलों पर आधारित कार्यक्रम तैयार कर सके।

3. विदेश सेवा प्रभाग की सभी 27 सेवाओं के लिए अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रसारकों के समकक्ष लाईव इंटरनेट रेडियो, मोबाइल एप तथा रेडियो ऑन डिमांड कम्पोंनेट सहित एक मल्टीमीडिया वेबसाइट शुरू की जा चुकी है, जो विदेश सेवा प्रभाग की सभी सेवाओं की विश्वभर में पहुंच बढ़ाएगी, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां पहले सेवाएं नहीं पहुंची थी। विदेश सेवा प्रभाग की मल्टीमीडिया वेब पार्टल www.airworldservice.org पर उपलब्ध है।

4. अभिलेखीय कीमत की सभी रिकार्डिंग के लिए बड़े स्तर पर डिजिटलीकरण कार्य शुरू किया जा चुका है। जिससे विभिन्न भारतीय और विदेशी भाषाओं में लगभग 25000 टेपों का समयबद्ध तरीके से डिजिटलीकरण कर दिया गया तथा शेष डिजिटलीकरण कार्य जारी है।

5. विदेश सेवा प्रभाग ने सभी विदेशी भाषा एकांशों के कम्प्यूटरीकरण के लिए कदम उठाए हैं जो कि कागज रहित प्रणाली की तरफ एक कदम है।

6. अपने कार्यक्रमों के प्रसार तथा उन्हें और अधिक इंट्रेक्टिव स्वरूप का बनाने के लिए विदेश सेवा प्रभाग ने अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों जैसे फेसबुक, ट्विटर, वाट्सएप, मोबाइल एप आदि का

प्रयोग करना शुरू किया है। उर्दू सेवा में वाट्सअप आधारित फरमाईश कार्यक्रम शुरू किया गया है जिस पर पूरे विश्व भर से प्रतिक्रिया मिल रही है। मोबाइल एप की शुरूआत के साथ ही, विश्वभर में विदेश सेवा प्रभाग की सेवाओं की पहुंच आसान हो गई है।

ग. विदेश मंत्रालय के साथ सहयोग तथा समन्वय दोबारा शुरू करना:

विशेष रूप से रेडियो के माध्यम से भारत में हो रहे विकास के मद्देनजर तथा विदेश में भारत के बारे में जानकारी को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में विदेश मंत्रालय के (एक्स पी प्रभाग तथा विदेश प्रसारण सेवा, आकाशवाणी के उद्देश्य की समानता को ध्यान में रखकर एक्स पी प्रभाग) साथ समन्वय और सहयोग दोबारा शुरू करने के लिए कदम उठाए गए।

विदेश सेवा प्रभाग की 15 विदेशी और 12 भारतीय भाषा सेवाओं को लोकप्रिय करने के लिए भारत के सभी विदेशी दूतावासों द्वारा विदेश प्रसारण दिवस मनाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। एन डी ए सरकार की नई निकटवर्ती पड़ोसी नीति को ध्यान में रखते हुए, भूटान के लिए जहोंगखा भाषा सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

स्टूडियो एक में स्वागत- ई एस डी की सामान्य विदेश सेवा

घ. दिनांक 01.04.2016 से 31.03.2017 तक ई एस डी से प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

1. मुख्य केन्द्रीय बिन्दू:– लूजमबर्ग के वित्त मंत्री और उप प्रधानमंत्री श्री इटिन्ने स्केनेडर के साथ साक्षात्कार: साक्षातकारकर्ता: विक्रम बहल

2. व्यक्ति, स्थान एवं वस्तुए : अमेरीकी वकील, पटकथा लेखक, लेक्चर और विश्व सुरक्षा संस्थान के अध्यक्ष श्री जोनाथन ग्रानोफ के साथ साक्षात्कार। साक्षात्कारकर्ता: संजीव दोसझ
3. भारतीय हैरिटेज : 'राईट अगेंस्त माईट' (महात्मा गांधी की नमक यात्रा पर)
4. विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशेष वार्ता : मधुमेह से कैसे छुटकारा पाएं नई दिल्ली के सीताराम भारतीय अनुसंधान एवं विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के डॉ. ए एस लता, वरिष्ठ मधुमेह परामर्शदाता द्वारा लेक्चर।
5. डेट लाइन दिल्ली : परिचर्चा– भारतीय परिप्रेक्ष्य में परमाणु सुरक्षा शिखर सम्मेलन भागीदार :

1) कॉमोडोर (सेवानिवृत्त) उदय भास्कर

2) प्रोफोसर राजा रमन, प्रोफेसर इमिरीटस, स्कूल ऑफ फिजिकल साईसिंस जे एन यू

3) श्री पल्लव बाग्ला– वरिष्ठ साईस संवाददाता

6. दिल्ली इतिहास : दिल्ली सूफी श्राइन

   लिपि : आर वी स्मिथ इतिहासकार और स्तम्भलेखक द्वारा आलेख
7. डॉ. मीनाक्षी दुआ, सहायक प्रोफेसर स्कूल ऑफ एन्वायरमेंट सांईस,जे एन यू द्वारा 'विश्व अर्थ दिवस' के अवसर पर विशेष वार्ता
8. 'मे डे' श्रमिक आंदोलन पर विशेष वार्ता :

   आलेख : डॉ. जीत सिंह मान, एसोसिएट प्रोफेसर, नेशनल ला यूनिवर्सिटी दिल्ली।

   वाचक– संजीव बरूआ
9. श्री ओबीडयू माइकलेस्कू, अध्यक्ष और महानिदेशक, रेडियो रोमानिया के साथ साक्षात्कार।

   साक्षात्कारकर्ता : कौशिक राय
10. इण्डियन हैरिटेज : भारतीय विद्वता– कौटिल्य का अर्थशास्त्र, प्रोफेसर एम जी एस नारायणन, पूर्व अध्यक्ष आई सी एच आर द्वारा वार्ता (6 भाग वार्ता श्रृंखला)
11. माई डेटलस इंडिया डायरी : सुश्री सुजनग्रिफिश जोनस, लेखक, फोटोग्राफर, पेंटर और फिल्म निर्माता के साथ साक्षात्कार

    साक्षात्कारकर्ता : लूसी जी. चट्टोपाध्याय

    प्रस्तुति : दिव्या नामबिसान
12. 22 और 23 मई, 2016 को ईरान के दौरे के दौरान भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए भाषण के उद्धरण।
13. इण्डियन हैरिटेज : विश्व नो तम्बाकू दिवस

    डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा, सहायक प्रोफेसर, टी बी और चेस्ट बीमारियों के विशेषज्ञ, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टी बी एण्ड रसपाइरेटरी डिसिजिज दिल्ली द्वारा वार्ता

14. केन्द्र बिन्दू : लोक प्रसारक की भूमिका

    डॉ. ए सूर्यप्रकाश, अध्यक्ष, प्रसार भारती, भारतीय प्रसारण निगम के साथ साक्षात्कार।

    साक्षात्कारकर्ता: एन बिन्दु

15. माई डेटलस इंडिया डायरी : यूरिंखो एन्डो लाउचोन जापानी कलाकार के साथ साक्षात्कार।

    साक्षात्कारकर्ता : लूसी जी चट्टोपाध्याय

16. ताशकन्त, उजबेकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन 2016 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए भाषण की रिकार्डिंग

17. केन्द्र बिन्दू : ब्रिक्सिट और इंडिया– राजदूत (सेवानिवृत्त) सी दासगुप्ता और दीपांकर डे सरकार, वरिष्ठ संवाददाता के बीच संवाद।

18. केन्द्र बिन्दू: ब्रिक्सिट के बाद भारत यूरोपियन संघ संबंध

    श्री पीटर स्जिारतो, विदेश मंत्री, हंगरी के साथ साक्षात्कार।

    साक्षात्कारकर्ता : विक्रम बहल

19. यात्रा विवरण : फाईयान– भारत की यात्रा करने वाले पहले चीनी तीर्थयात्री।

    स्क्रिप्ट और प्रस्तुति : प्रोफेसर के टी एस सराओ, इतिहासकार बौद्ध धर्म अध्येता, दिल्ली विश्वविद्यालय।

20. स्टूडियो–1 में स्वागत : अन्नाबेथ रोबिनसन, अभिनय कलाकार और शिक्षक प्रोफेसर लीडस् कालेज ऑफ आर्ट, यू के और मनुएला बेनीनी, अभिनेता एवं फेसिलिटेटर जो यू के से कथक नृत्य की शब्दावली के साथ काम कर रहे हैं, का साक्षात्कार।

    साक्षात्कारकर्ता : जसलीन वोहरा प्रस्तुतकर्ता : मोनिका गुलाटी

21. इंडिया एज़ दे सी इट : मेल्बा परिया, भारत में मैक्सिको के राजदूत के साथ साक्षात्कार।

    साक्षात्कारकर्ता : कौशिक राय

22. स्टूडियो 1 में स्वागत : मैक्सिको से जंकार और उनके संगीत बैण्ड माला रूमबा के साथ साक्षात्कार साक्षात्कारकर्ता : सुनील टंडन, प्रस्तुतकर्ता : मोनिका गुलाटी।

23. हमारे मेहमान : चीन में भारत के पूर्व राजनयिक श्री अशोक के. कान्था, विवेकानंदा अंतर्राष्ट्रीय संस्था के प्रतिष्ठित फेलो के साथ साक्षात्कार।

    साक्षात्कारकर्ता : अर्चना दत्ता, पूर्व महानिदेशक न्यूज़।

24. डेटलाइन दिल्ली : परिचर्चा : ब्रिक्स– 'सिग्निफिकेंस फॉर द वर्ल्ड'

    भागीदार:
    1. एच एच एस विश्वनाथन पूर्व राजनयिक एवं लेखक
    2. कमर आगा, अंतर्राष्ट्रीय मामलों और सेना के विशेषज्ञ
    3. विवान शरन, अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड और नीति के विशेषज्ञ
    4. अदिति फेडनिस, वरिष्ठ संवाददाता संचालक

25. ब्रिक्स 2016 गोवा शिखर– कार्यसूची एवं आयाम (परिचर्चा)

    भागीदार : अलोक अमिताभ दिवरी, संयुक्त सचिव, विदेश मंत्रालय समीर शरन, उपाध्यक्ष, पर्यवेक्षक अनुसंधान संस्थान (संचालक) डॉ. सचिन चतुर्वेदी,

    डी जी : विकासशील देशों के लिए अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली।

26. इंडिया एज़ दे सी इट : डॉ. रिजली विल्मर इन्द्राकेसुमो भारत में इंडोनेशियाके राजदूत के साथ साक्षात्कार।

    साक्षात्कारकर्ता : कौशिक राय

27. प्रवासी भारतीय दिवस : श्री दयानेश्वर मुले, सचिव, विदेश में भारतीय मामले, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के साथ साक्षात्कार।

28. इण्डियन हैरिटेज : गिरीमितिया टू मिनिस्टर (भारत के करारबद्ध श्रमिकों का यात्रा एवं धरोहर) महेन्द्र उच्छानाह, पूर्व मंत्री, मौरीशस के संसद सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष अप्रवासी घट।

    साक्षात्कारकर्ता : डी थामस (ओ बी आधारित)

29. वृतचित्र : 'रेडियो इज़ यू' (इस वर्ष के विश्व रेडियो दिवस का विषय) पाण्डुलिपि/अनुसंधान : सरिता बरारा, रेडियो प्रसारक

    वृतान्त : मारिया एल्बिना माईकल

    प्रस्तुति : डोमिनिक थामस, प्रस्तुति मे सहायता : सविता खेरा

30. इंडिया एज़ दे सी इट : लिथूएनिया के राजनयिक महामहिम श्री लाइमोनस तलत केल्प्सा के साथ साक्षात्कार।

    साक्षात्कारकर्ता : श्री काज़ीम अली खान (आकाशवाणी रामपुर का सहयोग)

31. 'ट्रंप के विश्व की अर्थव्यवस्था'

    जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विश्वजीत धर, पूर्व डी जी, आर आई एस, एम ई ए थींक टैंक एवं विदेशी ट्रेड की भारतीय संस्था आफ डब्ल्यू टी ओ सेंटर के पूर्व निदेशक के साथ साक्षात्कार।

    साक्षात्कारकर्ता : पल्लवी मनचंदा अनुसंधान विद्वान।

अंतर्राष्ट्रीय संपर्क एकांश

अंतर्राष्ट्रीय संपर्क एकांश आकाशवाणी से संबंधित सभी अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के मामलों को देखता है। इसकी जिम्मेदारियों में विदेशी प्रतिनियुक्ति पर कार्रवाई, देश में प्रशिक्षण/कार्यशालाएं/सम्मेलन/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन, सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम करार (सी ई पी) एवं प्रसारण के क्षेत्र में सहयोग के लिए विदेशी प्रसारण संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापनों (एम ओ यू)

पर हस्ताक्षर के कार्यान्वयन में समन्वय, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में आकाशवाणी के कार्यक्रमों की एंट्री की भागीदारी, अंतर्राष्ट्रीय मीडिया निकायों इत्यादि के साथ आकाशवाणी की सदस्यता आदि शामिल हैं।

ए बी यू अवार्ड 2016 का सम्मान

चीन रेडियो अंतर्राष्ट्रीय (सी आर आई) के छः सदस्यों के प्रतिनिधियों का आकाशवाणी दौरा

वर्ष 2016-17 की अवधि के दौरान गतिविधियां एवं उपलब्धियां

1. वर्ष 2016–17 के दौरान, आई आर यूनिट ने चौथे ए बी यू रेडियो गीत समारोह 2016 में आकाशवाणी की भागीदारी का सफलतापूर्वक समन्वय किया। आकाशवाणी के प्रविष्टि गीत 'क्रियेशन' को मणिपुर, इम्फाल की एक 12वीं कक्षा की छात्रा सुश्री थोककोम लान्साना चानू द्वारा गाया गया, जिसे महोत्सव में 14 फाइनलिस्टों में से चुना गया। महोत्सव के नियमानुसार, बीजिंग चीन में 26 अप्रैल 2016 को आयोजित समापन समारोह में चयनित वर्ग की गायिका को लाइव प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया। महोत्सव की शुरूआत भारतीय गायक के प्रदर्शन के साथ शुरू हुई और सभी ने इसकी सराहना की। समापन समारोह रेडियो एशिया–2016 सम्मेलन की साइडलाइन पर आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन में सदस्य (कार्मिक) प्रसार भारती और महानिदेशक, आकाशवाणी ने भागीदारी की। चीन राष्ट्रीय रेडियो ने समारोह का आयोजन किया।

2. रेडियो कार्यक्रमों की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिष्ठित ए बी यू पुरस्कार–2016 की 'सामुदायिक सेवा घोषणा' श्रेणी में आकाशवाणी की प्रविष्टि 'एक बाघ की डायरी' ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम आकाशवाणी इलाहाबाद के कार्यक्रम निष्पादक श्री अभिनय श्रीवास्तव द्वारा तैयार किया गया था। पुरस्कार में एक ट्राफी, प्रमाण–पत्र और 2000 यू एस डी का नकद पुरस्कार शामिल हैं।

3. आकाशवाणी ने ए बी यू पुरस्कार–2016 की दो श्रेणियों के प्रांरभिक चयन में भी योगदान दिया। क्रमशः 'न्यूज रिपोर्टिंग' और 'रेडियो ड्रामा' की श्रेणियों में प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय प्रविष्टियों के लिए श्री आर एन मिश्रा, अपर महानिदेशक (समाचार) एन एस डी, आकाशवाणी, नई दिल्ली और श्री राकेश डोंडियाल, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी भोपाल ने बाहर से निर्णायक मंडल के सदस्यों के तौर पर सेवाएं दी।

4. भारत सरकार एंव विभिन्न देशों के साथ हस्ताक्षरित सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम करार के तहत 24 मई, 2016 को मनाए गए बुल्गारिया के स्लवेनिक लेटर्स और बुलगारियन शिक्षा एवं संस्कृति दिवस के अवसर पर आकाशवाणी दिल्ली से बुल्गारियन संगीत कार्यक्रम प्रसारित किया गया था।

रेडियो एशिया- 2016

महानिदेशक आकाशवाणी के साथ ए बी यू पुरस्कार के विजेता अभिनव श्रीवास्तव

5. दोनों देशों के बीच प्रसारण के क्षेत्र में सहयोग संबंध बढाने के उद्देश्य से वर्ष के दौरान रूस चीन और रोमानिया के प्रतिनिधि मंडलों ने आकाशवाणी का दौरा किया।

6. अवधि के दौरान, आई आर यूनिट द्वारा आकाशवाणी के कार्यक्रम कर्मचारियों के कुल सात विदेश प्रतिनियुक्तियों को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया।

श्रोता अनुसंधान एकांश

जनसंचार परिदृश्य में बदलाव के कारण श्रोता अनुसंधान एकांश मुख्य केन्द्र बिन्दु है। इस मार्केट संचालित प्रसारण के युग में किसी मीडिया संगठन के लिए अनुसंधान और फीड बैक के बिना और साथ में श्रोताओं की क्षमता को पहचाने बिना तथा मार्केट की अच्छी जानकारी के बगैर टिकना संभव नहीं हो सकता। इसके अतिरिक्त वे विभिन्न मीडिया और मार्केट अनुसंधान संस्थओं द्वारा किए गए सेंडिकेडिटड अनुसंधान को स्वीकृति देते हैं। निजी टेलीविजन और रेडियो चैनलों की सफलता का राज है कि वे अपने श्रोताओं की रूचि को पहचानते हैं, तथा वे हमेशा अपने कार्यक्रमों के डिज़ाईनों में परिवर्तन के साथ साथ प्रस्तुतीकरण को श्रोताओं के अनुरूप बनाते हैं।

आकाशवाणी इस क्षेत्र में अग्रणी है। आकाशवाणी में श्रोता अनुसंधान एकांश का विस्तृत नेटवर्क है जो पूरे देश में सन् 1946 से कार्यरत है। ये कार्यक्रम निर्माताओं को कार्यक्रम संबंधी फीड बैक देता है ताकि वे लक्षित श्रोताओं की आवश्यकता, रूचि, आकांक्षा के अनुसार कार्यक्रम की योजना, डिज़ाईन तैयार कर सके व उसमें परिवर्तन कर सके। आकाशवाणी का श्रोता अनुसंधान एकांश प्रायोजको, विज्ञापनकर्ताओं और विक्रेताओं को उनके व्यावसायिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कार्यक्रम रेटिंग, श्रोता आंकड़े भी प्रदान करता है। श्रोता अनुसंधान एकांश डाटा बैंक और संदर्भ अनुभाग के रूप में भी अपने संगठन के लिए कार्य करता है।

वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान, निम्नलिखित श्रोता अनुसंधान सर्वेक्षण/अध्ययन, और संकलन किए गए:

1. वर्ष 2016–17 के दौरान "मन की बात" के प्रसारित सभी एपिसोड पर टेलिफोनिक शीघ्र फीडबैक अध्ययन।
2. अगस्त–सितम्बर 2016 में 30 आकाशवाणी स्टेशनों पर "मन की बात" पर शीघ्र फीडबैक अध्ययन (फील्ड सर्वेक्षण)।
3. जुलाई– अगस्त 2016 में 07 स्टेशनों पर लेफ्ट विंग चरमपंथी (एल डबल्यू ई) प्रभावित क्षेत्र–फेज–II में प्रचार–प्रसार अभियान पर प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन।

4. सितम्बर 2016 में 20 स्टेशनों पर बी एस एन एल अभियान पर शीघ्र टेलीफोनिक फीडबैक सर्वेक्षण।
5. अक्टूबर 2016 में 18 स्टेशनों पर "धोनी की अनकही कहानी" पर शीघ्र टेलीफोनिक फीडबैक सर्वेक्षण।
6. फरवरी–मार्च 2017 में 26 स्टेशनों पर एफ एम चैनलों पर रेडियो श्रोता सर्वेक्षण।
7. प्रसार भारती की वार्षिक रिपोर्ट 2015–16 का संकलन।
8. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार की वार्षिक रिपोर्ट 2016–17 का संकलन।

अभियांत्रिकी

क. नेटवर्क और कवरेज में बढ़ोत्तरी:

आकाशवाणी विश्व के सबसे बड़े प्रसारण नेटवर्कों में से एक है। स्वतंत्रता के समय छह रेडियो केंद्र और 18 ट्रांसमीटर्स (6 मीडियम वेव और 12 शार्ट वेव) थे जो देश की 11 प्रतिशत जनसंख्या और 2.5 प्रतिशत क्षेत्र को कवर करते थे।

31 मार्च 2017 तक आकाशवाणी नेटवर्क 420 केंद्रों और 612 ट्रांसमीटरों (143 मीडियम वेव, 48 शॉर्ट वेव और 421 एफएम) का हो गया है जो देश के 92 प्रतिशत क्षेत्र में फैली 99.20 प्रतिशत जनसंख्या को कवरेज प्रदान करता है। इसमें लगभग 8–10 किलोमीटर की परिधि की स्थानीय कवरेज के लिए 100 वाट एफ एम के 195 ट्रांसमीटर्स संस्थापित करना शामिल है।

ख. वर्ष के दौरान हुई गतिविधियों की झलक:

1. 01.04.2016 से 31-03-2017 तक आकाशवाणी केन्द्रों की संख्या 418 से बढ़कर 420 तथा ट्रांसमीटरों की संख्या 606 से बढकर 612 हो गई है।

(क) वर्ष के दौरान आरंभ किए गए नए केंद्र/ट्रांसमीटर:

(i) बासंती : 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर

(ii) शिर्डी : 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर

(ख) वर्ष के दौरान विद्यमान केंद्रों पर चालू किए गए ट्रांसमीटर:

- **कावाराती (लक्षद्वीप)** : विद्यमान 1 किलोवाट ट्रांसमीटर को 10 किलोवाट ट्रांसमीटर से बदलना।
- **सूरतगढ़ (राजस्थान)** : विद्यमान 300 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 300 किलोवाट मीडियम वेव डी आर एम ट्रांसमीटर से बदलना।
- **जालंधर (पंजाब)** : विद्यमान 300 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 300 किलोवाट मीडियम वेव डी आर एम ट्रांसमीटर से बदलना।
- **सासाराम (बिहार)** : विद्यमान 6 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर को 6 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से

बदलना।

- **बालूरघाट (पश्चिम बंगाल)** : विद्यमान 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर की जगह 10 किलोवाट एफ एम संस्थापित कर चालू किया।
- **मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल)** : विद्यमान 6 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर को 6 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से बदलना।
- **भवानीपटना (ओडिशा)** : 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर दूरदर्शन स्थल (रिले स्टेशन)
- **कुर्सियांग (पश्चिम बंगाल)** : विद्यमान 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से बदलना।
- **सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल)** : विद्यमान 200 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 200 किलोवाट मीडियम वेव डी आर एम ट्रांसमीटर से बदलना।
- **जमशेदपुर (झारखंड)** : विद्यमान 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से बदलना।
- **भुज (गुजरात)** : 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर दूरदर्शन स्थल (रिले स्टेशन)
- **अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़)** : 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर दूरदर्शन स्थल (रिले स्टेशन)
- **छतरपुर (मध्य प्रदेश)** : 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर दूरदर्शन स्थल (रिले स्टेशन)

डी आर एम सिलिगुड़ी का शुभारम्भ

(ग) अन्य गतिविधियां

- 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर सेटअप स्थापित करने के लिए नेलौर और रतलाम में भूमि ले ली

गई है जबकि उधमपुर, इटावा और सुल्तानपुर में भूमि लेने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

- भारत–नेपाल सीमावर्ती 6 जगहों पर 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर सेटअप स्थापित करने के लिए स्थल का सर्वेक्षण किया जा चुका है।
- लुधियाना में 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर स्थापित करने के लिए पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में स्थल को अंतिम रूप दिया जा चुका है। स्थल के अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी।

2. तकनीकी रूप से तैयार केन्द्र/ट्रांसमीटर: निम्नलिखित केन्द्र तकनीकी रूप से चालू करने के लिए तैयार हैं:

1. देहरादून, उत्तराखंड – स्टुडियो सुविधाओं के साथ 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर।
2. लांगथराई, त्रिपुरा – स्टुडियो सुविधाओं के साथ 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर।
3. जलगांव, महाराष्ट्र – 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर।
4. अमृतसर, पंजाब – 20 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर।
5. चौटन हिल, राजस्थान – 20 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर।
6. दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल– स्टुडियो सुविधाओं के साथ 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर।
7. सिल्चर, असम – स्टुडियो सुविधाओं के साथ 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर।
8. सिल्चर, असम – स्टीरियो स्टुडियो सुविधाएं।
9. कोहिमा, नागालैंड – स्टीरियो स्टुडियो सुविधाएं।
10. नौशेरा, जम्मु और कश्मीर– 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर।

3. डिजिटलीकरण स्कीम:

पूर्ण और क्रियान्वयनाधीन परियोजनाएं

(i) विद्यमान केन्द्रों पर 33 पुराने मीडियम वेव ट्रांसमीटरों को नए मीडियम वेव डी आर एम ट्रांसमीटरों से बदलना।

- 20 किलोवाट (संख्या 6) : सभी ट्रांसमीटर्स संस्थापित किए गए और चालू किए गए।
- 100 किलोवाट (संख्या 11) : सभी ट्रांसमीटर्स संस्थापित किए गए और चालू किए गए।
- 200 किलोवाट (संख्या 10) : सभी ट्रांसमीटर्स संस्थापित किए गए और चालू किए गए।
- 300 किलोवाट (संख्या 6) : सभी ट्रांसमीटर्स संस्थापित किए गए और चालू किए गए।

(ii) 3 शार्ट वेव ट्रांसमीटर्स को शार्ट वेव डी आर एम ट्रांसमीटर्स से बदलना :

- बेंगलुरू में 500 किलोवाट शार्ट वेव डी आर एम का एक ट्रांसमीटर संस्थापित किया और नियमित सेवा में लिया गया।

- किंग्ज़वे (दिल्ली) के लिए खरीदे गए 100 किलोवाट शार्ट वेव डी आर एम के 2 ट्रांसमीटर अब किंग्ज़वे (दिल्ली) में संस्थापित किए जा रहे हैं।

(iii) कवरेज रहित ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों (दूरदर्शन के विद्यमान आकाशवाणी/एल पी टी स्थलों पर) में एफ एम कवरेज के विस्तार के लिए 100 स्थानों पर 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर्स

- सभी स्थानों पर ट्रांसमीटर संस्थापित किए गए।

(iv) दुर्गम और सीमावर्ती क्षेत्रों के 34 स्थानों उसी पावर के (6 किलोवाट के 27 और 10 किलोवाट के 7) पुराने एफ एम ट्रांसमीटर और 1 किलोवाट मीडियम वेव के 6 ट्रांसमीटर को 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से बदलना।

- 10 किलोवाट के सभी 13 ट्रांसमीटर संस्थापित किए जा चुके हैं।
- 6 किलोवाट एफ एम के 27 ट्रांसमीटर संस्थापित कर सेवा में लिए गए।

(v) 24 स्थानों पर नए 1 किलोवाट/5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटरः

- 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (संख्या 12) और 5 किलोवाट (संख्या 12) संस्थापित किए गए और इनमें से ज्यादातर सेवा में लिए गए।

(vi) 98 स्टूडियो का डिजिटलीकरणः

- 48 स्थानों पर बैकअप के साथ स्वचालित साफ्टवेयर, सर्वर, स्टोरेज उपलब्ध कराए गए।
- शेष 50 केन्द्रों के लिए कार्रवाई शुरू की जा चुकी है।

(vii)अभिलेखागार सुविधा का डिजिटलीकरणः

- दिल्ली, चेन्नै, मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद में अभिलेखागार सुविधा की स्थापना का कार्य पूरा किया गया जिसमें डाटाबेस सर्वर और स्टोरेज के साथ डिजिटलीकरण और जीर्णोद्धार कार्य शामिल है।

(viii) विद्यमान आर एन यू (संख्या 44) में वृद्धि और नए आर एन यू (संख्या 7) का सृजनः

- सभी स्थानों पर वृद्धि का कार्य पूरा किया गया।
- सृजित किए जाने वाले 7 नए आर एन यू में से 3 स्थानों (जोधपुर, संबलपुर और राजकोट) पर कार्य पूरा हुआ। शेष 4 स्थानों (पुंछ, विशाखापट्टणम, दरभंगा और पासीघाट) पर हार्डवेयर उपलब्ध कराए गए और साफ्टवेयर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

(ix) डिजिटल स्टूडियो ट्रांसमीटर लिंक (सं. 127)

- क्षेत्रीय कार्यालय गोदाम में उपस्कर प्राप्त किया।

(x) नए केपटिव भू केन्द्र (सं. 5)

- देहरादून, सिलचर, तिरूचिरापल्लि, मदुरै और धारवाड़ में 5 नए केपटिव भू केंद्रों के लिए आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण और चालू करने का (एस आई टी सी) आदेश दे दिया गया है।

4. जम्मू और कश्मीर (फेस-III) के लिए विशेष पैकेज:

- स्कीम में नौशेरा में विद्यमान टी वी स्थल पर और ग्रीन रिज (उरी क्षेत्र), हिमबोटिंगला (लद्दाख क्षेत्र), पटनीटाप (जम्मू क्षेत्र) में 10 किलोवाट एफ एम के 4 ट्रांसमीटर स्थापित करना शामिल है।
- नौशेरा में 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर चालू करने के लिए तकनीकी रूप से तैयार हैं। अन्य तीन स्थानों उरी, हिमबोटिंगला, पटनीटॉप में पूरा होने के नजदीक हैं।
- उपरोक्त के अलावा करगिल, द्रास, तिसुरु और पदम में 100 वाट एफ एम के 4 ट्रांसमीटर इन क्षेत्रों में एफ एम कवरेज उपलब्ध कराने के लिए पहले ही चालू किए जा चुके हैं।

5. पूर्वोत्तर विशेष पैकेज (फेस-II)

पूर्वोत्तर और द्वीपीय प्रदेशों में आकाशवाणी सेवाओं के विस्तार एवं सुधार के लिए विशेष पैकेज का कार्यान्वयन किया जा रहा है पैकेज में सम्मिलित है:

(i) 1 किलोवाट एफ एम केन्द्र–संख्या 19

1. अरूणाचल प्रदेश : रोइंग (अनिनि से अपवर्तित) बोमडीला, चांगलांग, दापोरिजो, खोंसा
2. असम : करीमगंज, लुमडिंग, गोलपाड़ा
3. मणिपुर : उखरूल, तमेंगलांग
4. मेघालय : चेरापूंजी
5. मिज़ोरम : तुइपांग, चम्पाई, कोलासिब
6. नागालैंड वोखा, जुनहेबोटो, फेक
7. त्रिपुरा : उदयपुर, नूतन बाजार

19 नए एफ एम केन्द्र स्थापित करने के लिए नए स्थलों की जरूरत थी। संबंधित राज्य सरकार के माध्यम से इन जगहों पर स्थल के अधिग्रहण की लम्बी प्रक्रिया के कारण स्कीम में विलम्ब हुआ।

- 19 में से 17 स्थलों का अधिग्रहण किया गया।
- 15 जगहों नामतः गोलपाड़ा, उदयपुर, नूतन बाजार, कोलासिब, तुईपांग, लुमडिंग, चम्फई, चांगलांग, खोंसा, चेरापूंजी, दापोराजिओ, वोखा और फेक, बोम्डीला और करीमगंज में ट्रांसमीटर संस्थापित किए गए। शेष 02 जगहों पर कार्य प्रगति पर है।
- तमेंगलांग (मणिपुर) में उचित स्थान न मिलने के कारण स्कीम को सेनापति (मणिपुर) में अभिनिर्धारित करने पर विचार किया जा रहा है।
- अनिनि (अरूणाचल प्रदेश) में उचित स्थान न मिलने के कारण अब स्कीम को नामसाई (अरूणाचल प्रदेश) में अभिनिर्धारित करने पर विचार किया जा रहा है।

(ii) 100 स्थानों पर 100 वाट एफ एम रिले ट्रांसमीटरः 96 स्थानों पर ट्रांसमीटर संस्थापित किए गए और 2 स्थानों पर संस्थापनाधीन हैं दो ट्रांसमीटर अपवर्तित किए गए।

(iii) चिनसुराः 1000 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर (विद्यमान 1000 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को बदलना) – ट्रांसमीटर संस्थापित कर चालू किया गया।

(iv) गुवाहाटी में क्षेत्रीय कार्यालय का सुदृढ़ीकरणः

- गुवाहाटी में स्थायी कार्यालय परिसर का निर्माण पूरा किया गया।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए स्टाफ क्वार्टर (सं.38) का निर्माण भी पूरा किया।

माननीय राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह द्वारा मार्च-2017 में उधमपुर में एफ एम ट्रांसमीटर के लिए आधारशिला रखना।

6. 12वीं योजना के तहत् नई पहलें:

(1) सीमित प्रस्तुति सुविधा के साथ नए एफ एम ट्रांसमीटर:11 स्थानों पर

(i) 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (सं.8) {काकीनाड़ा(आंध्र प्रदेश), मुज्जफरपुर(बिहार) में टीवी स्थल, रतलाम(मध्य प्रदेश), कृष्णानगर(पश्चिम बंगाल) में टीवी स्थल, लुधियाना(पंजाब) बुन्दी(राजस्थान) में टीवी स्थल, इटावा(उत्तर प्रदेश) और मेरठ(उत्तर प्रदेश)}:

मेरठ(उत्तर प्रदेश) और रतलाम(मध्य प्रदेश) पर नए केन्द्रों के लिए राज्य सरकारों से स्थल प्राप्त किए गए। इटावा(उत्तर प्रदेश) स्थल अभी प्राप्त करना है। 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर(सं.4) की प्राप्ति के लिए खरीद प्रस्ताव दिया गया।

{लुधियाना में बी एस एन एल परिसर में एफ एम ट्रांसमीटर का अंतरिम सेटअप पहले ही चालू किया जा चुका है}

(ii) 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर(सं.3) {आलपुष्पा(केरल), अमेठी(उत्तर प्रदेश) और रिवा (मध्य प्रदेश)}:

5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर(सं.2) की प्राप्ति के लिए खरीद प्रस्ताव दिया गया।

{अमेठी में दूरदर्शन स्थल पर 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर का अंतरिम सेटअप पहले ही चालू किया जा चुका है}

(2) एफ एम ट्रांसमीटर के साथ अतिरिक्त चैनल: 7 स्थानों पर

(i) 20 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर–4

{दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, चेन्नै}

(ii) 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर–3

{कानपुर(उत्तर प्रदेश), विजयवाड़ा(आंध्र प्रदेश) और पणजी(गोवा)}

20 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर(सं.4) की प्राप्ति के लिए ऑर्डर दिया गया और 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर(सं.3) की प्राप्ति के लिए खरीद ऑर्डर दिया गया।

(3) एल डब्ल्यू ई स्कीम के तहत मीडियम वेव ट्रांसमीटरों को बदलना

100 किलोवाट के 4 और 200 किलोवाट मीडियम वेव के 2 ट्रांसमीटरों को उसी पावर के मीडियम वेव डी आर एम रेडी ट्रांसमीटरों से बदला जा रहा है। उनकी प्राप्ति का खरीद ऑर्डर दिया गया।

(4) विद्यमान एल पी टी/एच पी टी दूरदर्शन स्थलों (100 स्थान) –

योजना समीक्षाधीन है। वर्तमान में 100 वाट एफ एम के 100 ट्रांसमीटर की खरीद का निर्णय लिया जा चुका है। इस संबंध में एन आई टी प्रकाशित की जा चुकी है।

(5) 77 स्थानों पर पुराने एफ एम ट्रांसमीटरों को एफ एम ट्रांसमीटरों में परिवर्तन/उन्नयन

20 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (सं.3), 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर(सं.63) और 5 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (सं.11) की प्राप्ति का ऑर्डर दिया गया।

(6) 6 स्थानों पर पुराने मीडियम वेव ट्रांसमीटरों को एफ एम ट्रांसमीटरों से बदलना:

- किन्नौर (हिमाचल प्रदेश) – 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से बदलना।
- जोरांडा (ओडिशा) – 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से बदलना।

- सोरो (ओडिशा) – 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से बदलना।
- अलमोड़ा (उत्तराखंड) – 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से बदलना।
- ऊटकमुंड (तमिलनाडु) – 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से बदलना।
- मथुरा (उत्तर प्रदेश) – 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर से बदलना।

10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (सं.2) और 1 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (सं.4) की प्राप्ति के लिए ऑर्डर दिया गया।

(7) भारत-नेपाल बार्डर के साथ-साथ दूरदर्शन सहित एफ एम प्रसारण सैटअप: 8 स्थान

- 12वीं योजना के तहत भारत–नेपाल बार्डर के साथ एफ एम ट्रांसमीटर स्थापित करने को अनुमोद्न दिया था। सीमावती क्षेत्रों के साथ–साथ विद्यमान एस एस बी के केन्द्रों पर 6 स्थानों पर 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर स्थापित किए जाने हैं।
- उपयुक्त स्थानों की पहचान के लिए एस एस बी (एम एच ए) के नोडल अधिकारियों के साथ संयुक्त सर्वेक्षण किया गया और 10 स्थानों की पहचान की गई। एस एस बी के केन्द्रों पर संसाधनों की उपलब्धता और प्राथमिकता और कवरेज से संबंधित पहलुओं पर विचार करने के बाद सर्वेक्षण किए गए 10 स्थानों में से 6 जगहों को अंतिम रूप दिया गया।

(8) स्टूडियो

(i) 29 स्टूडियो का डिजिटलीकरण:

डिजिटल हैंड हेल्ड रिकार्डर और फोन–इन–कन्सोल जैसे उपस्कर स्थल पर प्राप्त किए। ओ बी मिक्सर की तकनीकी बोली जांचाधीन है। ए सी प्लांट के लिए विशेष विवरण को अंतिम रूप दिया जा चुका है।

(ii) 6 आकाशवाणी स्टूडियो की पुनर्सज्जा:

परियोजना नोट जारी किया गया, स्टूडियो की पुनर्सज्जा के लिए डी टी ई स्वीकृत की गई।

(iii) गुवाहाटी में अभिलेखागार सुविधा का सृजन:

गुवाहाटी में क्षेत्रीय अभिलेखीय केन्द्र स्थापित करने के लिए विस्तृत परियोजना नोट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

(9) प्रशिक्षण सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण

अनुमोदित योजना आबंटन के अनुसार दिल्ली और भुवनेश्वर में प्रशिक्षण सुविधाओं का आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

(10) अनुसंधान और विकास सुदृढ़ीकरण

आकाशवाणी के अनुसंधान एवं विकास विभाग ने एस डी आर, डी आर एम रिसीवर, इंटरएक्टिव रेडियो सेवाएं, आकाशवाणी ट्रांसमीटरों के रिमोट कंट्रोल के विकास के लिए कदम उठाएं हैं। एफ एम एंटीना को विकसित करने की स्कीम भी अनुसंधान एवं विकास विभाग को सौंपी गई है।

(11) वैकल्पिक प्लेटफॉर्म पर प्रसारण

आकाशवाणी के 13 लोकप्रिय चैनलों की लाइव स्ट्रीमिंग शुरू की जा चुकी है। मोबाइल एप्लिकेशन के लिए ये चैनल आई ओ एस विंडो और एन्ड्रॉइड प्लेटफार्मों पर भी उपलब्ध है।

7. आईटी प्रभाग के कार्यकलाप: वर्ष के दौरान मुख्य गतिविधियां और उपलब्धियां निम्नानुसार हैं :

1. आकाशवाणी के निम्नलिखित तेरह लोकप्रिय चैनलों की लाइव स्ट्रीमिंग एन आई सी डाटा सेंटर शास्त्री पार्क, दिल्ली में स्थानांतरित कर दी गई हैं।

i. एफ एम रेनबो
ii. एफ एम गोल्ड
iii. उर्दु
iv. विविध भारती
v. गुजराती
vi. मलयालम
vii. पंजाबी
viii. मराठी
ix. बांग्ला
x. तमिल
xi. तेलुगु
xii. कन्नड़
xiii. रागम

2. मानव संसाधन सूचना प्रणाली (एच आर आई एस) साफ्टवेयर के हिस्से के रूप में प्रसार भारती के

सभी कर्मचारियों के मूल डाटा लेने के लिए एक "बेसिक डाटा एंट्री" मॉड्यूल का भी विकास किया जा रहा है ज्यादातर कार्यालयों के लिए डाटा एन्ट्री पूरी की जा चुकी है। डाटा का सत्यापन कार्य चल रहा है।

3. मानव संसाधन सूचना प्रणाली में (एच आर आई एस) विकसित किए जा रहे सॉफ्टवेयर में विभिन्न एप्लिकेशन मॉड्यूल जैसे छुट्टी मॉड्यूल, प्रशिक्षण मॉड्यूल, शिकायत प्रबंधन कार्य निष्पादन मूल्यांकन आदि विकसित करना प्रस्तावित है।
4. ऑनलाइन टेलीफोन डायरेक्टरी विकसित और कार्यान्वित की जा चुकी है। इसे एयरनेट के होमपेज पर "कॉन्टेक्टस" लिंक के द्वारा लिंक किया गया है।
5. ई–मेल के लिए (डोमैनः air.org.in) एन आई सी सर्वर्स तक स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी हो चुकी है जिसमें आकाशवाणी के सभी कर्मचारियों के लिए एन आई सी द्वारा तैयार निःशुल्क 25,000/– ई–मेल आई डी का प्रावधान है।
6. गुणवत्ता लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से आकाशवाणी ऑडियो सामग्री की प्रभावी प्रस्तुति के लिए सी डी एन के माध्यम से वेब पर रेडियो अपरिहार्य हो चुका है। इस पहल में, आकाशवाणी और मोबाइल एप्स की वेबसाइट के माध्यम से श्रोताओं के स्ट्रीमिंग के अनुभव को बढ़ाने के लिए एन आई सी से सी डी एन सेवाएं किराए पर ली जा रही हैं।
7. प्राप्ति और भुगतान की मॉनीटरिंग का साफ्टवेयर प्रदर्शित किया जा चुका है और प्रशिक्षण देने के बाद आंशिक रूप से शुरू किया जा चुका है।
8. प्रसार नेट का मूल ढांचा विकसित किया जा चुका है। एप्लिकेशन और मॉड्यूल विकसित किए जा रहे हैं।
9. प्रसार नेट पोर्टल के बचे हुए मॉड्यूल का विकास जो प्रसार नेट की जरूरतों के लिए प्रसार भारती, आकाशवाणी, दूरदर्शन और एन एस डी के प्रतिनिधियों की प्रस्तावित कमेटी की सिफारिशों पर आधारित है।
10. आकाशवाणी भवन में लगातार कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए, वायरलैस लेन सेटअप शुरू किए जाने का रूप दिया जा रहा है।
11. आकाशवाणी भवन की उपलब्ध इंटरनेट लीजड लाईन की क्षमता में बहुत अधिक विशेषताओं के साथ वृद्धि की जा रही है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।
12. भुगतान पोर्टल के एकीकरण के पूरा होने के बाद ऑनलाइन पंजीकरण सॉफ्टवेयर "ऑनलाइन म्यूजिक ऑडिशन सिस्टम" भी शुरू किया जा रहा है।
13. आई टी डिविजन द्वारा "पे रोल पैकेज" तैयार किया गया है और वेतन स्लिप तैयार करने के लिए सभी अधिकारियों/केंद्रों द्वारा इसका प्रयोग किया जा रहा है। 7वें वेतन आयोग की अधिसूचना में, 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों और 6वें वेतन आयोग के नियम दोनों को इकठ्ठा करने के विशिष्ट

मामला सामने आया था। उसे समाहित कर कार्यालयों के लिए समय से उपलब्ध कराया गया और वर्तमान में प्रचालन में है।

8. आकाशवाणी संसाधनों की गतिविधियां:

आकाशवाणी संसाधनों की स्थापना मई 2001 में प्रसार भारती संसाधनों/अवसंरचना की साझेदारी के माध्यम से राजस्व अर्जन के उद्देश्य से की गई थी। प्रसार भारती के पास भूमि, भवन, टावर, ट्रांसमीटर, स्टूडियो, डी टी एच प्लेटफॉर्म, सैटेलाइट अपलिंकध्डाउनलिंक सुविधाएं, प्रशिक्षण सुविधाएं आदि के रूप में अवसंरचना का व्यापक भंडार है। प्रसार भारती के पास योजना, प्रणाली डिज़ाइन, संस्थापना, परीक्षण चालू करना और प्रसारण सेटअप प्रचालन और रख–रखाव में विशेषज्ञता का व्यापक भंडार है।

आकाशवाणी संसाधन फेस–।। से फेस–।।। के 209 चैनलों के स्थानांतरण के लिए निजी एफ एम प्रसारकों के साथ 209 नए अनुबंधों पर पहले ही हस्ताक्षर कर चुका है। 20 निजी एफ एम ऑपरेटरों ने आकाशवाणी संसाधनों के साथ अनुबंध पर अभी तक हस्ताक्षर नहीं किए हैं जबकि वे फेस–।। से फेस–।।। में स्थानांतरण के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ जी ओ पी ए पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। आकाशवाणी ने फेस–।।। के बैच–। के तहत 94 नए एलओआई धारकों के साथ अवसंरचना अनुबंध पर भी हस्ताक्षर किए हैं जबकि बैच–।। के तहत 42 एल ओ आई को जारी किया गया है जिसके अनुबंधों पर विचार किया जा रहा है।

इसके अलावा आकाशवाणी संसाधन बी एस एन एल/एम टी एन एल के साथ 43 स्थानों पर मोबाइल ऑपरेटरों के साथ प्रसार भारती अवसंरचना भी साझा कर रहा है। आकाशवाणी संसाधन राजस्व शेयरिंग आधार पर आकाशवाणी कार्यक्रमों पर एस एम एस आधारित सेवा के संचालन का प्रबंधन कर रहा है और भारत में आकाशवाणी के विभिन्न कार्यक्रमों पर विभिन्न मोबाइल ऑपरेटरों की एस एम एस हिट्स की कुल संख्या और अनुबंध की शर्तों के अनुसार प्रसार भारती के राजस्व हिस्से का रिकार्ड रख रहा है।

आकाशवाणी संसाधन साप्ताहिक/मासिक शुल्क आधार पर अभियांत्रिकी/डिप्लोमा छात्रों (आकाशवाणी और दूरदर्शन केन्द्रों) को प्रशिक्षण देकर भी राजस्व अर्जन कर रहा है।

आकाशवाणी संसाधन भारत में 37 स्थानों पर ज्ञानवाणी एफ एम ट्रांसमीटरों के प्रचालन और अनुरक्षण के लिए इग्नू के साथ एक संयुक्त अनुबंध के माध्यम से भी राजस्व अर्जित करता है। निकट भविष्य में आकाशवाणी नेटवर्क से इग्नू की ज्ञानवाणी सेवाएं शुरू किए जाने की संभावना है।

आकाशवाणी अपने संसाधन प्रारंभ (2001–02) के वर्ष से ही राजस्व अर्जित करता रहा हैं। वर्ष 2001–02 से 2016–17 तक बढ़ता हुआ राजस्व अर्जन रू. 6,75,15,72,800/– है और नीचे तालिकाबद्ध किया गया है:–

क्र.सं.	अवधि	राशि (रूपये में)
01	2001–2002 (आकाशवाणी संसाधन मई, 2001 में शुरू हुआ)	रू. 13,38,25,000/–
02	2002–03	रू. 8,38,59,900/–
03	2003–04	रू. 11,50,20,500/–
04	2004–05	रू. 19,70,19,300/–
05	2005–06	रू. 45,04,49,781/–
06	2006–07	रू. 35,50,67,009/–
07	2007–08	रू. 46,14,36,834/–
08	2008–09	रू. 47,97,29,427/–
09	2009–10	रू. 45,89,81,599/–
10	2010–11	रू. 53,22,84,545/–
11	2011–12	रू. 57,39,84,778/–
12	2012–13	रू. 56,72,03,504/–
13	2013–14	रू. 49,08,72,113/–
14	2014–15	रू. 65,01,43,374/–
15	2015–16	रू. 68,67,74,419/–
16	2016–17	रू. 51,49,20,717/–
	कुल	रू. 6,75,15,72,800/–

वर्षवार राजस्व (वित्त वर्ष 2001-02 से 2016-17)

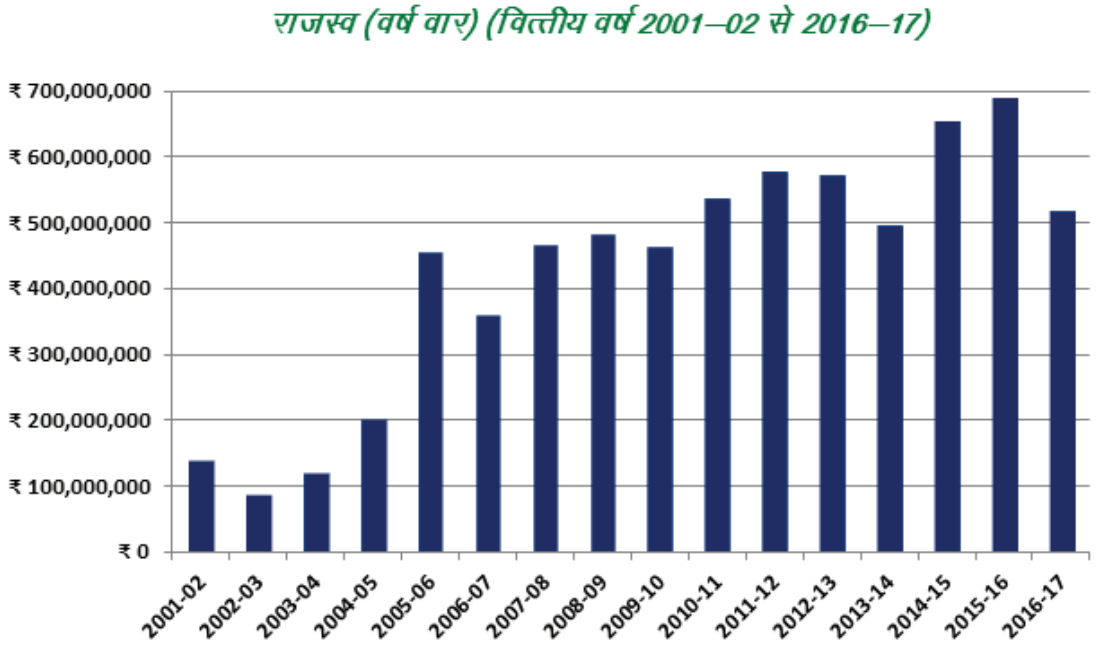

चालू वित्त वर्ष मार्च, 2017 तक रूपए 51,49,20,717/– का राजस्व अर्जित किया गया और वित्त वर्ष 2017–18 के लिए निर्धारित लक्ष्य रूपए 75 करोड़ है। प्रसार भारती द्वारा अप्रैल, 2016 से चालू वित्त वर्ष में अर्जित राजस्व का माहवार ग्राफ नीचे दिया गया है:

क्र.सं..	अवधि	राशि (रूपये में)
01	अप्रैल, 2016	रू. 33,05,864/–
02	मई, 2016	रू. 88,08,440/–
03	जून, 2016	रू. 3,73,12,917/–
04	जुलाई, 2016	रू. 1,62,21,194/–
05	अगस्त, 2016	रू. 1,45,12,474/–
06	सितंबर, 2016	रू. 44,76,608/–
07	अक्टूबर, 2016	रू. 1,89,16,038/–
08	नवंबर, 2016	रू. 7,25,13,230/–
09	दिसंबर, 2016	रू. 5,66,66,610/–
10	जनवरी, 2017	रू. 12,73,26,642/–
11	फरवरी, 2017	रू. 5,82,41,078/–
12	मार्च, 2017	रू. 9,66,19,622/–
	कुल	**रू. 51,49,20,717/–**

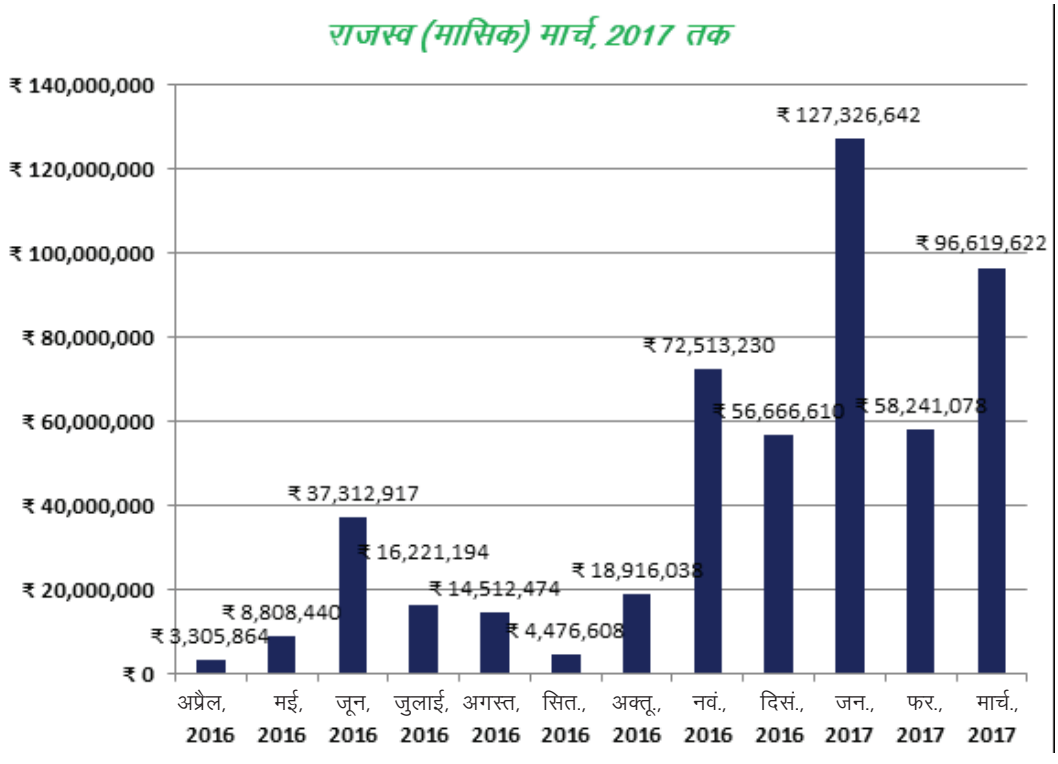

10. अनुसंधान विभाग, आकाशवाणी और दूरदर्शन

प्रस्तावना

आकाशवाणी के अनुसंधान विभाग की स्थापना 1937 में की गई जिसका उद्देश्य देश में प्रसारण सेवाओं के प्रसार अध्ययन और वैज्ञानिक आयोजन था।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में प्रसारण नेटवर्क के लगातार विस्तार के साथ, विभाग ने लगातार ध्वनि, आडियो प्रसारण, इंटरनेट, वीडियो प्रसारण, स्वचलन, उपग्रह, माइक्रोवेव, प्रचार प्रसार आदि क्षेत्रों में विस्तृत अध्ययन और विकास में वृद्धि की है।

आकाशवाणी और दूरदर्शन का अनुसंधान विभाग शीर्ष राष्ट्रीय संगठन होने के कारण अपने प्रारंभ से ही ध्वनि और टी वी प्रसारण के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के कार्यकलापों में लगा हुआ है ताकि नेटवर्क में नवीनतम आधुनिक प्रौद्योगिकियों में शामिल किया जा सके। विभाग का प्राथमिक उद्देश्य प्रणालियां/उप – प्रणालियां जो आसानी से उपलब्ध नहीं है, का विकास और नई सेवाओं और नई प्रौद्योगिकियों को अपनाकर भारतीय प्रसारण को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाकर मुख्य भूमिका अदा कर देश के प्रसारण नेटवर्क में सहायता करना है। इसके अलावा, समय–समय पर ए बी यू, ई बी यू, सी बी ए, आई टी यू इत्यादि के साथ अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों में भाग के तौर पर कई अध्ययन अनुसंधान कार्य आयोजित किए हैं।

विभाग में ध्वनि, टेलीमैट्री, प्रचार प्रसार, डी टी एच मॉनीटरिंग लेब, डी टी एच रेडियो लेब आदि कई समूह हैं। संबंधित क्षेत्र की सभी लेबोरेटरी पूरी तरह से सुसज्जित हैं। सभी तकनीकी समूहों ने विशिष्ट आधुनिक उपस्कर और प्रणाली के डिज़ाइन और विकास की जिम्मेदारी ली है जो कमर्शियली उपलब्ध नहीं है। गतिविधियों में विभिन्न अध्ययन नए प्रोडक्ट का विकास, प्रणाली का नवीकरण और नई प्रौद्योगिकी सहित प्रसारण नेटवर्क को परामर्श शामिल है। उपरोक्त के अलावा मुख्य प्रयोगशालाएं, आदर्श प्रस्तुति, डाक्यूमेंटेशन, इंटरनेट/ब्राडबैण्ड, तकनीकी लाइब्रेरी और अंतर्राष्ट्रीय मॉनीटरिंग और रिसीविंग स्टेशन जैसी कुछ सहायक सुविधाएं भी प्रदान करता है।
चालू वित्त वर्ष के दौरान वी एल पी टी और 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर के एस एम एस आधारित रिमोट कंट्रोल और मॉनीटरिंग (टैलीमेट्री), मीडियम वेव ट्रांसमीटर के रिमोट कंट्रोल और मॉनीटरिंग के डिज़ाइन, विकास और कार्यान्वयन, डी टी एच रेडियो और डी वी बी– टी 2 रेडियो के विकास, एनालॉग और डिजिटल रेडियो और टी वी ट्रांसमिशन (डी आर एम एण्ड डी वी बी– टी 2) अभिग्रहण सर्वेक्षण, ध्वनि सामग्री, टेस्टिंग और जांच आई एम आर सी टोडापुर में नियमित मॉनीटरिंग कार्य आदि कुछ मुख्य परियोजनाएं/गतिविधियां है। कम लागत के डी आर एम रिसीवर और साफ्टवेयर डिफाईन्ड रेडियो के विकास का काम भी किया है।

(क) अंतर्राष्ट्रीय मॉनीटरिंग और रिसीविंग केन्द्र, टोडापुर, नई दिल्ली

टोडापुर, नई दिल्ली में स्थित अंतर्राष्ट्रीय मॉनीटरिंग और रिसीविंग केन्द्र भारत की मीडिया वेव एण्ड शार्ट वेव विदेशी प्रसारकों की सेवाओं और आकाशवाणी की आंतरिक और विदेश सेवाओं के लिए मीडियम वेव, शार्ट वेव, एफ एम और डी टी एच सिग्नल के प्रसारण सिग्नल मॉनीटरिंग में लगा है। चालू वित्त वर्ष के दौरान की गई गतिविधियां नीचे दी गई हैं।

आकाशवाणी के एम एफ और एच एफ ट्रांसमीटरों की जांच

- सभी शॉर्ट वेव और मीडियम वेव ट्रांसमीटरों यानि किंग्ज़वे, खामपुर, अलीगढ़, बेंगलुरू, चेन्नै, पणजी, मुंबई, चिनसुरा (एस पी टी), राजकोट (एस पी टी), जालंधर (एच पी टी), तूतीकोरिन (एच पी टी) की मॉनीटरिंग की गई जो निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ आकाशवाणी की आंतरिक, विदेशी और विविध भारती सेवाएं प्रदान करते हैं:

(i) ट्रांसमीटरों का निष्पादन यानि ब्रेकडाउन, मॉडयूलेशन डीस्टोर्सन, क्रास टाक, एक्ससिव फ्रिक्वेंसी डिविएशन इत्यादि।

(ii) कार्यक्रमों का सही निर्धारण और उनकी तकनीकी गुणवत्ता की चैकिंग।

- लखनऊ, भोपाल, हैदराबाद, जयपुर, शिमला, गांगतोक, श्रीनगर, शिलांग, लेह, जम्मू, चेन्नै और मुंबई में स्थित क्षेत्रीय शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर की मॉनीटरिंग की।
- किंग्जवे– दिल्ली–सी (2 चैनलों), बेंगलुरू– बी एल–1 (2 चैनलों) दिल्ली– सी, रेडियो न्यूज़ीलैण्ड इंटरनेशनल से विदेश डी आर एम सेवा, रेडियो आर– रोमानिया इंटरनेशनल, के बी एस वर्ल्ड रेडियो, रेडियो आस्ट्रेलिया, एन एच के वर्ल्ड रेडियो– जापान, बी बी सी रेडियो, वटिकन रेडियो, नाइजीरिया रेडियो की आवाज जो भारतीय कार्यक्रम पहुंचाती है, से एनालॉग मोड और डिजिटल मोड दोनों में आकाशवाणी डी आर एम ट्रांसमीटर (मीडियम वेव और शॉर्ट वेव) की मॉनीटरिंग की गई।
- सह चैनल और समीपवर्ती चैनल बाधा (+) और (–) 5 हर्टज़ के लिए आकाशवाणी के एच एफ शेड्यूल पर तीन दिवसीय विशेष निगरानी रखी।
- रात के समय विदेश प्रसारण केन्द्रों से उत्पन्न अनावश्यक बाधा के प्वाइंट से आकाशवाणी के उत्तरी क्षेत्रीय मीडियम वेव/शॉर्ट वेव ट्रांसमीटरों पर निगरानी रखी।
- मीडियम वेव और शार्ट वेव ट्रांसमीटरों दोनों सहित लगभग 63 विभिन्न आवृत्तियों के लिए आवृत्ति विचलन माप किया गया।

आकाशवाणी के शॉर्ट वेव चैनल पर इंटरफियरेंस की हस्तक्षेप की पहचान और चैनल सतर्कता सुनिश्चित करना।

आंतरिक, विदेशी, विविध भारती और क्षेत्रीय शॉर्ट वेव सेवाएं प्रदान करने वाले आकाशवाणी के चैनलों

के हस्तक्षेप करने वाले स्टेशनों की पहचान और चैनल सतर्कता का काम नियमित रूप से किया गया। इन जांचों की टिप्पणियों का सुधार कार्य हेतु प्रयोग किया गया। गणतंत्र दिवस, खेल, राष्ट्रीय घटनाओं, वी वी आई पी प्रसारणों और अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं पर कार्यक्रम तैयार करने के लिए प्रत्येक मौसम के अनुसार एरियल/आवृत्ति निर्धारण को अंतिम रूप देने से पहले तथा किसी निर्णय पर पहुंचने से पहले, विभिन्न चैनलों की विशेष मॉनीटरिंग की गई। वर्ष 2016–17 के दौरान विशेष अवलोकन और वी वी आई पी प्रसारण मॉनीटरिंग निम्नानुसार की गई:

क्र.सं.	अवलोकन के ब्यौरे	अवधि
1.	वी वी आई पी प्रसारण प्रेषण	06 दिन
2.	विशेष अवलोकन (170 विभिन्न आवृत्तियां)	63 दिन

आर एन चैनलों/एफ एम चैनलों की मॉनीटरिंग

- प्रसारण भवन, नई दिल्ली से शुरू सभी 'सी' बैण्ड आर एन चैनलों की मॉनीटरिंग। इन चैनलों की प्रतिदिन चौबीसों घंटे मॉनीटरिंग की जाती थी। कार्यक्रम की विषयवस्तु और गुणवत्ता के संबंध में अनियमितता पाई जाने पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए इसकी रिपोर्ट ई मेल द्वारा सही समय पर प्रसारण भवन, नई दिल्ली को भेज दी गई थी।
- संपूर्ण निष्पादन के लिए प्रतिदिन सभी क्षेत्रीय आर एन चैनलों की मॉनीटरिंग की गई और रिपोर्ट ई मेल की गई।
- दिल्ली केन्द्र (एफ एम रैनबो, गोल्ड और इग्नू) के एफ एम चैनलों की प्रतिदिन प्रति घंटे मॉनीटरिंग की जा रही है और रिपोर्ट ई मेल की गई।

डी टी एच रेडियो मॉनीटरिंग

प्रतिदिन प्रति घंटे डी टी एच के 21 रेडियो चैनलों की नियमित मॉनीटरिंग की गई। अनियमितता पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित स्टेशनों और डी टी एच– डी डी को तुरंत सूचित किया गया और रिपोर्ट ई–मेल की गई।

विदेशी संगठनों के ट्रांसमिशन की मॉनीटरिंग

भारत की तरफ विकीर्ण किए गए 12 देशों के ट्रांसमिशनों की आपसी आधार पर नियमित तकनीकी मॉनीटरिंग की गई। आवधिक रिपोर्टें तैयार की गई और ई मेल द्वारा संबंधित प्रसारण संगठनों को भेजी गई।

आई एम आर सी टोडापुर में निर्धारित मॉनीटरिंग और रिपोर्टिंग कार्यों के अलावा प्लान स्कीम के

तहत किए जा रहे । पूरे किए गए कार्य निम्नलिखित हैं:–

i. 25 के वी ए के डी जी सेट का एस आई टी सी का काम पूरा किया गया।

ii. 11वीं प्लान परियोजना के तहत ओसिलोस्कोप (सं 2), सिग्नल जनरेटर और फील्ड स्ट्रेंथ मीटर प्राप्त किए गए।

iii. एच एफ कम्युनिकेशन रिसीवर (सं. 2), डी आर एम टेस्ट रिसीवर और रिसीविंग एंटीना खरीद के प्रक्रियाधीन हैं।

iv. डी टी एच रिसीविंग सेट– सं. 3, 5 के वी ए, यू पी एस सं. 1 और प्रिंटर सहित कंप्यूटर (सं. 3) प्राप्त किए गए।

v. ओपन मोड सी–बैण्ड आर एन– टर्मिनल (सं. 2) प्राप्त किया और संस्थापित किया।

vi. 2 सबमर्सिबल पम्प के साथ पम्प (क्षमता 20000 लीटर) के पुनर्निर्माण का काम पूरा किया।

vii. तकनीकी एशिया में पी वी सी फ्लोरिंग (800 वर्ग फीट) प्रक्रियाधीन है।

viii. लकड़ी की पैनलिंग दीवार पर ध्वनि अवरोधक टाइल और 2500 वर्ग फीट क्षेत्र में एन्टी– टर्माइट उपचार प्रक्रियाधीन है।

ix. एम एच ट्रेन्च कवर (50 फीट) सहित ट्रेंच की मरम्मत का कार्य प्रक्रियाधीन है।

(ख) टेलीमैट्री प्रणाली समूह

मीडिया वेव/एफ एम ट्रांसमीटर के लिए रिमोट मॉनीटरिंग और नियंत्रण (टेलीमैट्री) प्रणाली निम्नलिखित मीडियम वेव केन्द्रों पर रिमोट मॉनीटरिंग और नियंत्रण प्रणाली संस्थापित की जा चुकी है:–

1. आकाशवाणी, कोटा, आर एण्ड डी फंड से संस्थापित की गई।
2. आकाशवाणी, रोहतक
3. आकाशवाणी, तिरूनेलवेली
4. आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम
5. आकाशवाणी, ब्रहमवार/मेंगलूर
6. आकाशवाणी, छतरपुर
7. आकाशवाणी, अम्बिकापुर
8. आकाशवाणी, आइज़ोल
9. आकाशवाणी, तूरा
10. आकाशवाणी, सिलचर

प्रसारण ट्रांसमीटरों के लिए एडवांस टेलीमैट्री प्रणाली

टेलीफोन लाइन का प्रयोग करते हुए परियोजना विकास शुरू किया गया। बाद में, आई एस डी एन लाइन, एस टी एल लिंक, जी एस एम मॉडम और आई पी आधारित ब्राडबैण्ड कनेक्शन पर इसका परीक्षण किया गया था। इसके अलावा, वेब आधारित टेलीमैट्री प्रणाली के विकास का कार्य प्रगति पर है जो किसी भी रिमोट जगह से किसी ट्रांसमीटर के ट्रांसमिशन स्टेटस की मॉनीटरिंग करने में मदद करेगा।

(ग) प्रचार प्रसार लैब

प्रचार–प्रसार लैब अनुसंधान विभाग के पी एस एम समूह की सबसे पुरानी प्रयोगशाला है, जो अनुसंधान के उद्देश्य से फील्ड स्ट्रेंथ मापन और अन्य प्रचार–प्रसार संबंधी अध्ययन के लिए स्थापित की गई है। इस लैब ने देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित आकाशवाणी और दूरदर्शन के स्थलीय ट्रांसमीटरों द्वारा प्रसारित ब्राडकास्ट सिग्नल (रेडियो और टेलीविजन) पर प्रचार प्रसार अध्ययन करके तकनीकी रिपोर्ट भी तैयार की जो एस एम एस और योजना प्रभाग के लिए काफी उपयोगी है।

11वीं योजना के तहत डिजिटल रेडियो ट्रांसमिशन के लिए प्रेषण मापन और अभिग्रहण सर्वेक्षण प्रणाली का विकास

स्प्लिट एयर कंडीशनर और तकनीकी फर्नीचर, हार्डवेयर/साफ्टवेयर सहित लैपटॉप आधारित डी आर एम रिसीवर, डी आर एम कमर्शियल रेडियो रिसीवर, यू पी एस, रिसीविंग एंटीना, मोबाइल वेन, पोर्टेबल जनरेटर सेट, जी पी एस नेवीगेशन प्रणाली, कलर प्रिंटर, डेस्कटॉप कंप्यूटर, साफ्टवेयर के साथ लैपटॉप, हैंडहेल्ड स्पैक्ट्रम एनलाइज़र जैसे ज्यादातर डी टी ई सामान खरीदे गए। न्यूमैटिक मस्तूल, डी आर एम रेफरेंस मॉनीटरिंग एनलाइज़र, फील्ड स्ट्रेंथ मीटर, मोबाइल/सर्वेक्षण वेन की कस्टमाइज़ेशन और फैबरिकेशन की खरीद का कार्य प्रक्रियाधीन है।

(घ) ध्वनि ग्रुप

आकाशवाणी और दूरदर्शन के अनुसंधान विभाग का ध्वनि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में आर एण्ड डी का अनुभव काफी है। ध्वनि प्रयोगशाला आकाशवाणी और दूरदर्शन पर विद्यमान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ध्वनि मापन के अनुसार ध्वनि सामग्री और नए निर्मित स्टूडियो के विभिन्न ध्वनि मापन पर काम कर रही है। वर्ष 2016–17 के दौरान, विभिन्न फर्मों द्वारा प्रदान की गई ध्वनि सामग्री का ध्वनि प्रयोगशाला में टेस्ट किया गया और कुल रू. 96,985/– का राजस्व प्राप्त किया। इसके अलावा परीक्षण के लिए प्राप्त ध्वनि सामग्री (राजस्व राशि रूपए 1,10,840/–) का काम प्रगति पर है।

11वीं प्लान परियोजना के तहत ध्वनि प्रयोगशाला का उन्नयन और आधुनिकीकरण

1. डी टी ई 01/12–13 के तहत विभागीय कार्य पूरा किया।
2. डी टी ई 10/09–10 के तहत नए उपस्कर डेस्कटॉप कंप्यूटर, मॉनीटर, प्रिंटर, तकनीकी फर्नीचर, केबल कनैक्टर इत्यादि खरीदे गए।
3. बिल्डिंग ध्वनि विश्लेषक के साथ हैंड हेल्ड प्रैशर लेवल रिकार्डर की खरीद प्रक्रियाधीन है।
4. नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय स्टैंडर्ड पूरा करने के लिए अप्रतिध्वनिक चैम्बर के नवाचार/बदलने का कार्य प्रक्रियाधीन है।

(ड़) टी वी स्टूडियो ग्रुप-1

- ब्लूटूथ आधारित वर्शन के लिए पहले विकसित डी टी एच रेडियो के उन्नयन की लेब का कार्य किया और बी एस ई एक्सपो– 2017 के दौरान इसको प्रदर्शित किया।
- वायरलैस डी टी एच रेडियो (वाई फाई आधारित) के विकास का कार्य प्रगति पर है।
- दिल्ली और अहमदाबाद में और उनके आस–पास डिजिटल स्थलीय ट्रांसमिशन (डी वी बी–टी 2) कवरेज का सर्वेक्षण किया गया।
- सस्ते डिजिटल रिसीवर (डी आर एम) और साफ्टवेयर डिफाईंड रेडियो (एस डी आर) के विकास का कार्य शुरू किया।
- एल डब्ल्यू ई और सीमावर्ती क्षेत्रों की जरूरत के लिए कस्टमाईज़्ड रेडियो रिसीवर सेट के कार्य की तकनीकी व्यवहार्यता की जांच शुरू की।

(व) डी टी एच सिग्नल मॉनीटरिंग लैब

अनुसंधान एवं विकास ने विभिन्न डी टी एच प्लेटफार्मों पर डी डी मस्ट कैरी चैनल्स की मानीटरिंग करने के लिए पूरा सेटअप स्थापित किया है। छः निजी डी टी एच प्लेटफार्मों पर 25 चैनलों की मानीटरिंग की जा रही है। प्रसार भारती एवं सूचना और प्रसारण मंत्रालय को अग्रेषित करने के लिए दूरदर्शन महानिदेशालय को मासिक रिपोर्ट भेजी जा रही है।

(छ) सहायक सुविधाएं

1. बायो–मैट्रिक मशीन और रिकार्डस् का रखरखाव

   इस कार्यालय में बायो–मैट्रिक उपस्थिति कार्यान्वित की गई और यह संतोषजनक रूप से कार्य कर रही है। बायो–मैट्रिक उपस्थिति मशीन और रिकार्ड का अनुरक्षण भी नियमित रूप से किया जा रहा है।

2. पुस्तकालय सुविधा

तकनीकी पुस्तकालय अनुसंधान विभाग की रीड की हड्डी है जो अन्य गैर किताबी सामग्री, सहित किताबों के व्यापक संग्रह, तकनीकी जर्नलस्, रिपोर्टस्, स्टैंडर्ड के माध्यम से जारी परियोजनाओं के लिए विभिन्न जरूरी जानकारी प्रदान करता है ओर समय समय पर परियोजनाओं की जरूरत के अनुसार नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है। चालू वित्त वर्ष 2016–17 में तकनीकी किताबें, जर्नलस् और तकनीकी रिपोर्टस भी लाई गई।

3. इंटरनेट/ब्राडबैण्ड सुविधाएं

पिछले कुछ वर्षों से अनुसंधान विभाग के इंटरनेट/ब्राडबैण्ड प्रयोगकर्ताओं की संख्या बढी है। कनेक्शन की बढी हुई संख्या को ध्यान में रखते हुए तदनुसार लेन का पुनः वर्गीकरण किया गया लेकिन यह ई–खरीद/ई–टेंडर दस्तावेजों को अपलोड करने की जरूरत को पूरा करने में सक्षम नहीं है। अनुसंधान एवं विकास को हाई स्पीड इंटरनेट ब्राडबैण्ड की सुविधा प्रदान करने पर विचार के लिए निदेशालय को प्रस्ताव भेजा गया है।

4. डाक्यूमेंटेशन सेल

अनुसंधान विभाग की गतिविधियों की सहायता के लिए डाक्यूमेंटेशन सेल, डी टी पी साफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए प्रस्तुति सामग्री, वार्षिक रिपोर्ट, अनुसंधान रिपोर्टों और अन्य तकनीकी दस्तावेज तैयार करने के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। डाक्यूमेंटेशन सेल में बाईंडिंग का काम भी किया जाता है।

चालू वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान निम्नलिखित कार्य किए गए:

- बी ई एस एक्सपो– 2017 में प्रसार भारती की भागीदारी के लिए विभिन्न लीफलेट्स/वाउचरों का डिज़ाईन और कम्पाइलेशन का काम पूरा किया गया।
- तकनीकी अनुसंधान रिपोर्टों, डी आर एम और डी वी बी– टी 2 अभिग्रहण सर्वेक्षण रिपोर्टों की प्रिटिंग और बाईंडिंग का काम पूरा किया गया।

5. अनुसंधान विभाग के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी में प्रसार भारती की भागीदारी

प्रसार भारती ने 2 से 4 फरवरी, 2017 तक लीला एम्बियंस कन्वेंशन होटल, नई दिल्ली में स्थलीय और उपग्रह प्रसारण पर आयोजित 23वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी में भाग लिया। आकाशवाणी और दूरदर्शन ने प्रसार भारती के बैनर के तले एक स्टाल लगाकर बी ई एस एक्सपो– 2017 के दौरान उपरोक्त प्रदर्शनी में भाग लिया, जहां आकाशवाणी और दूरदर्शन के प्रोडेक्टों/सेवाओं के विभिन्न प्रदर्शनी निरूपण दर्शाए गए। डी वी बी– टी 2, डी आर एम ट्रांसमिशन, डी टी एच रेडियो और टेलीमैट्री प्रणाली के लाईव प्रदर्शन के अलावा, एल सी डी/प्लाज़्मा टी वी पावर प्वाईंट प्रस्तुति के माध्यम से आर एण्ड डी, आकाशवाणी और दूरदर्शन, आकाशवाणी संसाधन, एन ए बी एम (टी), आकाशवाणी अभिलेखागार और आई टी डिविजन की विभिन्न परियोजना गतिविधियों को दर्शाया गया।

उपरोक्त प्रदर्शनी का संम्पूर्ण सभी समन्वय और प्रबंधन कार्य अनुसंधान विभाग द्वारा किया गया।

6. ई पी ए बी एक्स प्रणाली का रखरखाव

आई पी एस्टेट और आई एम आर सी टोडापुर के कार्यालय परिसर में विभिन्न अनुभागों/कमरों में प्रदान किए गए ई पी ए बी एक्स प्रणाली, एक्सटेंशन और डायरेक्ट टेलीफोन लाइनस् का रखरखाव।

(ज) लघु कार्य

वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान किए गए लघु कार्यः मुख्य बिल्डिंग और डी जी सेट एरिया के सामने की जगह के फर्श को हटाने का कार्य, लिफ्ट के शाफ्ट एरिया की पेंटिंग और प्लास्टरिंग का कार्य पूरा किया गया और आर एण्ड डी बिल्डिंग के टेरेस की लिफ्ट के मशीन के कंट्रोल रूप में शटर गेट को एम एस गेट से बदला गया। आर एण्ड डी, आई पी एस्टेट के कार्यालय परिसर में सी सी रोड बनाने का कार्य पूरा किया गया। मेनहोल, सिवर लाईन/ड्रेन की सफाई का काम पूरा किया गया। आई एम आर सी टोडापुर में संगीत स्टूडियो की क्षतिग्रस्त बांउड्री की दीवार की मरम्मत का कार्य पूरा किया। निर्धारित समय के अनुसार बागवानी और पानी की टंकी की सफाई का कार्य पूरा किया गया। आई पी एस्टेट का नाला की तरफ की बाउंड्री की दीवार की उंचाई बढा कर सुरक्षा मानदण्डों में सुधार करने का कार्य प्रगति पर है। ट्रांसफारमर आयल की डीहाइड्रेशन सहित 500 के वी ए ट्रांसफारमर की मरम्मत और पेटिंग का काम पूरा किया। निर्धारित समय के अनुसार मान्यताप्राप्त एजेंसी द्वारा लिफ्ट का रूटीन रखरखाव का काम पूरा किया।

प्रशासन

1. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण

आकाशवाणी ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए सेल स्थापित करके अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को कार्यान्वित करने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। नोडल मंत्रालय/विभागों द्वारा जारी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग को सरकारी सेवा में लाभ देने संबंधित सभी दिशानिर्देश और अनुदेश आकाशवाणी के सभी कार्यालयों और क्षेत्रीय इकाईयों को अनुपालन के लिए परिचालित कर दिए गए हैं।

2. लोक शिकायत और निवारण तंत्र

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के निर्देशानुसार शिकायत निवारण और समाधान तंत्र कार्य कर रहा है और केन्द्रीय लोक शिकायत निवारण और मानीटरिंग प्रणाली (सी पी जी आर ए एम एस) के माध्यम से मानीटरिंग की गई। लोक शिकायत और पेंशन निवारण याचिका तुरंत अटेंड

की जाती है और बिना देरी के उनका निवारण किया जाता है। शिकायतों के निवारण संबंधी माहवार स्थिति रिपोर्ट सूचना और प्रसारण मंत्रालय को भेजी जा रही है। इसके अलावा, इस एकांश का ई–कॉमर्स गतिविधियों के हिस्से के रूप में संबंधित पोर्टल से शिकायत के निवारण के लिए आवेदक को भेजे जाने वाले जवाब/ए टी आर डी ए आर पी टी पोर्टल पर ऑन लाइन अपलोड किए जा रहे हैं।

01.04.2016 से 31.03.2017 की अवधि के दौरान डी ए आर पी जी पोर्टल पर शिकायतों की स्थिति नीचे दी गई है:

1.	बकाया (01.04.2016 को)	– 276
2.	प्राप्त शिकायतें	– 941
	कुल	– 1217
3.	निवारण किया	– 1108
4.	अंतशेष	– 109

3. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का कार्यान्वयन

लोक सशक्तीकरण और प्रशासनिक पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के क्रम में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के विभिन्न प्रावधानों की लोगों को जानकारी देने के लिए आकाशवाणी के सभी केंद्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रसारित किए गए हैं। सभी आकाशवाणी केंद्रों के कार्यालय प्रमुखों को कहा गया है कि वे अपने कार्यक्रमों में इस अधिनियम की मुख्य विशेषताओं को उजागर करें। सितंबर, 2008 से इस अधिनियम को फ्लैगशिप कार्यक्रमों में शामिल कर लिया गया है। आकाशवाणी भविष्य में भी इस अधिनियम के प्रचार–प्रसार को निरंतर जारी रखेगा।

सूचना का अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए आकाशवाणी महानिदेशालय में 46 केंद्रीय जन सूचना अधिकारी (सी पी आई ओ) और 18 अपील प्राधिकारी और क्षेत्रीय स्तर पर 295 सी पी आई ओ और 20 अपील प्राधिकारी नियुक्त किए गए हैं। वर्ष 2016–17 (01.04.2016 से 31.03.2017 तक) में 1211 आर टी आई आवेदन प्राप्त हुए और उनका निर्धारित समय में जवाब दिया गया। अवधि के दौरान (01.04.2016 से 31.03.2017) तक अपील प्राधिकारी को 91 अपीलें प्राप्त हुई और उन सबका निपटान किया गया।

4. कल्याण अनुभाग

देशभर में आकाशवाणी के 420 केन्द्र/कार्यालयों का नेटवर्क है। आकाशवाणी, एन एस डी, सी सी

डब्ल्यू के तीन स्कंधों नामतः कार्यक्रम, अभियांत्रिकी और प्रशासन में लगभग 14,049 कार्मिक कार्यरत हैं।

आकाशवाणी में समूह 'क', 'ख' और 'ग' में कार्यरत महिलाओं का प्रतिशत मानव संसाधन की कुल संख्या का लगभग 25% है। सभी आकाशवाणी केन्द्रों/कार्यालयों को यौन उत्पीडन से संबंधित शिकायतों की जांच के लिए एक शिकायत समिति गठन करने के निर्देश दिए गए हैं। तदनुसार आकाशवाणी के सभी केन्द्र/कार्यालय में आंतरिक शिकायत समिति स्थापित की गई है। यह भी निर्देश दिए गए हैं कि उपरोक्त आंतरिक शिकायत समिति की अध्यक्षा महिला होगी तथा इसमें कम से कम आधी महिला सदस्य होंगी।

आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली में मनाए गए दिवसः

1. 14 अप्रैल, 2016: बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जन्म दिवस समारोहः 14 अप्रैल, 2016 को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जन्मदिवस समारोह मनाने के लिए आकाशवाणी महानिदेशालय के कल्याण अनुभाग द्वारा आकाशवाणी के सभी केन्द्रों को उपग्रह संदेश के साथ–साथ परिपत्र भी जारी किया गया। 13.04.2016 को सुबह 1030 बजे श्रद्धांजलि देने के लिए आकाशवाणी भवन, नई दिल्ली के सम्मेलन कक्ष में एक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

2. 21 मई, 2016: आतंकवाद विरोधी दिवसः प्रत्येक वर्ष 21 मई आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को विशेष रूप से युवाओं को आतंकवाद और हिंसा से दूर रखना है। आकाशवाणी भवन, नई दिल्ली के सम्मेलन कक्ष में 21.05.2016 को शपथ ग्रहण, समारोह आतंकवाद विरोधी दिवस मनाने की मुख्य विशेषता थी जिसमें सभी अधिकारी/स्टाफ सदस्य भारी संख्या में इकट्ठे हुए और महानिदेशक, आकाशवाणी द्वारा शपथ दिलाई गई।

3. 21 जून, 2016: प्रत्येक वर्ष 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष इसे मनाने का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में समाज के सभी तबकों विशेषकर युवाओं के उत्साह और सक्रिय भागीदारी के कारण उत्पन्न संवेग को आगे बढ़ाना है। 17.06.2016 को सभी केन्द्रों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के अनुरोध के साथ परिपत्र जारी किया गया था।

4. 20 अगस्त, 2016: सदभावना दिवसः यह इस वर्ष 20 अगस्त को आकाशवाणी के सभी स्टेशनों में मनाया गया। इस अनुभाग से परिपत्र के साथ–साथ उपग्रह संदेश जारी किया गया। सद्भावना का उद्देश्य सभी धर्मों, भाषाओं और क्षेत्रों के लोगों में राष्ट्रीय अखण्डता और सामुदायिक सद्भावना

बढ़ाना एवं हिंसा को खत्म करना और लोगों के बीच भाईचारा बढ़ाना है।

5. 31 अक्टूबर, 2016: राष्ट्रीय एकता दिवस: 31 अक्टूबर, 2016 को सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस समारोह को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। महानिदेशक, आकाशवाणी और प्रमुख अभियंता द्वारा क्रमशः हिंदी और अंग्रेजी में शपथ दिलाई गई।

6. 30 जनवरी, 2017: देश की आजादी के लिए कुर्बान हुए शहीदों की याद में 30 जनवरी, 2017 को आकाशवाणी के सभी स्टेशनों पर दो मिनट का मौन रख शपथ दिलायी गई।

7. 8 मार्च, 2017: महिला दिवस: 8 मार्च, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस निदेशालय के कल्याण अनुभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में इस निदेशालय में काम कर रही लगभग 200–225 महिला कर्मचारियों ने भाग लिया। बातचीत के दौरान, आकाशवाणी निदेशालय में काम के माहौल में सुधार के लिए महिला कर्मचारियों के सुझाव और/या शिकायत के साथ उन्हें आगे आने के लिए प्रेरित किया गया।

5. महिला कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी गतिविधियां:

इसं सबंध में निम्नलिखित बिन्दु दर्शाए गए है:

(क) आकाशवाणी के कई कार्यालय प्रसार भारती की अपनी बिल्डिंगों में ही स्थित हैं। यहां पर उनके बैठने तथा पीने के पानी का पर्याप्त प्रबंध है। कार्य करने की जगह में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था है। स्टाफ के लिए उचित प्रसाधनों की व्यवस्था है तथा जहां आवश्यक है महिला स्टाफ के लिए अलग से उचित प्रसाधनों का प्रावधान है।

(ख) कई स्थानों पर आकाशवाणी के अपने ही स्टाफ क्वार्टर हैं, ये क्वार्टर आकाशवाणी (आवासीय क्वार्टर आबंटन) के नियमों के अंतर्गत आबंटित किए जाते हैं।

(ग) कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के निर्देशानुसार जिन स्टाफ कर्मियों का सेवा काल में देहांत हो जाता है उनके निकट संबंधियों की अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति की जाती है ।

(घ) आकाशवाणी का स्टाफ जैसे तकनीशियन, वरिष्ठ तकनीशियन, अभियांत्रिकी सहायक, वरिष्ठ अभियांत्रिकी सहायक इत्यादि शिफ्ट डयूटी स्टाफ है। देर रात की शिफ्ट डयूटी के दौरान महिला कर्मचारियों सहित कर्मचारियों के घर से लाने और छोड़ने के हर संभव प्रबंध किए जाते हैं।

(ङ) स्टाफ को भारत सरकार से अनुमोदित वेतनमान दिया जाता है। महिला कर्मचारी सहित सभी कर्मचारियों को सरकारी नियमों के अनुसार अवकाश प्रदान किया जाता है।

(च) महिला कर्मचारियों सहित सभी कर्मचारियों को भारत के कर्मचारियों की तरह सेवान्त लाभ दिए जाते

हैं।

(छ) जहां कहीं भी केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना है वहां पर आकाशवाणी के स्टाफ को यह सुविधा दी गई है। अन्य स्थानों में आकाशवाणी के कर्मचारियों को केंद्रीय सेवा (मेडिकल अटेंडेंस) नियम के अंतर्गत निजी डाक्टरों को उनके व उनके परिवार की चिकित्सा के लिए प्राधिकृत किया जाता है। आग्रह अनुसार महिलाओं के लिए अलग से प्राधिकृत चिकित्सा परिचर नियुक्त किए जाते हैं।

(ज) आकाशवाणी, अपने कर्मचारियों का मनोबल बढाने के लिए प्रोत्साहन के रुप कार्यक्रम और साथ ही तकनीकी कर्मचारियों को आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार प्रदान करता है। इस पुरस्कार योजना के अंतर्गत बहुत सी महिलाओं को भी पुरस्कृत किया गया।

महिला सशक्तीकरण समिति की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार के तहत वर्ष 2009 से एक नई श्रेणी के पुरस्कार–सर्वोत्तम महिला कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। महिला कार्यक्रम के निर्माण में महिला निर्माताओं की संख्या अधिक होती है। अतः इस नई श्रेणी के अवार्ड से कई महिलाएं लाभान्वित हुई।

6. नि:शक्त व्यक्तियों के लिए आरक्षण

1. भारतीय संविधान निशक्त व्यक्तियों सहित सभी के लिए सम्मिलित समाज, निर्विवाद जनादेश और सभी के लिए समानता, स्वतंत्रता, न्याय और प्रतिष्ठिा सुनिश्चित करता है। भारत सरकार ने निःशक्त व्यक्ति को समान अवसर देने और समाज के निर्माण में उनकी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ''निशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों की सुरक्षा और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम 1995'' अधिनियमित किया।
2. पी डब्ल्यू डी अधिनियम 1996 में लागू किया गया। तथापि तत्पश्चात नवंबर, 1997 से समूह 'ग' और 'घ' पदों की सीधी भर्ती में निशक्त व्यक्तियों के आरक्षण की शुरुआत की गई। 1989 में इसका विस्तार समूह 'ग' और 'घ' के पदों की पदोन्नति में किया गया। अधिनिमय के अधिनियमित होने के साथ, समूह 'क' और 'ख' के पदों की सीधी भर्ती के मामलों में भी निशक्त व्यक्तियों के आरक्षण को लागू किया गया।
3. कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार ने दिसंबर, 2005 में इस विषय पर समेकित निर्देश जारी किए। निर्देशानुसार सीधी भर्ती के मामले में सभी पदों की भर्ती में अब निशक्त व्यक्तियों के लिए आरक्षण उपलब्ध है। पदोन्नति के मामले में यह समूह 'घ' से समूह 'ग' में पदोन्नति के समय और समूह 'ग' के अभिनिर्धारित पदों में उपलब्ध कराया जाता है।
4. प्रसार भारती द्वारा निशक्त व्यतियों हेतु आरक्षण को लागू करने के लिए सभी अपेक्षित कदम उठाए गए हैं। डी ओ पी टी द्वारा समय–समय पर जारी सभी आवश्यक नीति निदेशों और निर्देशों का पालन किया जाता है।

5. आकाशवाणी देशभर में फैले आकाशवाणी केन्द्रों के माध्यम से निशक्त व्यक्तियों के लिए कार्यक्रम का प्रसारण करता है। इन कार्यक्रमों में, केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा क्रियान्वित की जा रही निशक्त व्यक्तियों के कल्याण की स्कीमों के अलावा, उनके स्वास्थ्य, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व के कार्यक्रम भी शामिल हैं। कार्यक्रमों की विषयवस्तु इस प्रकार तैयार की जाती है कि वह ना केवल उनको सरकार की कल्याण स्कीमों का लाभ उठाने में सहायक हो बल्कि उनको स्वाभिमान के साथ जीने के लिए भी प्रोत्साहित करें। कार्यक्रम सामाजिक जागरूकता की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं और निशक्त व्यक्तियों के प्रति समाज के दृष्टिकोण को बदलने में भी उपयोगी है।

6. निदेशालय में निशक्त व्यक्तियों की सुविधा के लिए कोई विशिष्ट बजट शीर्ष नहीं है, तथापि सी सी डब्ल्यू, आकाशवाणी के ''लघु कार्य'' बजट शीर्ष में से रैम्प, भूतल पर विशेष प्रसाधन आदि का निर्माण किया गया है।

7. कैट के निर्णयों/आदेशों का कार्यान्वयन

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग से प्राप्त अनुदेशों के अनुसार वर्ष 2016–17 (01.04.2016 से 31.10.2016 तक) के लिए आकाशवाणी में कैट मामलों के निर्णयों/आदेशों के कार्यान्वयन के संबंध में जानकारी नीचे दी गई है:

क्र.सं.	अनुभाग/केन्द्र/कार्यालय	(01.04.2016 से 31.03.2017 तक) की अवधि के दौरान कैट से प्राप्त आदेशों की संख्या	(01.04.2016 से 31.03.2017 तक) की अवधि के दौरान कार्यान्वित निर्णय/आदेशों की संख्या
1.	आकाशवाणी महानिदेशालय (अनुभाग/केन्द्र/कार्यालय)	90	46

8. राजभाषा

आकाशवाणी महानिदेशालय (मुख्यालय)

आकाशवाणी महानिदेशालय (मुख्यालय) का हिंदी एकक संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन एवं कार्यान्वयन के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित है तथा गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा समय–समय पर जारी आदेशों/अनुदेशों को समस्त आकाशवाणी केन्द्रों/कार्यालयों में क्रियान्वित करवाने तथा वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहा है। हिंदी एकक द्वारा 01 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 तक राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित कार्यों के अलावा राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को गति प्रदान करने के लिए एवं अधिकारियों/कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से निम्नलिखित उल्लेखनीय कार्य किए गए।

01 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 तक आयोजित हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़े की रिपोर्ट एवं अन्य सम्पन्न किए गए विशिष्ट कार्य:-

हिन्दी सम्मेलन

राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजस्थान में स्थित आकाशवाणी केन्द्रों/कार्यालयों के लिए दिनांक 23 एवं 24 अगस्त, 2016 को जोधपुर में राजभाषा हिन्दी सम्मेलन आयोजित किया गया। वर्ष 2016–17 में आयोजित हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के आदेशानुसार प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाना अपेक्षित है। आकाशवाणी महानिदेशालय भी इस आयोजन में सदैव ही अग्रणी रहने का प्रयास करता रहा है। इसी क्रम को जारी रखते हुए आकाशवाणी महानिदेशालय के महानिदेशक, श्री एफ. शहरयार जी के सुझाव एवं निदेश पर इस वर्ष 14 सितंबर, 2016 ''हिंदी दिवस'' तथा 15.09.2016 से 28.09.2016 तक ''हिंदी पखवाड़ा'' का आयोजन किया गया। हिंदी दिवस समारोह में अधिकारियों/कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और इस अवसर पर माननीय गृह मंत्री, सूचना और प्रसारण मंत्री, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती के संदेश पढे गए।

हिंदी पखवाड़े के दौरान हिन्दी की 16 प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में विशेषतः यह ध्यान दिया गया कि हिन्दीत्तर भाषी अधिकारी/कर्मचारी अधिक से अधिक भाग लें और उनके लिए अलग से हिन्दी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में अधिकारियों/कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। 80 विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया गया।

हिंदी कार्यशालाएं

इस वर्ष अभी तक हिंदी की तीन कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं जिनमें हिंदी में कार्य करने में आने वाली कठिनाइयों का समाधान किया गया। दिनांक 24.05.2016 को ''राजभाषा के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट में दिए जाने वाले आंकडों एवं निर्धारित प्रोफार्मा को सही भरे जाने पर चर्चा'' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें श्रीमती ऋचा बैनर्जी, संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने कर्मचारियों को आंकडों और प्रोफार्मा भरे जाने के बारे में जानकारी दी। ''हिंदी भाषा के विकास के विविध आयामों पर चर्चा'' विषय पर दिनांक 25.10.2016 को कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें श्री राकेश दुबे, उपनिदेशक (राजभाषा) ने हिंदी में नोटिंग/ड्राफ्टिंग में कर्मचारियों के समक्ष आने वाली कठिनाइयों का समाधान किया। अधिकारियों/कर्मचारियों को कंप्यूटर पर हिंदी में यूनिकोड में काम करने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने की के लिए दिनांक 29.03.2017

को एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें श्री राजेश श्रीवास्तव, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने जानकारी दी।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति दिल्ली (मध्य) के कार्यकलाप

वर्तमान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति दिल्ली (मध्य) के 160 सदस्य कार्यालय है और महानिदेशक, आकाशवाणी इसके अध्यक्ष हैं। नराकास के तत्वावधान में आकाशवाणी महानिदेशालय द्वारा दिनांक 15 जुलाई, 2016 को ''राजभाषा हिंदी और हमारा उत्तरदायित्व'' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें श्री राकेश दुबे, उपनिदेशक (राजभाषा) ने जानकारी दी। वाई एम सी ए के टूरिस्ट हॉस्टल के सभागार में दिनांक 17.10.2016 को नराकास दिल्ली (मध्य) की छमाही बैठक का आयोजन किया गया।

दूरदर्शन

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

दूरदर्शन भवन, कॉपरनिकस मार्ग

दूरभाष सं. 011 2338 6537

अध्याय - 4

प्रसार भारती

दूरदर्शन

दूरदर्शन का शुभारंभ दिल्ली में सितम्बर 1959 में प्रायोगिक प्रसारण सेवा के रूप में किया गया। वर्तमान में यह विश्व के सबसे बड़े टी.वी. संस्थानों में एक है। तब से अब तक के अपने यात्रा–काल में दूरदर्शन की पहुँच अखिल भारतीय स्तर पर होने के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हो गई है। इसके साथ ही इसने समय–समय पर प्रसारण के क्षेत्र में हुए तकनीकी विकास के साथ भी सामंजस्य बना रखा है।

संगठनात्मक संरचना

दूरदर्शन के सर्वोच्च अधिकारी दूरदर्शन महानिदेशक होते हैं, जिन पर नीति निर्माण, योजना एवं विकास, आधारभूत एवं तकनीकी विकास, बजट संबंधी योजना तथा नियंत्रण , मानव संसाधन विकास के साथ ही प्रचालन एवं अनुरक्षण संबंधी गतिविधियों का दायित्व होता है। दूरदर्शन के चार क्षेत्रीय कार्यालय हैं जो दिल्ली, मुंबई, कोलकाता एवं चेन्नै में स्थित हैं। इन कार्यालयों द्वारा संबंधित क्षेत्रों में परियोजना एवं अनुरक्षण संबंधी गतिविधियों पर कार्रवाई की जाती है। इसके अतिरिक्त उत्तर–पूर्वी राज्यों में अनुरक्षण संबंधी गतिविधियों को सुचारु रुप से कार्यान्वित करने के लिए गुवाहाटी में एक क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किया गया है। उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण प्रसारण को ध्यान में रखकर दूरदर्शन की संस्थापनाएँ इस तरह विभाजित की गई हैं– दूरदर्शन केंद्र (स्टूडियो केंद्र), उच्च शक्ति प्रेषित्र (एच.पी.टी.), निम्न शक्ति शक्ति प्रेषित्र (एल.पी.टी.), अनुरक्षण केंद्र (डी.एम.सी.) तथा कार्यक्रम सृजन सुविधा केंद्र (पी.जी.एफ.) ।

इसमें 6 राष्ट्रीय चैनल (डीडी नेशनल, डीडी न्यूज़, डीडी भारती, डीडी उर्दू, डीडी स्पोर्ट्स, डीडी किसान) और एक अंतर्राष्ट्रीय चैनल (डीडी इंडिया) और 16 राज्य/क्षेत्रीय स्तर के चैनल है । इन 23 चैनलों के अलावा 2 केंद्रीय कार्यक्रम प्रस्तुति केंद्र और 48 अन्य केंद्र/कार्यक्रम उत्पादन सुविधा केंद्र (पीजीएफ), जो कार्यक्रम तैयार करते है जिन्हें डीडी नेशनल और क्षेत्रीय भाषा सैटेला. इट चैनलों पर भी निर्धारित समय पर प्रसारित किया जाता है । दूरदर्शन के कार्यक्रमों को 1416 स्थानिक ट्रांसमीटरों (एचपीटी, एलपीटी और वीएलपीटी) से अधिक नेर्टवक पर प्रसारित किया जाता है । आज टीवी कार्यक्रम तैयार करने वाले 67 दूरदर्शन स्टूडियो है ।

डीडी नेशनल - अग्रणी चैनल:

- डीडी नेशनल चैनल विश्व का सर्वाधिक विस्तृत, भौमिक प्रसारण नेटवर्क है। भौमिक माध्यम से इसकी पहुँच देश की 92.0% जनसंख्या एवं 81.0% भू–क्षेत्र तक है। यह चैनल मनोरंजन, सूचनाप्रद एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों का स्वस्थ आकर्षक मिश्रण है। भौमिक विधा में यह सेवा प्रातः 5.30 बजे से मध्यरात्रि तक उपलब्ध है। उपग्रह विधा में यह सेवा 24 घंटे उपलब्ध है।

• दूरदर्शन विभिन्न अधिसूचित योजनाओं के माध्यम से जैसे–स्वःवित्त पोषित कमीशनिंग (एस.एफ.सी.), राजस्व सहभागिता विधा (आर.एस.एम.) विज्ञापन वित्त पोषित कार्यक्रम (ए.एफ.पी.) प्रसारण हेतु कार्यक्रमों को प्राप्त करता है। इस संबंध में प्रसार भारती बोर्ड की 123वीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार इन योजनाओं को कार्यान्वित किया गया है। दूरदर्शन द्वारा उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों की प्राप्ति हेतु एक विशेष योजना तैयार की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2016–17 के दौरान नई विषय वस्तु वाले कार्यक्रमों की प्राप्ति की जाएगी, जिससे अधिक राजस्व की प्राप्ति एवं जी.ई.सी. चैनलों के अन्तर्गत दूरदर्शन और भी अधिक लोकप्रिय चैनल हो जाएगा।

• दूरदर्शन महानिदेशालय ने एक राष्ट्रीय संसाधन विनिमय पूल (एन आर पी ई) का गठन किया है। इसके गठन से विभिन्न चैनलों द्वारा निर्मित कार्यक्रमों का एक संग्रह उपलब्ध होगा, जिसे विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में डबिंग तथा उपशीर्षक के साथ प्रदर्शित किया जाएगा। इस पूल द्वारा वर्तमान में यह दूरदर्शन अपने मुख्य चैनलों एवं क्षेत्रीय चैनलों हेतु सॉफ्टवेअर के सहयोग से भाषा संबंधी परिवर्तन कर राजस्व अर्जित कर रहा है।

• डीडी नेशनल एवं क्षेत्रीय केंद्रों पर स्वच्छ भारत मिशन तथा स्वस्थ भारत मिशन के अन्तर्गत कार्यक्रमों एवं कार्यक्रम अंशों का प्रसारण किया जा रहा है।

डीडी नेशनल पर धारावाहिक- मैं कुछ भी कर सकती हूँ

सीधे प्रसारित कार्यक्रम

• राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रम जैसे–गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस समारोह, राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम सम्बोधन, महत्वपूर्ण संसदीय बहस, लोकसभा एवं राज्य सभा के

प्रश्नकाल, खेल संबंधी महत्वपूर्ण आयोजन जैसे–एस.ए.एफ.खेल, रियो ओलंपिक तथा अंतर्राष्ट्रीय आयोजन जैसेः– संयुक्त राष्ट्र सम्मेलनों एवं प्रधानमंत्री के विदेशी दौरों की कवरेज एवं उनका सीधा प्रसारण डीडी नेशनल से किया जाता है।

- गणमान्य व्यक्तियों की जयन्ती, पुण्यतिथि संबंधी आयोजनों का प्रसारण भी डीडी नेशनल पर किया जाता है। सतर्कता जागरूकता एवं राष्ट्रीय एकता दिवस का प्रसारण भी डीडी नेशनल पर किया गया है।
- दूरदर्शन द्वारा इसरो के सहयोग से जी सैट–16 संचार उपग्रह के प्रक्षेपण के सीधे प्रसारण संबंधी व्यापक व्यवस्था की गई।
- सामाजिक उत्थान संबंधी कार्यक्रम जैसे –हेल्दी इंडिया (स्वस्थ भारत),पल्स पोलियो अभियान, कैंसररोधी, कुष्ठ रोग, क्षय रोग, डेंगू, स्वाइन फ्लू एवं अन्य रोगों की रोकथाम एवं उपचार संबंधी जनहित के कार्यक्रमों का प्रसारण दूरदर्शन पर किया जाता है। साथ ही सर्वशिक्षा अभियान, एड्स, उपभोक्ता जागरुकता, सड़क सुरक्षा, समाज के निम्न आय वाले वर्ग के लिए निशुल्क कानूनी सहायता, बालिका कल्याण संबंधी कार्यक्रमों जैसे – 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रमों को डीडी नेशनल द्वारा कवर एवं प्रसारित किया जाता है।
- डीडी नेशनल को (i) नये कार्यक्रमों एवं (ii) प्रसिद्ध फिल्म निर्माताओं द्वारा निर्मित अविस्मणीय पुराने धारावाहिकों के साथ एक नया एवं आकर्षक कलेवर दिया गया है।
- शैक्षणिक कार्यक्रमों हेतु विषय वस्तु से संबंधित सामग्री, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, केन्द्रीय शैक्षिक तकनीक संस्थान (सी.आई.ई.टी.)/राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद (एन.सी.आर.टी.) तथा विज्ञान प्रसार जैसे संस्थानों से प्राप्त किया जाता है।

गणतंत्र दिवस समारोह - 2017

उपलब्धियां

1. दिनांक 21 अप्रैल, 2016 को विज्ञान भवन से सिविल सेवा दिवस का सजीव प्रसारण विशिष्ट था क्योंकि दिल्ली दूरदर्शन देश में दस विभिन्न जिलों से सीधे जुड़ा हुआ था ताकि उस क्षेत्र में पुरस्कार और किए गए कार्य की प्रकृति को विशेष बनाया जा सके।
2. एक नई सुबह– 28 मई, 2016 को केंद्र सरकार की द्वितीय वर्षगांठ देश के विभिन्न भागों को सीधे जोडकर इंडिया गेट लॉन से साढे छः घंटे के लिए मैराथन टैलिथन के रुप में मनाया गया। माननीय प्रधानमंत्री के अलावा केंद्र सरकार के तीस से अधिक मंत्रियों, महत्वपूर्ण उद्योगपति, फिल्मी सितारें, पत्रकार और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े शीर्ष व्यक्ति इस विशाल कार्यक्रम में शामिल हुए। ऐसा प्रथम अवसर था जब दिल्ली दूरदर्शन ने मल्टी कैमरा कवरेज हेतु फ्लाईवे सैटअप का उपयोग किया।
3. दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली द्वारा चंडीगढ से 21 जून, 2016 को प्रधानमंत्री के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के भव्य प्रदर्शन और 35 हजार से अधिक योग प्रदर्शकों का सजीव कवरेज 24 कैमरा फ्लाईवे सैटअप का उपयोग कर किया गया।
4. डीडी नेशनल पर सोमवार से शनिवार सुबह 7:30 बजे प्रसारित किए जा रहे आज सवेरे को दिल्ली दूरदर्शन द्वारा पुर्नसृजित किया गया है। सुप्रसिद्ध व्यक्तियों के साक्षात्कार के अलावा इन कार्यकमों में मोर्निंग रागा, योगा कैप्सूल, हैल्थ एंड लाइफ स्टाइल, हिस्ट्री आफ–द–डे, थॉट आफ–द–डे इत्यादि शामिल हैं।
5. डीडी नेशनल पर सोमवार से शुक्रवार शाम 4.30 से 5.30 तक सीधे प्रसारित किए जा रहे गुड इवनिंग इंडिया को भी जीवंत सैट के साथ दिल्ली दूरदर्शन द्वारा पुर्नसृजित किया गया है।
6. डीडी नेशनल पर सोमवार से शुक्रवार तक चार बजे एक नए फिल्म बैंड का निर्माण किया गया है ताकि दर्शकता में वृद्धि कि जा सके। फिल्म बैंड में प्रसारित किए जा रहे कार्यक्रम सोमवार, मंगलवार और बृहस्पतिवार को बातें फिल्मों की और बुधवार, शुक्रवार को चित्रहार है।
7. 15 सितंबर, 2016 को दूरदर्शन की 57 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक विशेष दूरदर्शन वर्षगांठ कार्यक्रम सत्यम शिवम सुन्दरम का सजीव प्रसारण किया गया जिसमें माननीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री और सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री विशेष अतिथि थे।

नैरो-कास्टिंग

दूरदर्शन द्वारा वर्ष 2000 में 12 अल्प शक्ति प्रेषित्रों के माध्यम से कृषि विस्तार कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी, जिससे क्षेत्र विशेष से संबंधित कृषि संबंधी जानकारी उपलब्ध करवाई जा सके। वर्तमान में इस कृषि विस्तार कार्यक्रम का प्रसारण 179 प्रेषित्रों द्वारा 36 केंद्रों से किया जा रहा है।

निम्न शक्ति प्रेषित्र परियोजना एवं त्रि-स्तरीय पहुँच

1. राष्ट्रीय चैनल पर : इस पर कृषि संबंधी कार्यक्रम का प्रसारण सप्ताह में 6 दिन (सोमवार से शनिवार) प्रातः 6.30 से 7.00 बजे तक किया जाता है।
2. 18 क्षेत्रीय चैनल : राज्य विशेष संबंधी कृषि कार्यक्रमों का प्रसारण प्रति सप्ताह 5 दिन (सोमवार से शुक्रवार) विभिन्न क्षेत्रीय चैनलों द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं में राज्य नेटवर्क पर आधे घंटे की अवधि तक शाम 5.30 से 6.00 बजे तक किया जाता है।
3. नैरो कास्टिंग विधा में (36 केंद्र) : क्षेत्र विशेष संबंधी सूचना पर आधारित कार्यक्रम प्रति सप्ताह तैयार किए जाते हैं तथा इनका प्रसारण प्रति सप्ताह 5 दिन (सोमवार से शुक्रवार) पी.जी.एफ. एवं क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा 180 प्रेषित्रों के माध्यम से देशभर के 140 जिलों में किया जाता है।

इन कार्यक्रमों के अंतर्गत कृषि संबंधी विभिन्न विषयों जैसे खेती बाड़ी, बागबानी, पशु–पालन, मत्स्य पालन, दुधारु पशुओं का पालन इत्यादि से संबंधित कार्यक्रम प्रसारित किए जाते है। साथ ही साथ इसमें कृषि के विभिन्न क्षेत्रों का मौसम, मंडी भाव, न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित सूचनाएं भी प्रसारित की जाती हैं । यह सूचना कृषि मंत्रालय एवं डी ए सी उपलब्ध करवाता है। इसके लिए गठित 55 सूचना केंद्रों द्वारा संकलित आँकड़ों पर आधारित कार्यक्रम प्रसारण अनुसूची एक विशेष पोर्टल (www-dacnet-nic/csms) पर उपलब्ध करवा दी जाती हैं जिससे संबंधित कार्यकर्ता, योजना बनाने वाले व्यक्तियों तथा किसानों को प्रति–दिन प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों की सूचना समय पूर्व प्राप्त हो जाए।

फीचर फिल्म

- लोकप्रिय तथा बॉक्स आफिस पर कीर्तिमान स्थापित करने वाली फिल्मों का प्रसारण किया गया जिससे दूरदर्शन की दर्शकता एवं टी.आर.पी. में वृद्धि हुई।
- इस हेतु हिंदी फीचर फिल्म मार्गदर्शी 2007 (अंतिम संशोधन वर्ष 2011) को ध्यान में रखकर सभी मुख्य धारकों के साथ बैठकें आयोजित की गई तथा एक ई.ओ.आई. जारी किया जा रहा है।
- कार्यक्रम प्रसारण समय खंडों की समीक्षा की गई तथा राजस्व हानि वाले कार्यक्रमों जैसे – बॉयोस्कोप का प्रसारण बंद कर दिया गया। साथ ही समय खंड को रात्रि 10.00 बजे के स्थान पर रात्रि 9.00 बजे कर दिया गया जिससे दूरदर्शन के जी.वी.एल एवं टी.आर.पी. में वृद्धि हुई।
- 10 वर्षो से लंबित पड़े क्षेत्रीय भाषा फिल्म हेतु मार्गदर्शी सिद्धांतों को नया स्वरूप देने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में फिल्मों को प्राप्त करने के लिए एक पारदर्शी प्रणाली तथा मानक प्रचालन पद्धति निर्माण के उपाय खोजे गए, इसके अलावा इस संबंध में एक बेहतर प्रणाली के आरूप

को तैयार करने हेतु विभिन्न बैठकें आयोजित की गई तथा प्रस्तावित योजनाओं का प्रदर्शन भी किया गया। जिससे मीडिया स्पर्धा में हम अपनी एक अलग पहचान बना पाएं तथा साथ ही यह प्रणाली अल्प व्यय पर आधारित हो।

- अतीत की अविस्मरणीय फिल्मों पर आधारित एक फिल्म मेला का आयोजन जनवरी 2017 से मार्च 2017 तक किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार की कथानक वाली फिल्में प्रसारित की गई जिससे दूरदर्शन की टी.आर.पी. में वृद्धि हुई।

डीडी न्यूज़

दूरदर्शन समाचार कृषि का एक मात्र भौमिक सह–उपग्रह–बहुभाषी समाचार चैनल है। यह चैनल संतुलित, सटीक एवं निष्पक्ष समाचारों को बहुमुखी विचार धाराओं के साथ सनसनी रहित तरीके से प्रसारित करने के अपने दायित्व का सफलता पूर्वक निर्वहन करता आ रहा है।

इस चैनल का शुभारंभ 3 नवम्बर 2003 को दूरदर्शन के मैट्रो चैनल को 24 घंटे चलने वाले समाचार चैनल में परिवर्तित कर किया गया । भौमिक माध्यम से इसकी पहुँच देश की 49% जनसंख्या तक एवं 26% भौगोलिक क्षेत्र तक है ।

दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय से दूरदर्शन समाचार हिंदी/अंग्रेजी, उर्दू एवं संस्कृत भाषा में प्रसारण कर रहा है। इसके अलावा यह दिव्यांगों (मूक बधिर) के लिए दो विशेष समाचार बुलेटिनों का प्रसारण करता है । साथ ही यह 18 घंटे के सीधे प्रसारण की अवधि में इन भाषाओं में 40 समाचार बुलेटिनों को प्रसारित करता है । दूरदर्शन समाचार के अन्तर्गत 30 क्षेत्रीय समाचार इकाइयाँ हैं जो विभिन्न राज्यों में स्थित हैं, इन क्षेत्रीय समाचार इकाइयों द्वारा निर्धारित समय में स्थानीय भाषाओं में समाचारों का प्रसारण किया जाता है।

दूरदर्शन समाचार के तीन विशेष क्षेत्रीय इकाइयाँ तीन महानगरों में कार्य कर रही है जो प्रतिदिन दूरदर्शन समाचार के लिए समाचार आधारित कैप्सूल उपलब्ध करवाती हैं जिनका प्रसारण ''मैट्रो स्कैन'' के अन्तर्गत किया जाता है। यह चैनल प्रतिदिन 3 खेल बुलेटिन एवं 2 वाणिज्य संबंधी कार्यक्रम प्रसारित करता है। इसके साथ ही यह सामाजिक मुद्दों पर आधारित कार्यक्रमों का भी प्रसारण करता है । दैनिक परिचर्चा कार्यक्रम में (समाचार योग्य) सभी मुद्दों पर विशेषज्ञों के साथ चर्चा की जाती है।

इस चैनल पर प्रसारित किए जाने वाले विशेष कार्यक्रम स्वास्थ्य, युवाओं की समस्याएँ, सिनेमा, कला एवं संस्कृति, जनकल्याण संबंधी अग्रणी योजनाएँ, रोजगार के अवसर, अंतर्राष्ट्रीय आयोजन, बाजार विकास एवं अन्य सामाजिक मुद्दों पर आधारित होते हैं।

समाचार संकलन

समाचार संकलन दूरदर्शन समाचार पर प्रसारण हेतु कृषि के सभी हिस्सों से, सुदूर क्षेत्रों में स्थित स्थानों से भी, उपग्रह माध्यम से समाचारों का संकलन किया जाता है। इसके अलावा समाचार सं. कलन हेतु डीएसएनजी वैन/ओ.बी. वैन और फाइल–इंटरनेट सैलुलर मोबाइल आधारित तकनीक द्वारा तथा टी वी यू बैक पैक एवं फाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल द्वारा भी समाचारों का संकलन किया जाता है। मुख्य रूप से दूरदर्शन समाचार चैनल द्वारा प्रसारित किए जाने हेतु निम्नलिखित स्रोतों से समाचार संकलन किया जाता है:–

– मुख्यालय एवं क्षेत्रीय समाचार इकाइयों के संवाददाताओं द्वारा ।
– अल्पकालिक संवाददाताओं एवं स्ट्रिंगरों के माध्यम से ।
– एजेंसियों (पी.टी.आई., यू.एन.आई., रियूटर्स, ए.एन.आई.)।
– अनुरक्षण केंद्रों, अल्प शक्ति प्रेषित्रों, अति अल्पशक्ति प्रेषित्रों, तथा सामूहिक रुप से इनकी देखरेख करने वाले अनुरक्षण केंद्रों द्वारा।
– अंतर्राष्ट्रीय सहभागियों जैसे अन्य राष्ट्रीय प्रसारक, एशिया विजन ।
– डीडी नेशनल चैनल।

देश के विभिन्न भागों से समाचार संकलित करने के लिए नियमित रुप से दिल्ली एवं क्षेत्रीय समाचार इकाइयों द्वारा विकास एवं जन अभिरुचि की खबरों का संकलन करने के लिए संवाददाताओं को भेजा जाता है। दूरदर्शन समाचार इसके अलावा अपने संवाददाताओं को अति विशिष्ट व्यक्तियों के विदेश दौरों को कवर करने, लोक कल्याण एवं अन्य विषयों से संबंधित अग्रणी कार्यक्रमों को कवर करने, आम चुनाव और राज्य चुनावों तथा अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं को कवर करने हेतु भेजता है।

उपलब्धियाँ

दूरदर्शन समाचार समाचारों के प्रारूप, संरचना, विषय वस्तु को समयानुसार उपयुक्त बनाने हेतु शुरू से ही प्रयासरत है। हाल ही में कई नए समाचार कार्यक्रमों की शुरूआत की गई है।
इनमें से कुछ मुख्य कार्यक्रम हैं:

- स्वच्छता समाचार : प्रतिदिन शाम 6.50 बजे तथा अगले दिन प्रातः 7.55 बजे इस विषय पर आधारित 5 मिनटों के समाचार बुलेटिनों का प्रसारण अक्टूबर 2016 से किया जा रहा है। इसमें महत्त्वपूर्ण समाचार तथा इस अभियान को गतिशीलता प्रदान करने हेतु लोगों के प्रयास एवं स्वच्छ भारत अभियान से जुड़ी स्वच्छता संबंधी जानकारी दी जाती है।
- दिव्यांगों (बधिर) हेतु अतिरिक्त बुलेटिन : प्रतिदिन प्रातः 10.55 पर 5 मिनट का विशेष समाचार बुलेटिन

दिव्यांगों (बधिर) के लिए प्रसारित किया जाता है।

- खबर जल्दी–जल्दी : इसके अंतर्गत 4 मिनट की अवधि के एक न्यूज कैप्स्यूल का प्रसारण किया जाता है जिसके अंतर्गत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं खेल संबंधी समाचार होते हैं।
- 5 मिनट का फ्लैश 15 : 5 मिनट की अवधि के इस कार्यक्रम में 15 महत्वपूर्ण समाचार कैप्स्यूल प्रारुप में प्रसारित किए जाते हैं जिनमें महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय तथा व्यवसाय एवं खेल समाचार समाहित होते हैं। इस बुलेटिन का प्रसारण प्रतिदिन 8 से भी अधिक बार किया जाता है।
- वार्ता संस्कृत समाचार : प्रत्येक दिन 10 मिनट प्रसारित किए जाने वाले इस संस्कृत समाचार में सभी महत्वपूर्ण समाचार संकलित होते हैं।
- इकॉनोमी टुडे : आधे घंटे की अवधि के इस कार्यक्रम में वित्त एवं अर्थव्यवस्था संबंधित सरकार के अग्रणी कार्यक्रमों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी जाती है। इनमें से एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम कालेधन के खिलाफ जंग इत्यादि है।
- इंडिया फर्स्ट : आधे घंटे की अवधि का ज्वलंत राजनीतिक मामलों पर आधारित एक विशेष कार्यक्रम जिसे सोमवार से शुक्रवार प्रसारित किया जाता है।
- दो टूक : ज्वलंत राजनीतिक मुद्दों पर आधारित सोमवार एवं वुधवार को प्रसारित किया जाने वाला आधे घंटे का कार्यक्रम ।
- बिजनेस मार्निंग : अंग्रेजी एवं हिंदी में प्रसारित किया जाने वाला प्रायोजित कार्यक्रम जिसे सोमवार से शुक्रवार प्रातः 9.00 बजे प्रसारित किया जाता है।
- सुरक्षा एवं रणनीति मुद्दों पर परिचर्चा : अंग्रेजी में प्रसारित किया जाने वाले परिचर्चा प्रारुप के इस कार्यक्रम को सोमवार रात्रि 10.00 बजे प्रसारित किया जाता है।
- लेट एडिशन : यह समसामयिक मामलों पर आधारित अंग्रेजी कार्यक्रम है। इसका प्रसारण मंगलवार रात्रि 10.00 बजे किया जाता है।
- चर्चा में : बुधवार रात्रि 10.00 बजे समसामयिक मुद्दों पर हिंदी में प्रसारित किया जाने वाला कार्यक्रम।
- जेन नेक्स्ट : पहले एवं तीसरे शनिवार को दोपहर 1.30 बजे हिंदी में प्रसारित किया जाने वाला युवा एवं नवयुवा वर्ग के दर्शकों के लिए कार्यक्रम।
- रंग तरंग : यह शनिवार दोपहर 12.30 पर हिंदी में प्रसारित किया जाने वाला मनोरंजक कार्यक्रम है।
- जानने का हक : शनिवार शाम 6.30 बजे हिंदी में सूचना का अधिकार संबंधी जानकारी देने के लिए प्रसारित कार्यक्रम।
- टोटल हैल्थ : रविवार को प्रातः 8.30 से 9.30 बजे तक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता हेतु हिंदी में प्रसारित किया जाने वाला कार्यक्रम।
- सिनेमा इस हफ्ते : रविवार दोपहर 3.30 बजे हिंदी में प्रसारित किया जाने वाला मनोरंजक कार्यक्रम।

- तेजस्विनी : रविवार रात्रि 10.00 बजे हिंदी में प्रसारित किया जाने वाला कार्यक्रम।
- सीधा संवाद : रविवार रात्रि 10.30 बजे हिंदी में प्रसारित किया जाने वाला साक्षात्कार आधारित कार्यक्रम। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों के साक्षात्कार प्रसारित किए जाते हैं।
- वर्ल्ड कनेक्ट : डीडी न्यूज प्रत्येक शनिवार को प्रातः 9.00 बजे अंग्रेजी में 'इंटरनेशनल न्यूज़' के अंतर्गत साप्ताहिक कार्यक्रम ''वर्ल्ड कनेक्ट'' प्रसारित किया जाता है।
- खबर दुनिया की : दूरदर्शन समाचार प्रत्येक रविवार को रात्रि 9.00 बजे हिंदी में साप्ताहिक समाचार कार्यक्रम प्रसारित करता है एवं प्रत्येक सोमवार को प्रातः 11.00 बजे इसे पुनः प्रसारित किया जाता है।

तकनीकी संरचना

दिल्ली स्थित 24 घंटे प्रसारित किए जाने वाले दूरदर्शन समाचार चैनल में 3 स्टूडियो एवं राष्ट्रीय समाचार कक्ष हैं। तीनों समाचार कक्ष अनवरत रुप से कार्यरत रहते हैं। समाचार कक्ष द्वारा किए जाने वाले प्रचालन को आधुनिकतम क्वान्टल ऑटोमेशन प्रणाली तथा अरेखीय वीडियो सम्पादन विशेषता वाले सर्वरों के माध्यम से जोड़कर एडीटर डेस्क को उन्नत कर दिया गया है। देशभर के विभिन्न भागों से उपग्रह आधारित समाचार संकलन हेतु विभिन्न राज्यों में 16 डी.एस.एन.जी. वैन उपलब्ध हैं। इसके अलावा जहाँ डी.एस.एन.जी. वैन उपलब्ध नहीं हैं अथवा जहाँ उन्हें तैनात नहीं किया जा सकता है, वहाँ मोबाइल संपर्क आधारित बैक पैक उपस्कर तैनात हैं।

दूरदर्शन समाचार अन्य सहयोगी चैनलों के लिए भी समाचार बुलेटिनों को तैयार करता है। डीडी नेशनल चैनल के लिए प्रतिदिन दूरदर्शन समाचार द्वारा 15 मिनटों की अवधि के पाँच समाचार बुलेटिन हिंदी एवं अंग्रेजी में तैयार किए जाते हैं। इसके अलावा दूरदर्शन समाचार डीडी उर्दू के लिए समाचार पट्टी तैयार करता है, साथ ही सीधे प्रसारित किए जाने वाले 10 समाचार बुलेटिन भी तैयार करता है। किसान चैनल के शुभारंभ के पश्चात दूरदर्शन समाचार कृषि संबंधी जानकारी किसानों को देने के लिए भी 2 न्यूज़ बुलेटिन दूरदर्शन किसान चैनल के लिए तैयार करता है।

दूरदर्शन समाचार जनकल्याण एवं लोकहित संबंधी समाचारों की फीड निःशुल्क लोगो रहित रूप में अन्य चैनलों को उपलब्ध करवाता है। अन्य चैनल अक्सर महत्त्वपूर्ण आयोजनों विशेषकर माननीय प्रधानमंत्री से जुड़े आयोजन के लाइव कवरेज हेतु दूरदर्शन समाचार की फीड का उपयोग करते है।

सोशल मीडिया पर दूरदर्शन समाचार

सोशल मीडिया पर दूरदर्शन पूर्णरूपेण सक्रिय है तथा वेबसाइट के अलावा दूरदर्शन समाचार का

अपना फेसबुक पृष्ठ है, साथ ही इसका ट्विटर हैंडल हिंदी एवं अंग्रेजी में उपलब्ध है। इसके अलावा इसका अपना एक यू ट्यूब चैनल भी है। दूरदर्शन समाचार की वेबसाइट को www.ddinews.gov.in या www.ddinews.com पर देखा जा सकता है। सितम्बर, 2013 में वेबसाइट को नया स्वरूप प्रदान किया गया, जिसमें वीडियो देखने की सुविधा भी उपलब्ध है तथा इसे और भी उन्नत किया जा रहा है जिससे इसका उपयोग करने वाले व्यक्तियों को जानकारी अधिक सुविधाजनक ढंग से प्राप्त हो सके। इसके लिए हेतु एक विशिष्ट एवं समर्पित नई मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा इन सभी सुविधाओं की देखरेख की जाती है।

समाचार के अंग्रेजी ट्विटर हैंडल /DDNewsLive का शुभारंभ जनवरी 2013 में हुआ। अभी इसके फॉलोवर की संख्या 12 लाख से भी ज्यादा है और लगातार इसमें वृद्धि हो रही है। जनवरी 2014 में नए हिंदी ट्विटर हैंडल /DDNewsHindi का शुभारंभ हुआ और वर्तमान में इसके फॉलोवर की संख्या 2 लाख से भी ऊपर है।

फरवरी 2013 में इसके अपने यू ट्यूब चैनल http:www.youtube.com/ddnews का शुभारंभ हुआ। वर्तमान में इसे 2.7 करोड़ हिट/व्यू प्राप्त हुए हैं तथा 1.25 लाख अभिदाता हैं। डीडी न्यूज का मोबाइल एप लोगों को समाचार एवं सामायिक मामलों से जुड़ी जानकारी तत्काल उपलब्ध करवाता है। इसके अंतर्गत सीधे प्रसारण, समाचार बुलेटिन, अद्यतन समाचार तथा लोकप्रिय वीडियो हैं। क्रमिक रुप से इसमें अन्य विशेष सुविधाएँ भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इस एप के नए संस्करण का शुभारंभ शीघ्र ही किया जाएगा।

उपर्युक्त के अलावा दूरदर्शन समाचार निम्नलिखित माध्यमों द्वारा भी प्राप्त किया जा सकता है।

- वेबसाइट
- मोबाइल एप
- यू ट्यूब चैनल
- एन.आई.सी. का सीधा प्रसारित चैनल http://webcast.gov.in

क्षेत्रीय समाचार इकाई

देश के बहुभाषी स्वरुप को ध्यान में रखते हुए किसी भी केंद्रीय व्यक्ति एवं एजेंसी द्वारा सूचना, मनोरंजन एवं शैक्षिक समाचार किसी एक भाषा में प्रदान किया जाना संभव नहीं है। इस तरह की जानकारी लोगों को उनकी भाषा में दिए जाने हेतु 30 क्षेत्रीय समाचार इकाइयों, ब्यूरो की स्थाप. ना देशभर के विभिन्न स्थानों पर की गई। क्षेत्रीय समाचार इकाइयों राज्यों की राजधानी में स्थित क्षेत्रीय दूरदर्शन केंद्रों से अपना प्रचालन कर रहे हैं। इन क्षेत्रीय समाचार इकाइयों द्वारा सतत् रूप

से प्रतिदिन 24 घंटे की प्रसारण अवधि में 22 भाषाओं/उप भाषाओं में 129 समाचार बुलेटिन तथा समसामयिक घटनाओं पर आधारित 8 कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। हाल ही में आंध्रप्रदेश के विभाजन के बाद नव राज्य गठित होने पर विजयवाड़ा में क्षेत्रीय समाचार इकाई स्थापित की गई जो सितम्बर 2014 से कार्य कर रही है। चंडीगढ़ के अतिरिक्त सिक्किम, एवं उत्तराखंड और संघ राज्य क्षेत्रों में कहीं भी क्षेत्रीय समाचार इकाई उपलब्ध नहीं है।

डी.डी. भारती

डीडी भारती का शुभारंभ 26 जनवरी 2002 को हुआ। कुछ दिन बाद नवम्बर 2012 में कला एवं संस्कृति को समर्पित एक चैनल के रुप में इसका पुर्नारंभ किया गया। इसमें संगीत नृत्य, कला एवं शिल्प कला, इतिहास, विरासत विज्ञान, ऊर्जा, पर्यावरण, परम्पराओं, त्यौहारों तथा भारत एवं विश्व के गणमान्य व्यक्तियों के लिए अलग–अलग समय खण्ड निर्धारित हैं। इस चैनल पर कमीशन किए गए कुछ मुख्य कार्यक्रम जैसे– अमृत लाल नागर की 'नाच्यो बहुतगोपाल' नवरस, कथक गुरू सुश्री उमा शर्मा की मेघदूत, सुविख्यात कार्टूनिस्ट श्री सुधीर तैलंग के 'मेरा स्टूडियो मेरा मेहमान' हैं। यह कार्यक्रम/धारावाहिक संगीत, साहित्य एवं कला संस्कृति जैसे विषयों पर आधारित है। डीडी भारती ने उपर्युक्त अवधि में लगभग 50 सीधे प्रसारित किए जाने वाले कवरेज भी किए हैं। डीडी भारती द्वारा ई.एन.जी. कवरेज भी किए जाते हैं, साथ ही करीब 115 कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया है।

डीडी भारती द्वारा गणमान्य व्यक्तियों जैसे– प्रसिद्ध साहित्यकारों, कवियों, स्वाधीनता सैनानियों पर भी कार्यक्रमों एवं वृत्त चित्रों का निर्माण किया जाता है तथा त्यौहारों एवं अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर भी कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं।

डीडी भारती पर विशेष कार्यक्रम होली के सुरीले रंग

कुछ कार्यक्रम इस प्रकार हैं

- मौसिकी एक खोजः उस्ताद सुजात खान द्वारा प्रस्तुत
- गोराः– गुरूदेव रविन्द्रनाथ टैगोर के उपन्यास पर आधारित धारावाहिक
- बूँद और समंदरः– स्वर्गीय श्री अमृतलाल नागर के उपन्यास पर आधारित धारावाहिक
- संन्यासीः– पंडित इलाचन्द जोशी के उपन्यास पर आधारित
- सुप्रसिद्ध निर्देशक विनय के. बहल द्वारा भारतीय पेंटिंग तथा मूर्तिकला
- शिवानी द्वारा लिखित कृष्णकली एवं अमोल पालेकर द्वारा निर्देशित
- ये है इंडिया मेरी जान : यात्रा कार्यक्रम
- एक प्रेम कथा :– बासु चटर्जी द्वारा लिखित लघु प्रेम कथाओं पर आधारित धारावाहिक
- तहरीर मुंशी प्रेमचन्द मुंशी प्रेमचन्द के प्रसिद्ध उपन्यास – गोदान एवं निर्मला पर आधारित कार्यक्रम की
- लौह पुरूष– सरदार वल्लभभाई पटेल पर विशेष कार्यक्रम

लौह पुरूष - सरदार वल्लभ भाई पटेल पर विशेष कार्यक्रम

डीडी भारती मुख्य रुप से कला फिल्मों पर आधारित एक विशेष समय खण्ड का निर्धारण करने जा रहा है जिनमें सत्यजीत रे, विमल राय, मृणाल सेन, ऋत्विक घटक जैसे प्रसिद्ध फिल्म निर्देशकों की फिल्में जैसे– अर्धसत्य, आक्रोश, चक्र, अकुंश जैसी अन्य प्रसिद्ध फिल्मों का प्रसारण किया जाएगा। कार्यक्रम संबंधी भविष्य की रणनीति मे शामिल है–

- कला/समाज/साहित्य संबंधी कवरेज
- सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा संरक्षित सॉफ्टवेयर सामग्री को प्रदर्शित करना

- हमारे अभिलेखागार तथा आंचलिक सांस्कृतिक केंद्रों में संरक्षित कला सम्पदा का उपयोग एवं प्रस्तुति

डीडी उर्दू

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 15 अगस्त 2006 को डीडी उर्दू चैनल का शुभारंभ किया गया। 14 नवम्बर 2007 से यह चैनल 24X7 हो गया।

वर्तमान में इस चैनल द्वारा 8 से 9 कार्यक्रमों का स्वनिर्माण किया जा रहा है। जैसेः– मोबाइसा, दुनिया मेरे आगे, ये है इंडिया, तालीम और रोजगार, यादें, यादों के दरिचें से, भुलाए ना बने, आईना ए–माज़ी, टी.वी. रिपोर्ट, मुशायरा एवं अन्य ई.एन.जी. कवरेज जिनमें त्यौहारों एवं वर्षगांठों पर आधारित कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा डीडी उर्दू 10 समाचार बुलेटिनों को प्रसारित करता है। साथ ही यह स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के आयोजन जिसमें भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह भी शामिल हैं, का सीधा प्रसारण करता है। डीडी उर्दू प्रति सप्ताह बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार को 3 फीचर फिल्मों का प्रसारण करता है तथा प्रतिदिन 10 समाचार बुलेटिनों का प्रसारण करता है।

अपने–अपने क्षेत्रों में प्रतिष्ठित एवं गणमान्य व्यक्तियों, जिनमें पूर्व भारतीय राजनेता, शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकर्ता, साहित्यकार , बुद्धिजीवी एवं आम लोग डीडी उर्दू के कार्यक्रमों में आमंत्रित किए जाते हैं, जो सिर्फ दिल्ली के ही नहीं देश के विभिन्न हिस्सों से आते हैं। हमारे कुछ महत्त्वपूर्ण आयोजन इस प्रकार हैं–जश्न–ए बेगम अख्तर, अन्नू कपूर एवं पिनाज़ मसानी द्वारा संच. ालित एवं लखनऊ, हैदराबाद, कोलकाता एवं मुंबई में आयोजित रिएलिटी शो, आमंत्रित दर्शकों के समक्ष आयोजित कार्यक्रम मुशायरा, सुफियाना कलाम एवं कव्वाली इत्यादि।

चैनल पर प्रसारित महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों की सूची

एन.डी.ए. सरकार की उपलब्धियाँ एवं चुनौतियाँ तथा भविष्य की योजनाएं, कानून एवं व्यवस्था, चुनौतियाँ एवं समस्याएँ, देख बहारें होली की, जश्न–ए– बहारा, रंगे सुखान, अपराध मनोविज्ञान एवं कानून, परीक्षा का डर, डिजीटल इकनॉमी, विरासत का मंजर, कर चले हम फिदा (गणतंत्र दिवस पर संगीत कार्यक्रम), भारत–रुस संबंध, स्टार्टअप इंडिया मिशन , भारत–अफगान संबंध, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा प्रजातांत्रिक सहिष्णुता, मदरसों में आधुनिक शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, आओ स्कूल चलें, वर्तमान परिदृश्य में सूफीवाद, भारतीय कला, सूफीवाद की प्रांसगिकता, उच्च शिक्षा की नई धाराएं, कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, विश्व सूफी सम्मेलन, एक शाम गालिब के नाम, उर्दू पत्रकारिता की भूमिका, नृत्य उत्सव, योग एवं सेहत, कैंसर पर एक दृष्टि, वस्तु एवं सेवाकर इत्यादि। चैनल ड्राइवर के रुप में डीडी उर्दू नए कार्यक्रमों के स्वःनिर्माण की योजना बना रहा है जिसमें

साप्ताहिक रुप से महिला, स्वास्थ्य, विधि संबंधी मामले, पाककला कार्यक्रम, संगीत धारावाहिक (श्री अनूप जलोटा द्वारा संचालित) तथा महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार शामिल होंगे। तदनुसार डीडी उर्दू बज्म–ए–ख्वातिन, सेहत हजार नियामत, कानूनी सलाह, नेमत–ए–आलम, गज़ल का सफर, खास मुलाकात, गुफ्तगू जैसे कार्यक्रमों की शुरुआत संबंधी योजना तैयार कर रहा है।

डी.डी. इंडिया

दूरदर्शन ने 14 मार्च 1995 को इस अंतर्राष्ट्रीय चैनल के शुभारंभ के साथ अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपना कदम रखा। प्रारंभ में इस चैनल को डीडी वर्ल्ड के नाम से जाना जाता था। जिसे वर्ष 2002 में डीडी इंडिया का नाम दे दिया गया। डीडी इंडिया चैनल पर समाचार बुलेटिन, समसामयिक विषय एवं आयोजनों पर कथाचित्र, मनोरंजक कार्यक्रम, फीचर फिल्म, नृत्य एवं संगीत, धारावाहिक, वृत्तचित्र, समाचार एवं समसामयिक मामलों, विशिष्ट आयोजनों एवं पर्यटन पर कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

डीडी इंडिया चैनल भारतीय उप महाद्वीप में व्यापक एवं सुगम पहुँच हेतु जी–सैट 10 से इन–सैट–4 बी पर चला गया। वर्तमान में डी.डी. इंडिया की पहुँच उपग्रह, डी.टी.एच. प्लेटफार्म एवं जल में बिछे हुए केबल के माध्यम से संपूर्ण विश्व के 38 देशों में हैं। देश में यह चैनल टाटा स्काई, के डीटीएच प्लेटफार्म तथा एम.एस.ओ. के माध्यम से उपलब्ध है। डीडी इंडिया का प्रसारण टेप रहित है। इस चैनल की पहुँच और भी अधिक व्यापक करने के लिए तथा विश्व स्तर पर इसकी एक अलग पहचान बनाने के लिए एक कार्य योजना बनाई जा रही है। उपर्युक्त अवधि में डीडी इंडिया पर 572 स्पॉट प्रसारित किए गए। डीडी इंडिया पर प्रसारित किए जाने हेतु सात कार्यक्रमों के प्रायोजकता करार पर कार्रवाई की जा रही है। डीडी इंडिया अपने नए कलेवर में नए लोगों एवं नए चैनल परिचय चिह्न के साथ उपलब्ध है। सीधे प्रसारित किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यक्रम, जो प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति एवं अति गणमान्य व्यक्तियों, संसद इत्यादि से संबंधित हैं। इन महत्वपूर्ण आयोजनों का सीधा प्रसारण डीडी इंडिया पर किया गया। इस चैनल ने 17 प्रस्तुतकर्ताओं के साथ प्रायोजकता श्रेणी के अंतर्गत रु. 2,02,23,900/– के प्रसारण शुल्क की प्राप्ति हेतु समझौता ज्ञापन किया है। इसके कार्यक्रमों की पहुँच जल में बिछे मुख्य केबलों/ओ.एफ.सी. केबल लिंक के माध्यम से अमेरिका/लैटिन अमेरिका, आस्ट्रेलिया एवं यूरोप तक करने हेतु एम.एस.ओ. के साथ द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन पर कार्रवाई की जा रही है।

उपर्युक्त अवधि में डीडी इंडिया पर प्रसारित महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम

- दर्द–ए–बलोच (बलुचिस्तान के लोगों की लड़ाई– एक पैनल परिचर्चा)

- 12वां अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अवार्ड–2016
- वर्ल्ड फ्ल्यूट फेस्टिवल (विश्व बाँसुरी उत्सव)
- द कनेक्टीविटी (भारत–कन्नाडा संबंध)
- विश्व सांस्कृतिक महोत्सव
- उत्तराखंड उत्सव
- छठा अंतर्राष्ट्रीय नृत्य एवं संगीत महोत्सव–2016
- युवा महोत्सव–2016
- प्रवासी भारतीय दिवस–2017
- सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला–2017
- फ्रांसीसी विवाह पर प्रदर्शनी

डीडी स्पोर्ट्स चैनल

दूरदर्शन के स्पोर्ट्स चैनल का शुभारंभ 18 मार्च 1999 को हुआ। जून 2000 से यह चैनल 24 घंटे प्रसारण करने लगा।

डीडी स्पोर्ट्स : भारत की आत्मा

इस चैनल की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं :

- यह भारत का एक मात्र निःशुल्क उपग्रह चैनल है।
- दूरदर्शन द्वारा "निधि बहिर्गमन" योजना की शुरुआत– 2005 में की गई, जो खेल संबंधी आयोजनों को कवर करने के लिए स्पोर्ट्स फेडरेशन से शुल्क प्राप्त करने हेतु थी। इस योजना को 2016 में

संशोधित किया गया तथा वर्तमान में यह खेल आयोजनों के आयोजको से एक लघु राशि कवरेज हेतु प्राप्त करता है।

- डीडी स्पोर्ट्स विभिन्न अधिकार धारकों से प्रसारण हेतु समय–समय पर महत्त्वपूर्ण खेल कार्यक्रम प्राप्त करता है।
- मुख्य खेल आयोजन जैसे–ओलम्पिक खेल का प्रसारण आयोजन की समय अवधि में ही अनवरत रुप से दिखाया जाता है। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप वाली विभिन्न खेल–स्पर्धाओं का प्रसारण भी डीडी स्पोर्ट्स पर किया जाता है।

आगामी योजना

1. गोवा में राष्ट्रीय खेल
2. स्कूल स्पोर्ट्स प्रचार फाउंडेशन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय स्कूल खेल
3. रोड रेस चैम्पियनशिप

डीडी किसान

डीडी किसान दिनांक 26.05.2015 को सीपीसी (केंद्रीय प्रस्तुति केंद्र): दूरदर्शन से शुरु किया गया। यह भारत की कृषि और इसके किसानों के लिए समर्पित पहला चैनल है। डीडी किसान न केवल किसानों को सरकारी नीतियों, निर्णयों से परिचित कराता है बल्कि इनके बीच की दूरी को भी कम करता हैं।

चैनल के पास सम्पूर्ण ग्रामीण एवं कृषि समुदाय के लिए सामग्री है। विविध प्रकार के कार्यक्रम जैसे विशेष कृषि, नॉन फिक्शन, फिक्शन, रियलिटी शो हैं। अधिकांश कार्यक्रम आंतरिक रुप से तैयार किए जाते हैं और कुछ एसएफसी मोड के माध्यम से आउटसोर्स किए जाते हैं।

विशेष कार्यकम

1. डीडी किसान ने एक विशेष सजीव कार्यकम का आयोजन करके 26 मई, 2016 को अपना पहला वर्षग. ांठ मनाया। इस कार्यक्रम में प्रसार भारती, दूरदर्शन के विशेष अतिथियों और प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिकों को आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर से सांस्कृतिक कार्यकम और सफल किसानों तथा कृषि वैज्ञानिकों का सम्मान किया गया।
2. प्रथम वर्षगांठ पर प्रसार भारती के अध्यक्ष द्वारा मोबाइल और कम्प्यूटर के माध्यम से लाइव स्ट्रीमिंग शुरु किया गया।
3. पर्यावरण पर "प्रकृति की ओर" नामक साप्ताहिक कार्यक्रम शुरु किया गया।

4. कृषि एवं ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न सरकारी स्कीमों जैसे–जैविक कृषि, जल संरक्षण, नीम कोटेड यूरिया, दालों, विशेष खबर, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और फसल बीमा योजना इत्यादि पर विशेष अभियान शुरु किया गया।
5. सजीव फोन–इन कार्यक्रम "स्वस्थ किसान" शुरु किया गया। यह विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर किसानों के लिए पारस्परिक कार्यक्रम है
6. सरदार पटेल के जन्मशतब्दी पर "हमारे सरदार" नामक के एक घंटे का विशेष कार्यक्रम तैयार किया गया।
7. एक विशेष साप्ताहिक कार्यक्रम ''चुनौती'' शुरु किया गया है। कार्यक्रम में देश के दूर–दराज के क्षेत्रों में कठिन भूभाग में कृषि प्रदर्शन किया जाता है।

'चुनौती', पलायन, उत्तराखंड - 2

8. निम्नलिखित विशेषताओं के साथ किसान और ग्रामीण भारत के परिप्रेक्ष्य में केंद्रीय बजट का विस्तृत कवरेज

- छः घंटे के लाइव स्टूडियों सहित 11 घंटे का कवरेज।
- कार्यक्रम में 18 विख्यात अतिथि/विशेषज्ञों ने भाग लिया।
- वित्तमंत्री और कृषि मंत्री के विशिष्ट साक्षात्कार इस कार्यक्रम का भाग था।
- चर्चा में किसानों ने भाग लिया ।

बजट - 2017 पर कार्यक्रम

चौपाल, बीएमपीएएल.बीएमपी से सजीव बजट पर प्रतिक्रियाएं

9. गांव मांगे हिसाब : मुजफ्फरनगर के गांव में 200 आमंत्रित किसानों और विशेषज्ञों के साथ एक उच्च गुणवत्ता की प्रस्तुति फिल्म खंड

कार्यक्रम गांव मांगे हिसाब का एक दृश्य

नए प्रयास

अवधि के दौरान चैनल के पुर्नगठन के लिए शुरु किए गये प्रयास निम्नानुसार है :–
मौजूदा सभी कार्यकमों की समीक्षा, मूल्यांकन किया जा रहा है और आवश्यक परिवर्तन शामिल किए गये है। संपादकीय, प्रस्तुति और तकनीकी गुणवत्ता के लिए बेंचमार्क तय किए गए है।

1. कार्यक्रम क्षेत्र आधारित, रोचक एवं रुचिकर होने चाहिए।
2. डीडी किसान, क्रॉस चैनल प्रमोशन और सोशल मीडिया पर प्रचार द्वारा कार्यकमों आक्रामक प्रमोशन हेतु प्रणाली।
3. मानव शक्ति की मुख्य क्षमता को ध्यान में रखते हुए उनका इष्टतम उपयोग।
4. ट्रांसमीशन की समीक्षा और तकनीकी ग्लिच की प्रणाली लागू की गई है।
5. नए कार्यक्रम(आउटसोर्स कार्यक्रम) को प्रसारित करने के पहले कोर टीम द्वारा बारीकी से देखा जा रहा है।
6. नए इन–हाउस कार्यक्रम डिजाइन किए गये हैं और प्रसारित किए गए हैं।

क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल

डीडी सहयाद्री

इस चैनल का शुभारंभ उपग्रह के माध्यम से 15.08.1994 को हुआ। 5 अप्रैल 2000 से इस चैनल की प्रसारण अवधि 24 घंटे की हो गई। भौमिक माध्यम से इस चैनल का प्रसारण प्रातः 6.00 बजे से 9.00 बजे तक एवं दोपहर 3.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक रविवार के अलावा प्रतिदिन उपलब्ध है तथा उपग्रह माध्यम से इस चैनल का प्रसारण 24

घंटे उपलब्ध है। यह चैनल सोशल मीडिया पर अति सक्रिय है। इस चैनल का अपना वेबसाइट www.ddsahyadri.in तथा फेसबुक पृष्ठ https://www-facebook-com/ddsahyadri-in इसका एक अपना यू ट्यूब एकाउंट https://www-youtube-com/user/ddsahyadri है। सोशल मीडिया का उपयोग सक्रिय रुप से कार्यक्रमों के प्रचार एवं दर्शकों के साथ संपर्क हेतु किया जाता है।

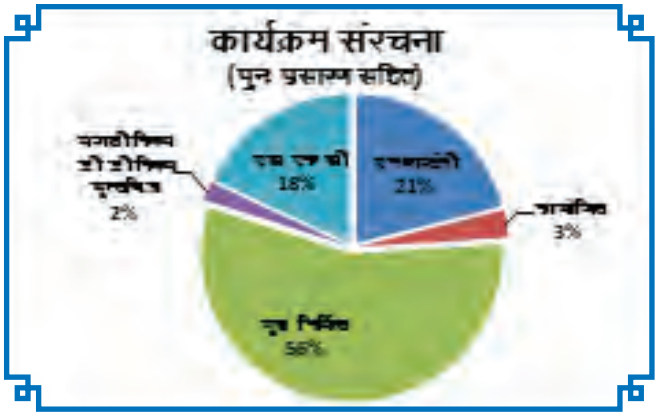

कुल प्रसारण : 24 घंटे

1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 तक की अवधि में प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रम गतिविधियाँ

- आईफा पुरस्कार 2016
- सहयाद्री सहयोग सिंधु अवार्ड 2016 (30.12.2016)
- ढोलकी जाली बोलकी अर्थात् ढोलकी रॉक्स – इसकी पहली कडी का प्रसारण 10 जुलाई, 2016 को हुआ।
- स्वप्न नव्य युगाचे– नववर्ष की पूर्व संध्या पर मराठी में 31.12.16 को प्रसारित कार्यक्रम
- पुणे स्थित बालेवाड़ी स्टेडियम में 2 से 4 मार्च तक नेशनल रोबोकॉन 2017 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की पूर्विका का प्रसारण 1 मार्च को किया गया तथा 3 दिन तक आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य झलकियाँ 2 से 4 मार्च तक प्रसारित की गई।

Dr TP Singh, Chief Referee and Dr SK Saha, Senior Judge from IIT Delhi

Teams getting ready for a friendly match at Inaugural Session

भारतीय रोबोकॉन प्रतियोगिता- 2017 भाग -3 की झलकियां

डीडी गिरनार

इस क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल डीडी–11 का शुभारंभ 01.10.1993 को दिल्ली से अपलिंक करके किया गया। बाद में 15.08.1994 से स्थानीय स्तर पर इसकी अपलिंकिग की जाने लगी। 01.05.2000 से इस चैनल द्वारा 24 घंटे की क्षेत्रीय उपग्रह भाषा सेवा की शुरुआत की गई। दिनांक 02.10.2007 से डीडी गिरनार ब्रांड पहचान बन गई। इस चैनल का टैग लाइन 'अपनी संस्कृति, अपनी ओलख' है।

अप्रैल 2016 से अब तक प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रमः

- गुजरात दिवस पर विशेष कार्यक्रम–मई, 2016
- भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा– जुलाई, 2016
- मारवी (मच्छू शिरमार मारवी) से स्वतंत्रता दिवस समारोह प्रसारण–अगस्त, 2016
- जन्माष्टमी महोत्सव–अगस्त, 2016
- माननीय प्रधानमंत्री द्वारा सावनी योजना (अजी डैम) का जामनगर में शुभारंभ–अगस्त, 2016
- नवरात्रि समारोह–अक्टूबर, 2016
- वडोदरा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा का उद्घाटन–अक्टूबर, 2016
- अरबन मोबीलिटी इंडिया अग्रणी योजना के शुभारंभ का सीधा प्रसारण–नवम्वर, 2016
- नववर्ष की पूर्व संध्या पर 31.12.2016 को विशेष कार्यक्रम ताक धिना–धिन–2017'

डीडी पोढ़िगै

इस क्षेत्रीय भाषा तमिल उपग्रह चैनल का शुभारंभ पोंगल पर्व के शुभ अवसर पर 15.01.2001 को हुआ। इसकी प्रसारण अवधि 24 घंटे की है। इस चैनल द्वारा प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों के विविध स्वरुप को देखते हुए इसे 'इनफोटेनमेंट चैनल' का नाम दिया गया है।

वर्ष 2016–17 के दौरान प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रम

- डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की जयन्ती एवं तमिल नववर्ष के अवसर पर विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया –अप्रैल, 2016
- सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से पी एस एल वी – C33 / IRNSS - IG मिशन का प्रक्षेपण –अप्रैल, 2016

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण– जून, 2016
- रामेश्वरम् में शिलान्यास समारोह एवं भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की प्रतिमा का अनावरण – जुलाई, 2016
- अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी चेन्नै में पासिंग आउट परेड एवं पाइपिंग–इन–समारोह का प्रसारण– सितम्बर, 2016
- वार्षिक महोत्सव स्वास्थ्य माता वैलांकन्नी की रथयात्रा–सितम्बर, 2016
- गाँधी जयन्ती पर विशेष कार्यक्रम का प्रसारण– अक्टूबर, 2016
- सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस) पर विशेष कार्यक्रम का प्रसारण – अक्टूबर, 2016
- सुरसमारोहम महोत्सव का सीधा प्रसारण –नवम्बर 2016
- श्री अरुणाचलेश्वर मंदिर त्रिरुवनमलई से महाकार्तिगई दीपम् का सीधा प्रसारण – दिसम्बर, 2016
- पोंगल उत्सव के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का प्रसारण – जनवरी, 2017
- कन्नदसन पर कार्यक्रम – मार्च, 2017

डीडी यादगिरि

आंध्रप्रदेश राज्य का विभाजन–आंध्रप्रदेश एवं तेलांगना में होने के बाद हैदराबाद स्थित दूरदर्शन सप्तगिरि चैनल का नाम डीडी यादगिरि कर दिया गया एवं डीडी सप्तगिरि अपना वही नाम रखते हुए विजयवाड़ा से 27.09.2014 से काम कर रहा है। डीडी यादगिरि का टैग–लाइन हैरू सुमधुरम सुमनोहरम् ।

वर्ष 2016–17 के दौरान प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रम

- परेड ग्रांउड सिकन्दराबाद से तेलंगाना स्थापना दिवस का सीधा प्रसारण– जून, 2016
- उज्जैन महाकाली बोनालु महोत्सव का सीधा प्रसारण–जुलाई, 2016
- गुडीमाला पुष्कर घाट से कृष्णा पुष्करलु का प्रसारण– अगस्त, 2016
- माननीय श्री वेंकैया नायडु जी का दूरदर्शन यादगिरी हैदराबाद आगमन तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सभी प्रमुख अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक – अगस्त, 2016
- कृष्णा पुष्करलु के समापन समारोह का सीधा प्रसारण– अगस्त, 2016
- गणेश निम्मजनम प्रसारण–नेकलेस रोड हैदराबाद– सितम्बर, 2016
- तिरुमला से श्रीवारि ब्रह्मोत्सवलु का प्रसारण– अक्टूबर–नवम्बर, 2016

- विशेष कार्यक्रम मजलिस–ए अरबाइन का प्रसारण–नवम्बर, 2016
- जाति विकासम् मानव वनरुला अभिवृद्धि पर वृत्तचित्र –दिसम्वर, 2016
- नववर्ष पर विशेष कार्यक्रम 'आटा पाटा '–जनवरी, 2017
- ए बी यू अंतर्राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव 2017 का शिल्पकला वेदिका, हैदराबाद से सीधा प्रसारण – जनवरी, 2017
- युगादि पर विशेष कार्यक्रम –मार्च, 2017

डीडी- सप्तगिरि

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री वेंकैया नायडु एवं आंधप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चन्द्र बाबू नायडु द्वारा इस चैनल का लोकार्पण 27.09.2014 को किया गया था।
वर्ष 2016–17 के दौरान इसके द्वारा अर्जित कुल राजस्व रु.2,15,29,449/– था।

वर्ष 2016–17 के दौरान प्रसारित महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम

- डॉ बाबा साहब अम्बेडकर–तेलुगु फिल्म–का प्रसारण – अप्रैल, 2016
- दुर्गा मल्लेश्वर स्वामी वार्ला देवस्थानम् सेखाम्बरी महोत्सवलु के प्रत्येक कार्यक्रम का प्रसारण जुलाई, 2016
- कृष्णा पुष्कर वैभवम् का प्रसारण – अगस्त, 2016
- विषाखापट्नम् से ब्रिक्स शिखर वार्ता का प्रसारण–सितम्बर, 2016
- डीडी सप्तगिरि की दूसरी वर्षगाँठ पर विशेष कार्यक्रम का प्रसारण – सितम्बर, 2016
- श्रीवारि ब्रह्मोत्सवलु का सीधा प्रसारण– अक्टूबर, 2016
- 'रसझरी'–आमंत्रित दर्शकों के समक्ष आयोजित कार्यक्रम – 31 दिसम्बर, 2016
- माननीय गृहमंत्री द्वारा राष्ट्रीय आपदा राहत बल बटालियन का शुभारंभ– सीधा प्रसारण–जनवरी, 2017
- राष्ट्रीय महिला संसद–सीधा प्रसारण– फरवरी, 2017
- आन्ध्र प्रदेश की नई राजधानी अमरावती में विधानसभा के पहले सत्र का सीधा प्रसारण–मार्च, 2017

डीडी बंगला

डीडी बंगला चैनल का शुभारंभ 20 अगस्त, 1992 को किया गया, 1 जनवरी 2000 से 24 घंटे की अवधि वाला चैनल बन गया। 15 अप्रैल 2013 से इससे कोलेब्रेटिव/अरेखीय निर्माण पश्चात् सुविधा एचडी टीवी प्रारूप में उपलब्ध हो गई।

दूरदर्शन कोलकाता की स्थापना 9 अगस्त, 1975 को हो गई थी। अपने स्थापना काल से ही यह चैनल बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने एवं इसमें समृद्धि करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह देशभर में बंगाली दर्शकों का लोकप्रिय चैनल है। वर्ष 2016–17 के दौरान इसके द्वारा अर्जित सकल राजस्व रु. 5,03,39,089/– था। 01 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च 2017 तक की अवधि में महत्वपूर्ण कार्यक्रम

- बंगाली नववर्ष पर सीधे प्रसारित विशेष कार्यक्रम–''नववर्षेर बैठक स्वागत 1423''– 14.04.2016 को प्रातः 7.15 बजे
- जोड़ासांकों, ठाकुर बाड़ी से गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की जयन्ती पर आधारित विशेष कार्यक्रम ''कवि प्रणाम''– दि. 8.5.2016 को प्रातः 6.00 बजे
- केंद्र सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर विशेष कार्यक्रम गाँव बदलेगा –श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अर्बन मिशन – 31.05.2016 को शाम 6.00 बजे।
- स्वच्छ भारत अभियान की दूसरी वर्षगांठ पर दिनांकः 4. 6. 2016 को अपराह्न 1.30 बजे मालदा जिले में आयोजित विशेष कार्यक्रम
- विश्व पर्यायवरण दिवस, 5.6.2016 को शाम 5.15 बजे प्रसारित विशेष कार्यक्रम ''फिरि दाओ से अरण्य''
- कोलकाता दूरदर्शन की 42वीं वर्षगांठ पर विशेष कार्यक्रम ''बर्थडे कैफै''–दिनांकः 9.8.2016 को रात्रि 8.00 बजे
- महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा राजभवन कोलकाता से 23.8.2016 को प्रातः 11.00 बजे आकाशवाणी मैत्री चैनल का शुभारंभ।
- तोमार करुणा धाराय– मदर टेरेसा पर वृत्त चित्र का 4.9.2016 को रात्रि 10.30 बजे प्रसारण
- आगमनी गान संगीत कार्यक्रम (माँ दुर्गा का धरती पर आह्वान) हेतु प्रार्थना का ''बेहला रॉय बाड़ी'' से सीधा प्रसारण 6.10.2016 (महापंचमी को) प्रातः 7.10 बजे
- रामकृष्ण मठ, बेलूर से 7.10.16 से 11.10.2016 तक विभिन्न समय खंडों में दुर्गात्सव का सीधा प्रसारण
- दुर्गापूजा परिक्रमा प्रसारण (महाषष्ठी से विजयदशमी) 07.10.16 से 11.10.16 तक विभिन्न समय खंड़ों में प्रसारण
- एई–बार–पूजो भारत दर्शन, का विभिन्न केन्द्रों से दुर्गा पूजा समारोह से संबंधित सामग्री पर आधारित कार्यक्रम श्रृंखला का प्रसारण 07.10.16 से 13.10.16 तक विभिन्न समय खंड़ो में।
- 22 वें कोलकाता फिल्म समारोह के उद्घाटन समारोह का 11.11.2016 को अपराह्न 04.30 नेताजी इंडोर स्टेडियम से सीधा प्रसारण।
- नज़रुल मंच कोलकाता से 18.11.2016 को अपराह्न 04.30 बजे कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह

के समापन समारोह का सीधा प्रसारण।

- बोलपुर शांति निकेतन से 23.12.2016 को प्रातः 07.25 बजे पौष उत्सव के शुभारंभ का सीधा प्रसारण।
- 31.12.2016 को रात्रि 08.00 बजे वर्ष भर में प्रसारित विशेष कार्यकमों का राउंड अप।
- नववर्ष की पूर्व संध्या पर 31 दिसम्बर, 2016 की रात्रि 9.00 बजे विशेष कार्यक्रम 31 नाइट का प्रसारण।
- स्वामी विवेकानन्द संगीत समारोह 2017 (स्वामी विवेकानन्द जयंती पर) का रामकृष्ण मिशन संस्कृति संस्थान गोल पार्क से सीधा प्रसारण 12.01.2017 को प्रातः 9.00 बजे।
- दि ग्रेट एस्केप– नेता जी सुभाष चन्द्र बोस पर एक वृत्त चित्र (नेताजी की जयन्ती पर) –23.01.17 को शाम– 6.00 बजे।
- कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला 2017 के शुभारंभ का 25.01.17 को शाम 5.30 बजे सीधा प्रसारण पर
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम ''आमि अनन्य''– 08.03.17 को शाम 7.00 बजे।
- होली पर एक विशेष कार्यक्रम–11.03.2017 को पूर्वा. 11.05 पर।
- बसंत उत्सव (बसन्त ऋतु समारोह) का शांति निकेतन से सीधा प्रसारण–12.03.2017 को प्रातः 7.10 बजे।

डी.डी. पंजाबी

डी.डी. पंजाबी 24 घंटे चलने वाला चैनल है जिसे भारत सहित अन्य देशों में भी देखा जाता है जहाँ उपग्रह इन सैट 4बी उपलब्ध है। यह उपग्रह जी–सैट–15 पर भी डीटीएच प्लेटफार्म पर उपलब्ध है। भाषावार रुप से यह कार्यक्रमों का प्रसारण निम्नलिखित रुप में करता है :– पंजाबी 99.16%, हिन्दी 0.79%, उर्दू 0.05% । दूरदर्शन केन्द्र जालंधर 99.45% कार्यक्रमों का निर्माण करता है। अन्य केन्द्रों से मात्र 0.55% कार्यक्रम प्राप्त होते हैं।

डी.डी. पंजाबी का 24 घंटे का प्रसारण सात भागों में विभाजित है, जिनके शीर्ष हैं– प्रातः–कालीन प्रसारण, सज्जरी सवेर, दिन का प्रसारण, खिड़की (दोपहर कालीन कार्यक्रम), क्षेत्रीय प्रसारण एवं सांध्यकालीन प्रसारण तथा रात्रि कालीन प्रसारण। वर्ष 2016–17 के दौरान (मार्च 2017 तक) इस केन्द्र द्वारा अर्जित कुल राजस्व रू. 8,42,09,137/– था।

1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च, 2017 की अवधि में प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रम

- मेला बेसाखी दा :–15.04.2016 को प्रसारित
- राब्ता :– 21.04.2016 को सीधे प्रसारित
- रुबरु :– 24.08.2016 को प्रसारित
- सुनहरी शाम :– 22 सितम्बर,2016 को ''वरिष्ठ नागरिक दिवस'' पर प्रसारित कार्यक्रम।
- राष्ट्रीय एक जुटता दा प्रतीक :– सरदार वल्लभ भाई पटेल पर आधारित कार्यक्रम 31 अक्टूबर 2016 को प्रसारित
- रौनक 17 दियाँ नववर्ष की पूर्व संध्या 31.12.2016 पर प्रसारित
- नववर्ष के अवसर पर 1 जनवरी, 2017 को प्रसारित कार्यक्रम– ''17 मौज बहारां''
- लोहड़ी (वेहरा शगना दा) :– ''धियाँ दि लौहड़ी'' के संदर्भ में प्रसारित विशेष कार्यक्रम– 13.01.2017

डी.डी.कशीर

इस चैनल का शुभारंभ 26 जनवरी, 2000 को प्रतिदिन साढे चौदह घंटे के प्रसारण के साथ शुरु हुआ, बाद में 15 मार्च, 2003 से इस चैनल को 24 घंटे चलने वाले चैनल में बदल दिया गया।

मुख्य रुप से यह उपग्रह चैनल है, भौमिक विधा में 30 ट्रांसमीटरों के सहयोग से कश्मीर क्षेत्र की 77% जनसंख्या को इस चैनल का प्रसारण उपलब्ध करवाया जाता है। डी.डी. कशीर चैनल के कार्यक्रम दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर से अपलिंक किए जाते हैं। देशभर में यह चैनल केवल नेटवर्क के माध्यम से देखा जा सकता है। यह चैनल दूरदर्शन द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही डीडी डायरेक्ट प्लस बुके में उपलब्ध है, इस सेवा का शुभारंभ 16 दिसम्बर, 2004 को प्रधानमंत्री द्वारा किया गया।

इस चैनल पर बाल्टी, डोगरी, गोजरी, कश्मीरी, लद्दाखी, पहाड़ी, पंजाबी, शीना तथा उर्दू भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। कुछ कार्यक्रम सीमा पार से भारत के प्रति दुष्प्रचार के खंडन करने पर भी आधारित होते हैं। गृह मंत्रालय एवं सेना अन्वेषण महानिदेशालय द्वारा चयन किए गए विषयवस्तु पर प्रति सप्ताह इस तरह के 8 कार्यक्रमों का निर्माण किया जाता है। कशीर चैनल द्वारा प्रसारित किए जा रहे, कार्यक्रमों में स्वनिर्मित कार्यक्रमों के साथ–साथ कमीशन किए गए कार्यक्रम भी शामिल होते हैं।

वर्ष 2016–17 के दौरान प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रम

- वर्ष 2016 में रमज़ान के पवित्र महीने के दौरान सहरी एवं इफ्तार के अवसर पर पयाम–ए–

रमजान" नामक कार्यकम श्रृंखला का 30 दिन तक प्रसारण।

- मुहर्रम 2016 के पहले 10 दिन के दौरान ''असुरा–ए–मुहर्रम '' से संबंधित धारावाहिक 'यादें कर्बला'।
- 'ईद–ए–मिलाद–उन–नबी' (एस ए डब्ल्यू), पवित्र अमरनाथ यात्रा, नवरात्र, मेला खीर भवानी, गुरु पर्व, गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का प्रसारण ।
- केंद्र सरकार के 2 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ''पेशरफ्त'' कार्यक्रम की विशेष श्रृंखला।
- विधानसभा सत्र के दौरान मुख्य कार्यवाहियों का सीधा प्रसारण।
- रोजाना प्रातःकालीन प्रसारण ''गुड मॉर्निंग जे एंड के ''
- प्रतिदिन सी.पी.जी.कार्यक्रमों का प्रसारण।
- महान कश्मीरी लोक नायिका पद्मश्री राज़ बेगम के निधन पर विशेष कार्यक्रम "बे–याद–ए– राज़ बेगम"

डी.डी. उड़िया

इस चैनल का शुभारंभ 02.10.1993 को हुआ एवं 01.04.2001 से यह 24 घंटे का चैनल बन गया। वर्ष 2016–17 के दौरान इस केंद्र द्वारा अर्जित कुल राजस्व रु. 3,56,71,875.00/– है।

अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक की अवधि में कार्यक्रम संबंधी मुख्य गतिविधियां :

- जून–जुलाई 2016 में पुरी से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का प्रसारण।
- कटक में प्रथम सर्किट बेंच के स्थापना की 100वीं वर्षगांठ का सीधा प्रसारण, 08 मई, 2016
- 11 जून, 2016 को संबलपुर में आयोजित शीतल शष्ठी का सीधा प्रसारण।
- 1 से 5 दिसम्बर, 2016 तक कोणार्क महोत्सव का प्रसारण
- 14 से 16 जनवरी 2017 तक मुक्तेश्वर नृत्य महोत्सव का प्रसारण।
- 18 से 20 जनवरी, 2016 तक राजारानी संगीत महोत्सव का प्रसारण
- 6 से 8 फरवरी, 2016 तक धौली कलिंग महोत्सव का प्रसारण
- लिंगराज मंदिर भुवनेश्वर से 24 फरवरी, 2016 को महाशिवरात्रि का सीधा प्रसारण।
- सितम्बर–अक्टूबर, 2016 में दशहरा पर विशेष कार्यक्रम श्रृंखला का प्रसारण।
- 31 दिसम्बर, 2016 को नववर्ष की पूर्व संध्या पर निम्नलिखित कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

  (क.) ''मुहूर्त''–समाचार आधारित कार्यक्रम, (ख.) ''फरदा – 2016'' और वार्षिक रांउड–अप कार्यक्रम, (ग.) ''स्मृति रे स्मृति रे'' और (घ.) ''आगामीर आह्वान''

डी.डी.मलयालम

डी.डी. मलयालम का शुभारंभ 1985 में हुआ । स्थापना काल से ही इस चैनल ने देशभर में अपनी एक अनूठी पहचान बना ली। इस केंद्र की कार्यक्रम निर्माण सुविधा त्रिरुवनंतपुरम् त्रिशूर एवं कालीकट में उपलब्ध है, साथ ही इसका प्रसारण भौतिक ट्रांसमीटर के माध्यम से राज्य भर में उपलब्ध है।

अप्रैल, 2016 से मार्च, 2017 की अवधि में कार्यक्रम संबंधी मुख्य गतिविधियां :

- अप्रैल, 2016 मे त्रिशूर पुरम् महोत्सव
- जुलाई, 2016 से नियमित रुप से एक नया कार्यक्रम– "कैम्पस उत्सव"– शुरू किया गया ।
- अगस्त, 2016 में नेहरु ट्राफी नौका दौड़
- सितम्बर, 2016 में ओणम की झांकी
- सितम्बर, 2016 में कोझिकोड़ में प्रधानमंत्री का समारोह
- अक्तूबर, 2016 में मन्नारसाला अईल्यम उत्सव–
- मकर विलकू उत्सव– 14 जनवरी, 2017 को सबरी माला से सीधा प्रसारण।
- 57वां राज्य विद्यालय युवा उत्सव, कन्नूर में आयोजित। इस उत्सव का सीधा प्रसारण 16 जनवरी से 22 जनवरी, 2017
- 11 मार्च, 2017 को अतुकल पौंगल का सीधा प्रसारण

डी.डी.चंदना

कन्नड़ भाषा उपग्रह चैनल का शुभारंभ 15 अगस्त, 1994 को हुआ। इसे बंगलुरु एवं गुलबर्गा स्थित दूरदर्शन स्टूडियो में निर्मित कार्यक्रमों के सहयोग से प्रसारित किया जाता था। वर्ष 2000 में यह 24 घंटे प्रसारित किया जाने वाला उपग्रह चैनल बन गया तथा इसका कवरेज क्षेत्र का विस्तार– 24 मार्च, 2003 से 30 से भी अधिक देशों तक हो गया। इसके द्वारा प्रसारित कार्यकमों की भाषायी संरचना इस प्रकार है– कन्नड़ 98.76% उर्दू, कोंडवा, कोंकणी एवं तुलूगु प्रत्येक 1.24%। अप्रैल 2016 से 31मार्च, 2017 की अवधि में अर्जित कुल राजस्व रु. 4,53,11,651/–

अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 तक की अवधि में कार्यकम संबंधी मुख्य गतिविधियां :

- अप्रैल 2016 में बंगलुरु में आयोजित उगादि उत्सव पर कार्यक्रम चैत्रोल्लास का कवरेज।

- अगस्त 2016 में लाल बहादुर स्टेडियम हैदराबाद से प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण।
- अगस्त 2016 में ड़ॉ. देवराज उर्स की 101 वीं जयन्ती का सीधा प्रसारण।
- महामहिम राष्ट्रपति डॉ. प्रणव मुखर्जी द्वारा 27 एवं 28.08.16 को इस्कॉन के अक्षयपात्र फाउंडेशन की पंद्रहवीं वर्षगांठ समारोह के उद्घाटन का सीधा प्रसारण।
- अक्टूबर, 2016 में मैसूर पैलेस से मशहूर दशहरा जुलूस का सीधा प्रसारण।
- कागिनेले, हावेरी जिला से मधुरा मधुरानी मंजुल गान का प्रसारण।
- नवम्बर, 2016 में रविन्द्र कला क्षेत्र बेंगलुरु में आयोजित चंदना अवार्ड 2016 का प्रसारण।
- जनवरी, 2017 में प्रवासी दिवस।
- फरवरी, 2017 में बेलगांव में स्मरांजलि (शहीदों को श्रद्धांजलि)।
- मार्च, 2017 में उगादि उत्सव।

डी.डी. नॉर्थ-ईस्ट

डी.डी.नॉर्थ–ईस्ट चैनल की स्थापना 01.11.1990 को की गई तथा बाद में 15 अगस्त, 1994 को इसका शुभारम्भ किया गया। 27 दिसम्बर, 2000 से यह चैनल 24 घंटे की प्रसारण अवधि वाला हो गया। कार्यक्रम निर्माण केन्द्र (पीपीसी) (उ.पू.) दूरदर्शन केन्द्र, गुवाहाटी एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां से दूरदर्शन 24 घंटे अबाधित प्रसारण सेवा प्रदान कर रहा है। डी.डी. नार्थ ईस्ट (डी.डी–13) की कवरेज उत्तर–पूर्व के सातों–राज्य तथा सिक्किम में भी है जो अब पीपीसी (एन.ई.) नेटवर्क के अंर्तगत आ गया है। यह चैनल अन्य डीटीएच प्लेटफॉर्म जैसे डीडी, डायरेक्ट प्लस, विडियोकॉन डीटीएच, टाटा स्काई इत्यादि के माध्यम से उपलब्ध है। अप्रैल, 2016 से मार्च 2017 तक की अवधि में इस चैनल द्वारा अर्जित कुल राजस्व रु.42,59,965/– है।

अप्रैल, 2016 से मार्च, 2017 तक की अवधि में कार्यक्रम संबंधी मुख्य गतिविधियां :

- परस्पर संवाद आधारित कार्यक्रम–''कैरियर इन इंडियन आर्मी'' का प्रसारण– जुलाई, 2016
- दादा साहब फाल्के अवार्ड़ से सम्मानित डॉ. भूपेन हजारिका पर कार्यक्रम–सितम्बर 2016 ।
- विशेष संगीत कार्यकम– ''सदाबहार भूपेन दा''–सितम्बर, 2016
- टेलीविजन कार्यक्रम– ''एक शाम वीर जवानों के नाम'' बहादुर भारतीय सिपाहियों की स्मृति में–जनवरी, 2017
- दरांग जिले की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित वृत्त–चित्र–फरवरी, 2017

डी.डी.राजस्थान

24 घंटे प्रसारित किए जाने वाले इस चैनल का शुभारम्भ 01.08.2013 को किया गया एवं औपचारिक रुप से इसके द्वारा कार्यक्रमों का प्रसारण 15 अगस्त, 2013 से किया गया। यह विभिन्न शैलियों में कार्य करता है, जो राज्य के दर्शकों की अभिरुचि एवं आवश्यकताओं पर आधारित होते हैं। दूरदर्शन केन्द्र, जयपुर के पास 750 कार्यक्रमों का अनूठा संग्रह है जो विभिन्न शैलियों जैसे संगीत एवं नृत्य, वृत्त–चित्र, फीचरों, टेली–फिल्म एवं टेली नाटक के है, इनमें से 525 कार्यक्रमों को डीवीडी फॉर्मेट/ऑप्टीकल डिस्क में परिवर्तित कर दिया गया है और इनका प्रसारण डी.डी. राजस्थान पर किया जाता है। डी.डी. राजस्थान साप्ताहिक एवं पाक्षिक आधार पर राजस्थानी, सिंधी, उर्दू, संस्कृत भाषा में भी कार्यक्रम प्रसारित करता है।

इसका एक विशेष कार्यक्रम प्रश्नोतरी के 686 कड़ियों का प्रसारण पूर्ण होने पर इससे संबंधित एक कार्यक्रम का प्रसारण मार्च, 2017 में किया गया।

अप्रैल, 2016 से मार्च, 2017 की अवधि में महत्वपूर्ण कार्यक्रम संबंधी गतिविधियां

- आयरन फिस्ट (जैसलमेर में वायुसेना का प्रदर्शन)–मार्च 2016
- एक नई सुबह–केन्द्र सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के संदर्भ में (आमेर फोर्ट, जयपुर से सीधा ओ बी)–मई, 2016
- ब्रिक्स (बी–आर–आई–सी–एस) शिखरवार्ता, जयपुर– अगस्त, 2016
- ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट–नबम्बर, 2016
- जयपुर लिटरेचर फैस्टिवल (5 दिनों की टीवी रिपोर्ट जनवरी–2017)

डी.डी.बिहार

इस चैनल का शुभारंभ 01.05.2013 को किया गया। यह 24 घंटे की अवधि वाला क्षेत्रीय उपग्रह चैनल है। इसकी पहुंच देश भर में है। इस चैनल द्वारा वर्ष 2016–17 के दौरान अर्जित कुल राजस्व रू. 1,04,01,881/– हैं।

2016–17 के दौरान प्रसारित महत्त्वपूर्ण कार्यकम :

- नक्सल आधारित कार्यक्रम–"नई पहल" का प्रसारण 13.05.2016 को किया गया।
- 21 जून, 2016 को द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर चण्डीगढ़ से सीधा प्रसारण
- 25 अगस्त, 2016 को मथुरा एवं द्वारका से जन्माष्टमी उत्सव का सीधा प्रसारण

- ए.बी.यू.टी.वी. गीत उत्सव, 2015 (इस्तानबुल) का प्रसारण 10 सितम्बर, 2016 को किया गया।
- 18 सितम्बर, 2016 को टेलीफिल्म– "खारिज" का प्रसारण
- 08.10.2016 को नवरात्रि सप्तमी पूजा पर विशेष कार्यक्रम
- 6 व 7 नवम्बर, 2016 को छठ पर्व का सीधा प्रसारण
- 20 नवम्बर, 2016 को गोवा (पणजी) में आयोजित 47 वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह का सीधा प्रसारण
- गोवा, पणजी में 28 नवम्बर, 2016 को 47 वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह 2016 के समापन समारोह का सीधा प्रसारण
- 30 दिसम्बर, 2016 को 350 वें प्रकाश पर्व पर टी.वी, रिपोर्ट का प्रसारण
- 31 दिसम्बर, 2016 को होप 2017– 'छोड़ों कल की बातें' का प्रसारण
- 16 फरवरी, 2017 को मोमेंटम झारखंड़– (ग्लोबल इन्वेस्टर सम्मिट) का सीधा प्रसारण

डी.डी. उत्तर प्रदेश

24 घंटे उपलब्ध रहने वाला हिंदी चैनल डी.डी. उत्तर प्रदेश का शुभारंभ 16 अगस्त, 2013 को किया गया। प्रारम्भ में यह केवल भौमिक माध्यम से उपलब्ध था। 24 घंटे चलने वाले इस चैनल में लोक संगीत, सुगम संगीत, नाटक, वार्ता, प्रश्नोत्तरी एवं अभिलेखीय कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। वर्ष 2016–17 (23 अक्टूबर) के दौरान इसके द्वारा अर्जित कुल राजस्व रु 391.29 लाख हैं। अपराह्न 2.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक प्रसारित कार्यक्रमों को 2*8 के चक्र में पुनः प्रसारित किया जाता है। किंतु समाचार एवं विज्ञापनों का प्रसारण सिर्फ एक समयावधि में किया जाता है। डी.डी.यू.पी. उपग्रह एवं भौमिक माध्यम से प्रतिदिन रविवार के अलावा 15.00 बजे से 19.00 तक कार्यक्रम उपलब्ध करवाता है।

वर्ष 2016–17 के दौरान प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रम :

- 'बोले यू.पी'. कार्यक्रम का प्रसारण
- पत्रों के रंग चित्रहार के संग
- यू.पी. के माननीय राज्यपाल द्वारा डीवीडी का लोकार्पण
- डी.डी.यू.पी. सम्मान पर विशेष कार्यक्रम का प्रसारण
- संगीत कार्यक्रम सुरमई शाम–2017 का प्रसारण
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम

डी.डी. मध्यप्रदेश

डी.डी.के भोपाल द्वारा 24 घंटे के उपग्रह माध्यम से प्रसारण सेवा की शुरुआत 25.06.2013 को की गई तथा इसका नाम बदलकर डी.डी. मध्यप्रदेश कर दिया गया। डी.डी. मध्यप्रदेश पर प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रम पीजीएफ, ग्वालियर एवं पीजीएफ इंदौर द्वारा तैयार किए जाते है। यह केन्द्र विभिन्न प्रारुपों में कार्यक्रम निर्माण करता है, जैसे सीधे प्रसारित फोन–इन, धारावाहिक, टेली फिल्म, विभिन्न प्रकार के शो, संगीत समारोह, कवि गोष्ठियां, प्रश्नोतरी तथा कथा चित्र। हिन्दी के अलावा इस केन्द्र के द्वारा स्थानीय उपभाषा जैसे मालवी, बुंदेली, बघेली एवं निमाड़ी में भी कार्यकम प्रसारित किए जाते हैं। वर्ष 2016–17 के दौरान इस केन्द्र द्वारा अर्जित राजस्व रू. 3,35,74,956/– है।

अप्रैल, 2016 से मार्च, 2017 तक की अवधि में कार्यक्रम संबंधी मुख्य गतिविधियां :

- अक्षय ऊर्जा पर कार्यक्रम– अप्रैल 2016 में प्रसारित
- डीडी शो के अंतर्गत कार्यक्रम "मानव तस्करी अधिनियम"–मई, 2016 में प्रसारित
- उमरदराज सिद्धिकी का कार्यक्रम स्लॉट महफिल के अंतर्गत प्रसारण–जून, 2016 में
- "रियो ऑलम्पिक और उम्मीद" कार्यक्रम का प्रसारण–अगस्त, 2016
- नाटक "बहुत टेंशन है यार"–सितम्बर, 2016
- डी डी शो के अंतर्गत 'दूरबीन पद्धति से जोड़ो का इलाज' कार्यक्रम का प्रसारण अगस्त, 2016
- आकाशवाणी संगीत सम्मेलन का आयोजन 24.09.2016 को आकाशवाणी भोपाल द्वारा किया गया।
- उस्ताद अल्लाउदीन संगीत कला अकादमी एवं मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद द्वारा आयोजित तानसेन वार्षिक समारोह का प्रसारण –16 से 20 दिसम्बर, 2016
- खजुराहो नृत्योत्सव का प्रसारण 20 से 26 फरवरी, 2017

दूरदर्शन के अन्य स्कंध

दूरदर्शन विज्ञापन सेवा (डी.सी.एस.)

दूरदर्शन विज्ञापन सेवा (डी.सी.एस.) एक स्वतंत्र इकाई है, जो प्रसारण समय विक्रय एवं एजें. सियों/ग्राहकों/निर्माताओं से राजस्व प्राप्ति हेतु मुख्यालय, दूरदर्शन केंन्द्रों, मार्केटिंग प्रभागों एवं डीसीडी/(दूरदर्शन सम्प्रेषण प्रभाग) से संबंधित सभी विज्ञापन गतिविधियों हेतु समन्वय करता है। इसके अलावा यह वाणिज्य व्यवहार संबंधी नीति निर्धारण तथा दर कार्ड को मार्केटिंग प्रभाग एवं क्षेत्रीय केंद्रों से प्राप्त जानकारी के आधार पर प्रसार भारती बोर्ड की अनुमति से तैयार करता है।

यह स्कन्ध विभिन्न विज्ञापन एजेंसियों के पंजीकरण तथा उनका श्रेणीकरण करता है, साथ ही विज्ञापन समय की विक्रय हेतु तथा उनसे परस्पर संपर्क हेतु कार्य करता है। बाजार के परिदृश्य को ध्यान में रखकर समय–समय पर इस स्कन्ध द्वारा नियमों एवं नीतियों की समीक्षा की जाती है। नीचे दिए गए चार्ट से यह स्पष्ट होता है कि दूरदर्शन द्वारा अर्जित किए जाने वाले सकल राजस्व में गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

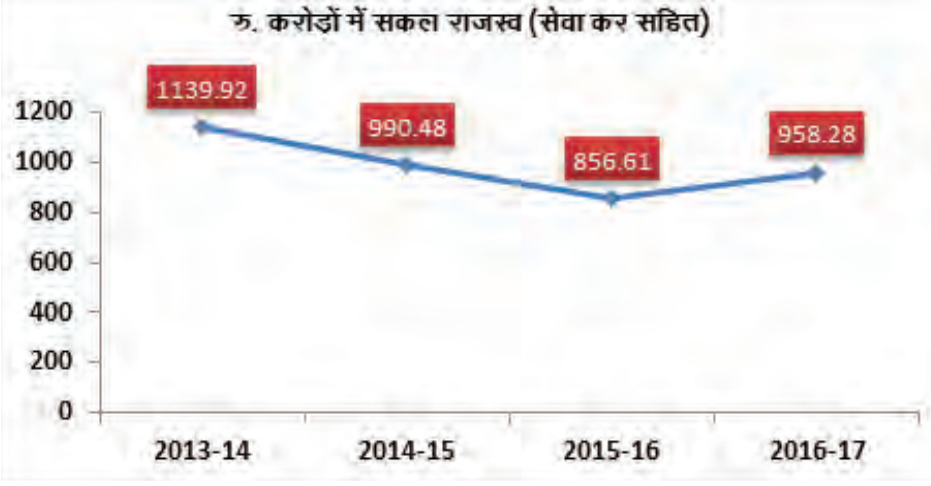

विकास सम्प्रेषण विभाग (डी सी डी)

सरकारी विभागों, मंत्रालयों, सरकारी उपक्रमों द्वारा विकास संबंधी गतिविधियों के समन्वय करने के लिए इस प्रभाग की स्थापना मार्च 2001 में की गई थी ताकि एकल विंडो मार्केटिंग प्रभाग तथा कार्यक्रम निर्माण गृह के रुप में यह एक नवोन्मेषी विकास सम्प्रेषण मॉडल की तरह कार्य कर सके। विकास सम्प्रेषण प्रभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली एकल विंडो सुविधा इस प्रकार है :

- दूरदर्शन के प्रसारण समय एवं निर्माण क्षमता की मार्केटिंग
- बाजार के परिदृश्य के अनुसार मीडिया संबंधी योजना तैयार करना तथा परामर्श देना।
- देशभर में स्थित क्षेत्रीय भाषा केंद्रों हेतु उपर्युक्त संरचना के अनुरुप कार्यक्रम निर्माण करना।
- ग्राहकों को फीडबैक देने के साथ–साथ उन्हें अनुसंधान एवं सर्वेक्षण संबंधी जानकारी देना।
- इस प्रभाग द्वारा स्वचछता एवं पेयजल मंत्रालय की सहभागिता से स्वच्छता अभियान, स्वच्छ भारत कार्यक्रम का निर्माण किया गया, जो वर्तमान में दूरदर्शन द्वारा प्रसारित किया जा रहा है।
- ग्राम विकास पर आधारित 52 कड़ियों का धारावाहिक 'गाँव विकास की ओर'। इस कार्यक्रम का प्रसारण नेशनल एवं 34 क्षेत्रीय चैनलों पर किया गया और अब इसकी नई 52 कड़ियों के प्रसारण की अनुमति दे दी गई है।

- पुलिस पराक्रम–दूरदर्शन द्वारा आधे घंटे की विशेष कार्यक्रम श्रृंखला पुलिस पराक्रम शीर्षक से प्रसारित की जा रही है । गृह मंत्रालय द्वारा पुलिसकर्मियों की शहादत को श्रद्धांजलि देने तथा उनके पराक्रम को जनता के सामने लाने हेतु आधे घंटे की यह श्रृंखला प्रसारित की जा रही है।
- विभिन्न नए अभियान जैसे सुगम भारत अभियान, सामाजिक न्याय मंत्रालय का वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य अभियान, परिवार कल्याण मंत्रालय का तम्बाकू–विरोधी, चिकनगुनिया, डेंगू रोग प्रतिरोध और स्तन पान आदि से संबंधी अभियान, पयर्टन मंत्रालय का अतुल्य भारत और विदेश मंत्रालय का आय घोषणा एवं जी.एस. टी का प्रसारण वर्ष 2016–17 में किया गया।
- इन्द्रधनुष स्पॉट्स मिशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा बाल–टीकाकरण पर चलाई जा रही योजना, उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा 'जागो ग्राहक जागो' अभियानों की शुरुआत हो गई तथा इसका प्रसारण दूरदर्शन पर किया जा रहा है। इसके अलावा यह प्रभाग सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा अग्रणी अभियानों विशेषकर दिव्यांगों एवं अल्पसंख्यकों के कल्याण से संबंधित अभियान पर स्पॉट का प्रसारण भी करता है।

वर्ष 2016 –17 के दौरान सूचना सम्प्रेषण प्रभाग द्वारा कुल राजस्व रु.368 करोड़ है।

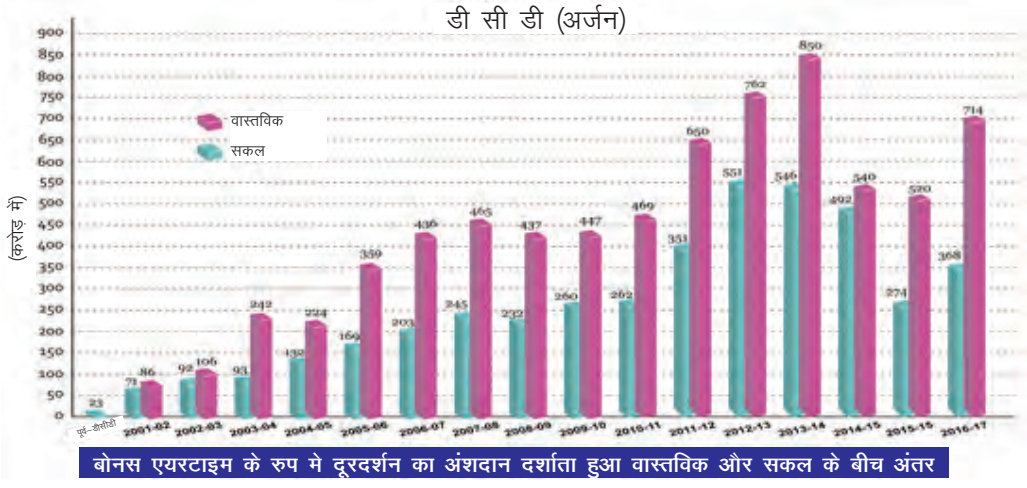

बोनस एयरटाइम के रुप मे दूरदर्शन का अंशदान दर्शाता हुआ वास्तविक और सकल के बीच अंतर

डी डी अभिलेखागार

प्रसार भारती के तत्वाधान में आकाशवाणी के 218 रेडियो स्टेशन एवं दूरदर्शन के 67 केंदों द्वारा कई दशकों से प्रमुख नेताओं, विद्वानों, कलाकारों, इतिहासकारों, इतिहासविदों, खेल एवं अन्य आयोजनों से संबंधित दृश्य–श्रव्य कार्यक्रमों का निर्माण कर रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न प्रकार की पांडुलिपियाँ, छायाचित्र, जनरल भूमिकाएँ जो आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के अतीत से संबंधित संग्रहणीय सामग्री दूरदर्शन अभिलेखागार में उपलब्ध है।

दूरदर्शन अभिलेखागार को इन सामग्रियों को डिजीटल प्रारुप में परिवर्तित करने तथा भविष्य में

सूचना संवर्द्धन हेतु उपयोग में लाए जाने का कार्य सौंपा गया है। दूरदर्शन देश का सबसे पु. राना टेलीविजन प्रसारक है। डीडी अभिलेखागार द्वारा अतीत की अमूल्य धरोहर टेपों को डिजीटल प्रारुप में परिवर्तित कर संग्रहित किया जाता है। दूरदर्शन अभिलेखागार वर्तमान में यूमैटिक, वीसीएन, एमपैक्स बीटा टेपों को डी.वी.सी. प्रो50 फार्मेट में बदलने तथा बाद में इसे एल.टी.ओ. फार्मेट में परिवर्तित करने का कार्य कर रहा है। अभी तक 15155 घंटो की विषयवस्तु को सफलतापूर्वक डिजीटल प्रारुप में परिवर्तित कर दिया गया है तथा 23787 घंटो की विषयवस्तु को, जो संस्था की अमूल्य धरोहर के रुप में है, भी डिजिटल टेपों में परिवर्तित कर दिया गया है। वर्ष 2016–17 के दौरान गत वर्ष की तुलना में डिजीटल आरूप में परिवर्तित करने के कार्य में 112.4% की वृद्धि हुई।

वर्ष 2016–17 में दूरदर्शन अभिलेखागार द्वारा रु.49,94,532/– (उन्नचास लाख चौरानवे हजार पाँच सौ बत्तीस रूपए) का राजस्व अर्जित किया गया।

दूरदर्शन अभिलेखागार के पास प्रमुख नेताओं, महान विद्वानों, कलाकारों, इतिहासविदों, खेल एवं सिनेमा जगत के प्रसिद्ध व्यक्तियों की रिकॉर्डिंग उपलब्ध है ।

इन अनमोल रिकॉर्डिंग को जनता तक पहुँचाने के लिए दूरदर्शन द्वारा मोबाइल डिसप्ले/विक्रय पटलों के माध्यम से नाममात्र मूल्यों पर उपलब्ध करवाया जाता है। दूरदर्शन अभिलेखागार रुचि विशेष के दर्शकों के लिए धरोहर रिकॉर्डिंग की डीवीडी जारी करता है। अभी तक इसके द्वारा 89 डीवीडी जारी किए जा चुके हैं। गत वर्ष वर्तमान समय के दो महानायकों पर डीवीडी जारी की गई जो भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परम्परा से संबंधित थे। पहली डीवीडी में प्रख्यात कथक नृत्य गुरु प.बिरजू महाराज की जीवन की घटनाएँ एवं नृत्य संबंधी उनके विचार है तथा दूसरी डीवीडी सुप्रसिद्ध भरतनाट्यम् नृत्यांगना सुश्री कोमलवर्धन पर है। ये डीवीडी दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के सभी केंद्रों पर उपलब्ध हैं तथा साथ ही इन्हें दिल्ली हाट स्थित स्थाई विक्रय केंद्र से भी प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही यह ऑन लाइन prasarbharthiarchives.co.in पर उपलब्ध है। यह नई मार्केटिंग रणनीति के अंतर्गत है जिससे कि इस तरह की विषयवस्तु में रुचि रखने वाले सभी दर्शकों को डीवीडी में वांछित सामग्री उपलब्ध हो सके, इसके अलावा वेब आधारित लाइब्रेरी प्रबंधन प्रणाली भी दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के लिए समेकित रुप से विकसित की गई है। इसका उपयोग मुख्य रुप से बहुमूल्य सूचना सामग्री को दृश्य–श्रव्य विषयवस्तु के रुप में संरक्षित करने के साथ ही दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के संग्रहणीय छायाचित्र एवं महत्वपूर्ण अभिलेख को भी संरक्षित करना है। आकाशवाणी की पुरानी पत्रिकाओं, जर्नलों एवं पुस्तकों जैसे–भारतीय श्रोता, आकाशवाणी इत्यादि को

डिजीटल प्रारुप में परिवर्तित किए जाने का कार्य भी प्रगति पर है।

हाल ही में दूरदर्शन अभिलेखागार ने इसमें उपलब्ध डीवीडी के संदर्भ में संक्षिप्त विवरण के साथ दो रंगीन कैटलॉग एवं विवरणिकाएँ प्रकाशित की है।

दूरदर्शन अभिलेखागार अपने दर्शकों को भुगतान आधार पर इन कार्यक्रमों की फुटेज उपलब्ध करवाता है तथा विद्वानों को निःशुल्क पूर्वावलोकन उपलब्ध करवाता है।

दूरदर्शन अभिलेखागार पुरानी तथा संग्रहीय विषयवस्तु से संबंधित सामग्री को पुनः पैकेजिंग कर इसकी सॉफ्टवेयर अन्य चैनलों उपलब्ध करवाता है। वर्तमान में प्रति सप्ताह छः कार्यक्रम डीडी नेशनल को उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। दूरदर्शन के अन्य चैनलों से भी इस तरह की सामग्री हेतु अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। डिजीटल प्रारुप में सरंक्षित करने के अलावा दूरदर्शन अभिलेखागार डिजीटल रुप में परिवर्तित की गई सामग्री की मेटा डाटा भी तैयार करता है। वर्तमान में 40,000 मेटा डाटा सृजित किए गए हैं जिनके 25,000 ऑन लाइन उपलब्ध हैं।

राष्ट्रीय संसाधन विनिमय पूल योजना के अंतर्गत दूरदर्शन अभिलेखागार अन्य दूरदर्शन केंद्रों/कार्यालयों को अनुरोध आधार पर डिजीटल रूप में परिवर्तित सामग्री उपलब्ध करवाता है। वर्ष 2016–17 के दौरान कुल 4276 घंटों की डिजीटल रूप में परिवर्तित सामग्री उपलब्ध करवायी गई। डिजीटलीकरण की यह प्रक्रिया भविष्य में और भी गतिशील हो जाएगी क्योंकि अत्याधुनिक डिजीटलीकरण कार्य कोलकाता दूरदर्शन भी प्रारंभ करने जा रहा है।

अद्यतन एकीकृत ऑनलाइन आधुनिक लाइब्रेरी प्रबंधन प्रणाली

दूरदर्शन अभिलेखागार ने अपना स्वयं का अग्रणी पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली विकसित किया है । दूरदर्शन के सभी 67 केंद्र इस प्रणाली से अब प्रभावीरूप से संबंद्ध है । सभी दूरदर्शन केंद्र अब

पुस्तकालय से संबंधित सूचना आनलाइन साझा कर सकते है ।

दूरदर्शन अभिलेखागार का यू-ट्यूब चैनल

दूरदर्शन अभिलेखागार ने स्वयं के यू–ट्यूब चैनल की शुरूआत की है । बहुत से प्रसिद्ध सीरियल इस पर पहले ही अपलोड किए जा चुके हैं और बहुत से कार्यक्रम अपलोड किए जा रहे हैं । यह गंभीर अध्येताओं, जागरूक श्रोताओं और इच्छुक खरीददारों को दूरदर्शन अभिलेखागार पर उपलब्ध विषयवस्तु की जानकारी प्रदान करता है ।

मीडिया पब्लिसिटी डिविजन (एमपीडी)

- मीडिया पब्लिसिटी डिविजन महानिदेशालय की एक लघु समग्र यूनिट है, जिसका कार्य मीडिया और प्रचार की गतिविधियों का क्रियान्वयन करना है । दूरदर्शन के कार्यक्रमों और गतिविधियों के प्रचार के लिए सभी प्रकार के सम्प्रेषण, विज्ञापन, डायरेक्ट मेलर्स, प्रेस रिलीज, प्रेस कॉन्फ्रेन्सेस इत्यादि संबंधी कार्यों का क्रियान्वयन करना ।
- वर्तमान कार्यक्रमों और आने वाले कार्यक्रमों के अधिकाधिक प्रचार–प्रसार के लिए सतत् प्रयासरत रहना। अपर महानिदेशक की प्रमुखता में मीडिया पब्लिसिटी डिविजन को अपग्रेड कर दिया गया है।
- इस टीम ने छह राष्ट्रीय चैनलों और क्षेत्रीय चैनलों की इलैक्ट्रानिक प्रोग्राम गाइड (ईपीजी) को एनडीटीवी के लिए तैयार किया तथा बाद में देश भर में फैले केबल और डीटीएच ऑपरेटरों से भी साझा किया । समयबद्ध विषयों जैसे एमओयू पर हस्ताक्षर, विशेष उपलब्धियों, प्रेस रिलीज का जारी करना और सकारात्मक मीडिया संबंधों को स्थापित करने के लिए प्रेस कान्फ्रेन्सों का आयोजन ।
- कार्यक्रमों के प्रचार योजना के अंतर्गत रेडियो, प्रिंट और आउटडोर सृजनात्मक गतिविधियां शामिल होती हैं। डिविजन द्वारा नियमित आधार पर टाइम स्लॉट, डीटीएच और रोजगार संबंधी विभिन्न विज्ञापन तैयार किए जाते हैं।

जनवरी, 2016 से दिसंबर 2016 तक केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण द्वारा जारी आदेशों/निर्णयों का कार्यान्वयन

क्र. सं.	मीडिया यूनिट/अनुभाग, दूरदर्शन महानिदेशालय	वर्ष 2016 के दौरान केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण से प्राप्त निर्णयों/आदेशों की सं.	वर्ष 2016 के दौरान क्रियान्वित निर्णयों/आदेशों की सं.	क्रियान्वित/चैलेंज किए गए
1.	एस–1	25	08	02
2.	एस–II	30	16	–

3.	एस–III	08	08	–
4.	एस–IV	05	05	–
5.	एस–V	शून्य	शून्य	शून्य
6.	स्कोर	शून्य	शून्य	शून्य
7.	सतर्कता	12	शून्य	–

दूरदर्शन महानिदेशालय में हिंदी का प्रगामी प्रयोग

राजभाषा हिंदी की नीति, निर्देशों और हिंदी के प्रगामी प्रयोग के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए दूरदर्शन महानिदेशालय में अलग से हिंदी अनुभाग कार्यरत है । यह अनुभाग महानिदेशालय और अधीनस्थ कार्यालयों में हिंदी के प्रगामी प्रयोग की स्थिति की समीक्षा करने के साथ हिंदी के प्रगामी प्रयोग के संवर्द्धन के लिए प्रयासरत है ।

वर्ष 2016–17 के दौरान अनुभाग की प्रमुख गतिविधियां

- वर्ष के दौरान राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी सभी दस्तावेजों के द्विभाषीकरण के साथ–साथ हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना सुनिश्चित किया गया । अवधि के दौरान 5,540 दस्तावेज जारी किए गए। इसलिए वर्ष के दौरान दोनों संवैधानिक अपेक्षाओं के अनुपालन को सुनिश्चित किया गया।
- महानिदेशालय में राजभाषा नीति के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा हेतु वर्ष 2016 में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें हुईं और बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन को सुनिश्चित किया गया ।
- समय–समय पर अधिकारियों और कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता और हिंदी में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए चार हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया । 82 अधिकारियों/कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया । इसके अतिरिक्त राजभाषा हिंदी निरीक्षण से संबंधी एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों के अधिकारियों को आमंत्रित किया गया ।
- दिनांक 01 से 30 सितंबर, 2016 के दौरान हिंदी माह का आयोजन किया गया और इसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियागिताएं आयोजित की गई ।
- वर्ष के दौरान ससंदीय राजभाषा समिति ने 08 दूरदर्शन केंद्रों/कार्यालयों का निरीक्षण किया और संबंधित केंद्रों और कार्यालयों को हर संभव सहायता और मदद उपलब्ध करवाई गई । प्रारूप और साक्ष्य उप समिति ने भी वर्ष के दौरान महानिदेशालय का निरीक्षण किया । समिति ने निरीक्षण में महानिदेशालय के कार्यों की प्रसंशा की ।

- 25, 26 दिसंबर, 2016 को औरंगाबाद में 'ख' क्षेत्र के स्थित दूरदर्शन केंद्रों/डीएमसी/एचपीटी के कार्यालय प्रमुखों का राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया ।
- वर्ष के दौरान 38 दूरदर्शन केंद्रों/डीएमसी/एचपीटी का निरीक्षण किया गया और समीक्षा रिपोर्ट भेजी गई ।
- दूरदर्शन महानिदेशालय के हिंदी अनुभाग द्वारा 23.02.2017 को 'वासंती कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत हिंदी के प्रतिष्ठित कवि श्री अशोक चक्रधर, श्री रामदरश मिश्र, श्री लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, श्री जे.पी. कर्दम, श्री बी.एल. वर्मा, श्री हरिश नवल, सुश्री कीर्ति काले, सुश्री अनामिका

दिनांक 23.02.2017 को आयोजित 'वासंती कवि सम्मेलन'

को आमंत्रित किया गया ।

दर्शक अनुसंधान

देश भर में दर्शक अनुसंधान की 19 फील्ड यूनिट दूरदर्शन के विभिन्न केंद्रों पर सन् 1976 से प्रसारण के विभिन्न पहलुओं पर अन्वेषण के लिए कार्यरत है । अप्रैल, 2016 से मार्च 2017 के दौरान दर्शक अनुसंधान एकक का योगदान निम्न प्रकार से हैं–

- साप्ताहिक आधार पर बीएआरसी, टीवीआर का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करना ।
- वर्ष 2015–16 के लिए प्रसार भारती की वार्षिक रिपोर्ट और वर्ष 2016–17 के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट तैयार की गई ।
- दर्शक अनुसंधान और कार्यक्रम कार्मिकों के लिए बीएआरसी, बीएमडब्ल्यू सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।
- दूरदर्शन की मासिक निगरानी ।
- दर्शक अनुसंधान के कार्मिकों के लिए दूरदर्शन महानिदेशालय, दिल्ली में दो दिवसीय टेरेस्टियल ट्रांसमीशन और डीडी फ्री डिश विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई ।

- समस्त देश में टेरेस्ट्रियल ट्रांसमीशन और डीडी फ्री डिश पर पायलट स्टडी संचालित की गई ।

प्रशासन

31-03-2017 की स्थिति के अनुसार दूरदर्शन कर्मचारियों का श्रेणीवार विवरण

	कुल स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
वर्ग क	1083	529	554
वर्ग ख	5964	5185	779
वर्ग ग	13580	8302	5278
कुल	20627	14016	6611

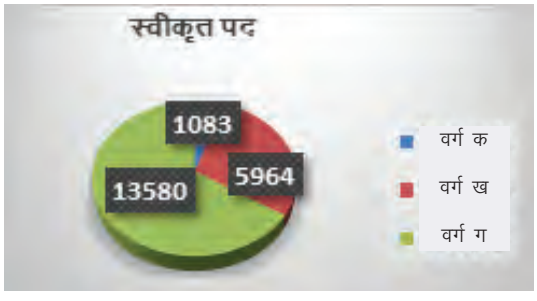

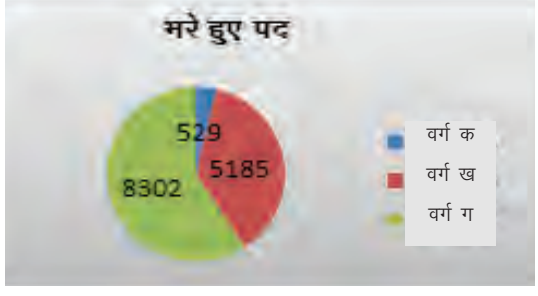

वित्त स्कंध

दूरदूर्शन का वित्त स्कंध पूरी तरह से अपर महानिदेशक वित्त के पर्यवेक्षण और नियंत्रण में कार्य करता है जो दूरदर्शन महानिदेशक को रिपोर्ट करता है। वित्त शाखा में तीन अनुभाग है नामतः बजट एवं लेखा, वित्त सलाह और निरीक्षण इकाई। दूरदर्शन को इसके कर्मचारियों के वेतन और इसके पूंजीगत व्यय के लिए भारत सरकार से सहायता अनुदान द्वारा वित्त पोषण प्रदान किया जाता है। दूरदर्शन के अन्य प्रचालनात्मक व्यय इसके आंतरिक रुप से सृजित संसाधनों के माध्यम से पूरे किए जाते हैं।

बजट एवं लेखा

वित्त वर्ष 2016–17 के लिए दूरदर्शन की बजट एवं व्यय की स्थिति नीचे दी गई है :

भारत सरकार से प्राप्त योजना / गैरयोजना अनुदान (करोड़ रु में)

क्र.सं	अनुदानों का ब्यौरा	आवंटन	व्यय	व्यय %
1.	सहायता अनुदान–सामान्य(वेतन)	1418.46	1317.95	92.91
2.	सहायता अनुदान–पूंजीगत परिसम्पतियों का सृजन	221	208.14	94.18
3.	सहायता अनुदान–किसान चैनल	52	49.33	94.86

4.	कुल	1691.46	1575.42	93.14

आंतरिक अतिरिक्त बजटीय संसाधन (आईईबीआर) (करोड़ रु में)

क्र.सं	लेखा शीर्ष	आवंटन	व्यय	व्यय %
1.	अन्य प्रशासनिक व्यय	428.91	403.22	94.01
2.	साफ्टवेयर प्रोग्राम व्यय	286.33	255.18	89.12
3.	सेवाकर	70.00	86.68	123.82
4.	कुल	785.24	745.08	94.89

वर्ष 2016–17 के दौरान दूरदर्शन द्वारा अर्जित कुल निबल राजस्व (सेवा कर छोडकर) 831.88 करोड़ रुपए था तथा प्रचालनात्मक व्यय(सिवाय वेतन के जिसे भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है) 745.08 करोड़ रुपए मात्र है। उपर्युक्त ब्यौरे से यह देखा जा सकता है कि वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान प्रचालनात्मक व्यय को आबंटित बजट के भीतर ही रख गया था।

इसके अतिरिक्ति देश में फैले हुए दूरदर्शन की विभिन्न इकाइयों के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के लेखा सैटअप के कम्प्यूटरीकरण के लिए 2016–17 से प्रसार भारती की व्यय निग. रानी प्रणाली (ईएमएस) का प्रचालन किया गया। ईएमएस प्रणाली मासिक लेखा के संकलन को एक समान कम्प्यूटरीकृत प्रारुप में सक्षम बनाता है और एमआईएस उद्देश्यों के लिए विभिन्न रिपोर्टों के सृजन में सहायता प्रदान करता है।

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा

दूरदर्शन महानिदेशालय की निरीक्षण इकाई इस बात को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों का आंतरिक निरीक्षण करती है कि वे सही तरीके से और समय–समय पर निदेशालय द्वारा जारी मौजूदा नियमों, प्रक्रियों और अनुदेशों के अनुसार कार्य कर रही है या नहीं। यह सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के कार्यालय के आंतरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ के साथ समन्वय हेतु नोडल अनुभाग भी है। वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान निरीक्षण इकाई द्वारा निम्नलिखित इकाइयों/अनुभागों का आंतरिक निरीक्षण किया गया

क्र.सं.	इकाई/अनुभाग का नाम	निरीक्षण की अवधि
1.	दूरदर्शन महानिदेशालय, स्कोर–1 और 1 ए	07.04.2016 से 13.04.2016
2.	डीडीके, लखनऊ	18.04.2016 से 29.04.2016
3.	डीसीएस अनुभाग, दूरदर्शन महानिदेशालय	11.07.2016 से 29.07.2016

4.	एचपीटी, अमृतसर	23.08.2016 से 26.08.2016
5.	डीडीके, जांलधर	29.08.2016 से 02.09.2016
6.	एएंडजी, दूरदर्शन महानिदेशालय	19.09.2016 से 14.10.2016
7.	डीडीके, मुंबई	17.10.2016 से 21.10.2016
8.	मार्केटिंग डिवीजन, मुंबई	24.10.2016 से 26.10.2016
9.	डीडीके, त्रिवेंद्रम	15.11.2016 से 21.11.2016
10.	डीडीके एवं एचपीटी, कालीकट	22.11.2016 से 25.11.2016
11.	डीडीके, हैदराबाद	19.12.2016 से 23.12.2016
12.	डीएमसी, हैदराबाद	26.12.2016 से 30.12.2016
13.	डीडीके, कोलकत्ता	09.01.2017 से 13.01.2017
14.	मार्केटिंग डिवीजन,कोलकत्ता	16.01.2017 से 20.01.2017
15.	डीडीके, ईटानगर	13.02.2017 से 17.02.2017
16.	डीएमसी, गुवाहाटी	20.02.2017 से 24.02.2017
17.	खेल अनुभाग, दूरदर्शन महानिदेशालय	15.03.2017 से 16.04.2017

दूरदर्शन महानिदेशालय और इसकी ईकाइयों के लंबित सीएंडएजी लेखा परीक्षा पैरा की निगरानी और शीघ्र निपटान के लिए जून, 2016 में दूरदर्शन महानिदेशालय द्वारा एक तदर्थ लेखा परीक्षा समिति (एएसी) का गठन किया गया था। तदर्थ लेखा परीक्षा समिति ने 2016–17 के दौरान तीन बैठकें आयोजित की और इसकी निगरानी एवं समीक्षा के परिणामस्वरुप दिनांक 31.03.2017 तक कुल 352 पैरा में से कुल 65 सीएंडएजी लेखा परीक्षा पैरा का निपटान किया गया जो तदर्थ लेखा परीक्षा समिति के गठन के समय से शेष थे। 2015–16 के लिए वार्षिक सीएंडएजी लेखा परीक्षा का संचालन भी मार्च, 2017 में निरीक्षण ईकाई द्वारा किया गया।

आरटीआई वार्षिक रिटर्न सूचना प्रणाली (2016-17)

वार्षिक रिटर्न फॉर्म

मंत्रालय/विभाग/संगठन: दूरदर्शन महानिदेशालय, नई दिल्ली

वर्ष 2016-2017 (01 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च 2017 तक)

2016–17 में प्रगति					
	01.04.2016 की स्थिति के अनुसार अथ शेष	तिमाही (वित्त वर्ष 2016–17) के दौरान प्राप्त कुल (अन्य पब्लिक अथॉरिटी को स्थानांतरित मामलों की संख्या सहित	अन्य पब्लिक अथॉरिटी को स्थानांतरित मामलों की संख्या	निर्णय जहाँ अनुरोध/अपील को खारिज किया	निर्णय जहाँ अनुरोध/अपील को स्वीकृत किया

अनुरोध	शून्य	1318	05	शून्य	1313
प्रथम अपील	शून्य	104	शून्य	शून्य	104

किसी भी अधिकारी के विरूद्ध लिए गए अनुशासनात्मक कार्रवाई संबंधी मामलों की संख्या		शून्य
नामजद स. के.ज.सू.अधि. की संख्या	नामजद के.ज.सू.अधि. की संख्या	नामजद अपीलीय अधिकारियों की संख्या
59	318	26

याचिका अस्वीकृत करने के दौरान लगाए गए विभिन्न प्रावधानों की संख्या														
सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की सुसंगत धाराएं														
धारा 8(1)										धारा				
क	ख	ग	घ	ड	च	छ	ज	झ	ञ	9	11	24	अन्य 2(च) व 7(9)	
01			01				01		02			01	02	

एकत्रित शुल्क (रू. में)		
पंजीकरण शुल्क	अतिरिक्त शुल्क और कोई अन्य शुल्क	जुर्माना शुल्क
7347/–	12,156/–	शून्य

क्षेत्रीय केंद्र

विभिन्न प्रमुख स्थानों/राजधानियों पर दूरदर्शन केंद्र आरंभ किए गए हैं जो अपने कवरेज क्षेत्रों में निवास करने वाले निवासियों की क्षेत्रीय और स्थानीय अभिरूचि के कार्यक्रमों का प्रसारण 3.00 बजे अपराह्न से 7.00 बजे अपराह्न (सोमवार से रविवार) तक करते हैं । कुछ क्षेत्रीय केंद्रों में रविवार को स्थानीय/क्षेत्रीय कार्यक्रमों के प्रसारण की अवधि आधा घंटा है । इन केंद्रों से 24 घंटे क्षेत्रीय भाषा सेटेलाइट सेवा का भी प्रसारण होता है । इन केंद्रों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार से हैं :

दूरदर्शन दिल्ली

दूरदर्शन केंद्र दिल्ली, देश का प्रमुख केंद्र है । सितंबर, 1959 में देश में न केवल टेलीविजन के आरंभ का श्रेय इसको जाता है बल्कि अपने आरंभ से यह ही समस्त देश में राष्ट्रीय प्रसारण करता है।

यह डीडी–1 और डीडी भारती के लिए 24X7 के प्रसारण के साथ–साथ दिल्ली के क्षेत्रीय केंद्र की जिम्मेदारी निभाते हुए देश भर में फैले लघु शक्ति ट्रांसमीटरों (एलपीटी) की भी देख–रेख करता है।

वर्ष 2016-17 के दौरान क्षेत्रीय प्लेटफार्म पर दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली द्वारा प्रसारित नियमित कार्यक्रम :-

आज सवेरेः दृ इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य और प्रसिद्ध व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया।

गुड इवनिंग इंडिया :– एक घंटे का स्वस्थ मनोरंजन के साथ–साथ समसामयिक घटनाओं पर केंद्रित लाइव हिंदी और अंग्रेजी द्विभाषी कार्यक्रम ।

कृषि दर्शन :– ग्रामीण भारत और किसानों के लिए दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली के इस प्रसिद्ध कार्यक्रम की शुरूआत वर्ष 1967 में हुई और विगत कई वर्षों से इसका प्रसारण लगातार हो रहा है। यह एक घंटे का लाइव इंटरेक्टिव फोन–इन कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत प्रत्येक बृहस्पतिवार को किसान, विशेषज्ञ और दर्शक आपस में जुड़ते हैं ।

यूथ एक्सप्रेस, किड्ज आइलैंड और महिलाओं का प्रोग्राम :– दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली युवाओं, बच्चों और महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम निर्मित किया ।

मेरी बात :– जीवन शैली से जुड़े मुद्दों पर इस एक घंटे के कार्यक्रम का प्रसारण प्रत्येक रविवार को होता है ।

स्पोर्टस् प्रोग्राम और खेल–खिलाड़ी :– इस कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के खेलों से संबंधित रिपोर्ट के साथ–साथ खेलों से जुड़ी हस्तियों के साथ साक्षात्कार और परिचर्चाएं दिखाई जाती हैं। इसमें कोचिंग, स्पोर्टस् मेडिसिन और खेल सुविधाओं से संबंधित पहलुओं पर चर्चा की जाती है ।

स्वच्छ भारत :– दूरदर्शन ने स्वच्छ भारत शीर्षक से ग्रामीण पत्रिका आधारित कार्यक्रम की शुरूआत की है। इस कार्यक्रम में जानी–मानी हस्तियों के माध्यम से स्वास्थ्य, स्वच्छ पेय जल, स्वच्छता और ग्रामीणों की सफलता संबंधित प्रयासों के बारे में बताया जाता है।

दूरदर्शन, मुंबई

दूरदर्शन मुंबई 2 अक्टूबर, 1972 को भारत के टेलीविजन मानचित्र पर आया और क्षेत्रीय सेवा की

शुरूआत 9 अगस्त, 1986 को हुई । वर्तमान में 24 घंटे के दो चैनल डीडी नेशनल और डीडी सहायद्री (आरएलएससी) का प्रसारण होता है । अपने कवरेज क्षेत्र के मोबाइल धारकों के लिए डीडीके मुंबई से दूरदर्शन के डिजीटल टेरेस्ट्रियल ट्रांसमीशन की शुरूआत 01.01.2016 से हुई ।

दूरदर्शन, कोलकता

दूरदर्शन कोलकता की शुरूआत 9 अगस्त, 1975 को हुई । अधिकांश कार्यक्रम स्थानीय दर्शकों के लिए सायंकाल में बंगला भाषा में प्रसारित किए जाते हैं और केंद्र से उर्दू, नेपाली और हिंदी में भी कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं ।

दूरदर्शन, चैन्ने

दूरदर्शन केंद्र, चैन्ने का उद्घाटन 15 अगस्त, 1975 को हुआ । कवरेज क्षेत्र को स्थानीय निवासियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कोडाइकनाल हिल से 14 जनवरी, 1987 से एक 10 किलोवॉट एचपीटी की शुरूआत हुई । क्षेत्रीय/स्थानीय प्रसारण के दौरान तमिल (क्षेत्रीय भाषा) प्रसारण की सबसे बड़ी भाषा है और इसके बाद अंग्रेजी, मलयालम, उर्दू और हिंदी का स्थान है ।

दूरदर्शन, बंगलुरू

दूरदर्शन केंद्र का आरंभ 1 नवंबर, 1981 को, 1 किलो वॉट की क्षमता के साथ रिले केंद्र के रूप में हुआ । 19 नवंबर, 1983 को इसे कार्यक्रम निर्माण केंद्र के रूप में परिवर्तित कर दिया गया । 1 मार्च, 1985 को 1 किलोवॉट ट्रांसमीटर के स्थान पर 10 किलोवॉट क्षमता का उच्च शक्तिवाला ट्रांसमीटर स्थापित किया गया । प्रसारण की मुख्य भाषा कन्नड़ है और इसके बाद उर्दू, कोडवा, कोंकणी, तुलु और संस्कृत है।

दूरदर्शन केंद्र, हैदराबाद

दूरदर्शन केंद्र, हैदराबाद का शुभारंभ 23 अक्टूबर, 1977 को हुआ । स्थाई स्टूडियो रामनाथपुरम, हैदराबाद में स्थापित हुआ था और अक्टूबर, 1988 से कार्य करना आरंभ कर दिया था । केंद्र ने 10 किलोवॉट शक्ति के ट्रांसमीटर के साथ कार्य करना आरंभ किया (डीडी नेशनल) और इसका कुल कवरेज एरिया 80 किलोमीटर के क्षेत्रफल में है और 1 किलोवॉट शक्ति का ट्रांसमीटर (डीडी न्यूज) जिसका कुल 30 किलोमीटर क्षेत्रफल का कवरेज क्षेत्र है । केंद्र के अधिकांश कार्यक्रम तेलगू भाषा में प्रसारित होते है और इसके बाद उर्दू और हिंदी में है ।

दूरदर्शन केंद्र, तिरूवनंतपुरम

01 जनवरी, 1985 को तिरूवनंतपुरम में संपूर्ण कार्यक्रम निर्माण केंद्र का आरंभ हुआ और पूर्ण सुसजित

स्टूडियो कॉम्पलैक्स का 18 मार्च, 1987 को आंरभ हुआ ।
24 अक्टूबर, 1993 से उच्च शक्ति ट्रांसमीटर कालीकट एवं कन्नूर में स्थापित होने के पश्चात क्षेत्रीय प्रसारण की भी शुरूआत की गई और समस्त राज्य दूरदर्शन केंद्र तिरूवनंतपुरम से टीवी सिग्नल में प्राप्त करने में सक्षम हो गए । दूरदर्शन केंद्र, तिरूवनंतपुरम 03 निर्माण केंद्रों और 35 से अधिक टेरेस्टिरयल ट्रासंमीटरों सहित समस्त केरल राज्य और केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप और माही को सेवा प्रदान करता है। टेरेस्टिरियल और देश के अन्य भागों में डिजीटल कनेक्शन और केबल की मदद से प्रसारण उपलब्ध कराता है । अधिकांश कार्यक्रम मलयालम भाषा में और इसके बाद हिंदी, अंग्रेजी, तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं में प्रसारित होते हैं ।

दूरदर्शन, अहमदाबाद

दूरदर्शन केंद्र, अहमदाबाद 1977 में अस्तित्व में आया । दिनांक 19.11.1983 से अहमदाबाद में स्थित थालतेज से 10 किलोवॉट ट्रांसमीटर से कार्यक्रमों के प्रसारण की शुरूआत हुई । मौजूदा दूरदर्शन स्टूडियो की स्थापना 02.10.1987 को की गई । दिनांक 30.12.1992 से केंद्र में क्षेत्रीय लिंक–अप की शुरूआत हुई ।

दूरदर्शन, जालंधर

मूलतः डीडी–1 का क्षेत्रीय चैनल 29 सितंबर, 1973 को अमृतसर से शुरू हुआ था । लेकिन बाद में इसे जालंधर स्थानांतरित कर दिया गया और इसकी शुरूआत 13 अप्रैल, 1979 से वहां शुरू हुई । 01.06.1981 को पूर्णतः प्रसारण प्रारंभ हुआ । इस केंद्र द्वारा अधिकतर कार्यक्रम क्षेत्रीय भाषा पंजाबी में तैयार किए जाते हैं और तदुपरांत हिंदी और उर्दू में प्रसारित किए जाते हैं । यह अतिरिक्त कार्यक्रमों का भी निर्माण कर रहा है जोकि समाचार आधारित तथा करंट अफेयरस् पर हैं, जैसे, खास खबर, एक नजर, खोज खबर, अज द मसला । इन कार्यक्रमों में राज्य की राजनीतिक और विकासात्मक गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया जाता है।

दूरदर्शन, गुवाहटी

दूरदर्शन केंद्र, गुवाहटी की शुरूआत 19 नवंबर, 1982 को हुई, जो जनवरी, 1985 में पूर्ण रूप से सुसज्जित होकर कार्य करने लगा । वर्तमान में असम के 79.0% भौगोलिक क्षेत्र और 83.0% जनसंख्या को कवर करता है ।

अप्रैल, 2016 से मार्च, 2017 के दौरान प्रसारित प्रमुख कार्यक्रम

- बरेरहाहनिया बीहु पर विशेष संगीत कार्यक्रम ।
- रोंगली बिहु "बोहाग अहिल बुली" पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम ।
- कामख्या मंदिर गुवाहटी में 2016 में आयोजित अम्बू बाची मेले पर टीवी रिपोर्ट ।
- गुवाहटी और उसके आसपास के क्षेत्रों से दुर्गा पूजा समारोह पर टीवी रिपोर्ट ।
- नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 'स्वागतम 2017–पूर्बालोकन' कार्यक्रम ।
- बसंत उत्सव पर लाइव संगीत कार्यक्रम ।

दूरदर्शन, भुवनेश्वर

ओड़िया भाषियों की आवश्यकताओं और अभिरूचियों को ध्यान में रखते हुए 19.11.1992 में दूरदर्शन भुबनेश्वर की शुरूआत हुई । तत्पश्चात 07.07.1996 से प्रत्येक रविवार को सुबह और दोपहर में क्षेत्रीय कार्यक्रमों की शुरूआत हुई । दर्शकों के लाभ के लिए दूरदर्शन केंद्र, भुवनेश्वर ने फेसबुक पर अपने अकाउंट की शुरूआत की है । प्रमुख कार्यक्रमों की झलकियां इ–फ्लायर्स के जरिये भेजी जाती हैं । 24.09.2013 से दूरदर्शन केंद्र, भूबनेश्वर के दैनिक कार्यक्रम वेबसाइट www.ddkbsr.gov.in पर भी उपलब्ध हैं ।

दूरदर्शन, रांची

रांची और आसपास के क्षेत्रों के आदिवासियों सहित वहां के निवासियों की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास को गति प्रदान करने के लिए 25 सितंबर, 1984 को दूरदर्शन केंद्र, रांची की शुरूआत हुई । केंद्र अपने सीमित संसाधनों एवं इंफरास्ट्रक्चर के तहत अपने दर्शकों की अभिवृद्धि के लिए प्रमुख भूमिका निभा रहा है । वर्ष 2016–17 की अवधि के दौरान केंद्र द्वारा अर्जित कुल राजस्व रू. 2,67,03,946/– है।

अप्रैल, 2016 से मार्च 2017 के दौरान प्रसारित प्रमुख कार्यक्रम

- डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 125वीं जयंती पर कार्यक्रम – 15 अप्रैल, 2016
- बिरसा मुंडा जयंती (डोक्यूड्रामा) पर कार्यक्रम – 09 जून,2016
- जगन्नाथ रथ यात्रा पर कार्यक्रम – 06 जुलाई, 2016
- करमा के अवसर पर कार्यक्रम – 13 सितंबर, 2016
- दुर्गा पूजा पर कार्यक्रम – 11 अक्टूबर, 2016
- डॉ. बी.आर. अंबेडकर की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम – 02 दिसंबर, 2016
- गुरू गोविंद सिंह की जयंती पर कार्यक्रम – 05 जनवरी, 2017

- स्वामी विवेकानंद जयंती पर कार्यक्रम – 12 जनवरी, 2017

दूरदर्शन, श्रीनगर

दूरदर्शन केंद्र, श्रीनगर की शुरुआत 26 जनवरी, 1973 को हुई थी । वर्ष 1973 से पहले दर्शकों के लिए कुछ साक्षात्कार आधारित कार्यक्रम, डॉक्यूमेंट्री, संगीत और नाटक के कार्यक्रम निर्मित व प्रसारित होते थे । समय के साथ केंद्र की कार्यक्रम गतिविधियों में बहुत बदलाव आया और दर्शकों के लिए धारावाहिक, टेलीफिल्म, वैरायटी शोज, कॉन्सर्टज, कवि सम्मेलन, क्विज प्रतियोगिताएं, चेटस् शोज और मैगजीन कार्यक्रमों का समावेश किया गया । महानिदेशालय दूरदर्शन द्वारा आरंभ किए गए निम्नलिखित सी.पी.जी. कार्यक्रम 'पाकिस्तान रिपोर्टर', 'सरहद के दो रूख', 'कश्मीरनामा', 'कश्मीर नाउ', 'डेट लाइन कश्मीर', 'पीटीवी सच क्या है', 'दरिचा', 'जुनूबी एशिया खबरातनामा' और 'तर्जे हयात' का केंद्र से प्रसारण किया जाता है ।

वर्ष 2016–2017 के दौरान प्रसारित प्रमुख कार्यक्रम

- वर्ष 2016 में पाक रमजान के महीने में 30 दिन सहरी और इफतार के दौरान 'पयामे रमजान' शीर्षक धारावाहिक का प्रसारण ।
- वर्ष 2016 में मुहर्रम के पहले 10 दिनों तक अशुरा–ए–मुहर्रम से संबंधित 'याद–ए–कर्बला' शीर्षक धारावाहिक का प्रसारण ।
- ईद–ए–मिलाद–उन–नबी (एसएडब्ल्यू), पवित्र अमरनाथ यात्रा, नवरात्र, मेला–खीर भवानी, गुरू पूरब, गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस से सबंधित विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण ।
- कश्मीरी महान लोक कलाकार पद्मश्री राजबेगम की मृत्यु पर 'बा याद–ए–राज बेगम' शीर्षक से विशेष कार्यक्रम ।
- 'सदा–ते–समंदर' शीर्षक से प्रसिद्ध स्वर्गीय कवि गुलाम नवी फिराक पर फिल्म।
- विश्व रंग मंच दिवस – 27 मार्च, 2017 को विश्व रंग मंच दिवस पर विशेष कार्यक्रम का प्रसारण ।

दूरदर्शन, शिमला

दूरदर्शन केंद्र शिमला की शुरूआत 7 जून, 1995 को हुई थी । वर्ष 2014–15 की अवधि के दौ. रान केंद्र ने प्रत्येक सोमवार से शनिवार को अपराह्न 3.00 बजे से 7.00 बजे तक और रविवार को अपराह्न 6.30 से 7.00 बजे के मध्य क्षेत्रीय कार्यक्रमों का प्रसारण किया । वर्ष 2016–17 के दौरान केंद्र ने 1.22 करोड़ राजस्व अर्जित किया है । स्थानीय दर्शकों के लिए केंद्र से प्रसारित होने वाले नियमित कार्यक्रम :– चैट शो (कृषि अभिवृद्धि के लिए मास–मीडिया सहयोग योजना के अंतर्गत) स्वच्छ भारत (स्वास्थ्य मुद्दों पर कार्यक्रम), रिज शो (विभिन्न आर्थिक, सामाजिक मुद्दों पर पब्लिक इंट.

रेक्शन आधारित कार्यक्रम), नव वर्ष की पूर्व संध्या पर श्स्वागत–2017श केंद्र से प्रसारित किए गए।

दूरदर्शन चंडीगढ़

डीडीके, चंडीगढ़ ट्रेरेस्ट्रियल सिग्नल से डिजीटल केबल नेटवर्क में 17.08.2015 को परिवर्तित हो गया । इसका प्रसारण चंढीगढ़, मोहाली, पंचकुला और आसपास के क्षेत्रों में देखा जाता है । डीडीके चंडीगढ़ का प्रसारण समय 11.01.2016 से अपराह्न 5.40 से अपराह्न 6.30 तक हो गया । वर्तमान में 02.12.2016 से केंद्र स्थानीय/कैपिटल केंद्र के रूप में अपग्रेड हो गया है । केंद्र का 2016–17 के दौरान अर्जित राजस्व लगभग रू. 8,00,000/– है ।

डीडीके, चंडीगढ़ नियमित आधार पर डीडी नेशनल, डीडी स्पोर्ट्स, डीडी भारती, डीडी पंजाबी/जालंधर, डीडीके हिसार, डीडी कशीर/श्रीनगर और डीडीके जम्मू पर अपने प्रोडक्शन का प्रसारण करता है ।

वर्ष 2016–17 के दौरान दर्शकों के लिए वार्षिक वैरायटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया और इसके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया।

दूरदर्शन, रायपुर

दूरदर्शन केंद्र, रायपुर की शुरूआत वर्ष 1977 में हुई थी । मार्च, 1989 तक दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली के माध्यम से रिले कार्यक्रमों का प्रसारण होता था । अप्रैल, 1989 से अपने कार्यक्रमों का प्रसारण आरंभ कर दिया । अधिकांश जनसंख्या और क्षेत्रों तक पहुंच के लिए वर्ष 2016 से डिजीटल ट्रेरेस्ट्रियल प्रसारण की शुरूआत हो गई थी । वर्तमान में राज्य के 69.2% भू–भाग और 79.5% जनसंख्या तक प्रसारण पहुंचता है । वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान अर्जित कुल राजस्व रू. 62,95,071/– है । (रू. बासठ लाख पिचानवे हजार इकत्तहर)

वर्ष 2016–17 के दौरान केंद्र की उपलब्धियां :

- दूरदर्शन के स्थापना दिवस 15.09.2016 के अवसर पर विशेष कार्यक्रम ।
- रायपुर और भिलाई से 'डिजी धन मेला' का जीवन्त प्रसारण ।
- नववर्ष की पूर्व संध्या पर विशेष कार्यक्रम का प्रसारण ।
- 01.11.2016 को माननीय प्रधानमंत्री की नया रायपुर (छत्तीसगढ़) यात्रा पर विशेष प्रसारण ।
- डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 125वीं जयंती पर कार्यक्रम का प्रसारण ।
- वर्ष 2016–17 के दौरान केंद्र से निम्नलिखित प्रायोजित कार्यक्रम प्रसारित किए गए :– बहुरंग, दरबार

एवं ईआरए टॉकीज ।

दूरदर्शन, इम्फाल

डीडीके इम्फाल की शुरूआत सितंबर, 1987 में हुई । बाद में वर्ष 1993 में डीडी नेशनल और डीडी न्यूज के लिए इसे अपग्रेड कर दिया गया । वित्त वर्ष 2016–17 के दौरान डीसीडी राजस्व के अतिरिक्त केंद्र का अर्जित कुल राजस्व रू. 9,88,273/– है । केंद्र द्वारा कुल कार्यक्रमों का 90.0% इन–हाउस निर्मित है । केंद्र में अधिकांश कार्यक्रम मणिपुरी भाषा में निर्मित किए जाते है और इसके बाद अन्य भाषाओं में है।

वर्ष 2016–17 के दौरान केंद्र की गतिविधियां और उपलब्धियां :

- क्रिसमस और नववर्ष पर केंद्र ने एक घंटे की अवधि का कार्यक्रम प्रसारित किया ।
- अंतर्राष्ट्रीय मणिपुर पोलो टूर्नामेंट का डेफर्ड लाइव प्रसारण ।
- मणिपुर संघई उत्सव–2016
- मुकना स्थानीय खेलों का प्रसारण ।
- छठां 57 माउनटेन डिवीजन पोलो टूर्नामेंट–2016 का अंतिम मैच ।
- प्रथम रानी गाडिलियू अखिल भारतीय महिला अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट, 2016

कार्यक्रम निर्माण सुविधा प्राप्त लघु केंद्र

दूरदर्शन, पुणे

वर्ष 1972 में डीडी नेशनल के रिले सहित दूरदर्शन केंद्र, पुणे की शुरूआत हुई । पुणे की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को ध्यान में रखते हुए वहां की स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए जून, 1999 में स्टुडियो की स्थापना हुई । 23 मार्च, 2015 से आर. एण्ड एस. निर्मित 10किलोवॉट ट्रांसमीटर से डीडी नेशनल रिले किया जाता है ।

वर्ष 2016–17 के दौरान निर्मित एवं प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रम

- डॉ. बाबा साहब अंबेडकर की 125वीं जयंती ।
- राजा परांजये प्रतिष्ठान पुणे द्वारा आयोजित राजा परांजपे महोत्सव और पुरस्कार समारोह ।
- स्वर भास्कर पुरस्कार 2016 पर कार्यक्रम ।
- सी.डब्ल्यू एण्ड पी.आर.एस. खडकवासला द्वारा आयोजित शताब्दी वर्ष समारोह का उद्घाटन

समारोह ।

- लोक मान्य तिलक पुरस्कार 2016 का प्रसारण ।
- पुणे फेस्टिवल फाउनडेशन द्वारा आयोजित 29वें पुणे फेस्टिवल 2016
- दूरदर्शन केंद्र एवं मईर्स, एम.आई.टी. पुणे द्वारा आयोजित रोबोकॉन 2017
- गुड़ीपड़वा पर विशेष कार्यक्रम ।

दूरदर्शन, नागपुर

15 अगस्त, 1982 को भारत के टेलीविजन नक्शे पर डीडीके नागपुर का उदय हुआ, जब इसकी शुरूआत हुई तो दिल्ली द्वारा निर्मित कार्यक्रम रिले किए जाते थे । नागपुर के मराठी भाषी जनसंख्या की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आरंभ में इस केंद्र से दूरदर्शन केंद्र, मुंबई के पॉपुलर कार्यक्रमों की टेपों को रिले किया जाता था । नागपुर, महाराष्ट्र की दूसरी राजधानी होने के नाते एम.आई.बी. लिंक–इन सुविधा का सेट–अप किया । इस अप–लिंकिग सुविधा के माध्यम से विशेष कार्यक्रमों को भारतीय उपमहाद्वीप में कहीं भी सीधे अप–लिंग किया जा सकता है । मार्च, 2014 में कार्यक्रम निर्माण की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए केंद्र को डिजिटिलाइज किया गया। स्रोतों के आधार पर चैनल के ब्रेक–अप इस प्रकार से हैं: सूचना एवं शिक्षा, 80.0% और मनोरंजन 20.0% है ।

वर्ष 2016–17 के दौरान निर्मित एवं प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रम

- धम्म चक्र प्रवर्तन दिन का लाइव प्रसारण ।
- गढ़चिरौली जिले के लेफ्ट विंग उग्रवादियों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों पर कार्यक्रम प्रसारण ।
- 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' और 'स्वच्छ भारत' विषय पर विशेष संगीत कार्यक्रम।
- डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 125वीं जयंती पर विशेष कार्यक्रम ।
- डीडी भारती के लिए 'गुलदस्ता' कार्यक्रम का निर्माण ।

दूरदर्शन, जगदलपुर

दूरदर्शन केंद्र, जगदलपुर की शुरूआत 15.08.2000 में हुई और इसका प्रसारण राज्य के बस्तर क्षेत्र से होता है । वर्तमान में, एचपीटी जगदलपुर और एलपीटी कांकेर, बेलाडिला, कोंटा और नारायणपुर से सप्ताह में चार दिन, सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार और शुक्रवार को आधे घंटे के लिए नैरोकास्टिंग मोड पर केंद्र द्वारा निर्मित कृषि दर्शन कार्यक्रम स्थानीय बोलियों जैसे हल्बी, गोंडी, भत्री छत्तीसगढ़ी में प्रसारित किया जाता है । केंद्र "बस्तर अंचल से" शीर्षक कार्यक्रम का भी प्रसारण करता है । इस केंद्र द्वारा निर्मित कुछ विशेष कार्यक्रम इस प्रकार से हैं : बाल जगत, युवा

जगत, महिला जगत, हमारा बस्तर, स्वास्थ्य जगत, सर्वेभवंतु सुखिनः, बस्तर बोलता है, हमारे मेहमान, हमारी धरोहर, साहित्य–दर्पण, बस्तर की कला–संस्कृति इत्यादि।

दूरदर्शन, आइज़ोल

जून, 1995 को एक घंटे के स्थानीय प्रसारण से दूरदर्शन केंद्र, आइजोल की शुरूआत हुई । तत्पश्चात डीडी–1 और डीडी न्यूज के अपग्रेड होने पर अप्रैल, 2004 से प्रसारण का समय बढ़ा दिया गया ।

वर्ष 2016–17 के दौरान दो विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए

क) आकाशवाणी आइजोल की 50वीं वर्षगांठ ।

ख) क्षेत्रीय और पूर्वोत्तर कार्यक्रमों के स्लॉट में क्रिसमस पर विशेष कार्यक्रम ।

दूरदर्शन, संबलपुर

दूरदर्शन केंद्र, संबलपुर से प्रसारण की शुरूआत 30.04.1978 से हुई थी । डीडी नेशनल के कार्यक्रमों के रिले के अतिरिक्त स्थानीय बोलियों में स्थानीय रूचि के कार्यक्रम की शुरूआत हुई । स्थानीय निर्मित अधिकांश कार्यक्रम कृषि, लोक, महिला और बच्चों पर आधारित होते हैं । अवधि के दौरान (दिसंबर, 2016) तक केंद्र द्वारा अर्जित विज्ञापन राजस्व रू. 1,92,539/– था।

वर्ष 2016–17 के दौरान धनु जात्रा, लोक और जनजातीय उत्सव, एल.डब्ल्यू.ई. क्षेत्र पर वृत्त चित्र, संबलपुरी हेंडलूमस् और शीतल शष्ठी जात्रा का सीधा प्रसारण, नववर्ष और नौखाई पर विशेष संगीत कार्यक्रम का प्रसारण आदि ।

दूरदर्शन, शांतिनिकेतन

विश्व भारती शांतिनिकेतन और उसके आस–पास के क्षेत्रों बीरभूम, बर्द्धमान, मुर्शीदाबाद और बांकुरा की क्षेत्रीय प्रतिभाओं के सहयोग से कृषि, संगीत, नृत्य और डॉक्यू–फीचर कार्यक्रमों का बांग्ला भाषा में निर्माण और प्रसारण किया जाता है ।

वर्ष 2016–17 के दौरान प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां :

- पौष उत्सव और बसंत उत्सव का सीधा प्रसारण ।
- वृक्षारोपण, होलोकोर्शन, बाइशे श्रब्रोन, पोनचिशे बोइशाख, जॉयदेव मेला और बीरभूम जिले के अन्य प्रसिद्ध उत्सवों की बृहत कवरेज और प्रसारण ।

- बंग्लार जनादेश–2016 पर विशेष कार्यक्रम ।
- नोबल पुरस्कार सम्मानित प्रो. अमर्त्य सेन के विशेष साक्षात्कार पर आधारित कार्यक्रम ।
- रबिन्द्र संगीत पर 'सुर ओ वाणी' शीर्षक से श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम ।

दूरदर्शन, पुदुच्चेरी

दूरदर्शन केंद्र, पुदुच्चेरी का उद्घाटन 15 अगस्त, 1992 को हुआ था । यह केंद्र ट्रेरेस्ट्रियल मोड पर पांच दिन के लिए सोमवार से शुक्रवार अपराह्न 5.00 बजे से अपराह्न 6.30 बजे तक डेढ़ घंटे के लिए कार्यक्रमों का प्रसारण करता है । स्वास्थ्य, करंट अफेयर्स, शिक्षा, ग्रामीण, बाल स्वास्थ्य, साक्षरता इत्यादि पर कार्यक्रम प्रसारित करता है । इन कार्यक्रमों को पुदुच्चेरी और पुदुच्चेरी से जुड़े हुए तमिलनाडु के क्षेत्रों से काफी सराहना प्राप्त हो रही है । सभी कार्यक्रम इन–हाउस निर्मित है तथा कार्यक्रमों की भाषा तमिल है । इस अवधि के दौरान केंद्र ने रू. 11,22,424/– का राजस्व अर्जित किया है ।

इसके अतिरिक्त इस अवधि के दौरान तमिल नववर्ष, दिवाली, क्रिसमस, नववर्ष, पोंगल उत्सव और अन्य विशेष अवसरों पर कार्यक्रम प्रसारित किए । इन कार्यक्रमों को ज्यादा क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए दूरदर्शन केंद्र, चैन्ने के डीडी पोढ़ीगई (सेटेलाइट चैनल) पर भी प्रसारित किए ।

दूरदर्शन, कोझीकोड

दूरदर्शन केंद्र, कोझीकोड केरल के उत्तरी क्षेत्र में स्थित है और इसकी शुरूआत 15 जुलाई, 1984 को हुई थी । 02.01.2001 को ट्रांसमीटर को किसी अन्य क्षेत्र पर स्थानान्तरित किया गया था । कार्यक्रम निर्माण के लिए एक टीवी स्टुडियो (पीजीएफ) की 18.11.2007 को शुरूआत की गई । वर्ष 2016–17 के दौरान केंद्र ने रू. 5,87,665/– का विज्ञापन राजस्व अर्जित किया ।

वर्ष 2016–17 के दौरान प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रम

- "रामायण रहस्यम" के इन–हाउस निर्मित 32 एपिसोड कार्यक्रम का प्रसारण ।
- ओणम पर दो खंडों के विशेष कॉमेडी टेली–फिल्म "फाइव इयर गारंटी नो वारंटी" का प्रसारण ।
- तमिल नायिका रेक्षा राज के जीवन वृत्त पर आधारित कार्यक्रम "कोझिकोड टू कोलिवूड" का प्रसारण।
- "अ होमियो जेवकृषि" पर बीसी कोझिकोड की पांच एपिसोड की डॉक्यूमेंट्री का प्रसारण ।
- कन्नूर में आयोजित 57वें स्टेट स्कूल यूथ फेस्टिवल–2017 का लाइव प्रसारण।

दूरदर्शन, बरेली

दूरदर्शन केंद्र, (पीजीएफ) की शुरूआत 30.06.1995 को हुई थी और क्षेत्र के लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए (सोमवार से शुक्रवार) केंद्र से एक घंटे का प्रसारण बढ़ा दिया गया । इस केंद्र से हिंदी भाषा में रूहेलखंड के स्थानीय अभिरूचियों पर संस्कृति, कला और अन्य विषयों पर कार्यक्रम निर्मित और प्रसारित किए जाते हैं और डीडी किसान चैनल के लिए कार्यक्रम और न्यूज स्टोरीज़ का भी योगदान दिया जाता है । इस अवधि के दौरान केंद्र ने कुल रू. 61,43,400/– का विज्ञापन राजस्व अर्जित किया ।

दूरदर्शन, राजकोट

दूरदर्शन केंद्र, राजकोट एक क्षेत्र विशेष केंद्र के रूप में 30.08.1984 को अस्तित्व में आया । केंद्र से सप्ताह में पांच दिन (सोमवार से शुक्रवार) में अपराह्न 5.00 बजे से अपराह्न 6.00 बजे के बीच केवल 1 घंटे का प्रसारण होता है । वर्तमान में दूरदर्शन केंद्र, राजकोट शतप्रतिशत गुजराती भाषा के इन–हाउस कार्यक्रमों का निर्माण करता है और डीडी–गिरनार के लिए भी 1 घंटे के कार्यक्रम का भी योगदान करता है । केंद्र ने रू. 2,99,400/– का राजस्व अर्जित किया है ।

दो कार्यक्रम जिसमें से "आपनू रत्न" शीर्षक कार्यक्रम में नियमित आधार पर वरिष्ठ लेखकों, कवियों, नाटककारों, समाजसेवियों, डॉक्टर और नृत्य, लोक संगीत और साहित्य के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है और दूसरे अन्य कार्यक्रम "सौठी अलग, सौमा अलग" में क्षेत्रीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया जाता है ।

वर्ष 2016–17 के दौरान प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रम :–

- महिला सशक्तिकरण पर आधारित "चिंगारी" शीर्षक वाले सीरियल के 26 एपिसोड का प्रसारण ।
- डा0 बी.आर. अम्बेडकर की 125वीं जयंती के समारोह पर विशेष कार्यक्रम का प्रसारण।
- हनुमंत पुरस्कार समारोह पर "अस्मिता पर्व" विशेष कार्यक्रम का प्रसारण ।

दूरदर्शन, मदुरै

दक्षिण तमिलनाडु के विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक और बौद्धिक अभिरूचियों के संवर्द्धन को ध्यान में रखते हुए 15 अगस्त, 2005 को एक कार्यक्रम निर्माण केंद्र की शुरूआत हुई । केंद्र के पास एक मात्र स्टुडियो है जो कि डिजीटल है । केंद्र की प्रमुख गतिविधियां ईएनजी और स्टुडियो आधारित है। इस क्षेत्र के रहने वाले लोगों के सांस्कृतिक, धार्मिक, औद्योगिक, सामाजिक इत्यादि विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम निर्मित किए जाते हैं ।

इस अवधि के दौरान डीडीके मदुरै से थिरूथंगाइगल, इसा पयानम, वनक्कम मदुरै और टीएमएस टाइम्स कार्यक्रमों के अतिरिक्त विशेष अवसरों पर विशेष कार्यक्रम यथा चिथीरई उत्सव, अलागर, थिरुविजा, पट्टीमंदरम, थेपा थिरुविजहा, संलगई नाथम, उप्पुत्र विनायगर टेम्पल, घाटम की स्टोरी, तमिल इसाइ विज्हा इत्यादि का प्रसारण ।

दूरदर्शन, भवानीपटना

उड़ीसा के आदिवासी बहुल और एलडब्ल्यूई प्रभावित जिले कालाहांडी के विकास को गति प्रदान करने के लिए दूरदर्शन केंद्र, भवानीपटना की शुरूआत 03 सितंबर, 2000 को हुई । राज्य के कोरापुट, बोलांगीर, अविभाजित कालाहांडी के कृषि, ग्रामीण विकास और सांस्कृतिक विकास पर आधारित कार्यक्रम निर्मित और प्रसारित किए जाते हैं । केंद्र के अति पिछड़े क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद भी वर्ष 2016–17 में कुल राजस्व रू. 20,000/– है ।

वर्ष 2016–17 के दौरान प्रसारित कार्यक्रम :

- अप्रैल, 2016 में अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्धि प्राप्त दृष्टि विहीन बंधुओं पर 'सौंदर्य और प्राचुर्य' कार्यक्रम का प्रसारण ।
- मई, 2016 में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए नौरांगरे नवपाडा एलडब्ल्यूई कार्यक्रम ।
- जुलाई, 2016 में आदिवासी जाति बोंडा पर "बोंडाघतिरा गोन गांडा" डॉक्यूमेंट्री ।
- सितंबर, 2016 में उड़ीसा के शहीद पिता पर "शहीदपिता पापड़ा हांडी" कार्यक्रम ।
- जनवरी, 2017 में नववर्ष पर "डांगरा उपारे डांगा" पर विशेष कार्यक्रम ।
- मार्च, 2017 में "अमासहारा भवानीपटना" भवानीपटना पर डॉक्यूमेंट्री ।

दूरदर्शन, मुजफ्फरपुर

दूरदर्शन केंद्र, मुजफ्फ़रपुर बिहार का पहला केंद्र है और इसकी शुरूआत 14 जून, 1978 को हुई थी। डीडी नेशनल ट्रांसमीटर पर अपराह्न 4.00 बजे से अपराह्न 5.30 बजे, अपराह्न 3.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तथा अपराह्न 5.30 बजे से अपराह्न 7.00 बजे क्षेत्रीय और स्थानीय कार्यक्रमों का रिले प्रसारण किया जाता है ।

वर्ष 2016–17 के दौरान निर्मित और प्रसारित विशेष कार्यक्रम :

- अप्रैल, 2016 को चैती छठ पर विशेष कार्यक्रम ।
- मई, 2016 में एलडब्ल्यूई में 'हम होंगे कामयाब' विशेष कार्यक्रम।

- जुलाई, 2016 में ईद–महफिले–शायरी पर टीवी रिपोर्ट ।
- सितंबर, 2016 में कलम के जादूगर रामवृक्ष बेनीपुरी पर टीवी रिपोर्ट ।
- अक्टूबर, 2016 में स्वच्छ भारत पर मैथिली टेलीफिल्म 'संकल्प' ।
- दिसंबर, 2016 में नववर्ष की पूर्वसंध्या पर विशेष कार्यक्रम ।
- फरवरी, 2017 में ह्यूमन चेन पर टीवी रिपोर्ट ।
- मार्च, 2017 को "रंगीली होली" होली पर विशेष कार्यक्रम ।

दूरदर्शन, ग्वालियर

दूरदर्शन ग्वालियर ने अपने प्रचालन की शुरूआत 28 मई, 2000 को की थी । वर्तमान में डीडी एमपी सप्ताह में पांच दिन सोमवार से शुक्रवार तक इस केंद्र द्वारा निर्मित आधे घंटे के कार्यक्रम प्रसारित करता है ।

वर्ष 2016–17 के दौरान निर्मित और प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रम :–

- तानसेन संगीत समारोह पर रिपोर्ट ।
- महारानी लक्ष्मीबाई पर डॉक्यूमेंट्री ।
- महामहिम राष्ट्रपति का ग्वालियर दौरा ।
- चैती चांद पर विशेष कार्यक्रम ।

डीडी नेटवर्क का विस्तार

वर्तमान में दूरदर्शन के 34 सेटेलाइट चैनल (संलग्नक–III) और 67 स्टुडियों और 1416 विभिन्न क्षमता के ट्रांसमीटर कार्यरत है जो देश की लगभग 92.0% जनसंख्या को टीवी कवरेज प्रदान करते हैं । इसके अतिरिक्त दूरदर्शन फ्री टू एयर डीटी एच सेवा भी उपलब्ध कराता है ।

कार्यक्रम निर्माण केंद्र

देश में 67 स्टुडियो केंद्रों में कार्यक्रम निर्माण किया जाता है इनमें राज्य की राजधानियों में 17 प्रमुख स्टुडियो केंद्र सम्मिलित हैं, एक प्रादेशिक निर्माण केंद्र, गुवाहाटी और 49 अन्य स्टुडियो केंद्र देश के विभिन्न स्थानों पर स्थित है । राज्यवार स्टुडियो केंद्रों की सूची संलग्नक–1 पर दी गई है ।

टेरेस्ट्रियल ट्रांसमीटर्स

टेरेस्ट्रियल ट्रांसमीशन के लिए देश के हर छोर पर विभिन्न क्षमता वाले 1416 ट्रांसमीटर्स संचालित हैं ।

सेवा	एच.पी.टी.	एल.पी.टी.	वी.एल.पी.टी.	ट्रांसपोज़र	कुल
डीडी नेशनल ट्रांसमीटर्स	138	728	351	14	1231
डीडी न्यूज ट्रांसमीटर्स	73	78	17		168
अन्य ट्रांसमीटर्स (डीटीटी/डिजीटल)	17				17

टैरेस्ट्रियल मोड पर डीडी नेशनल की कवरेज देश की लगभग 92% जनसंख्या तक उपलब्ध है। डीडी न्यूज चैनल का टेरेस्ट्रियल कवरेज लगभग 49% जनसंख्या तक उपलब्ध है। (राज्यवार ट्रांसमीटरों की संख्या संलग्नक–II में दी गई है) ।

दूरदर्शन ने डीवीबी–एस एवं डीवीबी–एस2 को एमपीईजी–2 एवं एमपीईजी–2 सम्प्रेषण तकनीक के साथ सेटेलाईट संप्रेषण के लिए चुना है ।

महत्वपूर्ण तकनीकी अपग्रेडेशन

विगत वर्षों से, दूरदर्शन ने न केवल सिर्फ देश में अपने नेटवर्क का विस्तार किया परंतु समय–समय पर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से टीवी प्रसारण के क्षेत्र में नई विकसित तकनीकों को भी शामिल किया है ।

डी डी नेटवर्क का विकास

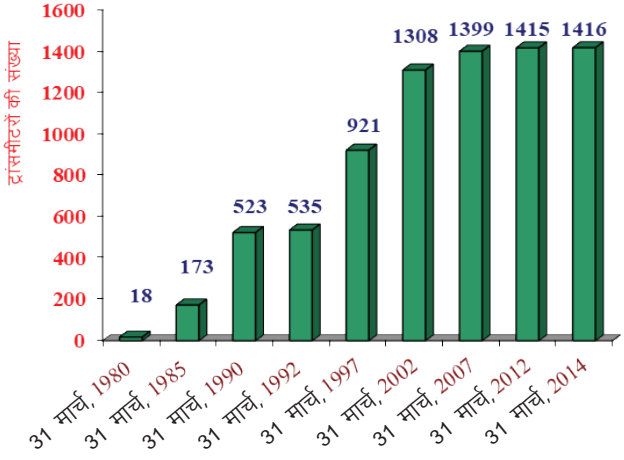

वर्ष 2016–17 के दौरान प्रमुख तकनीकी उपलब्धियाँ :

- जैसलमेर (राजस्थान) से पुराने उच्च शक्ति ट्रांसमीटर (एच.पी.टी.) के स्थान पर नए एच.पी.टी. का प्रतिस्थापन ।
- कार्यक्रम निर्माण केंद्र, दिल्ली में एच.डी. टी.वी. फॉरमेट में मल्टी कैमरा स्टुडियो प्रोडक्शन की सुविधा

प्रदान की गई ।

- ईटानगर में आरंभ किए गए नए टीवी चैनल "डीडी अरुणप्रभा" के लॉन्च के लिए तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराना ।
- कार्यक्रम निर्माण केंद्र, दिल्ली में मल्टी चैनल ऑटोमेटेड प्लेबेक सुविधा स्थापित की गई।
- विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों से मल्टी फॉरमेट डिजीटल कैमरा चेन एवं एचडीटीवी जूम लैंस (संख्या 245) का भण्डारण किया गया ।
- कंडीशनल एक्सेस सिस्टम (सी.ए.एस.) को छोड़कर डीटीएच प्लेटफार्म पर 59 से 104 चैनलस तक को अपग्रेड किया गया है । इंडियन सी.ए.एस. (आईसीएएस) का कार्यान्वयन संपूर्ण हो गया है । डीडी फ्री डिश डीटीएच सेवा के लिए आईसीएएस इंटीग्रेटेड एसडीटीवी एसटीबी भारतीय बाजार में 2017–18 की दूसरी तिमाही तक उपलब्ध होने का अनुमान है ।
- डीडी किसान चैनल के लिए केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण, दिल्ली में एच.डी. टीवी फॉरमेट में नॉन–लीनियर पोस्ट प्रोडक्शन सुविधा स्थापित कर दी गई है ।

डी डी स्टूडियो केंद्रों का विकास

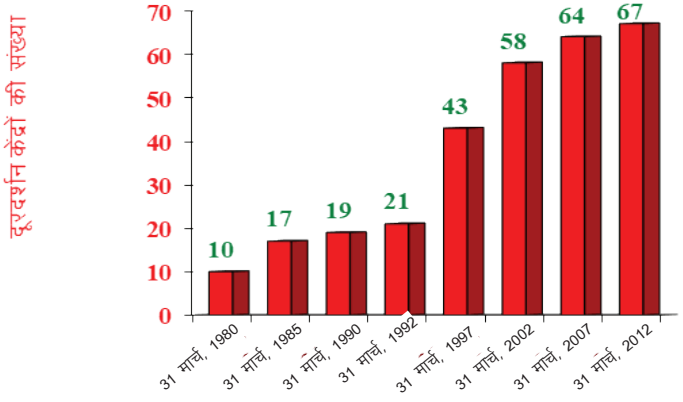

फ्री-टू-एयर डीटीएच "डीडी फ्री डिश"

दूरदर्शन "डीडी फ्री डिश" (पूर्व का डीडी डायरेक्ट) फ्री–टू–एयर डीटीएच सेवा का 33 टी.वी. चैनलस् समूहों के साथ दिसंबर, 2004 में शुभारंभ किया गया । तत्पश्चात डीटीएच प्लेटफार्म की क्षमता 59 टी.वी. चैनलस् तक बढ़ा दी गई । डीटीएच सिग्नलस् देश में कहीं भी (अंडमान और निकोबार को छोड़कर) छोटे डिश से प्राप्त किए जा सकते हैं । अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के लिए सितंबर, 2009 से 10 चैनलस् समूहों के साथ डीटीएच सेवा सी–बैंड चालू हो गया है ।

दूरदर्शन के डीटीएच प्लेटफार्म "डीडी डिश" का दिसंबर, 2014 में 59 से 104 चैनलस् तक का अपग्रेडेशन संपूर्ण हुआ । इस समय, 80 चैनलस् डीटीएच प्लेटफार्म पर उपलब्ध हैं। इंडियन कंडीशनल एक्सेस सिस्टम (आईसीएएस) के क्रियान्वयन के पश्चात चैनलों की संख्या बढ़कर 104 हो जाएगी ।

आईसीएएस के साथ–साथ सबस्क्राइबर मैनेजमेंट सिस्टम के क्रियान्वयन और डीडी फ्री डिश डी. टीएच सेवा परियोजना के अंतर्गत फर्मवेयर और मिडलवेयर के क्रियान्वयन के लिए इंस्टॉलेशन और टेस्टिंग का कार्य मार्च, 2017 तक पूर्ण कर लिया गया है । दूरदर्शन ने इंडियन एसटीबी ओईएम को आईसीएएस इंटेग्रेटेड डीडी फ्री डिश डीटीएच एसटीबीएस की ब्रिकी के लिए भारतीय बाजार में चयन किया गया है । डीडी फ्री डिश डीटीएच सेवा के रिसेप्शन के लिए आईसीएएस इंटेग्रेटेड एचडीटीवी एसटीबीएस प्रणाली भारतीय बाजार में 2017–18 की दूसरी तिमाही तक उपलब्ध हो जाएगी ।

डीडी डीटीएच प्लेटफार्म के 250 टीवी चैनलों का अपग्रेडशन प्रक्रियारत है और इसके तुरंत समाधान के लिए टेंडर्स आमंत्रित कर लिए जाएंगे । डीडी फ्री डिश चैनलों का संक्षिप्त विवरण अनुलग्नक–IV में दिया गया है ।

टेरेस्ट्रियल ट्रांसमीटरों का डिजीटलीकरण

दूरदर्शन के टेरेस्ट्रियल ट्रांसमीटर नेटवर्क में मुख्यतः एनालॉग ट्रांसमीटर्स है । प्रत्येक एनालॉग ट्रांसमीटर 7 मेगा हर्ट्ज वीएचएफ बैंड अथवा 8 मेगा हर्ट्ज बैंडविड्थ यूएचएफ बैंड पर सिंगल टीवी कार्यक्रम प्रसारित करता है । डीडी द्वारा एनालॉग ट्रांसमीशन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले स्टैंडर्ड पीएएल–बी और पीएएल–जी है ।

नई तकनीक के आगमन के साथ, मल्टीपल टीवी चैनलों का सिंगल ट्रासंमीटर से डिजीटल टेरेस्ट्रियल ट्रांसमीटर का प्रयोग संभव हो गया है । यह स्पेक्ट्रम के कुशल इस्तेमाल में बेहद सहायक है जो कि एक दुर्लभ संसाधन है । डीटीटी मल्टीपल उच्च गुणवत्ता वाले चैनलों के ट्रांसमीशन में सहयोग करता है जिससे विभिन्न प्रकार के डिवाइसिस जैसे फिक्सड टीवी, मोबाइल, लेपटॉप और टेबलेट्स इत्यादि भी सिग्नल प्राप्त कर सकते हैं ।

डीडी ने यह निर्णय लिया है कि टेरेस्ट्रियल नेटवर्क के डिजीटलीकरण के लिए डीवीबी–टी2 स्टैंडर्ड का प्रयोग किया जाएगा । डीवीबी–टी2 नवीनतम डिजीटल टेरेस्ट्रियल ट्रांसमीशन सिस्टम है जो उच्च गुणवत्ता प्रदान करता है ।

दूरदर्शन विभिन्न प्रमुख नगरों/महानगरों में चरणबद्ध तरीके से 63 डीटीटी का कार्यान्वयन कर रहा है । पहले चरण में दिल्ली, कोलकत्ता, मुंबई, चैन्ने, पटना, अहमदाबाद, रायपुर, लखनऊ, भोपाल, गोवाहटी, इंदौर, बंगलुरु, जलंधर, रांची, कटक और औरंगाबाद, प्रत्येक में एक कुल 16 डीटीटी की फरवरी, 2016 में शुरूआत हो गई । इनके जरिए 05 डीडी चैनलों, डीडी नेशनल, डीडी न्यूज, डीडी भारती, डीडी स्पोर्ट्स डीडी किसान/क्षेत्रीय का रिले हो रहा है। हैदराबाद, तिरूवनंतपुरम और श्रीनगर में 03 अन्य डीटीटी के आरंभ होने की संभावना है । अगले चरण में 2018 के अंत तक 44 डीटीटी के आरंभ होने का अनुमान है । 63 शहरों में, इन डीटीटी के इंस्टॉलेशन के पश्चात देश के 30.0% क्षेत्र और 40.0% आबादी को प्रसारण उपलब्ध कराने का अनुमान है । 44 डीटीटी के स्थानों की जानकारी अनुलग्नक– V में दी गई है ।

वर्तमान में एनालॉग ट्रांसमीटर के माध्यम से टीवी कवरेज की उपलब्धता को प्राप्त करने के लिए देशभर में दूरदर्शन द्वारा 630 स्थानों पर डीटीटी स्थापित करने की योजना तैयार है ।

हाई डेफिनेशन टेलीविजन (एचडीटीवी)

यह मानवीय प्रवृत्ति है कि वो बेहतर दृश्य अनुभव प्राप्त करें । एचडीटीवी की दृश्यता परम्परागत टेलीविजन सिस्टम (स्टैंडर्ड–डेफिनिशन) से 5 गुना अच्छी है । एचडीटीवी की मुख्य विशेषताएं स्वच्छ पारदर्शक और बाधा रहित पिक्चर, अति वास्तविक रंग, पूरी स्क्रीन पर पिक्चर और देखने में वास्तविक हैं ।

दूरदर्शन को एचडीटीवी में परिवर्तित करने की प्रक्रिया की शुरूआत 2007 में एचडीटीवी पर पायलट प्रोजेक्ट से हुई थी और दिल्ली में इलेक्ट्रॉनिक फील्ड प्रोडक्शन (ईएफपी) वैन और एचडीटीवी ईएनजी कैमकॉर्डर्स और एडिट सूट उपलब्ध करवाए गए थे । कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 के दौरान एचडी ईएफपी वैन का अत्यधिक उपयोग किया गया ।

11वीं योजना के अंतर्गत एचडीटीवी स्क्रीन को मंजूरी दी गई और तत्पश्चात एचडी प्रोडक्शन और प्लेबेक की स्थापना की गई ।

- दिल्ली और मुंबई में मल्टी कैमरा स्टुडियो प्रोडक्शन सुविधा की शुरूआत की गई ।
- दिल्ली और मुंबई में आउट डोर प्रोडक्शन के लिए 10 एचडी कैमरों से सुसज्जित मल्टी कैमरा मोबाइल सुविधा प्रदान की गई ।
- चैन्ने और कोलकात्ता में आउट डोर प्रोडक्शन के लिए 8 एचडी कैमरों से सुसज्जित मल्टी कैमरा मोबाइल सुविधा प्रदान की गई ।

- दिल्ली में प्ले आउट सुविधा ।
- चारों मेट्रो सिटी पर ईएनजी आधारित फील्ड प्रोडक्शन, पोस्ट–प्रोडक्शन सुविधा और प्रीव्यू सुविधा प्रदान की गई ।
- दिल्ली, मुंबई, कोलकात्ता और चैन्ने में एचडीटीवी ट्रांसमीटर इंस्टॉल कर दिए गए है और शुरूआत के लिए तैयार है ।

12वीं योजना के अनुसार सीपीसी, दिल्ली में एचडीटीवी फॉरमेट में मल्टी कैमरा स्टुडियो प्रोडक्शन सुविधा का कार्य पूर्ण कर लिया गया है । चैन्ने एवं कोलकात्ता में एचडीटीवी स्टुडियो सुविधा और दिल्ली में एचडीटीवी फॉरमेट में मल्टी कैमरा मोबाइल प्रोडक्शन सुविधा अभी प्रकियारत है । चैन्ने और कोलकात्ता में एचडीटीवी स्टुडियो की स्थापना के लिए निविदाएं प्राप्त कर तकनीकी मूल्यांकन किया गया और फाइनेंशियल बिड खोली जा चुकी है और अभी प्रशासनिक जांच–पड़ताल की प्रक्रिया जारी है । दिल्ली में एचडीटीवी फॉरमेट में मल्टी कैमरा मोबाइल प्रोडक्शन सुविधा की स्थापना के आदेश दिए जा चुके हैं । दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली में एचडीटीवी अपलिंकिंग सुविधा उपलब्ध है ।

मानव संसाधन विकास

राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी (पूर्व में कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान) प्रसार भारती की प्रमुख प्रशिक्षण अकादमी है। विगत कई वर्षों से रेडियो एवं टेलीविजन प्रोडक्शन, पोस्ट प्रोडक्शन और प्रसारण के क्षेत्र में प्रशिक्षण हेतु प्रमुख संगठन के रूप में उभरा है और यह एशिया–प्रशांत क्षेत्र में भी प्रसारण के प्रशिक्षण के लिए प्रमुख स्थल है ।

नवनियुक्तों को प्रशिक्षण और वर्तमान कार्मिकों को नई उभरती हुई तकनीकों के साथ उनके कौशल उन्नत करने के अतिरिक्त इन–हाऊस प्रशिक्षण संस्थानों जैसे, एन.ए.बी.एम. दिल्ली, एन.ए.बी.एम. भुवनेश्वर, आर.ए.बी.एम. शिलॉंग और आर.ए.बी.एम. तिरूवंतपुरम में दूरदर्शन के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम एक्जीक्यूटिव डेवलेपमेंट प्रोग्राम और स्ट्रेस मेनेजमेंट हेतु कार्यशालाएं भी संचालित की जाती है । वर्ष 2016–17 के दौरान 59 प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के अंतर्गत 941 अभियांत्रिकी अधिकारियों को प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया गया ।

इसके अतिरिक्त उपकरण निर्माताओं को उनके कार्य स्थल पर ही प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया गया । वर्ष 2016–17 के दौरान लगभग 442 अभियांत्रिकी अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया । उपकरण निर्माताओं द्वारा निर्मित नए उपकरणों को नेटवर्क में शामिल किया गया ।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/ एबीयू कार्यशाला

दूरदर्शन अधिकारियों ने 2016–17 के दौरान विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा आयोजित निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/ए बी यू कार्यशालाओं में भाग लिया :

i. क्वालालम्पुर, मलेशिया में 12.04.2016 से 13.04.2016 तक वर्ष के मध्य में ए बी यू टेकनीकल ब्यूरो की बैठक ।

ii. दिनांक 23.05.2016 से 26.05.2016 तक डीटीटी ब्रॉडकास्टिंग की अभिवृद्धि एवं एशिया मीडिया समिट का इनचियोन, कोरिया में अपने सहयोगी भागीदारों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से एआईबीडी द्वारा सम्मेलन का आयोजन ।

iii. सिंगापुर में दिनांक 31.05.2016 से 03.06.2016 तक ब्रॉडकास्ट एशिया–2016

iv. दिनांक 08.09.2016 से 13.09.2016 तक एम्सटरडैम में इंटरनेशनल ब्रॉडकास्टिंग कनवेन्शन (आईबीसी), 2016 ।

v. एआईबीडी के सहयोग से एनएबीएम, दिल्ली में दिनांक 19.09.2016 से 23.09.2016 तक "एमरजिंग ट्रेंड इन सेटेलाइट ब्रॉडकास्टिंग" पर इन–कंट्री कार्यशाला का आयोजन किया ।

vi. बाली, इंडोनेशिया में 20.10.2016 से 26.10.2016 तक एबीयू जनरल एसेम्बली, 2016 ।

vii. क्वालालम्पुर, मलेशिया में 06.03.2017 से 09.03.2017 तक एबीयू डिजीटल ब्रॉडकास्टिंग सिम्पोसियम, 2017 ।

एबीयू नृत्य उत्सव – फरवरी, 2017 में दूरदर्शन ने प्रथम एशिया पेसेफिक नृत्य महोत्सव के आयोजन की मेज़बानी की, जिसके अंतर्गत 9 देशों ने भाग लिया और इसका प्रसारण विश्वभर में किया गया ।

मुख्य घटनाओं की कवरेज

वर्ष 2016–17 के दौरान 175 से अधिक घटनाओं की ओबी/इएफपी वैन से दूरदर्शन द्वारा लाइव कवरेज किया गया । इसमें से दूरदर्शन द्वारा कुछ विशेष घटनाओं के लाइव कवरेज का विवरण अनुलग्नक–VI में संलग्न है ।

अध्याय – 5

प्रसार भारती

वित्त और लेखे

आय कर

दिनांक 01.04.2013 से आयकर अधिनियम की धारा 10 के अंतर्गत नए खंड 23 बीबीएच को शामिल करके वित्त बिल 2012–सीबीडीटी परिपत्र सं. 3/2012, दिनांक 12.06.2012 के अंतर्गत प्रसार भारती को आयकर में छूट प्राप्त हुई। खंड निम्नानुसार पठनीय है :

खंड 23 बीबीएच {(प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) अधिनियम की धारा 3 की उप–धारा (1) के अंतर्गत स्थापित प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) की कोई भी आय)}।

पूर्व में 20 करोड़ से अधिक के लिए आयकर रिफंड प्राप्ति के अतिरिक्त प्रसार भारती निम्न विवरण के अनुसार अतिरिक्त रिफंड प्राप्ति कर पाया :

क) डीडी सं. 931653 दिनांक 29.03.2016 के अंतर्गत वर्ष 2014–15 (वित्तीय वर्ष 2013–14) के लिए रु 4,03,14,540/– (अप्रैल 2016 में प्राप्त)।

ख) डीडी सं. 812734 दिनांक 02.11.2016 के अंतर्गत वर्ष 2012–13 (वित्तीय वर्ष 2011–12) के लिए रु. 18,85,05,620/–

ग) डीडी सं. 869929 दिनांक 02.03.2017 के अंतर्गत वर्ष 2015–16 (वित्तीय वर्ष 2014–15) के लिए रु. 2,10,69,210/–

सी एंड एजी द्वारा लेखा परीक्षा का प्रमाणीकरण प्राप्त होने पर वित्त वर्ष 2015–16 के लिए प्रसार भारती का आयकर रिटर्न 16.03.2017 को फाइल कर दिया गया।

सेवा कर

प्रसार भारती अधिनियम, 1990 की धारा 22 के अंतर्गत प्रसार भारती पहले कर लगाए जाने के उत्तरदायी नहीं था, जिसको वित्त अधिनियम, 2002 के अंतर्गत बाद में हटा दिया गया और दिनांक 01.04.2003 से प्रसार भारती को सेवा कर प्राप्त करने के लिए उत्तरदायी बताया गया। तब से प्रसार भारती नियमित रुप से प्रत्येक भार सेवा कर जमा करा रहा है।

सेवा कर में आवश्यक विशेषता के साथ समर्पित वित्तीय संवर्ग के आभाव में सेवा कर अधिनियम का अनुपालन कभी–कभी प्रभावित हो जाता है। इसके अतिरिक्त देश भर में फैले आकाशवाणी और दूरदर्शन के 600 से अधिक आहरण एवं संवितरण अधिकारियों में विशेषतया कर लेखा परीक्षा के दौरान इनपुट क्रेडिट वाउचरों की समय पर उपलब्धता कठिन हो जाती है। फलस्वरुप सेवा कर प्राधिकारियों जो कि या तो उपलब्ध आवश्यक ब्यौरे तैयार करने के द्वारा या सेसटॉट में अपील के माध्यम से जहां आवश्यक हो कुछ नोटिस प्राप्त हुए हैं।

वर्ष 2003–04 से 2007–18 तक के लिए सेवा कर मामलों में दायर अपील पर सुनवाई चालू हो चुकी है और सेसटॉट द्वारा अंतिम सुनवाई दिनांक 29.03.2017 को हुई।

आंतरिक लेखा परीक्षा/निरीक्षण एकक

प्रसार भारती के तहत आकाशवाणी और दूरदर्शन के दोनों महानिदेशालयों के अंतर्गत स्वतंत्र निरीक्षण एकक है जो उनके क्षेत्र में आने वाले विभिन्न एककों/फील्ड रचनाओं का निरीक्षण/आंतरिक लेखा परीक्षा करते हैं। वर्ष 2012–13 और 2013–14 के लिए भारत में फैले प्रसार भारती के चयनित 100 आहरण एवं संवितरण अधिकारियों का आंतरिक लेखा परीक्षा आउटसोर्सिंग द्वारा एक चार्टर्ड एकाउंटेंट फर्म मैसर्स सुशील जीतपुरिया एंड कंपनी द्वारा करवाया गया और फर्म द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों को अनुपालन हेतु निदेशालयों को भेजा गया।

प्रसार भारती
दिनांक 31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

	अनुसूची	रु. 31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार	रु. 31 मार्च, 2015 की की स्थिति के अनुसार
कार्पस/पूंजीगत निधि एवं नेददारियां			
कॉर्पसध्पूंजीगत निधि	1	–	–
आरक्षित एवं अधिशेष	2	–	–
उद्दिष्ट/अक्षय निधि	3	–	–
सुरक्षित कर्जे		4	–
असुरक्षित कर्जे	5	9,333,870,000	66,177,272,000
आस्थगित जमा देनदारियां	6	–	–
वर्तमान देनदारियां और प्रावधान	7	53,036,122,166	87,786,602,822
योग		**62,369,992,166**	**153,963,874,822**
परिसंपत्तियां			
नियत परिसंपत्तियां	8	15,800,098,012	16,842,791,960
चालू पूंजीगत कार्य	8	3,981,955,620	3,630,159,477
निवेश (i) उद्दिष्ट/अक्षय निधि	9	–	
(ii) अन्य	10	–	–
वर्तमान परिसंपत्तियां, कर्जे और अग्रिम	11	21,501,696,644	18,992,624,449
विविध व्यय		–	–
आय और व्यय लेखा के अनुसार घाटा		21,086,241,890	114,498,298,936
योग		**62,369,992,166**	**153,963,874,822**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां 25

आकस्मिक देनदारियां और लेखा टिप्पणियां 26

जवाहर सरकार	**राजीव सिंह**	**विनीता बरवा**
मुख्य कार्यकारी अधिकारी	**सदस्य(वित्त)**	**अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)**

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक :

प्रसार भारती

दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय का लेखा

	अनुसूची	रु. 31 मार्च, 2016 को समाप्त शेष हेतु	रु. 31 मार्च, 2015 को समाप्त शेष हेतु
आय			
विक्रय/सेवाओं से आय	12	9,926,739,226	13,010,174,021
अनुदान/परिदान	13	122,430,463,400	24,256,200,000
शुल्क/अभिदान	14	51,309,684	46,248,175
निवेशों से आय (उद्दिष्ट/अक्षय से निवेशों पर आय। निधियों में हस्तांतरित निधि)	15	–	–
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	–	–
अर्जित ब्याज	17	1,049,468,340	1,013,593,982
अन्य आय	18	3,143,860,626	2,069,988,397
योग (क)		**136,601,841,276**	**40,396,204,575**
व्यय			
स्थापना व्यय	19	22,591,591,367	20,667,244,727
अन्य प्रशासनिक व्यय	20	9,223,412,939	10,761,013,668
कार्यक्रम संबंधी व्यय	21	7,594,982,898	8,499,236,763
अनुदान एवं परिदान पर व्यय	22	–	–
ब्याज	23	1,094,197,511	6,829,643,820
मूल्यह्रास	8	2,686,116,439	2,217,796,169
योग (ख)		**43,190,301,154**	**48,974,935,147**
आय से अधिक व्यय शेष (क–ख)		93,411,540,122	(8,578,730,572)
योगरू अवधिपूर्व समायोजन एवं विशिष्ट मद		516,924	33,369,418
योगरू पिछले वर्ष से अग्रेनीत शेष	24	(114,498,298,936)	(105,952,937,782)
तुलन पत्र को अग्रेनीत घाटा शेष		**(21,086,241,890)**	**(114,498,298,936)**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां 25

आकस्मिक देनदारियां और लेखा टिप्पणियां 26

जवाहर सरकार — **मुख्य कार्यकारी अधिकारी**

राजीव सिंह — **सदस्य(वित्त)**

विनीता बरवा — **अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)**

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक :

प्रसार भारती
अनुसूचियां जो 31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग हैं

		रु. 31.03.16 की स्थिति	रु. 31.03.15 की स्थिति
अनुसूची 1– कॉपर्स/पूंजीगत निधि :			
वर्षारंभ शेष		–	–
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त सहायतार्थ अनुदान		–	–
आय और व्यय लेखा		–	–
शेष कार्पस/पूंजीगत फंड		–	–
वर्षांत शेष		–	–
	योग	–	–
अनुसूची 2– आरक्षित एवं अधिशेष			
1. पूंजीगत आरक्षितः			
अंतिम लेखे के अनुसार		–	–
वर्ष के दौरान शामिल		–	–
	योग	–	–
2. सामान्य आरक्षित		–	–
अंतिम लेखे के अनुसार		–	–
वर्ष के दौरान शामिल		–	–
कमः वर्ष के दौरान कटौती		–	–
	योग	–	–
अनुसूची 3– उद्दिष्ट/अक्षय निधि			
पूंजीगत परिसंपत्ति निधि			
क) निधियों का अथ शेष		–	–
ख) निधियों में योग : मीटिंग हेतु अनुदान/कॉर्पस/पूंजीगत निधि से हस्तांतरित राशि		–	–
पूंजीगत व्यय/अग्रिम		–	–
		–	–
	योग	–	–
अनुसूची 4– सुरक्षित कर्जे और उधार :		–	–
	योग	–	–

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य (वित्त)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

3

प्रसार भारती
अनुसूचियां जो 31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग हैं

	रु.	रु.
	31.03.2016 की स्थिति	**31.03.2015 की स्थिति**
अनुसूची 5– असुरक्षित कर्जे		
1. शाश्वत कर्ज	–	42,580,802,000
2. केंद्रीय सरकार	–	–
3. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से पूंजीगत कर्ज	5,830,930,000	9,786,970,000
4. कर्ज पुनर्भुगतान देय, पर भुगतान नहीं	1,873,740,000	12,180,300,000
5. राष्ट्रमंडल खेल 2010 के लिए ब्याज मुक्त कर्ज	1,629,200,000	1,629,200,000
कुल	**9,333,870,000**	**66,177,272,000**
(संदर्भ अनुसूची 26, लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी 6 और 7)		
अनुसूची 6– आस्थगित जमा देनदारियां :	–	–
अनुसूची 7– वर्तमान देनदारियां और प्रावधान	–	–
क. वर्तमान देनदारियां		
प्राप्त अग्रिम– निक्षेप कार्य के बदले	1,208,424,468	1,206,518,628
निक्षेप, बयाना, जमानती रुपया/प्रतिभूति जमा	898,141,209	658,384,639
शाश्वत कर्ज पर ब्याज	14,903,280,700	44,709,842,100
पूंजीगत कर्ज पर ब्याज	14,133,599,500	23,115,100,000
देय ब्याज/मूलधन पर दंडस्वरुप ब्याज	2,825,421,810	3,781,500,000
अन्य वर्तमान देनदारियां–वेतन और मजदूरी इत्यादि से वसूली	4,357,648	4,357,648
मार्च माह के लिए प्रोद्भूत वेतन	1,938,068,000	1,602,415,000
स्रोत पर काटे गए/बिक्री कर	–	–
स्हायतार्थ की खर्च न की गई राशि	3,200,600,000	
मुख्यालय/पारगत डीडीओ समायोजन को/से प्रेषित रकम	3,322,436,979	3,265,999,450
कुल (क)	**42,434,330,314**	**78,344,117,465**
(संदर्भ अनुसूची 26, लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी 7, 8, 9 और 21)		
ख. प्रावधान		
स्पेक्ट्रम/स्पेस सेगमेंट व्यय हेतु	7,343,700,000	5,585,100,000
अन्य व्यय (सीएजी लेखा परीक्षा शुल्क आदि सहित) हेतु	2,407,608,719	3,102,342,068
एनपीएस प्रावधान	251,819,825	191,600,000
स्टॉक प्रावधान	124,937,564	124,937,564
अन्य विभागीय कर्जे और अग्रिम हेतु प्रावधान	160,254,598	160,254,598
संदिग्ध कर्जों हेतु प्रावधान	266,605,146	266,605,146
सांविधिक देनदारियों (सेवा कर) हेतु	46,866,000	11,645,981
(संदर्भ अनुसूची 26, लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी 13,15,19 और 20)	–	–
योग (ख)	**10,601,791,852**	**9,442,485,357**
कुल (क+ख))	**53,036,122,166**	**87,786,602,822**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य (वित्त)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

4

प्रसार भारती
अनुसूचियां जो 31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र के भाग हैं

अनुसूची 8– नियत परिसंपत्तियां

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास		निबल ब्लॉक	निबल ब्लॉक
	01.04.15 की स्थिति के अनुसार लागत	वर्ष के दौरान सिविल विंग से परिवर्तन/पुनः वर्गीकरण	वर्ष के दौरान कटौती/हस्तांतरण धनिपटान/पुनः वर्गीकरण	31.03.2016 को समाप्त वर्ष को लागत	वर्ष के लिए	वर्ष तक संचयी	31 मार्च, 2016 की स्थिति	31 मार्च, 2015 की स्थिति
क.नियत परिसंपत्तियां								
1. भूमि	28,105,080	–		28,105,080	–	–	28,105,080	28,105,080
2. भवन	4,630,678,811	172,504,584	51,692,400	4,751,490,995	179,279,363	819,301,864	3,932,189,131	3,990,139,386
अन्य								
3. संयंत्र मशीनरी और उपस्कर								
क) स्टुडियो	26,167,203,574	69,299,686		26,236,503,260	735,761,681	22,936,412,052	3,300,091,208	3,966,553,203
ख) टरांसमीटर	38,104,782,070	591,575,223		38,696,357,293	1,010,954,984	33,615,194,124	5,081,163,169	5,500,542,930
ग) मशीनरी/उपस्कर	6,026,258,737	775,402,163		6,801,660,900	695,461,798	3,629,140,363	3,172,520,537	3,092,580,172
घ) विद्युत संस्थापना	66,803,761	10,953,225		77,756,986	2,891,215	18,308,113	59,448,873	51,386,864
4. वाहन	74,008,055	13,540		74,021,595	638,787	73,700,108	321,487	946,734
5. फर्नीचर फिक्सचर	213,934,912	29,450,143		243,385,055	13,424,412	103,624,867	139,760,188	123,734,458
6. कार्यालय उपस्कर	192,600,374	13,279,740		205,880,114	10,988,448	172,871,452	33,008,662	30,717,370
7. कंप्यूटर	263,744,757	32,119,663		295,864,420	36,715,751	242,374,743	53,489,676	58,085,764
8 अन्य नियत परिसंपत्तियां								
स्कीमों पर पूंजीगत व्यय	9,970,061,214	–		9,970,061,214	–	9,970,061,214	0	–
चालू वर्ष का योग (अ)	**85,738,181,345**	**1,694,597,967**	**51,692,400**	**87,432,779,312**	**2,686,116,439**	**71,580,988,900**	**15,800,098,012**	**16,842,791,960**
ब. चालू पूंजीगत कार्य	3,630,159,477	300,103,743	(51,692,400)	3,981,955,620		–	3,981,955,620	3,630,159,477
योग (ब)	3,630,159,477	300,103,743	(51,692,400)	3,981,955,620	–	–	3,981,955,620	3,630,159,477
योग	89,368,340,822	1,994,701,710	–	91,414,734,932	2,686,116,439	71,580,988,900	19,782,053,632	20,472,951,437
गत वर्ष	84,834,055,459	4,520,415,945	–	89,354,471,404	2,217,796,169	68,895,389,385	20,472,951,437	18,156,462,243

(गत वर्ष प्रभारित अति मूल्य हास के कारण भवन से रु. 5,16,924/– का मूल्य ह्रास राइट बैक है और तदनुसार रु. 5.17 करोड़ मूल्य की परिसंपत्ति को समायोजित कर दिया गया है।

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य (वित्त()

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

स्थान :
दिनांक :

5

प्रसार भारती

अनुसूचियां जो 31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग हैं

		रु. 31.03.2016 की स्थिति	रु. 31.03.2015 की स्थिति
अनुसूची 9- उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश			
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		-	-
3. अन्य		-	-
	योग	-	-
अनुसूची10-निवेश-अन्य			
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		-	-
2.अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		-	-
3. अन्य		-	-
	योग	-	-
अनसची 11-वर्तमान परिसंपत्तियां, कर्जे एवं अग्रिम आदि			
क. वर्तमान परिसंपत्तियां:			
वस्तु सूचियां		124,937,564	124,937,564
विविध कर्जदार- सामान्य		2,388,070,433	2,562,083,160
विविध कर्जदार- संदेहपूर्ण		533,210,291	533,210,291
नकद शेष/अग्रदाय		18,314,357	18,643,957
अनुसूचित बैंकों में बैंक शेष		-	-
चालू खाते पर		213,831,957	222,535,510
संग्रहण खाते पर		129,080,067	48,757,818
		-	-
जमा खाते एवं अन् एफडीआर पर		11,648,993,164	5,946,067,941
विभिन्न कार्यालयों में		5,925,376,501	9,055,732,263
अंशदायी भविष्य निधि खाते में		271,552	1,405,889
(संदर्भ अनुसूची 26, लेखा टिप्पणी की टिप्पणी 14 और 19)	**योग (क)**	**20,982,085,886**	**18,513,374,393**
ख. कर्जे/अग्रिम		-	-
क.कर्जे/अग्रिम		-	-
स्टाफ		153,000,935	167,552,156
अन्य- विभागीय		160,254,598	160,254,598
उचित खाते		-	-
ख. अग्रिम और नकद या प्राप्ति कीमत के रुप में वसूली योग्य अन्य राशि		-	-
पूंजीगत खाते पर		-	-
पूर्वभुगतान		-	-
अन्य		-	-
ग. प्रोद्भूत ब्याज:		-	-
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेशों पर		-	-
अनुसूचित बैंकों में मियादी जमा पर		131,817,000	96,165,496
अन्य		-	-
घ. टीडीएस और आयकर		74,538,225	55,277,806
	योग (ख)	**519,610,758**	**479,250,056**
	योग (क+ख)	**21,501,696,644**	**18,992,624,449**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य (वित)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

6

प्रसार भारती
अनुसूचियां जो 31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग है

		रु. 2015–16	रु. 2014–15
अनुसूची 12–विक्रय/सेवाओं से आय			
सेवाओं से आय (कर सहित)			
आकाशवाणी और दूरदर्शन (विज्ञापन राजस्व)		9,927,492,035	13,104,019,303
कटौती : अन्य एजेंसियों के शेयर		5,880,000	100,355,000
योग: सीडी/वीसीडी का विक्रय		5,127,191	6,509,718
(संदर्भ अनुसूची 26, लेखा टिप्पणी की टिप्पणी 16 और 22)			
	योग	**9,926,739,226**	**13,010,174,021**
अनुसूची 13– अनुदान/परिदान			
योग: भारत सरकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय से वर्ष के दौरान प्राप्त सहायतार्थ अनुदान– योजना		4,537,700,000	4,360,000,000
योग: भारत सरकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय से वर्ष के दौरान प्राप्त सहायतार्थ अनुदान–गैर योजना.		23,421,200,000	20,019,800,000
योग: पूंजीगत ऋण में स्थानांतरण/शाश्वत ऋण और ब्याज दर पर सहायतार्थ अनुदान		97,672,163,400	–
योग: पिछले वर्ष से अग्रेनीत सहायतार्थ अनुदान		–	–
कटौती: पूंजीगत परिसंपत्ति निधि को हस्तांतरित		–	–
कटौती: भारत सरकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त सहायतार्थ अनुदान का अव्ययित शेष–गैर योजना		1,288,100,000	–
कटौती: भारत सरकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त सहायतार्थ अनुदान का अव्ययित शेष– योजना		1,912,500,000	123,600,000
	योग	**122,430,463,400**	**24,256,200,000**
(संदर्भ अनुसूची 26, लेखा टिप्पणी की टिप्पणी 6)			
अनुसूची 14–शुल्क/अभिदान			
व्यावसायिक/परामर्श सेवा शुल्क		51,309,684	46,248,175
कटौती : अन्य एजेंसियों के शेयर		–	–
योग		–	–
	योग	**51,309,684**	**46,248,175**
अनुसूची 15–निवेशों से आय			
सावधिक जमाओं पर ब्याज		उद्दिष्ट निधियों से निवेश	उद्दिष्ट निधियों से निवेश
	योग		
अनुसूची 16–रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय			
अनुसूची 17अर्जित ब्याज			
अनुसूचित बैंकों में मियादी जमा		1,132,207,406	929,921,389
कर्मचारी अग्रिम आदि जैसे अन्य पर		14,616,076	14,805,887
देनदारों एवं अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		(97,355,142)	68,866,706
	योग	**1,049,468,340**	**1,013,593,982**
(संदर्भ अनुसूची 26,लेख टिप्पणी की टिप्पणी 17)			

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य (वित्त)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

7

प्रसार भारती

अनुसूचियां जो 31-03-2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग हैं

		रु. 2015–16	रु. 2014–15
अनुसूची 18– अन्य आय			
अ. टावरों/स्टाफ क्वार्टरों से शुल्कों सहित अन्य प्राप्तियां			
क) टावरों का लाइसेंस शुल्क		653,735,533	618,313,275
ख) स्टाफ क्वार्टरों से लाइसेंस शुल्क		34,959,028	35,185,941
ग) डीटीएच आय		2,182,668,338	1,148,276,806
घ) अन्य		229,937,854	192,587,852
अन्य			
(संदर्भ अनुसूची 26, लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी 16)			
योग अ	**योग (अ)**	**3,101,300,753**	**1,994,363,874**
ब. परिसंपत्तियों के विक्रय/निपटान से लाभ		–	–
क. मालिकाना परिसंपत्तियां		2,226,768	1,544,845
ख. अनुदान से या निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां		31,842	715,103
ग. 01-04-2000 से पूर्व अर्जित परिसंपत्तियां		40,301,263	73,364,575
	योग (ब)	**42,559,873**	**75,624,523**
	योग (अब)	**3,143,860,626**	**2,069,988,397**

अनुसूची 19–स्थापना एवं अन्य प्रशासनिक व्यय

	रु. 2015–16 गैर योजना	रु. 2014–15 गैर योजना
स्थापना व्यय		
क) वेतन और मजदूरी	20,111,112,588	18,255,312,875
ख) भत्ते और बोनस	607,092,085	554,872,667
ग) सीपीएफ/एनपीएस में अंशदान	75,281,093	196,464,571
घ) कर्मचारी सेवानिवृत्त/सेवांत व्यय/पेंशन आदि पर व्यय	1,526,082,586	1,394,798,112
	–	
ङ) स्टाफ कल्याण व्यय	4,902,020	825,859
च) अन्य (चिकित्सा सहित)	267,120,995	264,970,643
योग	**22,591,591,367**	**20,667,244,727**

(संदर्भ अनुसूची 26, लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी 20)

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य (वित्त)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

8

प्रसार भारती
अनुसूचियां जो 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के आय–व्यय लेखा के भाग हैं

अनुसूची 20– अन्य प्रशासनिक व्यय

	रु.	रु.
	2015–16	**2014–15**
	आईईबीआर	**आईईबीआर**
विद्युत और शक्ति	2,373,161,151	2,742,485,654
जल प्रभार	52,989,847	40,214,476
संयंत्र और मशीनरी का बीमा	–	–
संयंत्र और मशीनरी की मरम्मत और रख–रखाव	6,931,548	7,284,509
भूमि और भवनों पर बीमा	–	–
स्टॉक प्रावधानों हेतु प्रावधान	–	124,937,564
अन्य विभागीय कर्जे एवं अग्रिमों हेतु प्रावधान	–	160,254,598
संदिग्ध ऋणों हेतु प्रावधान	–	–
किराया, दर और कर	268,307,378	398,258,062
वाहनों की मरम्मत और रख–रखाव	415,954,799	436,716,087
डाक, दूरभाष और संचार प्रभार	140,026,265	135,535,897
मुद्रण और लेखन–सामग्री (फ्लॉपी, डिस्क सहित)	125,390,980	127,662,914
यात्रा और वाहन व्यय– स्थानीय	331,739,258	385,611,527
यात्रा– विदेश	15,043,249	15,677,188
छात्रवृत्ति वज़ीफा	24,308,534	15,277,412
लेखा परीक्षक का पारिश्रमिक	300,000	4,681,621
आतिथ्य सत्कार व्यय	17,042,405	16,871,242
व्यावसायिक प्रभार (सशस्त्र प्रहरी आदि)	1,115,598,860	1,192,714,988
डूबा और संदिग्ध ऋण/अग्रिम प्रावधान	–	266,605,146
विज्ञापन और प्रचार	96,170,948	138,928,682
बैंक प्रभार	599,893	162,897
उपभोगीय वस्तु और आपूर्ति	582,580,757	487,849,856
अन्य प्रशासनिक व्यय	774,363,831	942,675,403
लघु कार्यों और मशीनरी तथा उपकरण व औजार	1,559,559,525	1,842,394,714
सेवा कर	1,323,196,098	1,278,213,231
बिक्री कर	147,613	–
पूर्व वर्ष का निबल व्यय/अन्य	–	–
योग	**9,223,412,939**	**10,761,013,668**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य (वित्त)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

9

प्रसार भारती

अनुसूचियां जो 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के आय–व्यय लेखा के भाग हैं

अनुसूची 21–कार्यक्रम संबंधी व्यय

	रु.	रु.	रु.	रु.
	2015–16 योजना	2015–16 आईईबीआर	2015–16 योग	2014–15 योग
रॉयल्टी	–	221,893,374	221,893,374	380,801,480
यूएनआई/पीटीआई को भुगतान	–	244,986,684	244,986,684	231,671,606
कार्यक्रम सॉफ्टवेयर व्यय की कमीशनिंग	–	1,852,333,608	1,852,333,608	1,616,562,356
पैनम उपग्रह व्यय	–	313,373,842	313,373,842	715,759,730
खेल–कूद आयोजनों पर व्यय	–	33,040,261	33,040,261	40,103,404
कलाकारों को भुगतान (पीपी एंड एस आदि)	–	2,579,958,894	2,579,958,894	2,656,004,000
अन्य कार्यक्रम व्यय/एसएजी– 2016	87,329,129	230,723,513	318,052,642	711,613,914
जम्मू और कश्मीर पैकेज	–	–	–	18,645,093
पूर्वोत्तर पैकेज	–	–	–	3,244
स्पेक्ट्रम एवं स्पेस सेगमेंट प्रभार	–	1,765,840,750	1,765,840,750	2,127,395,736
राष्ट्रमंडल खेल	–	2,943,177	2,943,177	676,200
किसान चैनल योजना	262,559,666	–	262,559,666	
योग	**349,888,795**	**7,245,094,103**	**7,594,982,898**	**8,499,236,763**

अनुसूची 22– अनुदान, परिदान आदि पर व्यय

	योग	योग
	2015–16	2014–15
अनुदानों पर व्यय	–	–

अनुसूची 23–ब्याज पर व्यय

	योग	योग
	2015–16	2014–15
कर्ज पर ब्याज– केंदीय सरकार	988,699,500	3,085,400,000
शाश्वत कर्ज पर ब्याज	–	2,980,656,140
अन्य दंडात्मक ब्याज आदि	95,921,810	755,100,000
अन्य वित्त प्रभार	9,576,201	8,487,680
योग	**1,094,197,511**	**6,829,643,820**

(संदर्भ अनुसूची 26,लेखा टिप्पणियों की टिप्पणी 6 और 8)

अनुसूची 24– अवधि पूर्व समायोजन और विशेष मद

	गैर योजना	गैर योजना
	2015–16	2014–15
पूर्व अवधि व्यय– कर्ज/अनुदान की वापसी		
पूंजीगत परिसंपत्ति निधि प्रतिलेखन		
पारगमन में विप्रेषण समाधान		(19,500,000)
स्पेक्ट्रम/स्पेस प्रभार प्रावधान का छूट के बाद प्रतिलेखन	–	–
सीडब्ल्यूआईपी से पूंजीकृत नियम परिसंपत्तियों पर मूल्यहास	(516,924)	(13,869,418)
पूर्व वर्ष व्यय	–	–
योग	**(516,924)**	**(33,369,418)**

(संदर्भ अनुसूची 8)

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य(वित्त)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

10

प्रसार भारती

अनुसूचियां जो 31.03.2016 को समाप्त वर्ष का लेखा के भाग हैं

अनुसूची 25 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. लेखांकन पद्धति

   निगम के लेखे का लेखांकन प्रोद्भूत पद्धति का प्रयोग करके ऐतिहासिक लागत परिपाटी के आधार पर तैयार किया जाता है। इस आधार पर, राजस्व और संबंधित परिसंपत्तियों को अर्जित होने पर मान्यता प्राप्त होती है और दायित्व के भारण और व्यय को मान्यता प्राप्त होती है।

2. वस्तु सूची मूल्यांकन

   भंडार और पुर्जों (मशीनी पुर्जों सहित) का मूल्य निर्धारण उनकी कीमत पर किया जाता है।

3. नियम परिसंपत्तियां

   रु. 4258-08 करोड़ की नियम परिसंपत्तियां मंत्रालय से प्रसार भारती को स्थानांतरित की गई और उन्हें शाश्वत ऋण की तरह माना गया और वर्ष 2015–16 के दौरान अनुदान में परिवर्तित कर दिया गया।

   केंद्रीय सरकार द्वारा परिसंपत्तियों का हस्तांतरण वास्तविक मूल्यांकन और सत्यापन के अधीन है।

   आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा की गई विभिन्न योजना स्कीमों पर किए गए पूंजीगत व्यय के संबंध में सभी संबंधित और सह व्यय पूंजीगत हैं।

4. मूल्यह्रास पद्धति

   आईएमजी की संस्तुतियों के आधार पर निर्धारित परिसंपत्तियों की आजीवन उपयोगिता परिकलन दरों के अनुसार मूल्यह्रास को सीधी पद्धति द्वारा प्रभारित किया जाता है। तदनुसार, अंगीकृत दरें इस प्रकार हैं: भवन–2% स्टूडियो, प्रेषित्र, मशीनरी व उपस्कर एवं अन्य नियम परिसंपत्तियां–10% विद्युतीय संस्थापना– 4% वाहन–20% फर्नीचर एवं फिक्सचर –6·25% कार्यालय उपकरण–16·67% तथा कम्प्यूटर–33·33%

5. विदेशी मुद्रा का लेन–देन

   विदेशी मुद्रा के लेन–देन का हिसाब लेन–देन की तिथि की विद्यमान विनिमय दर पर किया जाता है।

6. लाइसेंस शुल्क और परामर्श शुल्क

   लाइसेंस शुल्क और परामर्श शुल्क की पहचान ग्राह्य होने पर की जाती है।

जवाहर सरकार	**राजीव सिंह**	**विनीता बरवा**
मुख्य कार्यकारी अधिकारी	**सदस्य (वित्त)**	**अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)**

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक :

11

प्रसार भारती

अनुसूचियां जो दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष का लेखा के भाग हैं

अनुसूची 26- लेखा टिप्पणी और आकस्मिक देनदारियां

1. प्रसार भारती, भारतीय प्रसारण निगम की स्थापना सामान्य लोक उपयोगी संस्था के रुप में की गई है तथा यह "संगठन के लाभ के लिए नहीं" के अंतर्गत है। तदनुसार, यह आम स्वीकार्य लेखांकन कार्यप्रणाली और आयकर अधिनियम की धारा 145 के आधार पर लेखांकन की रोकड़ या वाणिज्यिक प्रणाली का अनुसरण कर सकता है। संगठनात्मक संरचना एवं प्रचलित पूर्व कार्यप्रणालियों तथा सहज पहलुओं पर विचार करते हुए, नकद आधारित लेखांकन को दिनांक 31.03.2005 तक अपनाया जा रहा था। दिनांक 01.04.2005 से लेखे आरंभिक तौर पर क्षेत्रीय इकाई स्तर नकद आधार पर समेकित किया जाता है और बाद में दोनों महानिदेशालयों से एकत्रित सूचना के आधार पर, यथासंभव प्रोद्भूत लेखांकन में पूर्णत: दलने के प्रभाव का निर्णय लिया। इस जटिलता से निपटने के लिए प्रसार भारती से इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से दिनांक **01.04.16.** से सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों से प्राप्ति और भुगतान लेखे प्राप्त किए जाएंगे।

2 आकस्मिक देनदारियां:

2.1	निकाय पर दावे जिन्हें ऋण नहीं माना जाता	रु.	शून्य
2.2	के संबंध में :		
*	निकाय द्वारा/की ओर से दी गई बैंक गारंटियां	रु.	शून्य
*	निकाय की ओर से बैंक द्वारा खोला गया साख पत्र	रु.	शून्य
*	राष्ट्रमंडल खेल-2010 की गतिविधियों हेतु बैंक गारंटी की भुनाई	रु.	**24.60** करोड़

मैसर्स एसआईएस लाईव की रु. 24.60 करोड़ की बैंक गारंटी मांगी गई थी और मामला मध्यस्थताधीन है। मैसर्स एसआईएस लाईव ने संविदा के अनुसार रु. 106.88 करोड़ बैंक गारंटी हेतु रु. 24.60 करोड़ तथा नुकसान हेतु जीबीपी 9381,.98 का अपना दावा प्रस्तुत किया। उसमें से रु. 106.88 करोड़ की राशि देनदारियों में शामिल किया गया है। तथापि, मैसर्स एसआईएस लाईव के नुकसानी दावे को देनदारी के रुप में नहीं माना गया है क्योंकि निगम ने रु. 147.60 करोड़ का एक प्रतिदावा भी प्रस्तुत कर दिया है।

3. केंद्रीय सरकार द्वारा खाता मूल्य पर प्रसार भारती को हस्तांतरित नियत परिसंपत्तियों की राशि मुख्य लेखा नियंत्रक के दिनांक 03.09.02 के पत्र सं. सीसीए/आईएंडबी/2002 पर आधारित है तथा वास्तविक सत्यापन और मूल्यांकन पर भी आधारित है।

4. विवरण के अभाव में वर्ष के दौरान बेचे गए/समाप्त किए गए परिसंपत्तियों का मूल्य परिसंपत्तियों के सकल ब्लॉक से घटाया नहीं गया है।

5. केंद्रीय सरकार से प्राप्त अनुदानों को आय के रुप में समझा जाता है, जो कि आंतरिक राजस्व के साथ व्यय हेतु उपयोज्य है। घाटे के बड़े अनुपात को मूल्यह्रास, देय कर्ज और उस पर ब्याज तथा स्पेक्ट्रम व स्पेस सेगमेंट प्रभार जैसे गैर-रोकड़ लेन-देन द्वारा प्रदर्शित किया जाता है

6. पत्र सं. जी/20029/2/2015-बी(वित्त) दिनांक 10.02.2016 के अनुसार मंत्रालय ने दिनांक 31.03.2010 तक रु. 11116.76 करोड़ की कुल राशि के बकाया ऋण और ब्याज और दिनांक 31.03.2011 तक प्रोद्भत स्पैक्ट्रम और स्पेस सेगमेंट प्रभार को अनुदान में परिवर्तित कर दिया। इसमें से रु. 5684.34 करोड़ बकाया ऋण रु. 4082.88 करोड़ ऋण पर ब्याज और दंड स्वरुप ब्याज और रु. 1349.54 करोड़ स्पैक्ट्रम और स्पेस सेगमेंट प्रभार यह छूट के प्रभाव को सूचना और प्रसारण मंत्रालयय द्वारा जारी दिनांक 25.04.2013 के आदेश सं. 1/2013 के तहत वर्ष 2012-13 के वार्षिक लेखा में पहले ही शामिल कर लिया गया है।

7. दिनांक 01.04.2016 से 31.03.2016 तक सरकार से प्राप्त बाकी पूंजीगत ऋण और शाश्वत ऋण और पूंजीगत ऋण पर ब्याज के लिए मंत्रालय को एक अलग से प्रस्ताव भेजा जाएगा। दिनांक 31.03.2010 तक शाश्वत ऋण पूंजीगत ऋण और ब्याज को अनुदान में परिवर्तित कराने के कारण का तथ्यय वर्ष 2010 के लिए प्रसार भारती पर बकाया पूर्ण ऋण पर छूट देने का निर्णय मंत्रिमंडल समूह ने लिया था पर मंत्रालय द्वारा आदेश 10.02.2016 को जारी किए गए।

8. सरकार द्वारा शाश्वत ऋण पर ब्याज दर प्रति वर्ष है और 01.04.2000 से 31.03.2006 के दौरान सरकार से प्राप्त पूंजीगत ऋण पर ब्याज दर 14.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष है, 01.04.2006 से 31.03.2011 के दौरान 11.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष या और 01.04.2011 से 13.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष है।

9. प्रतिवर्ष पूंजीगत ऋण पर ब्याज का लेखा पर देनदारियां, मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के आधार पर उपलब्ध कराई जाती है। तथापि, इस वर्ष देनदारियों को टिप्पणी-7 पर वर्णित ब्याज दरों के अनुसार प्रसार भारती द्वारा उपलब्ध कराया गया है क्योंकि यह सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त नहीं हुई।

जवाहर सरकार मुख्य कार्यकारी अधिकारी	राजीव सिंह सदस्य (वित्त)	विनीता बरवा अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

प्रसार भारती
अनुसूची जो दिनांक 31.03.2016 को समाप्त वर्ष का लेखा के भाग हैं

अनुसूची 26- लेखा टिप्पणी और आकस्मिक देनदारियां

लेखा टिप्पणी

10.कराधान

प्रसार भारती को आयकर अधिनियम की धारा 10 के अंतर्गत खंड 23 बीबीएच के तहत आयकर से छूट प्राप्त है।

11. प्रसार भारती में प्रतिनियुक्तित्व कर्मचारियों के अवकाश वेतन एवं पेंशन पर अंशदान व्यय के रुप में प्रभारित हैं।

12. निक्षेप कार्य हेतु पार्टियों से प्राप्त राशि, ऐसे कार्य के व्यय समायोजन के बाद है।

13. प्रसार भारती लेखे की लेखा परीक्षा के लिए नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की फीस की व्यवस्था लेखा में की गई है।

14. सामान्य विविध कर्जदारों में रु. 34.03 करोड़ रुपए का ब्याज घटक शामिल है।

15. स्पेक्ट्रम एवं स्पेस सेगमेंट प्रभारों एवं कुछ अन्य देनदारियों हेतु प्रावधान की आकलन आधार पर व्यवस्था है।

16. सेवाओं (विज्ञापन राजस्व) से आय, आकाशवाणी/दूरदर्शन टावरों हेतु लाइसेंस फी और डीटीएच आय में क्रमश: रु. 120.12 करोड़ रु. 8.02 करोड़ और रु. 29.71 करोड़ की सेवा कर घटक शामिल है।

17. फील्ड अधिकारियों के सावधि जमा एवं कर्मचारियों को अग्रिम पर ब्याज की प्राप्ति के साथ ही लेखाकृत कर दिया जाता है। लचीले सेवा काल तथा सीएलटीडी लेखों पर ब्याज व अग्रिमों के कारण प्रोद्भूत ब्याज की मात्रा परिकलित नहीं की जा सकती है।

18. वर्ष 2015-16 के दौरान पूरे किए गए प्रगति पर पूंजी कार्य में से रु. 189321000 की नियत परिसंपत्तियों में पूंजीगत कर दिया गया है।

19. गत तीन वर्षों से राशि को बिना किसी बदलाव के अग्रनीत करने तथा मद/पार्टी वार ब्यौरे की अनुपलब्धता के कारण चालू परिसंपत्तियों के अंतर्गत "अन्य विभागीय कर्जे/अग्रिमो" के संबंध में क्रमश: रु. 16.02 करोड़ एवं रु. 12.49 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

20.रु. 25.18 करोड़ का प्रावधान नियोजक अंशदान हेतु एनपीएस तथा उन पर ब्याज के लिए किया गया है। कर्मचारी एवं नियोजक अंशदान को भी नैशनल सिक्योरिटी डिपोजिटरीज लिमिटेड (एनएसडीएल) में हस्तांतरित नहीं किया गया है, जबकि राशि को अलग बैंक खाते में नहीं रखा गया। लगभग सभी कर्मचारियों को पीआरएन आबंटित कर दिए गए हैं और लगाई गई राशि के स्थानांतरण का कार्य पहले आरंभ कर दिया गया है।

21. मंत्रालय को भुगतान किए जाने वाला खर्च न किया गया अनुदान को अलग से वर्तमान देनदारियों में दर्शाया गया है जिसको अन्य व्यय के अंतर्गत दर्शाया गया था।

22. अन्य एजेंसियों से संबंधित विक्रय सेवाओं से आय के हिस्से को वर्ष के दौरान कार्यक्रम व्यय से भुगतान किया गया।

23. वर्ष 2015-16 के दौरान कर्जदारों की सूची में से किए गए सुधार/संशोधन के कारण कर्जदारों का ब्याज ऋणात्मक हो गया है।

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य (वित्त)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

स्थान:
नई दिल्ली

	2015–16 की प्राप्ति और भुगतान लेखा				
	प्राप्ति	**आकाशवाणी योग**	**दूरदर्शन योग**	**प्रसार भारती सचिवालय**	**सर्वयोग**
I.	**अथ शेष**				
	क) रोकड़	1097535	1305141		2402676
	ख) बैंक शेष	0	0		0
	(i) चालू खाते में	0	0		0
	प्राप्ति खाता (क्षत्रीय कार्यालय)	234385800	974128297		1208514097
	दूरदर्शन खाता (11084233390)	0	0	2140242	2140242
	आकाशवाणी खाता (11084233414)	0	0	46617576	46617576
	व्यय खाता (क्षत्रीय खाता)	4348398863	3498819303		7847218166
	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (11084239041)	0	0	82453	82453
	कैनरा बैंक (1730)	0	0	222237127	222237127
		0	0		0
	बैंक ऑफ इंडिया (12255)	215930	0		215930
	(ii) जमा खाते (सावधि जमा यदि कोई) में	733677529	127851733	4773696889	5635226151
	(iii) सीपीएफ खाता	0	0	1405889	1405889
	ग) अग्रदाय खाता	4485530	11755751		16241281
		0	0		0
II.	**प्राप्त अनुदान**	0	0		0
	क) भारत सरकार से	0	0		0
		0	0		0
	(i) पूंजीगत– योजना	0	0		0
		0	0		0
	(ii) राजस्व	योजना	0	0	4537700000
	गैर–योजना	0	0	21900000000	21900000000
	राष्ट्रमंडल खेल	0	0		0
	(iii) अन्य मंत्रालय / विभाग	0	0		0
	(प्रसार भारती मुख्यालय द्वारा भरा जाना)	0	0		0
		0	0		0
III	**प्रसार भारती (मुख्यालय) द्वारा चालू खाते अंतर्हस्तांतरण**	0	0		0
	क) प्रसार भारती से प्राप्त निधि	18775280202	17244133271	14168518078	50187931551
		0	0		0
	ख) अन्य स्टेशन / केंद्र / कार्यालय	601362036	85117760		686479796
	ग) सीपीएफ	0	0	25460024	25460024
	घ) एचबीए वसूली व अन्य अग्रिम	129235910	2399435		131635345
		0	0		0
IV.	**प्राप्त ब्याज**	0	0		0
	क) बैंक जमा पर (एफडीआर)	166504441	153748700	776302761	1096555902
		0	0		0
	ख) कर्जे और अग्रिम आदि	0	0		0
	(i) कर्मचारियों से	6917571	1375846		8293417
		0	0		0
	(ii) अन्य	5153764	1168895		6322659
	ग) बकाया देय राशि पर अति देय ब्याज	0	2942843		2942843
V.	**अन्य आय**	0	0		0
	क) आकाशवाणी / दूरदर्शन क्वार्टर की ला.फी	24145850	10813178		34959028
		0	0		0
	ख) आकाशवाणी / दूरदर्शन टावरों की ला.फी	573568519	0		573568519
	पप) सेवा कर	80167014	0		80167014
		0	0		
	ग) परिसंपत्ति विक्रय / निपटान पर लाभ	0	0		0
		0	0		0
	(i) मालिकाना परिसंपत्तियां	397898	1828870		2226768
		0	0		0
	(ii) सरकारी अनुदानों से प्राप्त परिसंपत्तियां	0	31842		31842
		0	0		0
	(iii) विविध आय	22813263	17488000		40301263
	(01.04.2000 पूर्व प्राप्त परि. व अन्य आय)	0	0		0
		0	0		0
	घ) अन्य	230134	56071198		56301332
		0	0		0
VI.	**उधार ली गई राशि**	0	0		0
	क) सरकार से पूंजीगत कर्ज	0	0		0
		0	0		0

		0	0		0
VII.	**विक्रय से आय**	0	0		0
	क)	विज्ञापन प्राप्तियां	0	0	
	आकाशवाणी	3215074114	0		3215074114
	दूरदर्शन	0	5584947981		5584947981
	i) सेवा कर	423341279	777843403		1201184682
		0	0		0
	ख) सीडी/वीसीडी की बिक्री	2822366	2304825		5127191
	ग) डीटीएच		1885518866		1885518866
	ii) सेवा कर	0	297149472		297149472
		0	0		0
VIII.	**सेवा से आय**	0	0		0
	क) व्यावसायिक/परामर्श सेवा	46419768	4889916		51309684
		0	0		0
IX.	**अन्य प्राप्तियां**	0	0		0
	क) प्रतिभूति जमा/बयाना राशि	353840117	47922820		401762937
		0	0		0
	ख) निक्षेप कार्य	1166238604	40591040		1206829644
		0	0		0
	ग) कर्मचारियों को अग्रिम	0	0		0
	i) गृह निर्माण अग्रिम	5056253	1943357		6999610
	ii) कार अग्रिम	2048231	385000		2433231
	iii) कम्प्यूटर अग्रिम	6506718	30000		6536718
	iv) मोटर साइकिल/स्कूटर अग्रिम	3102209	210000		3312209
	v) साइकिल/मोपेड अग्रिम	13103178	0		13103178
	vi) अन्य अग्रिम	2762990	365880		3128870
	घ) उद्दिष्ट निधि/सीपीएफ	0	0		0
	ड) अन्य	149517575	24118947		173636522
		0	0		0
X.	**सरकारी व्यापार से प्राप्ति**	0	0		0
	मंत्रालय /विभाग वार ब्यौरा दें	0	0		0
		0	0		0
Xi	**एफडीआर**	68063979	0		68063979
		0	0		0
	योग	**31165935170**	**30859201570**	**46454161039**	**108479297779**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य (वित्त)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

2015–16 के लिए प्राप्ति और भगतान लेख	आकाशवाणी योग		दूरदर्शन योग		प्र.भ.	सर्वयोग	
	गैर योजना	योजना	गैर योजना	योजना		गैर योजना	योजना
व्यय							
क) स्थापना व्यय			0				
(अनुलग्नक.I के अनुसार ब्यौरा)	10300944900	0	10436251642	0	0	20737196542	0
ख) प्रशासनिक व्यय	0	0	0	0		0	0
(अनुलग्नक.II के अनुसार ब्यौरा)	5029113588	0	3264361297	0		8293474885	0
ग) कार्यक्रम संबंध	0	0	0	0		0	0
(अनुलग्नक. III के अनुसार ब्यौरा)	2010495197	7208451	3498867906	337265344		5509363103	344473795
घ) अनुदान/परिदान पर व्यय	0	0	0	0		0	0
(i)संस्थानों को दिया गया अनुदान	0	0	0	0		0	0
(ii)संस्थानों को दिया गया परिदान	0	0	0	0		0	0
(iii)अन्य मंत्रालय/विभागों से प्राप्त अनुदान	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
निधियों का चालू खाता अंतर्हस्तांतरण (प्रसार भारती)	0	0	0	0		0	0
क) प्रसार भारती को	4952623302	0	8371183470	0		13323806772	0
	0	0	0	0		0	0
ख) अन्य स्टेशन/केंद्र/कार्यालय को	275905393	0	40766603	0	3577823769	36094909691	0
	0	0	0	0		0	0
ग) आईईबीआर (एचबीए) को	24032689	0	341487	0		24374176	0
	0	0	0	0		0	0
घ) सीपीएफ वसूली को	0	0	0	0		0	0
अपनी निधियों से जमा	256227383	0	23537385	0		279764768	0
(निवेश अन्य) एफडीआर	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
नियत परिसंपत्तियों और पूंजी पर व्यय	0	0	0	0		0	0
चालू कार्य	0	0	0	0		0	0
क) नियत परिसंपत्तियों का क्रय	0	0	0	0		0	0
(अनुलग्नक.IV के अनुसार ब्यौरे)	56373721	1109511566	32648639	255396481		89022360	1364908047
ख) पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
(i) वृहद कार्य	0	306708820	0	48944950		0	355653770
	0	0	0	0		0	0
(ii) विविध कार्य योजना	0	185409873	0	53500		0	185463373
	0	0	0	0		0	0
अधिशेष धन/ऋण की वापसी	0	0	0	0		0	0
क) भारत सरकार को	0	0	0	0	123600000	123600000	0
	0	0	0	0		0	0
ख) प्रसार भारती मुख्यालय को	941134451	0	590844097	0		1531978548	0
	0	0	0	0		0	0
वित्तीय प्रभर (ब्याज)	0	0	0	0		0	0
क) सरकार से लोन.	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
ख) अन्य लोन	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
ग) अन्य	3651056	0	5925145	0		9576201	0
	0	0	0	0		0	0
अन्य भुगतान	0	0	0	0		0	0
क) एसडी/ईएम की वापसी	121835623	0	40170744	0		162006367	0
	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
ख) निक्षेप कार्य पर व्यय	1171781586	0	33142218	0		1204923804	0
	0	0	0	0		0	0
ग) पार्टियों को अग्रिम	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
घ) कर्मचारियों को अग्रिम	0	0	0	0		0	0
i) गृह निर्माण अग्रिम	2020000	0	246968	0		2266968	0
ii) कार अग्रिम	1134000	0	3592000	0		4726000	0
iii) कम्प्यूटर अग्रिम	5144850	0	3739500	0		8884350	0
iv) मोटर साइकिल/स्कूटर अग्रिम	2421700	0	1316719	0		3738419	0
v) साइकिल/मोपेड अग्रिम	0	0	0	0		0	0
vi) अन्य अग्रिम	1346858	0	0	0		1346858	0
ङ) आय कर	16298985	0	2961434	0		19260419	0
	0	0	0	0		0	0
च) सेवा कर	494057446	0	793918633	0		1287976079	0
छ) बिक्री कर	147613	0	0	0		147613	0
ज) बैंक प्रभर	575018	0	21694	0	3181	599893	0
	0	0	0	0		0	0
झ) अन्य	78374435	0	24155524	0		102529959	0
	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
सरकारी व्यापार से प्राप्ति	0	0	0	0		0	0
मंत्रालय/विभाग वार ब्यौरा दें	0	0	0	0		0	0

	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
इति शेष	0	0	0	0		0	0
क) रोकड़	1037229	0	1376249	0		2413478	0
	0	0	0	0		0	0
ख) बैंक शेष	0	0	0	0		0	0
(i) चालू खाते में	0	0	0	0		0	0
प्राप्ति खाता (क्षेत्रीय कार्यालय)	388596893	0	1331071857	0		1719668750	0
दूरदर्शन खाता (11084233390)	0	0	0	0	5912537	5912537	0
आकाशवाणी खाता (11084233414)	0	0	0	0	123167530	123167530	0
	0	0	0	0		0	0
व्यय खाता (क्षेत्रीय खाता)	2647822373	0	1557885378	0		4205707751	0
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (11084239041)	0	0	0	0	43351769	43351769	0
कैनरा बैंक (1730)	0	0	0	0	167943624	167943624	0
इंडियन ओवरसीज बैंक (7430)	0	0	0	0		0	0
बैंक ऑफ इंडिया (12255)	2536564	0	0	0		2536564	0
	0	0	0	0		0	0
(ii) निक्षेप खाते में (एफडीआर यदि कोई)	766910300	0	147867134	0	1021167315	11126450585	0
	0	0	0	0		0	0
(iii) सीपीएफ खाता (एसबीआई–30234030526)	0	0	0	0	271552	271552	0
	0	0	0	0		0	0
ग) अग्रदाय खाता	4553307	0	11347572	0		15900879	0
	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
योग	**29557096460**	**1608838710**	**30217541295**	**641660275**	**46454161039**	**106228798794**	**2250498985**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य (वित्त)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

15

अनुलग्नक-I							
2015-16 लेखे का संलग्नक	आकाशवाणी योग		दूरदर्शन योग		प्रसार भारती सचिवालय	सर्व योग	
स्थापना व्यय	गैर योजना	योजना	गैर योजना	योजना		गैर योजना	योजना
क) वेतन और मजदूरी (मानरेय/एलटीसी/टीएफ सहित)	9890019113	0	9935000475	0		**19825019588**	**0**
i) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	145152836	0	110713864	0		**255866700**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
ख) समयोपरि भते/सं.शि. भते सहित बोनस और भते	240644661	0	369697424	0		**610342085**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
ग) सीपीएफ में अंशदान (यदि कोई)	7459282	0	7601986	0		**15061268**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
घ) कर्मचारी कल्याण व्यय	820403	0	4081617	0		**4902020**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
ड) अवकाश वेतन और पेंशन अंशदान सहित कर्मचारियों	646041	0	4236545	0		**4882586**	**0**
की सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ	0	0	0	0		**0**	**0**
अंशदान	0	0	0	0		**0**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
च) स्थापना पंजी	0	0	0	0		**0**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
छ) अन्य	16202564	0	4919731	0		**21122295**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
योग	10300944900	0	10436251642	0	**0**	**20737196542**	**0**

अनुलग्नक-III							
2015-16 के लेखे का अनुलग्नक	आकाशवाणी योग		दूरदर्शन योग		प्रसार भारती	सर्व योग	
कार्यक्रम संबंधी व्यय	गैर योजना	योजना	गैर योजना	योजना		गैर योजना	योजना
						0	
क) रॉयल्टी	57971892	0	215488482	0		**273460374**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
ख) यूएनआई/पीटीआई को भुगतान	119865413	0	125121271	0		**244986684**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
ग) कार्यक्रम प्रारंभन	290785552	0	1541245056	0		**1832030608**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
घ) पेनम उपग्रह व्यय	150767511	0	162606331	0		**313373842**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
ड) खेल-कूद पर व्यय	22808448	0	10231813	0		**33040261**	0
	0	0	0	0		**0**	**0**
च) कलाकार को भुगतान	1306237141	0	1255057753	0		**2561294894**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
छ) स्पेक्ट्रम प्रभार	0	0	7240750	0		**7240750**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
ज) जम्मू और कश्मीर पैकेज	0	0	0	0		**0**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
झ) पूर्वोतर पैकेज	0	0	0	0		**0**	0
	0	0	0	0		**0**	**0**
ट) राष्ट्रमंडल खेल	0	0	2943177	0		**2943177**	**0**
	0	0	0	0		**0**	**0**
ठ) अन्य/दक्षिण एशिया खेल 2016	62059240	7208451	178933273	74705678		**240992513**	**89914129**
ड) किसान चैनल	0	0	0	262559666		**0**	**262559666**
योग	**2010495197**	**7208451**	**3498867906**	**337265344**	**0**	**5509363103**	**344473795**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य (वित)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

16

अनुलग्नक–II

2015–16 के लेखे का अनुलग्नक	आकाशवाणी योग		दूरदर्शन योग		पीबी	सर्वयोग	
अन्य प्रशासनिक व्यय	गैर योजना	योजना	गैर योजना	योजना		गैर योजना	योजना
क) स्वदेश यात्रा व्यय	190165685	0	164859673	0		355025358	0
	0	0	0	0		0	0
ख) विदेश यात्रा व्यय	8654460	0	7242789	0		15897249	0
	0	0	0	0		0	0
ग) किराया दर और कर	170794723	0	128886655	0		299681378	0
	0	0	0	0		0	0
घ) विज्ञापन और प्रचार	9896216	0	86442732	0		96338948	0
	0	0	0	0		0	0
ड.) व्यावसायिक प्रभार/सशस्त्र गार्ड आदि.	741231456	0	436309276	0		1177540732	0
	0	0	0	0		0	0
(i) कानूनी प्रभार	752746	0	0	0		752746	0
	0	0	0	0		0	0
(ii) अधिवक्ता शुल्क	8580	0	0	0		8580	0
	0	0	0	0		0	0
(iii) अन्य/परामर्श शुल्क	3421802	0	0	0		3421802	0
	0	0	0	0		0	0
च) छात्रवृत्ति वजीफा	9820057	0	16271477	0		26091534	0
	0	0	0	0		0	0
छ)आपूर्ति और सामग्री	189673042	0	253585683	0		443258725	0
	0	0	0	0		0	0
ज) वाहन मरम्मत और अनुरक्षण	222677770	0	220542029	0		443219799	0
	0	0	0	0		0	0
झ) विद्युत शक्ति और अनुरक्षण	1528295444	0	1027444707	0		2555740151	0
	0	0	0	0		0	0
ट) जल प्रभार और अनुरक्षण	35276908	0	17712939	0		52989847	0
	0	0	0	0		0	0
ठ) डाक खर्च	14734673	0	6845093	0		21579766	0
	0	0	0	0		0	0
ड)दूरभाष एवं संचार	0	0	0	0		0	0
(i) लैंडलाइन	67861093	0	40857853	0		108718946	0
	0	0	0	0		0	0
(ii) मोबाइल	6597810	0	3129743	0		9727553	0
	0	0	0	0		0	0
ढ) आतिथ्य सत्कार व्यय	11121399	0	6869006	0		17990405	0
	0	0	0	0		0	0
ण) पीएंडएम पर बीमा	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
त) भूमि और भवन पर बीमा	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक (प्रावधान में से)	423155	0	51194	0		474349	0
	0	0	0	0		0	0
द) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	90993166	0	34051974	0		125045140	0
	0	0	0	0		0	0
ध) अप्राप्य शेष– बट्टे खाते	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
न) डूबे/संदिग्ध ऋण/अग्रिम हेतु प्रावधान	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
प) खरीद (भंडार)	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
फ) लघु कार्य	734016640	0	221422961	0		955439601	0
	0	0	0	0		0	0
ब) मशीनरी एवं उपस्कर औजार संयंत्र	489097765	0	183690159	0		672787924	0
	0	0	0	0		0	0
भ) उपभोज्य	76810817	0	66205215	0		143016032	0
	0	0	0	0		0	0
म) स्थानीय परिवहन	2234522	0	1874378	0		4108900	0
	0	0	0	0		0	0
य) पूंजीगत परिसंपत्तियों का प्रचालन एवं अनुरक्षण	6931548	0	0	0		6931548	0
	0	0	0	0		0	0
र) अन्य	417622111	0	340065761	0		757687872	0
	0		0	0		0	0
योग	5029113588	0	3264361297	0		8293474885	0

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य (वित्त)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

17

अनुलग्नक–IV							
2015–16 के लेखे का अनुलग्नक	आकाशवाणी योग		दूरदर्शन योग		प्रसार भरती सचिवालय	सर्वयोग	
नियत परिसंपत्तियों की खरीद	गैर योजना	योजना	गैर योजना	योजना		गैर योजना	योजना
i) भूमि	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
ii) भवन	0	0	0	0		0	0
(1) स्टूडियो	0	42093012	0	27206674		0	69299686
(2) ट्रांसमीटर	0	0	0	4321811		0	0
क) सामान्य	0	490732460	0	0		0	495054271
	0	0	0	0		0	0
ख) जम्मू और कश्मीर	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
ग) पूर्वोत्तर	0	1395875	0	24788077		0	26183952
	0	0	0	0		0	0
(3) कार्यालय	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
(4) अन्य	0	1247643	0	9800		0	1257443
iii) संयंत्र मशीनरी और उपस्कर	0	0	0	0		0	0
क) सामान्य	0	572046103	0	193123727		0	765169830
	0	0	0	0		0	0
ख) जम्मू और कश्मीर	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
ग) पूर्वोत्तर	0	1996473	0	5946392		0	7942865
iv) वाहन	0	0	0	0		0	0
(क) ट्रक, जीप और वैन	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
(ख) मोटर कार	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
(ग) मोटरसाईकल/स्कूटर और तिपहिया	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
(घ) रिक्शा/साईकल	8390	0	5150	0		13540	0
v) फर्नीचर/फिक्सचर	0	0	0	0		0	0
(क) कैबिनेट/अलमारी, फाइल रैक		5089234	0	3155151	0		8244385
	0	0	0	0		0	0
(ख) एयर कंडीशनर, एसी प्लांट	3232334	0	1698657	0		4930991	0
	0	0	0	0		0	0
(ग) एयर कूलर	760601	0	238485	0		999086	0
	0	0	0	0		0	0
(घ) वाटर कूलर	840206	0	264790	0		1104996	0
	0	0	0	0		0	0
(ड़) मेज/कुर्सी/सोफा/कारपेट	5763159	0	1817226	0		7580385	0
	0	0	0	0		0	0
(च) लकड़ी के पार्टीशन	697172	0	97585	0		794757	0
	0	0	0	0		0	0
(छ) वोल्टेज स्टेबलाइजर/यूपीएस प्रणाली	917108	0	810946	0		1728054	0
	0	0	0	0		0	0
(ज) अन्य	1980887	0	2086602	0		4067489	0
vi) कार्यालय उपस्कर	0	0	0	0		0	0
(क) टंकण मशीन	901546	0	31000	0		932546	0
	0	0	0	0		0	0
(ख) फोटो कॉपीयर/डूप्लीकेटर	4591935	0	4884665	0		9476600	0
	0	0	0	0		0	0
(ग) फैक्स मशीन	1273182	0	319495	0		1592677	0
	0	0	0	0		0	0
(घ) अन्य	1158969	0	118948	0		1277917	0
vii) कम्प्यूटर/पेरिफाइन	0	0	0	0		0	0
(क) कम्प्यूटर	17662198	0	10010197	0		27672395	0
	0	0	0	0		0	0
(ख) प्रिंटर	2758149	0	941035	0		3699184	0

	0	0	0	0		0	0
(ग) फ्लॉपी	86806	0	70064	0		156870	0
	0	0	0	0		0	0
(घ) सीडी	185323	0	3647	0		188970	0
	0	0	0	0		0	0
(ड़) सॉफ्टवेयर	176302	0	165617	0		341919	0
	0	0	0	0		0	0
(च) अन्य	376370	0	29795	0		406165	0
viii) विद्युत संस्थापना	0	0	0	0		0	0
(क) विद्युत मशीनरी	1014019	0	4680837	0		5694856	0
	0	0	0	0		0	0
(ख) विद्युत लाईट/पंखे	427663	0	259801	0		687464	0
	0	0	0	0		0	0
(ग) स्विचगीयर उपकरण	12760	0	81377	0		94137	0
	0	0	0	0		0	0
(घ) ट्रांसफॉर्मर	56500	0	271014	0		327514	0
	0	0	0	0		0	0
(ड़) विद्युत वायरिंग और फिटिंग	3828019	0	232095	0		4060114	0
	0	0	0	0		0	0
(च) अन्य	0	0	89140	0		89140	0
	0	0	0	0		0	0
ix) लाईब्रेरी की पुस्तकें	2094083	0	195385	0		2289468	0
	0	0	0	0		0	0
x) ट्यूब वेल एवं जल आपूर्ति प्रणाली	480806	0	89935	0		570741	0
	0	0	0	0		0	0
xi) माध्यस्थम प्रभार	0	0	0	0		0	0
	0	0	0	0		0	0
योग	**56373721**	**1109511566**	**32648639**	**255396481**		**89022360**	**1364908047**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य(वित्त)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

18

प्रसार भारती		
वर्ष 2015-16 के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा	रुपए	
परिशिष्ट I राष्ट्रमंडल खेल	गैर-योजना	योजना
कवरेज एवं प्रस्तुति गतिविधियां		
आईबीसी का निर्माण व प्रचालन		
प्रस्तुति सुविधा स्थल		
लॉजिस्टिक एवं सहायक सेवा की निगरानी हेतु मेजबान प्रसारक समन्वय		
आकस्मिक		
मध्यस्थता शुल्क	**2943177**	
अधिकार धारी प्रसारक		
कुल	**2943177**	**0**

जवाहर सरकार
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजीव सिंह
सदस्य (वित)

विनीता बरवा
अपर महानिदेशक (बजट और लेखा)

वार्षिक योजना (2016–17)
आकाशवाणी

व्यय तथा परिणाम/लक्ष्यों संबंधी विवरण (2016–17)

रूपए करोड़ में

क्र. सं	स्कीम/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	व्यय 2016–17 (योजना गत बजट)	संशोधित अनुमान 2016–17	31.03.2017 तक व्यय	निर्धारित लक्ष्य वास्तविक आउटपुट	प्रक्रिया/समय सीमा (तिमाही लक्ष्य)	कॉलम 6 के संबंध में उपलब्धियां	टिप्पणी/ जोखिम घटक
1	2	3	4		5	6	7	8	9
	स्कीम –1 – प्रसारण आधारभूत संरचना नेटवर्क विकास (कुल)		177.00	177.00	164.52				
	स्कीम –1 – प्रसारण आधारभूत संरचना नेटवर्क विकास (जारी)		78.17	113.40	101.90				
	स्कीम –1 – प्रसारण आधारभूत संरचना नेटवर्क विकास (नई)		98.73	63.50	62.62				
1	**मौजूदा नेटवर्क का डिजिटलीकरण (कैपिटल)**	डिजिटलीकरण के माध्यम से प्रसारण, रिकार्डिंग तथा कनेक्टिविटी की गुणवत्ता में सुधार। डिजिटलीकरण के माध्यम से कारगरता, ऑटोमेशन में सुधार तथा अतिरिक्त सुविधाओं को किराए पर देकर अतिरिक्त राजस्व सृर्जित करना।							
	मौजूदा नेटवर्क का डिजिटलीकरण (राजस्व)								
1.1	**ट्रांसमीटरों का डिजिटलीकर.ा**								
क	**मी. वे. ट्रांसमीटर (जारी)**		3.86	30.65	28.64				

i	• 100 कि– वाट – सं– 11 {विजयवाडा (आन्ध्र प्रदेश), पटना (बिहार), पणजी (गोवा), रांची (झारखंड), मुम्बई 'ए' (महाराष्ट्र), मुंबई 'बी' (महाराष्ट्र), पुणे (महाराष्ट्र), तिरूचिरापल्ली (तमिलनाडु), वाराणसी (उत्तर प्रदेश), कोलकाता 'ए' (पश्चिम बंगाल), और पासीघाट (10 कि.वाट को 100 कि.वाट द्वारा)}					100 किवाट के सभी 11 मीडियम वेव डी आर एम ट्रांसमीटरों को संस्थापित कर दिया गया है तथा सेवा में ले लिया गया है। उपयुक्त एजेंसियों की अनुपलब्धता के चलते कुछ स्थानों पर मास्ट सुदृढीकरण का कार्य अभी भी लम्बित है तथा कार्य के अगले वित्तीय वर्ष में पूरा होने की संभावना है।	पासीघाट के संबंध में विभागीय कार्यों, फीडर लाइन, ए टी यू, मास्ट उन्नयन आदि लम्बित कार्यों को पूरा करना तथा भुगतान आदि।	पूरा किया गया।	इस समय डिजिटल रिसीवर की लागत ज्यादा है।
ii	• 200 कि. वाट. सं. 10 {दिल्ली 'ए', अहमदाबाद (गुजरात), बंगलौर और धारवाड (कर्नाटक), जबलपुर (मध्य प्रदेश), अजमेर (राजस्थान), चेन्नई 'ए' (तमिलनाडु), सिलीगुडी, कोलकाता 'बी' (पश्चिम बंगाल)} और ईटानगर (100 कि.वाट मीडियम वेव को 200 कि.वाट मीडियम वेव डी आर एम से बदलना)					200 किवाट के सभी 10 मीडियम वेव डी आर एम ट्रांसमीटरों को संस्थापित कर दिया गया है तथा सेवा में ले लिया गया है। उपयुक्त एजेंसियों की अनुपलब्धता के चलते कुछ स्थानों पर मास्ट सुदृढीकरण का कार्य अभी भी लम्बित है तथा कार्य के अगले वित्तीय वर्ष में पूरा होने की संभावना है।	ईटानगर में 200 किवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर के संबंध में कार्य तथा भुगतान लम्बित हैं। लम्बित विभागीय कार्यों, फीडर लाइन, ए टी यू, मास्ट उन्नयन आदि को पूरा करना।	पूरा किया गया।	इस समय डिजिटल रिसीवर की लागत ज्यादा है।

iii	• 300 कि.वाट. सं. 6 {डिब्रूगढ (असम), राजकोट (गुजरात), जम्मू (जम्मू और कश्मीर), जालंधर (पंजाब), सूरतगढ (राजस्थान), लखनऊ (यू पी)}					300 किवाट के सभी 6 मीडियम वेव डी आर एम ट्रांसमीटरों को संस्थापित कर दिया गया है तथा सेवा में ले लिया गया है। उपयुक्त एजेंसियों की अनुपलब्धता के चलते कुछ स्थानों पर मास्ट सुदृढीकरण का कार्य अभी भी लम्बित है तथा कार्य के अगले वित्तीय वर्ष में पूरा होने की संभावना है।	विभागीय कार्यों, फीडर लाइन, ए टी यू, मास्ट उन्नयन आदि, यदि कोई हों तो उन्हें पूरा करना।	पूरा किया गया।	इस समय डिजिटल रिसीवर की लागत ज्यादा है।
	पुराने तथा अपना कार्यकाल पूरा कर चुके 100 किवाट वाल्व आधारित मीडियम वेव ट्रांसमीटरों को नवीनतम प्राद्योगिकी आधारित सॉलिड स्टेट 100 किवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर से बदलना ताकि क्षेत्रीय प्रसारण कवरेज तथा इसकी सेवाओं को श्रोताओं को एनालॉग मोड में वापस उपलब्ध करायी जा सके।					मीडियव वेव ट्रांसमीटर को बदलना– 100 किवाट– सं–4 विशाखपट्टणम (आंध्र प्रदेश), जगदलपुर (छत्तीसगढ), जैपोर तथा संबलपुर (ओडिशा)	आर्डर दे दिया गया है। विभागीय कार्यों, फीडर लाइन, ए टी यू, मास्ट उन्नयन आदि को पूरा करना।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	ट्रांसमीटरों की प्राप्ति, संस्थापना तथा चालू करना। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने दिनांक 19.08.2016 के पत्र सं. 37023/1/2015–बी(डी) पार्ट ।। के मार्फत अनुमोदन दिया।
	पुराने तथा अपना कार्यकाल पूरा कर चुके 200 किवाट वाल्व आधारित मीडियम वेव ट्रांसमीटरों को नवीनतम प्राद्योगिकी आधारित सॉलिड स्टेट 200 किवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर से बदलना ताकि क्षेत्रीय प्रसारण कवरेज तथा इसकी सेवाओं को श्रोताओं को एनालॉग मोड में वापस उपलब्ध करायी जा सके।					मीडियव वेव ट्रांसमीटर को बदलना– 100 किवाट– सं–4 विशाखपट्टणम (आंध्र प्रदेश), जगदलपुर (छत्तीसगढ), जैपोर तथा संबलपुर (ओडिशा)	आर्डर दे दिया गया है। विभागीय कार्यों, फीडर लाइन, ए टी यू, मास्ट उन्नयन आदि को पूरा करना।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	ट्रांसमीटरों की प्राप्ति, संस्थापना तथा चालू करना। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने दिनांक 19.08.2016 के पत्र सं. 37023/1/2015–बी(डी) पार्ट ।। के मार्फत अनुमोदन दिया।
(ख)	**शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर (कुल)**		1.60	0.90	0.82				
(i)	**शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर (जारी योजना)**		1.60	0.90	0.82				

	शॉर्ट वेव डी आर एम ट्रांसमीटर 5 शॉर्टवेव ट्रांसमीटरों को बदलना (दिल्ली–2] अलीगढ–2] बेंगलौर–1)					किंग्जवे कैम्प दिल्ली में 100 किवाट के 2 शॉर्ट वेव ट्रांसमीटरों की संस्थापना 2017–18 में पूरी हो जाएगी।	विभागीय कार्यों, फीडर लाइन, ए टी यू, मास्ट उन्नयन आदि को पूरा करना तथा भुगतान आदि।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	अलीगढ शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर परियोजना को रद्द कर दिया गया है।
	एफ एम विस्तार योजना स्कीमें (जारी)		18.25	18.25	18.18	12वीं योजना की जारी परियोजनाओं के तहत एफ एम ट्रांसमीटरों को चालू करना		आंशिक रूप से पूरा किया गया।	
						हल्दवानी, रायबरेली तथा चम्पावत में एफ एम ट्रांसमीटरों को स्थापित करने की परियोजना। (क) हल्दवानी तथा चम्पावत में साइट का अधिग्रहण, चाहरदीवारी तथा भवन का निर्माण। (ख) बरेली में टावर खडा करना, 20 किवाट एफ एम ट्रांसमीटरों की संस्थापना। इन सेटअप के 2017 – 2018 तक संस्थापित करने का अनुमान है।	ति 1: ट्रांसमीटर को चालू करना तथा लम्बित विभागीय कार्य	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	एफ एम ट्रांसमीटर मौजूदा एल पी टी वी साइट पर संस्थापित किया जाएगा तथा इसके 2017–18 तक पूरा होने की संभावना है। चम्पावत में एफ एम सेटअप के लिए भूमि की पहचान कर ली गई है तथा इसे राज्य सरकार से अधिग्रहित किया जा रहा है। रायबरेली में भवन संबंधी कार्य पूरा हो गया है। ट्रांसमीटर संस्थापित हो गए हैं तथा टावर को अभी खडा किया जाना है।
						फज्लिका, अमृतसर, चौटन हिल्स में एफ एम ट्रांसमीटरों को स्थापित करने की परियोजना। (क) उपस्करों की संस्थापना तथा चालू करना।	ति1– टावरों हेतु टैण्डर निकालना। ति–2–ति3–ति4: टावर खडे करना, एफ एम ट्रांसमीटर परियोजनाओं का चालू करना। सूर्यपेट में भवन संबंधी कार्य।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	फज्लिका में एफ एम सेटअप को चालू किया गया। चौटन हिल्स में एफ एम सेटअप तकनीकी रूप से चालू किए जाने के लिए तैयार है। अमृतसर में एफ एम ट्रांसमीटर को संस्थापित कर दिया गया है परन्तु मौजूद

									टी वी टॉवर के उपयोग में समस्याओं के आने की वजह से चालू नहीं किया जा सका। अंतरिम सेटअप चालू किए जाने के लिए तैयार है।
						दार्जिलिंग, कूचबिहार, धनबाद, वर्धमान, सूर्यापेट में 10 किवाट एफ एम ट्रांसमीटर की स्थापना। इन स्थानों पर टावर खडे किए जाने का कार्य प्रगति पर है।	ति2–ति3–ति4: सी ई एस की संस्थापना तथा टेस्टिंग, एस टी एल को चालू करना तथा सी ई एस का ऑर्डर देना, पूर्ण सेटअप को चालू करना।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	एस टी एल का एस आई टी सी मार्च 2017 तक पूरा हो जाएगा। सी ई एस का एस आई टी सी 2017 पूरा हो जाएगा।
						देहरादून में 10 किवाट एफ एम ट्रांसमीटर की स्थापना (क) एस टी एल की खरीद तथा संस्थापना (ख) कैप्टिव अर्थ स्टेशन की खरीद	ति1– एस टी एल की प्राप्ति ति–2 उपस्करों की संस्थापना तथा टेस्टिंग ति–3 सेटअप को चालू करना।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	एस टी एल के लिए आर्डर दे दिया गया है। ट्रांसमीटर संस्थापित तथा परीक्षण हो गया है/ चालू हो गए हैं।
						गंगटोक में 10 किवाट एफ एम ट्रांसमीटर तथा सिलचर में 5 किवाट एफ एम ट्रांसमीटर की स्थापना (क) एस टी एल की खरीद तथा संस्थापना (ख) सिविल कार्य पूरे किए गए।	चालू किया गया।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	

	11वीं योजना के तहत 24 मौजूदा आकाशवाणी/टी वी साइटों पर एफ एम विस्तार तथा दूरदर्शन/आकाशवाणी के मौजूदा 100 एल टी पी पर 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटर					एन ई एस पी स्कीमों के अंतर्गत 19 स्थानों पर 1 किवाट एफ एम ट्रांसमीटरों की स्थापना। टावर खडे किए जाने सहित एफ एम ट्रांसमीटरों की संस्थापना को 2016– 2017 तक पूरा कर लिए जाने का लक्ष्य रखा गया है।	ति1–ति4: 4–5 स्थानों पर एफ एम ट्रांसमीटरों को चालू किया जाना वर्ष 2016–1 7 तक पूरा किए जाने की संभावना है। कुछ एफ एम ट्रांसमीटरों को अन्य जगहों पर स्थानांतरित कर दिया गया है तथा इन्हें मूल स्थानों पर वापस लाया जाएगा और वर्ष 2016–17 और 2017–18 में संस्थापित किया जाएगा।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	1 किवाट के 19 एफ एम ट्रांसमीटरों में से 15 को पहले ही संस्थापित कर दिया गया है, 2 संस्थापनाधीन हैं तथा 2 साइटों को अधिग्रहित किया जाना है। 1 किवाट के 6 एफ एम ट्रांसमीटरों को मार्च 2017 तक चालू किया जाना संभावित है। ये परियोजनाएं स्थानीय मुद्दों तथा कठिन कार्य परिस्थितियों के चलते लम्बित हो रही हैं।
ii	**एफ एम/मीडियम वेव ट्रांसमीटर को बदलना।**		–			12 जगहों पर 5 किवाट एफ एम ट्रांसमीटर स्थापित करना। (क) ट्रांसमीटर तथा संबंधित उपस्कर खरीदे गए। संस्थापना प्रक्रियाधीन है।		आंशिक रूप से पूरा किया गया।	
	11वीं योजना के अंतर्गत 40 मौजूदा स्टेशनों पर एफ एम/मीडियम वेव ट्रांसमीटरों को उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों से बदलना।							आंशिक रूप से पूरा किया गया।	कुछ योजनाएं जिसमें नए टावर लगाए जाने थे वे 2017–18 तक पूरी होंगी।
	एफ एम ट्रांसमीटर (नई योजना)		85.28	53.14	55.86		2017–18 में उपस्कर की प्राप्ति	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	
	18 स्थानों पर विभिन्न शक्तियों के ट्रांसमीटर स्थापित करके एफ एम विस्तार प्रस्तावित है।					10 किवाट– सं. 72, 20 किवाट– सं. 7, 5 किवाट– सं.14, 1 किवाट– सं. 10 आदि के लिए आर्डर दिए गए।		आंशिक रूप से पूरा किया गया।	
	एल पी टी दूरदर्शन के 100 स्थानों पर 100 वाट एफ एम ट्रांसमीटरों की स्थापना					ट्रांसमीटरों की खरीद प्रक्रियाधीन है तथा इनके 2017–18 में प्राप्त होने की संभावना है।	स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	पूरा नहीं किया गया।	
1.2	**स्टूडियो तथा नेटवर्किंग (कुल)**		32.43	32.11	31.63				
(i)	**स्टूडियो (जारी स्कीम)**		20.68	25.80	27.16	–			

	11वीं योजना के अंतर्गत 98 स्टूडियो का डिजिटलीकरण, नेटवर्किंग, आर एन यू का ऑटोमेशन, 7 न, आर एन यू की स्थापना, दिल्ली में अभिलेखागार सुविधा का विस्तार तथा 4 स्थानों पर इसका सृजन						स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	एन आई टी निकाले जाने है।
						सेंट्रलाइज्ड स्टोरेज तथा सिस्टम सॉफ्टवेयर सहित सर्वरों की एस आई टी सी (डाटा कंटेंट सर्वर 38+10, डिजिटल वर्क स्टेशन 643+138+94) आर्डर का अपेक्षित मूल्य 23.30 करोड रूपए।	आर्डर दे दिया गया है। 2017–18 तक पूरा किए जाने की संभावना है।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	
						कंसोलों की खरीद (आर्डर का मूल्य रू. 38 करोड)	स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	पूरा नहीं किया गया।	एन आई टी निकाले जाने है।
						स्टूडियो की नेटवर्किंग	स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	
ii	स्टूडियो (नई स्कीम)		11.75	6.31	4.47	स्टूडियो की पुनर्सज्जा			
	12वीं योजना के अंतर्गत 29 स्टूडियो का डिजिटलीकरण, एक नए आर एन यू की स्थापना, गुवाहाटी में अभिलेखागार सुविधा की स्थापना तथा स्टूडियो की पुनर्सज्जा।		11.75	6.31	4.47		आर्डर दे दिया गया है। 2017–18 तक पूरा किए जाने की संभावना है।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	
1.3	**कनेक्टिविटी**		13.58	23.20	9.81				
(i)	**कनेक्टिविटी (जारी स्कीम)**		11.88	22.95	9.80				
	82 एस टी एल को बदलना और 35 नए एस टी एल की खरीद					सभी जोनों में एस टी एल प्राप्त हो गए हैं।	संस्थापना प्रगति पर है।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	
	कैपटिव अर्थ स्टेशन की संस्थापना					5 स्थानों पर सी ई एस। आर्डर दे दिया गया है।	स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	
(ii)	**कनेक्टिविटी (नई स्कीम)**		1.70	0.25	0.01				
	टेलीकॉम सुविधाओं में वृद्धि: फीड्स और डिशिज को दो पोल से चार पोल में बदलना– 24 एस सी पी सी को एम सी पी सी से बदलना –32		1.70	0.25	–		रेंडर किया जाना है।	पूरा नहीं किया गया।	2 पोल से 4 पोल फीड में बदलने को 2017–18 के लिए टाल दिया जाए।

1.4	**कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान का सुदृढीकरण (कुल)**		0.59	1.20	0.39	स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।			
	प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार (जारी स्कीम)		0.59	1.20	0.74			आंशिक रूप से पूरा किया गया।	
	क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों सहित एसटीआई (टी) तथा एसटीआई (पी) का विस्तार					स्कीम को 2016–17 तक पूरा करने का लक्ष्य है।		पूरा नहीं किया गया।	
	प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार (नई स्कीम)		–	–	–			पूरा नहीं किया गया।	
	12वीं योजना के तहत दिल्ली तथा भुवनेश्वर के लिए डी आर एम. तथा ट्रांसमीटरों सहित डिजिटल प्रसारण उपस्कर की खरीद		–		–		स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	पूरा नहीं किया गया।	
1.5	**अनुसंधान और विकास का सुदृढ़ीकरण (कुल)**	व्यापक इंट्रेक्टिव प्रसारण सेवाओं के विकास हेतु डिजिटल प्रसारण के लिए मॉनीटरिंग प्रणाली विकसित करने हेतु डी आर एम/डी आर एम+ डी वी बी, एफ एम, वी एच एफ, यू एच एफ, सी डब्ल्यू आदि जैसे डिजिटल प्रसारण पर प्रोपेगेशन अध्ययन करना।	1.50	0.50	0.25		स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	पूरा नहीं किया गया।	
	अनुसंधान और विकास का सुदृढ़ीकरण (जारी स्कीम)		1.50	0.50	0.23		स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	पूरा नहीं किया गया।	
	अनुसंधान और विकास का सुदृढ़ीकरण (नई स्कीम)		–	0.00	0.02	खरीद तथा विभागीय कार्य प्रगति पर है।			
	12वीं योजना में अनुसंधान एवं विकास के लिए नए प्रस्ताव		–				स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	पूरा नहीं किया गया।	
2	**सीमावर्ती क्षेत्र का सुदृढ़ीकरण (कुल)**		17.58	13.20	14.93	खरीद तथा विभागीय कार्य प्रगति पर है।			

	सीमावर्ती क्षेत्र का सुदृढ़ीकरण (जम्मू और कश्मीर सीमा) (जारी स्कीम)		17.58	13.20	14.93				
i	जम्मू और कश्मीर में एचपीटी/एलपीटी की स्थापना 10 किलोवाट के तीन एफ एम ट्रांसमीटरों और 10 कि.वाट के तीन टी वी ट्रांसमीटरों की स्थापना विद्यमान दूरदर्शन स्थल पर 10कि.वाट एफ एम ट्रांसमीटर स्थापित करना। आकाशवाणी स्थल पर 5 कि.वाट के 2 टी वी ट्रांसमीटर स्थापित करना। 100 वाट एफ एम के 4 ट्रांसमीटर स्थापित करना।								
						100 वाट एफ एम ट्रांसमीटरों (सं 4) की खरीद	पूरा हो गया।	पूरा किया गया।	
						स्कीम को 2016–17 तक पूरा करने का लक्ष्य है। (नौशेरा)	एफ एम ट्रांसमीटर प्राप्त हो गए हैं।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	एफ एम ट्रांसमीटर संस्थापनाधीन है।
						(i) सिविल निर्माण कार्य की प्रगति (ii) 10 किलोवाट एफ एम ट्रांसामीटर (1+1) तथा तीन जगहों पर दूरदर्शन के लिए 10 किलोवाट टी वी ट्रांसमीटर (1+1) की खरीद।	स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	टी वी ट्रांसमीटरों का आर्डर दिया जाना है।
	सीमावर्ती क्षेत्र का सुदृढ़ीकरण – भारत नेपाल सीमा (नई स्कीम)		0.00	0.00					
	भारत नेपाल सीमा (i) भारत – नेपाल सीमा के साथ एफ एम प्रसारण सेटअप – दूरदर्शन सेटअप की साइट पर सं 8 (ii) 2 जगहों पर प्रस्तुति केन्द्र (iii) 2 जगहों पर अपलिंकिंग		–		–	स्कीम संशोधित हो गई है। उपस्करों की खरीद की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उपयुक्तता हेतु साइटों की जांच की जा रही है।	स्कीम को 2018–19 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	पूरा नहीं किया गया।	साइट उपलब्ध नहीं है।
3	**वैकल्पिक प्लेटफार्मों पर प्रसारण (नई स्कीम)**	इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को आकाशवाणी चैनल सुलभ कराना; आकाशवाणी चैनलों को रिसीव करने के लिए विभिन्न तरीके उपलब्ध कराना।	0.00	0.50	0.70		स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	

4	**अवसरंचना का समेकन (कुल)**	जहां कहीं भी आवश्यक हो कोरपोरेट कार्य वातावरण उपलब्ध कराने के लिए मौजूदा सुविधाओं के बदलाव तथा सुधार से प्रसारण की क्षमता, कारगरता तथा गुणवत्ता को सुधारना; स्टाफ कल्याण हेतु सुविधाएं उपलब्ध कराना।	2.23	2.5 0	2.16	स्कीम को 2016–17 तक पूरा करने का लक्ष्य है।			
	अवसरंचना का समेकन (जारी स्कीम)		2.23	1.80	1.40			आंशिक रूप से पूरा किया गया।	
	श्रीनगर में हॉस्टल आवास सहित गुवाहाटी में कार्यालय आवास/स्टॉफ क्वार्टर					स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	श्रीनगर में हॉस्टल सुविधा को छोडकर पूरा किया गया।(लक्ष्य 2017–18)	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	श्रीनगर में लीज रेंट इश्यू।
	अवसरंचना का समेकन (नई स्कीम)		–	0.70	0.76				
	दिल्ली तथा मुंबई में सामुदायिक केंद्र					एस्टिमेट प्राप्त हो गए हैं। मुंबई हेतु संस्वीकृत जारी कर दी गई है।	स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	
	सुरक्षा बाड़े का सुदृढ़ीकरण आदि						स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	पूरा नहीं किया गया।	

5	**ई– गवर्नेंस (नई स्कीम)**	वीडियो कॉन्फ्रसिंग, ई टेंडरिंग सभी आकाशवाणी केन्द्रों द्वारा वेबसाइट तथा शिकायत निवारण प्रणाली उपलब्ध कराने के लिए आकाशवाणी तथा दूरदर्शन केन्द्रों के वृहत नेटवर्क के प्रबंधन हेतु नेटवर्क आधारित ऑन लाइन प्रबंधन प्रणालियां तथा ई आर पी सॉल्यूशन्स उपलब्ध कराके मीडिया एकांशों को तीव्र गति से सूचना के प्रसार की सुविधा देना।	0.00	0.75	0.80	आई टी द्वारा स्पेसिफिकेशन तैयार किए जा रहे हैं।	स्कीम को 2017–18 तक पूरा करने का लक्ष्य है।	पूरा नहीं किया गया।	
	स्कीम–IV विशेष परियोजनाएं		0.10	0.10					
(i)	**दिल्ली में सभागार का नवीकरण (नई स्कीम)**	चूंकि दिल्ली में आकाशवाणी का कोई ऑडिटोरियम नहीं है, मौजूदा ऑडिटोरियम की पुनर्सज्जा; आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष कार्यक्रम उपलब्ध कराने हेतु सुविधा; बडे समूहों की भागीदारी के साथ कार्यक्रम आयोजित करना।	0.10	0.10			ति–1 :– स्कीम का अनुमोदन ति–2 – अनुमान की संस्वीकृति, स्पेसिफिकेशन तैयार करना। ति–3 :– सिविल कार्य प्रदान करना। ति–4. एन आई टी निकालना, सिविल कार्यों की शुरूआत। लक्ष्य 2017–18	आंशिक रूप से पूरा किया गया।	स्कीम को मार्च 2018 तक पूरा करना। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने दिनांक 21.12. 2016 के पत्र सं. 37013/9/20 14–बी(डी) पार्ट ।। के मार्फत अनुमोदन दिया।
	कुल (कैपिटल)		177.00	177.00	164.52				
	कुल (आकाशवाणी)		177.00	177.00	164.52				

दूरदर्शन वार्षिक योजना (2016–17) लक्ष्यों और उपलब्धियों का विवरण						
क्रम सं.	योजना/कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित परिव्यय		मार्च, 2017 तक व्यय	लक्ष्य/भौतिक उत्पादन	उपलब्धियां/टिप्पणियां (31.03.2017 की वर्तमान स्थिति)
		बीई 2016–17	आरई 2016–17			
योजना–1 : प्रसारण संरचना नैटवर्क का विकास						
	जारी योजना					
1	ट्रांसमीटरों और स्टूडियो का डिजिटलीकरण	33.00	36.50	30.56		
	क) ट्रांसमीटर का डिजिटलीकरण				डिजिटल एचपीटी–21	विभागीय कार्य, उपकरणों की खरीद, स्थल की तैयारी हेतु टावरों के सुदृढ़ीकरण के कार्य प्रगति पर है । एन आई टी जारी की गई है ।
					डीटीटी नैटवर्किंग के लिए भूकेंद्र (खरीद आदेश)	डीवीबी–टी2 ट्रांसमीटर हेतु व्यवसाय माडल की तैयारी प्रक्रियाधीन है । 5 दूरदर्शन चैनलों के डिजिटल ट्रांसमीटर देने हेतु अंतरिम व्यवस्था की गई है ।
	ख) स्टूडियो का डिजिटलीकरण				39 स्टूडियो का पूर्ण डिजिटलीकरण (कैमरा चेन का प्रापण)	कैमराचेन्स की आपूर्ति हाल ही में की गई है और संबंधित स्टेशनों पर पहुंचने वाले हैं ।
2	हाई डेफिनेशन टीवी (एचडीटीवी)	15.00	0.00	0.00	दिल्ली में मल्टी कैमरा मोबाइल उपकरण	तकनीकी कारणों से दिल्ली में मल्टी कैमरा मोबाइल प्रस्तुती सुविधा हेतु आदेश को पूर्व में रद्द किया गया। बाद में प्राप्त निविदाएं भी निविदा में कमियों के कारण रद्द की गई । नई निविदा पुनः प्राप्त की गई है और प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और खरीद आदेश दे दिए गए हैं ।
3	डीटीएच का विस्तार	18.00	0.00	0.00	30,000 डीटीएच सैट का प्रापण	भारतीय बाजार में डीटीएच एसटीबी युक्त कंडीशनल एक्सेस सिस्टम (सीएएस) की उपलब्धता के पश्चात डीटीएच रिसीव इकाईयों के खरीद हेतु कार्यवाई शुरु की जाएगी जिसकी 2017–18 के दूसरे तिमाही में उपलब्ध होने की संभावना है । प्रसार भारती ने दिनांक 16.10.15 को आयोजित अपनी 129वीं बैठक में डीडी फ्री डिश पर सीएएस के कार्यान्वयन हेतु डायटी अनुमोदित भारतीय सीएएस वेंडर, मैसर्स बाइडिजाइन की नियुक्ति को अनुमोदन प्रदान किया गया है । डीटीएच अर्थ स्टेशन, टोडापुर, नई दिल्ली में दूरदर्शन के डीटीएच प्लैटफार्म डीडी फ्री डिश हेतु एसआईटीसी आधार पर आईसीएएस (इंडियन सीएएस) के कार्यान्वयन हेतु मैसर्स बाई डिजाइन को 26.07.2016 को खरीद आदेश दे दिए गए हैं और उपकरण के स्थापन एवं जांच पूरी कर ली गई है । दूरदर्शन द्वारा अनुमोदित सीएएस एवं फर्मवेयर/मिडलवेयर से एसटीबी की बिक्री हेतु

						एसटीबी ओईएम के अधिकार पत्र हेतु आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और 5 भारतीय एसटीवी ओईएम को अल्प सूचीबद्ध किया गया है।
4	सैटेलाइट प्रसारण उपकरणों का आधुनिकीकरण, संवर्धन और प्रतिस्थापन	10.00	10.00	8.07	डीवीबी–एस2 आधारित आईआरडी सहित वर्तमान आईआरडी का प्रतिस्थापन और माड्यूलेटरों का प्रतिस्थापन	डीवीबी–एस2 आधारित आईआरडी की आपूर्ति की गई है । डीवीबी–एस 2 माड्यूलेअर्स और अतिरिक्त डीवीबी–एस2 आईआरडी की आपूर्ति की गई है।
					भू–केंद्रो (4) का उन्नयन	अर्थ स्टेशन उपकरण लगाने का कार्य पूर्ण हो चुका है और जांच कर ली गई है सिवाय सी बैण्ड, अप–कनवर्टर और रिडनडैन्सी स्विच के अप–कनवर्टर और आरएफ स्विच की आपूर्ति हाल ही में की गई है ।
					नया भू–केंद्र (गोरखपुर)	प्रशासनिक कारणों से कंप्रेसन उपकरण हेतु निविदा को दिसंबर 2016 में रद्द किया गया । नई एनआईटी जारी की जानी है । अप–कनवर्टर और आरएफ स्विच की आपूर्ति हाल ही में की गई है । एचपीए और पीडीए के लिए नई निविदा प्राप्त हुई है और तकनीकी मूल्यांकन के अधीन हैं ।
					एक क्षेत्र (देहरादून) में भू–केंद्र कंप्रेशन उपकरण का प्रतिस्थापन	प्रशासनिक कारणों से कंप्रेसन उपकरण हेतु निविदा को दिसंबर 2016 में रद्द किया गया । नई एनआईटी जारी की जानी है ।
					नए डीएसएनजी – सं. 9 (खरीद आदेश)	पूर्व में मंगाई गई निविदा को तकनीकी कारणों से रद्द किया गया । नई निविदा प्राप्त हुई, मूल्यांकन किया गया और व्यावसायिक बोली खोली गई । खरीद प्रस्ताव की वित्तीय जांच की जा रही है ।
5	ट्रांसमीटर और स्टूडियो उपकरण का आधुनिकीकरण, संवर्धन और प्रतिस्थापन	22.00	24.00	24.98		
	क) स्टूडियो उपकरण का आधुनिकीकरण, संवर्धन और प्रतिस्थापन				कैमरा चेनों का प्रापण	कैमरा चेन्स की आपूर्ति हाल ही में की गई है और संबंधित स्टेशनों पर पहुंचाई जा रही है ।
					चयनित केंद्रों में अनिवार्य सेवा उपकरण का प्रतिस्थापन	जालंधर और लखनऊ में लाइटिंग ग्रिड बदलने का कार्य पूरा हो चुका है और एसी संयत्र के प्रतिस्थापन का कार्य पूर्ण हो चुका है । चैन्नई और बैंगलूरु में एसी संयत्र के प्रतिस्थापन, एकाउस्टिक ट्रीटमेंट, फ्लोरिंग इत्यादि से संबंधित कार्य पूर्णता के विभिन्न चरणों पर है ।

	ख) ट्रांसमीटर उपकरण का आधुनिकीकरण, संवर्धन और प्रतिस्थापन				डिब्रुगढ़ में नया टावर (खरीद आदेश)	डिब्रुगढ़ में 7.5 किवा सुपर टर्नस्टाइल एन्टीना लगाने का कार्य पूरा हो चुका है । पूर्व में प्राप्त डिब्रुगढ़ में 150 मीटर टावर हेतु निविदा को सितंबर 2012 में रद्द किया गया क्योंकि एल 1 बोलीकर्ता ने मूल्य वैधता को नहीं बढ़ाया । परिणाम स्वरुप, सीसीडब्ल्यू को डिब्रुगढ़ में टावर के निर्माण का कार्य सौंपा गया । सीसीडब्ल्यू ने सितंबर 2014 में निविदा आमंत्रित किया जिसके प्रति उच्च लागत के साथ एकमात्र निविदा प्राप्त हुई । सीसीडब्ल्यू ने फर्म के साथ मोलभाव किया । बाद में उच्च लागत के कारण निविदा को रद्द किया गया और संभावित उंचाई के संबंध में निर्णय अपीलीय प्राधिकारी नागरिक विमानन से प्राप्त नहीं हुआ । हाल ही में भारतीय विमान पतन प्राधिकरण से 135 मीटर टावर की ऊंचाई के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है इसके अलोक में, मौजूदा 75 मीटर ऊंचे टावर को 135 मीटर तक करने का कार्य सीएसआईआर के परामर्श से किया जा रहा है ।
					उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों के लिए मापन उपकरण	एचपीटी के लिए मापक उपकरणों हेतु खरीद आदेश दे दिए गए हैं ।
6	स्टाफ क्वाटर्स और अन्य विविध कार्य	2.00	2.00	1.81	टावर सी भवन में शेष कार्य	टावर सी भवन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है प्रसार भारती सचिवालय को इस भवन में स्थनांतरित किया गया है और 19 जनवरी, 2017 से कार्य करना भी शुरु कर दिया है ।
7	अन्य जारी विविध कार्य	17.00	17.00	15.33	कैमरा चैन्स का प्रापण	कैमरा चेन्स की आपूर्ति हाल ही में की गई है और संबंधित स्टेशनों को पहुंचाया जा रहा है ।
					300 मीटर टावर पर एंटीना के साथ अमृतसर में डीडी वन और डीडी (न्यूज़) एचपीटी का प्रारंभ	अंतरिम सेटप शुरु किया गया। टावर पूरी ऊंचाई 282 मी. तक उठाया गया। असाधारण विलंब एवं बडी कमियों के कारण कार्य को समाप्त किया गया। 203.5 मी. से आगे आकार में सुधार जैसा कि आईआईटी रुड़की द्वारा अनुशंसा की गई थी, के लिए नई निविदा प्रक्रिया शुरु की गई। निविदा प्राप्त हो चुकी है, मूल्यांकन किया गया और व्यावसायिक बोली बोली गई। तथापि, प्रशासनिक कारणों से निविदा को निरस्त किया गया। अनुलंब में सुधार सहित शेष कार्य को दो चरणों में किया जा रहा है। कार्य का प्रथम चरण अर्थात संरचना में निरिक्षण एवं कमियों की मात्रा का कार्य पूरा कर लिया गया है और रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। दूसरे चरण के कार्य अर्थात टावर में अवलंबन में सुधार हेतु एनआईटी शीघ्र ही जारी की जा रही है।
					एचपीटी महबूब नगर (स्थायी सेटअप) 150 मीटर टावर के लिए खरीद आदेश	उच्च शक्ति ट्रांसमीटर (अंतरिम सेटअप) दिसंबर, 2012 में शुरु किया गया। 2010 में 150 मी. के टावर के लिए आदेश दिया गया। तथापि, एजेंसी ने कार्य आंरभ नहीं किया और इसलिए 2012 में आदेश को रद्द कर दिया गया। सीसीडब्लू ने अप्रैल, 2014 निविदा मंगवाए। तथापि उच्च लागत प्राप्त होने की दृष्टि से, निविदा प्राप्त हो चुके हैं और उन पर कार्य किया जा रहा है। मूल्यों में कमी भी की गई। तथापि उच्च लागत एवं मूल्यों मे कमी करने के बावजूद हितकर परिणाम न मिलने के कारण इस बार निविदा को रद्द करना ही पड़ा। निविदा संबंधी कार्रवाई

						एडीजी (ई) (एसजेड़) द्वारा शुरु की जा रही है।
					स्टूडियो देहरादून में शेष कार्य	देहरादून में स्थायी स्टूडियो को सेटअप मार्च 2016 में मुख्य स्टूडियो से परिचालित किया गया। स्टूडियो–बी में विभिन्न कार्य पूरे होने के उच्च चरण पर है।
	नई स्कीम					
1	सीमा कवरेज का सुदृढ़ीकरण (भारत नेपाल सीमा के साथ)	5.00	4.50	4.50	रामेश्वरम में 300 एम टॉवर का सुदृढ़ीकरण	आरसीसी संरचना पर सुदृढ़ कार्य पूरा हुआ। स्टील संरचना पर कार्य प्रगति पर है।
2	ट्रांसमीटर और स्टूडियो उपकरण का आधुनिकीकरण, संवर्धन और प्रतिस्थापन	73.00	85.00	89.57	ऑटोमेटेड़ प्लेबैक सुविधा	मल्टीचैनल स्वचालित सुविधा स्थापित कर दी गई है।
					स्टूडियो उपकरण का प्रापण (कुछ उपकरण की खरीद आदेश, आपूर्ति एवं स्थापना)	डीजिटल उत्पादन स्विचर, 32X32 रुटर्स, एक्सडीकैम कैमकॉडर एवं रिकॉर्ड़र, लाइट वेट कैमरा सपोर्ट सिस्टम, डिजिटल फ्रेम सिंक्रोनाइजर और डिजीटल, फोन–इन–कंसोल की आपूर्ति की गई है। कैमरा चेन, एच डी टी वी जूम लैंस और डिजिटल ऑडियो मिक्सर के लिए आदेश दे दिए गए हैं। कुछ शेष उपकरणों को विनिर्देशन को अंतिम रुप दे दिया गया है और एनआईटी जारी किया जाना है।
					समाचार मुख्यालय दिल्ली में समाचार सुविधाओं का आधुनिकीकरण (कुछ उपकरण की खरीद आदेश, आपूर्ति एवं स्थापना)	एक्सडीकैम कैमकार्डर एवं रिकॉडरों की आपूर्ति कर दी गई है। इंटीग्रेटिड़ न्यूज़ प्रोडक्शन सुविधा के लिए आदेश दिया गया।
3	हाई डेफीनेशन टीवी (एचड़ीटीवी)	2.00	0.00	0.00	कोलकाता और चैन्नई में एचडीटीवी स्टूडियो	चैन्नई और कोलकाता में एचडीटीवी स्टडियो के आईटीसी के लिए निविदा प्राप्त हो गए हैं और उनका तकनीकी मूल्यांकन किया जा रहा है।
4	सैटेलाइट प्रसारण उपकरण का आधुनिकीकरण, संवर्धन एवं प्रतिस्थापन	4.00	4.00	0.74	कोहिमा और इंफाल में अर्थ स्टेशन भवन का निर्माण	कोहिमा में भवन के लिए रुफ स्लैब शटरिंग का कार्य प्रगति पर है। इंफाल के लिए कार्य प्रारंभ किया गया।

					अर्थ स्टेशन पर कंप्रेशन चेन,आरएफ उपकरण और अपलिंक पीडीए का प्रतिस्थापन (कुछ उपकरण की खरीद आदेश, आपूर्ति एवं स्थापना)	1.अप–कनवर्टर और आरएफ स्विच की हाल ही में आपूर्ति की गई है। 2.देहरादून में तकनीकी विचार–विमर्श पर अपलिंक एंटीना सिस्टम के लिए निविदा रद्द किए गए। नागपुर के लिए एंटीना को शामिल करते हुए नवीन निविदाएं प्राप्त हुई हैं और तकनीकी मूल्यांकनाधीन हैं। 3.देहरादून और श्रीनगर में प्रशासनिक विचार–विमर्श पर एचवीए के लिए निविदा रद्द की गई। नागपुर के लिए भी एचपीए को शामिल करते हुए नवीन निविदाएं प्राप्त हुई हैं और तकनीकी मूल्यांकन के अधीन है। 4.तकनीकी मूल्यांकन संपूर्ण हुआ और श्रीनगर के लिए कंप्रेशन उपकरण हेतु व्यापारिक बोली को खोल दिया गया। तथापि प्रशासनिक कारणों की वजह से दिसंबर,16 में निविदा को रद्द कर दिया गया। नवीन एनआईटी को जारी किया जाना है। 5.दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली, बैगलूर और हैदराबाद के लिए कंप्रेशन उपकरण हेतु एनआईटी जारी कर दिया गया है।
					13 स्थानों पर अर्थ स्टेशनों का उन्नयन (कुछ उपकरण की खरीद आदेश, आपूर्ति एवं स्थापना)	12 स्थानों के लिए एनआईटी जारी कर दिया गया है। शेष एक स्थान के लिए एनआईटी अविलंब जारी किया जा रहा है।
5	अवसंरचना संवर्धन एवं विविध कार्य	1.00	0.50	0.36	चंडीगढ़ में स्टॉफ क्वार्टर का निर्माण	सिविल और विद्युत दोनों कार्य पूरे हुए। संघ राज्य–क्षेत्र अंड़मान, चंड़ीगढ़ से निष्पत्ति/अधिग्रहण प्रमाण–पत्र प्रतीक्षित है।
6	डीटीएच का विस्तार (250 चैनल)	3.00	1.50	1.18	डीटीएच विस्तार के लिए भवन का निर्माण	संरचना तैयार है तथा अंतिम रुप देने का कार्य प्रगति पर है।
					250 टीवी चैनलों के लिए डीटीएच प्लेटफार्म का उन्नयन	एनआईटी जारी किया गया है।
7	नई मीड़िया प्रौद्योगिकी/वैकल्पिक प्रदायगी प्लेटफार्म	0.50	0.00	0.00	वेब प्रसारण एवं विषय सामग्री वितरण (सीडीएन)	ओटीटी पर प्रायोगिक परियोजना के लिए विनिर्देशन को अंतिम रुप दिया जाना है।
8	दूरदर्शन नेटवर्क का डिजीटलीकरण	7.00	9.00	7.69	डिजीटल एचपीटी–23 (खरीद आदेश)	विभागीय कार्य, उपकरणों के प्रापण तथा स्थल तैयार करने हेतु टॉवरों को सुदृढ बनाने का कार्य प्रगति पर है। एनआईटी जारी कर दिया गया है।
					दिल्ली में केन्द्रीय लेखागार का संवर्धन	विनिर्देशन को अंतिम रुप देने के लिए प्रसार भारती द्वारा समिति का गठन किया गया है। क्षेत्र और विनिर्देशन को अंतिम रुप देने के पश्चात परियोजना शुरु की जानी है।
9	ओएफसी कनेक्टिवीटी	0.50	0.00	0.00	ओएफसी कनेक्टिवीटी के माध्यम से चुनिंदा दूरदर्शन केन्द्रों को	सर्वोतम उपयोगिता के लिए विस्तृत क्षेत्र को परिभाषित करने के लिए इसकी समीक्षा की जा रही है।

					जोडना	
10	अरुण प्रभा चैनल	0.00	9.00	6.37	ईटानगर से 24X7 अरुण प्रभा चैनल का प्रारंभ	प्लेआउट की सुविधा, एक्सडीकैम कैमकॉर्डर तथा रिकॉर्डर एवं डाईव यूनिट, 32X32 रुटिंग स्विचर,डिजिटल फ्रैम सिंक्रोनाइजर, सीजी, लोगों जैनेरेटर आदि की आपूर्ति कर दी गई है। चैनल को शुरु करने हेतु तकनीकी सुविधा तैयार है।
स्कीम–III : विशेष परियोजनाएं						
1	किसान चैनल	8.00	18.00	16.98	सीपीसी दिल्ली में तकनीकी सुविधा का संर्वधन	एचडीटीवी फॉर्मेट में मल्टी कैमरा स्टूडियो प्रोडक्शन तथा कोलेबॉरेटिव पोस्ट प्रोडक्शन सुविधा को स्थापित कर दिया गया है। लाइट वेट कैमरा सपोर्ट सिस्टम, बैटरीज और चार्जर तथा एक्सडी कैमकार्डर एवं रिकॉर्डर की आपूर्ति कर दी गई है।

अनुलग्नक - I

मौजूदा आकाशवाणी केन्द्र					31.03.2017
कुल केन्द्र–420 कुल ट्रांसमिटर –612					[मीडियम वेव – 143, एफ एम–421, शॉर्ट वेव –48]
			कुल [मीडियम वेव +एफ एम]: नेशनल (कवरेज) क्षेत्र .92.00% जनसंख्या – 99.20% एफ एम नेश्नल कवरेज : क्षेत्र –34.0% जनसंख्या – 47.00%		
क.सं.	केन्द्र	श्रेणी	ट्रांसमीटर	आवृत्ति	स्टूडियो
आंध्राप्रदेश (14), ट्रांसमीटर.–20 (मी.वेव –4,एफ एम–16)			कुल [मीडियम वेव +एफ एम]: कवरेजः क्षेत्र–99.00% जनसंख्या – 99.50% एफ एम कवरेजः क्षेत्र –32.00% जनसंख्या – 40.00%		
1	अनन्तपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	101.7 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
2	कडप्पा		100 कि.वाट मीडियम वेव	900 कि. हर्ट्ज़	टाइप 1
			1 कि.वाट एफ एम	103.6 मेगा हर्ट्ज़	
3	कुरूनूल	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.4 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
4	मचरेला		3 कि.वाट एफ एम	103.1 मेगा हर्ट्ज़	
5	मरकापुरम्	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	101.5 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
6	नेल्लोर	रिले	100 वाट एफ एम	101.1 मेगा हर्ट्ज़	डी टी एच तेलुगू
7	ओंगले	रिले	100 वाट एफ एम	100.6 मेगा हर्ट्ज़	डी टी एच तेलुगू
8	तिरूपति	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एम	103.2 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
		स्थानीय रेडियो केन्द्र	3 कि.वाट एफ एम	107.5 मेगा हर्ट्ज़	
9	विजयवाड़ा		100 कि.वाट मी.वेव	837 कि. हर्ट्ज़	टाइप III, आरएनयू
			1 किलोवाट मीडियम वेव' विविध भारती (बंद किया जाना है)	1503 कि. हर्ट्ज़	
			1 कि.वाट एफ एम	103.4 मेगा हर्ट्ज़	
			10 कि.वाट एफ एम	102.2 मेगा हर्ट्ज़	एफ एम रेनवो कृष्णवाणी कार्यक्रम
10	विशाखापटणम		100 कि.वाट मी.वेव	927 कि. हर्ट्ज़	टाइप I
			10 कि.वाट एफ एमए रेनबो	102 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
11	नांदयाल	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
12	अदोनी	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	

13	काकीनाड़ा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
14	श्रीकाकुलम	रिले	1 किलोवाट एफ एम	102.7 मेगा हर्ट्ज़	
अरूणाचल प्रदेश (20) **ट्रासमीटर –26 ; (मी.वेव–5, शॉर्ट वेव –1,एफ एम.20)**			**कुल कवरेजः [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र–57.00%** **जनसंख्या – 76.00%** **एफ एम कवरेजः क्षेत्र –7.00% जनसंख्या – 15.50%**		
15	ईटानगर		100 कि.वाट मी.वेव	675 कि. हर्ट्ज़	टाइप I, अपलिंक, आरएनयू
			50 कि0 वाट शॉर्ट वेव		
			10 कि.वाट एफ एम	103.1 मेगा हर्ट्ज़	
16	पासीघाट		10 कि.वाट मी.वेव	1062 कि. हर्ट्ज़	एम पी
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
17	तवांग		10 कि.वाट मी.वेव	1521 कि. हर्ट्ज़	एम पी
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
18	तेजू		10 कि.वाट मी.वेव	1332 कि. हर्ट्ज़	एम पी
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
19	जीरो	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 कि.वाट मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज़	एम पी
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
20	जिमीथांग	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
21	कलकतांग	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
22	बोमडिला	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
23	तलिहा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
24	सेप्पा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
25	बसर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
26	अलोग	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
27	मेयो	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
28	रोइंग	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
29	हुन्ली	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
30	योम्छा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
31	नामसई	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
32	हवाई	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
33	गेकू	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
34	दियोमाली	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	

असम (14) **ट्रांसमीटर–24 (मी.वेव–7, शॉर्ट वेव –2, एफ एम–15)**			**कुल कवरेजः [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र.96.70%** **जनसंख्या–99.00%** **एफ एम कवरेजः क्षेत्र .40.30%** **जनसंख्या – 40.13%**		
35	धुबरी	रिले	6 कि.वाट एफ एम	103.3 मेगा हर्ट्ज़	
36	डिब्रूगढ़		300 कि.वाट मी.वेव	567 कि. हर्ट्ज़	टाइप III, आरएनयू
			1 किलोवाट एफ एम	101.3 मेगा हर्ट्ज़	
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
37	दीफू	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 कि0वाट मी0 वेव	1485 कि. हर्ट्ज़	एम पी
38	गुवाहाटी		100 कि.वाट मी.वेव	729 कि. हर्ट्ज़	टाइप IV, अपलिंक, आरएनयू, न्यूज ऑन फोन,
			10 कि.वाट मी.वेव	1035 कि. हर्ट्ज़	
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	100.8 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			50 कि0 वाट शॉर्ट वेव		** 16.09.14 से अगले आदेश तक बंद कर दिया
			50 कि0 वाट शॉर्ट वेव		** 16.09.14 से अगले आदेष तक बंद कर दिया
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
39	हॉफलॉग	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
40	जोरहाट	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एम	103.4 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
41	कोकराझार		20 कि.वाट मी.वेव	1512 कि. हर्ट्ज़	टाइप I,
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
42	नौगोंग	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.7 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
43	सिलचर		20 कि.वाट मी.वेव	828 कि. हर्ट्ज़	टाइप I,आरएनयू
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
44	तेजपुर		20 कि.वाट मी.वेव	1125 कि. हर्ट्ज़	एम पी
			1 किवाट एफ एम	102.4 मेगा हर्ट्ज़	
45	मरघेरिता	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
46	तिसुखिया	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
47	नजीरा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	

48	उत्तरी लखीमपुर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
बिहार (15) **ट्रांसमीटर –18** **(मी.वेव–3, एफ एम.15)**			**कुल कवरेजः [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र–99.00%** **जनसंख्या – 99.00%** **एफ एम कवरेजः क्षेत्र –24.00%** **जनसंख्या –24.40%**		
49	भागलपुर		20 कि.वाट मी.वेव	1458 कि. हर्ट्ज़	टाइप I,
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
50	दरभंगा		20 कि.वाट मी.वेव	1296 कि. हर्ट्ज़	टाइप I,
51	गया	रिले	100 वाट एफ एम	11.9 मेगा हर्ट्ज़	विविध भारती
52	पटना		100 कि.वाट मी.वेव	621 कि. हर्ट्ज़	टाइप IV, अपलिंक, न्यूज ऑन फोन, आरएनयू
			6 कि.वाट एफ एम	102.5 मेगा हर्ट्ज़	विविध भारती, स्टीरियो
			10 कि.वाट एफ एम	101.6 मेगा हर्ट्ज़	
53	पुर्णिया	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.3 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
54	सीतामढ़ी	रिले	100 वाट एफ एम	102 मेगा हर्ट्ज़	विविध भारती
55	सासाराम	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	103.4 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
56	औरंगाबाद	एल टी पी रिले	100 वाट एफ एम	102.4 मेगा हर्ट्ज़	
57	मुजफ्फरपुर	एल टी पी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
58	बेतिहा	एल टी पी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
59	मोतीहारी	एल टी पी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
60	मधुबनी	एल टी पी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
61	फोरबेसगंज	एल टी पी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
62	किशनगंज	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
63	सुपौल	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
छत्तीसगढ़ (13) **ट्रांसमीटर –15 (मी. वेव–3,एफ एम.12)**			**कुल कवरेज[मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र.93.80%** **जनसंख्या –97.35%** **एफ एम कवरेजः क्षेत्र–15.70%** **जनसंख्या –27.00%**		
64	अम्बिकापुर		20 कि0वा0 मी0 वेव	1260 कि0 हर्ट्ज़	टाइप I,
65	बिलासपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	103.2 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
66	जगदलपुर		100 कि.वाट मी.वेव	756 कि. हर्ट्ज़	टाइप I,
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	

67	रायगढ़	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	100.7 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
68	रायपुर		100 कि.वाट मी.वेव	981 कि. हर्ट्ज़	टाइप I, अपलिंक, न्यूज ऑन फोन, आरएनयू
			10 कि.वाट एफ एम	101.6 मेगा हर्ट्ज़	
69	सरायपल्ली	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 कि.वाट एफ एम	102.8 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
70	मनिद्रगढ़	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
71	कोन्टा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
72	खरोड़	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
73	कोरबा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
74	पंडारिया	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
75	कन्केर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
76	डोंगरगढ़	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
दिल्ली (1) **ट्रांसमीटर –16(मी.वेव–5, शॉर्ट वेव –9 एफ एम–2)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र–99.00%** **जनसंख्या–99.00%** **एफ एम कवरेज: क्षेत्र.99.12%** **जनसंख्या –99.90%**		
77	दिल्ली (1)		200 कि.वाट मी.वेव (ए)	819 कि. हर्ट्ज़	टाइप IV, प्लस अपलिंक
			100 कि.वाट मी.वेव (बी)	666 कि. हर्ट्ज़	न्यूज ऑन फोन
			20 कि.वाट मी.वेव (सी) विविध भारती	1368 कि. हर्ट्ज़	
			10 कि.वाट मी.वेव (डी)	1017 कि. हर्ट्ज़	
			20 कि.वाट एफ एम (रेनबो)	102.6 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			20 कि.वाट एफ एम (गोल्ड)	106.4 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			20 कि.वाट मी.वेव एन सी	1215 कि. हर्ट्ज़	टाइप III,
			100 कि0 वाट **शॉर्ट वेव** विदेश सेवा		
			100 कि0 वाट **शॉर्ट वेव** विदेश सेवा		
			250 कि0 वाट **शॉर्ट वेव** विदेश सेवा		
			250 कि0 वाट **शॉर्ट वेव** विदेश सेवा		
			250 कि0 वाट षार्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि0 वाट **शॉर्ट वेव** विदेश सेवा		
			250 कि0 वाट **शॉर्ट वेव** विदेश सेवा		
			250कि0 वाट **शॉर्ट वेव** विदेश सेवा		

			250 कि0 वाट शॉर्ट वेव विदेश सेवा		
गोवा (1) **ट्रांसमीटर –5 (मी.वेव–2, शॉर्ट वेव –2,एफएम–1)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र–99.00%** **जनसंख्या–99.00%** **एफ एम कवरेजः क्षेत्र –90.00%** **जनसंख्या –90.00%**		
78	पणजी		100 कि.वाट मी.वेव	1287 कि. हर्ट्ज़	टाइप III, आरएनयू
			20 कि.वाट मी.वेव विविध भारती	828 कि. हर्ट्ज़	
			6 कि.वाट एफ एमएरेनबो	105.4 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			250 कि0 वाट शॉर्ट वेव विदेश सेवा		
			250 कि0 वाट शॉर्ट वेव विदेश सेवा		
गुजरात (15) **ट्रांसमीटर –19 (मी.वेव–7,एफ एम–12)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र–99.00%*** **जनसंख्या*–99.00%** **एफ एम कवरेजः क्षेत्र –25.00%** **जनसंख्या –44.00%**		
79	अहमदाबाद		200 कि.वाट मी.वेव	846 कि. हर्ट्ज़	टाइप IV, अपलिंक, न्यूज ऑन फोन, आरएनयू
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	96.7 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
80	अह्वा		1 कि.वाट मी.वेव	1485 कि. हर्ट्ज़	एम पी
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
81	भुज		20 कि.वाट मी.वेव	1314 कि. हर्ट्ज़	टाइप II, आरएनयू
82	गोधरा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.2 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
83	राजकोट		300 कि.वाट मी.वेव	810 कि. हर्ट्ज़	टाइप III,
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	95.8 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			1000 कि.वाट मी.वेव विदेश सेवा	1071 कि. हर्ट्ज़	डी आर एम ट्रांसमीटर से बदला गया और 10-9-2012 को औपचारिक रूप से चालू किया गया।
84	सूरत	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एमए विविध भारती	101.1 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
85	वडोदरा	विविध भारती एक्सल	10 कि.वाट एफ एम	93.9 मेगा हर्ट्ज़	टाइप II, और स्टीरियो
86	हिम्मतनगर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 कि.वाट मी.वेव	1584 कि. हर्ट्ज़	एम पी

87	मेहसाना	एल टी पी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
88	भावनगर	एल टी पी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
89	भरूच	एल टी पी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
90	जामनगर	एल टी पी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
91	पोरबंदर	एल टी पी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
92	द्वारका	एल टी पी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
93	जूनागढ़	रिले	10 किवाट एफ एम	100.7 मेगा हर्ट्ज़	वाइस ओवर रिकार्डिंग के साथ प्लेबैक तथा फील्ड प्रोडक्शन सुविधाएं
हरियाणा (5) **ट्रांसमीटर –6 (मी.वेव–1, एफ एम–5)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र–99.00%** **जनसंख्या –99.00%*** **एफ एम कवरेज: क्षेत्र –57.50%** **जनसंख्या – 58.60%***		
94	हिसार	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.3 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
95	कुरूक्षेत्र	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एम	101.4 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
96	रोहतक		20 कि.वाट मी.वेव	1143 कि. हर्ट्ज़	टाइप III,अपलिंक
			10 कि.वाट एफ एम	103.5 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
97	सिरसा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100 मेगा हर्ट्ज़	
98	अम्बाला	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100 मेगा हर्ट्ज़	
हिमाचल प्रदेश (16) **ट्रांसमीटर –18 (मी.वेव–2, एफ एम–15, शॉर्ट वेव –1)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र–56.27%** **जनसंख्या –91.70%** **एफ एम कवरेज: क्षेत्र–51.15%** **जनसंख्या – 89.80%**		
99	भारमोर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	101.3 मेगा हर्ट्ज़	
100	धर्मशाला		10 कि.वाट एफ एम	103.4 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
101	हमीरपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	101.8 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
102	कसौली	रिले	10 कि.वाट एफ एम	107.2 मेगा हर्ट्ज़	
103	किन्नौर (कल्पा)	रिले	1 कि.वाट मी.वेव	1584 कि. हर्ट्ज़	
104	कुल्लू	रिले	6 कि.वाट एफ एम	102.5 मेगा हर्ट्ज़	
105	शिमला		100 कि.वाट मी.वेव	774 कि. हर्ट्ज़	टाइप III, अपलिंक, आरएनयू, न्यूज ऑन फोन
			50 कि0 वाट शॉर्ट वेव		

			10 कि.वाट एफ एम	100.9 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
106	क्येलोंग	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.4 मेगा हर्ट्ज़	
107	रामपुर	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
108	बेरथीन	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
109	मंडी	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
110	बिलासपुर	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
110	सुंदर नगर	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
112	मनाली	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
113	चम्बा	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
114	चौरीखास	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
जम्मू और कश्मीर (24) ट्रांसमीटर –38 (मी.वेव–14, शॉर्ट वेव –3,एएफ एम–21)			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र–51.05% जनसंख्या –99.50% एफ एम कवरेजः क्षेत्र –12.00% जनसंख्या –63.76%**		
115	जम्मू		300 कि.वाट मी.वेव	990 कि. हर्ट्ज़	टाइप III, अपलिंक, आरएनयू
			3 कि.वाट एफ एम युववा.ी	100.3 मेगा हर्ट्ज़	
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	104.5 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			50 कि0 वाट शॉर्ट वेव		*दिनांक 16-9-14 से अगले आदेशों तक बंद।
116	करगिल		1 कि.वाट मी.वेव	1584 कि. हर्ट्ज़	एम पी
			200 कि.वाट मी.वेव	684 कि. हर्ट्ज़	
			100 वाट एफ एम		
117	कठुआ	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एम	102.2 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
118	लेह		20 कि.वाट मी.वेव	1053 कि. हर्ट्ज़	एमपीए अपलिंक, आरएनयू
			10 कि0 वाट शॉर्ट वेव		
			100 वाट एफ एम	101.1 मेगा हर्ट्ज़	
119	पून्छ	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	100.7 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
120	श्रीनगर		300 कि.वाट मी.वेव	1116 कि. हर्ट्ज़	टाइप IV, अपलिंक, आरएनयू
			10 कि.वाट मी.वेव युववाणी	1224 कि. हर्ट्ज़	
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	102.6 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो

			10 कि.वाट एफ एम	103.5 मेगा हर्ट्ज़	
			50 कि0 वाट **शॉर्ट वेव**		
121	भदरवा		6 कि.वाट एफ एम	101.0 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
122	कुपवाड़ा	रिले	20 कि.वाट मी.वेव	1350 कि. हर्ट्ज़	
123	खालसी	रिले	1 कि.वाट मी.वेव	1485 कि. हर्ट्ज़	
124	नौशेरा	रिले	20 कि.वाट मी.वेव	1089 कि. हर्ट्ज़	
125	रजौरी	रिले	10 कि.वाट एफ एम	101.9 मेगा हर्ट्ज़	
126	द्रास	रिले	1 कि.वाट मी.वेव	1485 कि. हर्ट्ज़	
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
127	तिसुरू	रिले	1 कि.वाट मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज़	
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
128	न्यौमा	रिले	1 कि.वाट मी.वेव	1485 कि. हर्ट्ज़	
129	दिसकित	रिले	1 कि.वाट मी.वेव	1602 कि. हर्ट्ज़	
130	पदुम	रिले	1 कि.वाट मी.वेव	1584 कि. हर्ट्ज़	
			100 वाट एफ एम	101.1 मेगा हर्ट्ज़	
131	तिथवाल	रिले	100 वाट एफ एम	102.3 मेगा हर्ट्ज़	विविध भारती
132	उरी	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
133	मंगलादेवी फोर्ट	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
134	उद्यमपुर	रिले	100 वाट एफ एम	103.1 मेगा हर्ट्ज़	
135	गुरेज	रिले	100 वाट एफ एम	100.5 मेगा हर्ट्ज़	विविध भारती
136	तराल	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	विविध भारती
137	बिमबरगल्ली	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
138	पहलगाम	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	विविध भारती
झारखंड (13) **ट्रांसमीटर –17 (मी.वेव–2, शॉर्ट वेव –1,एफ एम–14)**			**एफ एम कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र –99.00%** **जनसंख्या –99.00%** **एफ एम कवरेजः क्षेत्र –39.00%** **जनसंख्या – 40.05%**		
139	चाइबासा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	101.7 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
140	डाल्टनगंज	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एम	103 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
141	हजारीबाग	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.1 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
142	जमशेदपुर		1 कि.वाट मी.वेव	1584 कि. हर्ट्ज़	टाइप I,
			6 कि.वाट एफ एम विविध भारती	100.8 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
143	राँची		100 कि.वाट मी.वेव	549 कि. हर्ट्ज़	टाइप II, अपलिंक,

					आरएनयू
			6 कि.वाट एफ एम विविध भारती	103.3 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			10 कि.वाट एफ एम	100.5 मेगा हर्ट्ज़	
			50 कि0 वाट षार्ट वेव"		* दिनांक 16-9-2014 से अगले आदेशों तक बंद।
144	धनबाद	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
145	चतरा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
146	घाटशिला	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
147	गुमला	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
148	बोकारो	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
149	गिरीडीह	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
150	देवगढ़	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
151	दुमका	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
कर्नाटक (20) ट्रांसमीटर –33 (मी.वेव–5, शॉर्ट वेव –6,एफ एम–22)			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र–96.53% जनसंख्या–97.40% एफ एम कवरेजः क्षेत्र–34.07% जनसंख्या –43.30%**		
152	बंगलौर (बैंगलुरू)		200 कि.वाट मी.वेव	612 कि. हर्ट्ज़	टाइप IV, अपलिंक, न्यूज ऑन फोन, आरएनयू
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	102.9 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			10 कि.वाट एफ एमए रेनबो	101.3 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			1 कि.वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	क्लासिकल
			500 कि0 वाट **शॉर्ट वेव** विदेश सेवा		
			500 कि0 वाट **शॉर्ट वेव** विदेश सेवा		
			500 कि0 वाट **शॉर्ट वेव** विदेश सेवा		
			500 कि0 वाट **शॉर्ट वेव** विदेश सेवा		
			500 कि0 वाट **शॉर्ट वेव** विदेश सेवा		
			500 कि0 वाट **शॉर्ट वेव** विदेश सेवा और विविध भारती		
153	भद्रावती		20 कि.वाट मी.वेव	675 कि. हर्ट्ज़	टाइप I
			1 कि.वाट एफ एम	103.5 मेगा हर्ट्ज़	

154	बेल्लारी		10 कि.वाट एफ एम	103.3 मेगा हर्ट्ज़	
155	बिजापुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	101.8 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
156	चित्रदुर्ग	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.6 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
157	धारवाड़		200 कि.वाट मीडियव वेव	765 कि0 हर्ट्ज़	टाइप ।।।, आरएनयू
			10 कि.वाट एफ एम विविध भारती	103.0 मेगा हर्ट्ज़	
158	गुलबर्गा		20 कि.वाट मी.वेव	1107 कि. हर्ट्ज़	टाइप ।
			10 कि.वाट एफ एम	103.7 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
159	हासन		6 कि.वाट एफ एम	1107 कि. हर्ट्ज़	एम पी
160	हॉस्पेट	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एम	102.2 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
161	कारवार	स्थानीय रेडियो केन्द्र	3 कि.वाट एफ एम	100.5 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
162	मंगलौर/उडीपी		20 कि.वाट मी.वेव	1089 कि. हर्ट्ज़	एम पी
			10 कि.वाट एफ एम	100.3 मेगा हर्ट्ज़	टाइप ।
163	मरकारा (मडीकेरी)		6 कि.वाट एफ एम	103.1	
164	मैसूर		10 कि.वाट एफ एम	1017 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
165	रायचूर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 कि.वाट एफ एम	102.1 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
166	श्रंगेरी	रिले	100 वाट एफ एम	101 मेगा हर्ट्ज़	डीटीएच, कन्नड़
167	टुमकुर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
168	होस्दुर्ग	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
169	देवनगिरी	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
170	सागर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
171	कुमटा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
केरल (11) **ट्रांसमीटर –17 (मी.वेव–4, शॉर्ट वेव –1,एफ एम–12)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र –99.60%** **जनसंख्या –99.80%** **एफ एम कवरेज: क्षेत्र–43.54%** **जनसंख्या –46.30%**		
172	एलेप्पी (आलपुषा)	रिले	200 कि.वाट मी.वेव	576 कि. हर्ट्ज़	
173	कालीकट (कोझीकोड)		100 कि.वाट मी.वेव	684 कि. हर्ट्ज़	टाइप ।।।, आरएनयू
			10 कि.वाट एफ एम (विविध भारती)	103.6 मेगा हर्ट्ज़	
174	कनानौर (कन्नूर)		6 कि.वाट एफ एम	101.5 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
175	कोचीन (कोच्चि)	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 कि.वाट एफ एम	102.3 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
			10 कि.वाट एफ एम	107.5 मेगा हर्ट्ज़	
176	इदुक्की (देवीकुलम)		6 कि.वाट एफ एम	101.4 मेगा हर्ट्ज़	एम पी

			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
177	त्रिचुर (तृष्णूर)		100 कि.वा.मी.वेव	630 कि.हर्ट्ज़	टाइप–1
			1 कि.वाट एफ एम	101.1 मेगा हर्ट्ज़	
178	तिरूवनंतपुरम		20 कि.वा.मी.वेव	1161 कि.हर्ट्ज़	टाइप–IV, अपलिंक, न्यूज ऑन फोन, आरएनयू
			10 कि.वा. एफ.एम. विविध भारती	101.9 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			50 कि.वा.शार्ट वेव		
179	मंजेरी	स्थानीय रेडियो केन्द्र	3 कि.वा. एफ.एम. रैनबो	102.7 मेगा हर्ट्ज़	एम.पी
180	पुनालुर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
181	कल्पेट्टा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
182	कासरगोड	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	103.7 मेगा हर्ट्ज़	
मध्य प्रदेश (25) **ट्रांसमीटर–30** **(मीडियम वेव –6, एफ एम –23, शॉर्ट वेव –1)**			**कुल कवरेज (मीडियम वेव +.एफ एम) : क्षेत्र –99-30%** **जनसंख्या –99-40%** **एफ एम कवरेज : क्षेत्र –27-08%** **जनसंख्या –30-90%**		
183	बालाघाट	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	101.3 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
184	बेतुल	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	103.1 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
185	भोपाल			10 किलोवाट मीडियम वेव	1593 किलो हर्ट्ज़
			6 किलोवाट एफ एम विविध भारती	103.5 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			50 किलोवाट शॉर्ट वेव		
186	छत्तरपुर		20 किलोवाट मीडियम वेव	675 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
187	छिंदवाड़ा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	102.2 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
188	गुना	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	102.3 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
189	ग्वालियर		20 किलोवाट मीडियम वेव	1386 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
190	इंदौर		200 किलोवाट मीडियम वेव	648 किलो हर्ट्ज़	टाइप III, आरएनयू
			6 किलोवाट एफ एम विविध भारती	101.6 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
191	जबलपुर		200 किलोवाट मीडियम वेव	801 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
			10 किलोवाट एफ एम विविध भारती	102.9 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
192	खंडवा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	101.2 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
193	पंचमढ़ी	रिले	100 वाट एफ एम	100.1मेगा हर्ट्ज़	
194	रीवा		20 किलोवाट मीडियम वेव	1179 किलो हर्ट्ज़	टाइप II

195	सागर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	102.6 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
196	शहडोल		6 किलोवाट एफ एम	102 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
197	शिवपुरी		6 किलोवाट एफ एम	100.2 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
198	मांडला	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 किलोवाट एफ एम	100.4 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
199	राजगढ	स्थानीय रेडियो केन्द्र	3 किलोवाट एफ एम	100.7 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
200	नीमच	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
201	मंदसौर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
202	सतना	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
203	हरदा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
204	चंदेरी	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
205	उज्जैन	रिले	5 किलोवाट एफ एम	102.5 मेगा हर्ट्ज़	फील्ड प्रोडक्शन तथा वाइस ओवर रिकार्डिंग सुविधाओं के साथ स्टूडियो संस्थापनाधीन है।
206	रतलाम	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
207	झाबुआ	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
महाराष्ट्र [29] **ट्रांसमीटर - 38 (मीडियम वेव -10, एफ एम -26, शॉर्ट वेव -2)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -99.03%** **जनसंख्या -99.1%** **एफ एम कवरेज : क्षेत्र -36.00%** **जनसंख्या -54.90%**		
208	अहमदनगर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
209	अकोला	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	102.4 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
210	औरंगाबाद		10 किलोवाट एफ एम	101.7 मेगा हर्ट्ज़	टाइप II, अपलिंक , आरएनयू
					स्टीरियो
211	बीड	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	102.9 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
212	चंदरपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	103 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
213	धुले	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	100.5 मेगा हर्ट्ज़	एम पी

214	गढचिरौली	रिले	100 वाट एफ एम	101.8मेगा हर्ट्ज़	
215	जलगांव		20 किलोवाट मीडियम वेव	963 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
216	कोल्हापुर		6 किलोवाट एफ एम	102.7 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
217	मुंबई		100 किलोवाट मीडियम वेव 'ए'	1044 किलो हर्ट्ज़	टाइप IV प्लस , अपलिंक , आरएनयू
			100 किलोवाट मीडियम वेव 'बी'	558 किलो हर्ट्ज़	मेल्टी ट्रैक
			50 किलोवाट मीडियम वेव विविध भारती	1188 किलो हर्ट्ज़	न्यूज ऑन फोन
			10 किलोवाट एफ एम विविध भारती		
			10 किलोवाट एफ एम (रेनबो)	107.1 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			20 किलोवाट एफ एम (गोल्ड)	100.7 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			100 किलोवाट शॉर्ट वेव		विविध भारती सेवा-अपलिंक
			50 किलोवाट शॉर्ट वेव **		** दिनांक 16-9-14 से अगले आदेशों तक बंद।
218	नागपुर		300 किलोवाट मीडियम वेव	585 किलो हर्ट्ज़	टाइप III, आरएनयू
			10 किलोवाट एफ एम विविध भारती	100.6 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			1000 किलोवाट मीडियम वेव एन सी	1566 किलो हर्ट्ज़	
219	नांदेड	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	101.1 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
220	नासिक	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	101.4 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
221	उस्मानाबाद	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	101.3 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
222	परभणी		20 किलोवाट मीडियम वेव	1305 किलो	टाइप I

				हर्ट्ज़	
223	पुणे		100 किलोवाट मीडियम वेव	792 किलो हर्ट्ज़	टाइप IV, आरएनयू
			10 किलोवाट एफ एम विविध भारती	101 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
224	रत्नागिरी		20 किलोवाट मीडियम वेव	1143 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
225	सांगली		20 किलोवाट मीडियम वेव	1251 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
			1 किलोवाट एफ एम		
226	सतारा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	103.1 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
227	शोलापुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 किलोवाट एफ एम	103.4 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
228	यवतमाल	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	102.7 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
229	ओरस (सिंधदुर्गानगरी)		5 किलोवाट एफ एम	103.60 मेगा हर्ट्ज़	वाइस ओवर रिकार्डिंग के साथ प्लेबैक तथा फील्ड प्रोडक्शन सुविधाएं
230	बुलधाना	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
231	वर्धा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
232	गोंदिया	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
233	जलना	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
234	मालेगांव	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
235	ब्रहमपुरी	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
236	अमरावती		10 किलोवाट एफ एम विविध भारती	101.5 मेगा हर्ट्ज़	वाइस ओवर रिकार्डिंग के साथ प्लेबैक तथा फील्ड

					प्रोडक्शन सुविधाएं
237	शिरडिही	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	103.7 मेगा हर्ट्ज़	
मणिपुर [7] **ट्रांसमीटर - 9 (मीडियम वेव - 1,शॉर्ट वेव -1, एफ एम -7)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -95.00%** **जनसंख्या -98.50%** **एफ एम कवरेज : क्षेत्र -65.64%** **जनसंख्या -74.24%**		
238	इम्फाल		300 किलोवाट मीडियम वेव	882 किलो हर्ट्ज़	टाइप III ,अपलिंक, न्यूज़ ऑन फोन, आरएनयू
			50 किलोवाट शॉर्ट वेव		
			10 किलोवाट एफ एम	103.5 मेगा हर्ट्ज़	
239	चुराचांदपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	101.4 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
240	सेनापती	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
241	कंगपोकपी	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
242	परबुंग	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
243	मोरेह	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
244	चंदेल	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
मेघालय [6] **ट्रांसमीटर -9 (मीडियम वेव -4 शॉर्ट वेव -1,एफ एम -4)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -97.50%** **जनसंख्या -98.50%** **एफ एम कवरेज : क्षेत्र -47.64%** **जनसंख्या -48.59%**		
245	जोवाई	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	101.1 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
246	नोंगस्टोइन	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1485 किलो हर्ट्ज़	एम पी

247	शिलांग		100 किलोवाट मीडियम वेव ,	864 किलो हर्ट्ज़	टाइप II , अपलिंक , आरएनयू
			50 किलोवाट शॉर्ट वेव पूर्वोत्तर इंटिग्रेसन		
			10 किलोवाट एफ एम, रेनबो	103.6 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
248	तुरा		20 किलोवाट मीडियम वेव	1233 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
249	विलियमनगर	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलो हर्ट्ज़	एम पी
250	चेरापूंजी	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
मिजोरम [6] **ट्रांसमीटर - 9 (मीडियम वेव -2, शॉर्ट वेव -1, एफ एम -6)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -59.60%** **जनसंख्या -73.30%** **एफ एम कवरेज : क्षेत्र -48.11%** **जनसंख्या -58.70%**		
251	आइजवाल		20 किलोवाट मीडियम वेव	540 किलो हर्ट्ज़	टाइप II , अपलिंक , आरएनयू
			10 किलोवाट शॉर्ट वेव		
			6 किलोवाट एफ एम	100.7 मेगा हर्ट्ज़	
252	लुंगलेह		6 किलोवाट एफ एम	101.9 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
253	सैहा	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलो हर्ट्ज़	
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
254	रेंगडिल	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
255	लैसवराई	रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा	एम पी

				हर्ट्ज़	
256	लांगतलाई	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
नागालैण्ड [6] **ट्रांसमीटर- 8 (मीडियम वेव -3, शॉर्ट वेव -1 एफ एम -4)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -84.80%** **जनसंख्या -87.67%** **एफ एम कवरेज : क्षेत्र -43.30%** **जनसंख्या -44.08%**		
257	कोहिमा		100 किलोवाट मीडियम वेव	639 किलो हर्ट्ज़	टाइप III, अपलिंक , आरएनयू
			1 किलोवाट एफ एम (अंतरिम सेटअप)	103 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			50 किलोवाट शॉर्ट वेव		
258	मोकोकचुंग	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	100.9 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
259	मोन	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1584 किलो हर्ट्ज़	एम पी
260	तुएनसांग	सी आर एस	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलो हर्ट्ज़	एम पी
261	समतोर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
262	दीमापुर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
ओडिशा [21] **ट्रांसमीटर - 24 (मीडियम वेव - 8, शॉर्ट वेव -1, एफ एम -15)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -98.27%** **जनसंख्या -99.00%** **एफ एम कवरेज : क्षेत्र -13.80%** **जनसंख्या -17.80%**		
263	बारीपदा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	5 किलोवाट एफ एम	102.9 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
264	बेरहामपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	100.6 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
265	भवानीपटना		200 किलोवाट मीडियम वेव	1206 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
266	बोलान्गीर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	101.9 मेगा	एम पी

				हर्ट्ज़	
267	कटक		300 किलोवाट मीडियम वेव	972 किलो हर्ट्ज़	टाइप IV, अपलिंक , आरएनयू
			1 किलोवाट मीडियम वेव विविध भारती	1314 किलो हर्ट्ज़	
			6 किलोवाट एफ एम रेनबो	101.3 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
268	जैपोर		100 किलोवाट मीडियम वेव	1467 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
			50 किलोवाट शॉर्ट वेव		
			1 किलोवाट एफ एम		
269	जोरांडा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 किलोवाट मीडियम वेव	1485 किलो हर्ट्ज़	एम पी
270	क्योंझर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 किलोवाट एफ		
271	पुरी	स्थानीय रेडियो केन्द्र	3 किलोवाट एफ एम	103.4 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
272	राउरकेला	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	102.6 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
273	सम्बलपुर		100 किलोवाट मीडियम वेव	945 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
274	देवगढ	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	101.0 मेगा हर्ट्ज़	
275	सोरो	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 किलोवाट मीडियम वेव	1485 किलो हर्ट्ज़	एम पी
276	सुंदरगढ	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम		
277	अंगुल	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम		
278	पारादीप	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम		
279	परलेखामुंडी	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम		
280	बालीगुडा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम		
281	रायगढ	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम		

282	नौपारा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम		
283	रायरंगपुर		1 किलोवाट एफ एम	102.0 मेगा हर्ट्ज़	वाइस ओवर रिकोर्डिंग और प्ले बैक सुविधा सहित स्टूडियो
पंजाब [6] **ट्रांसमीटर -10 (मीडियम वेव - 2,एफ एम -8]**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -99.00%*** **जनसंख्या -99.00%*** **एफ एम कवरेज : क्षेत्र -56.50%** **जनसंख्या -61.00%**		
284	भटिंडा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	101.1 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
285	जालंधर		300 किलोवाट मीडियम वेव	873 किलो हर्ट्ज़	टाइप IV, अपलिंक
			200 किलोवाट मीडियम वेव	702 किलो हर्ट्ज़	उर्दू सेवा
			10 किलोवाट एफ एम , रेनबो	102.7 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			10 किलोवाट एफ एम	100.6 मेगा हर्ट्ज़	
286	पटियाला	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	100.2 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
287	गुरदासपुर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
288	फिरोजपुर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
289	लुधियाना		5 किलोवाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	वाइस ओवर रिकार्डिंग तथा प्लेबैक सुविधा के साथ स्टूडियो
290	फाजिल्का		20 किलोवाट एफ एम		
राजस्थान [23] **ट्रांसमीटर - 29 (मीडियम वेव -8, एफ एम -20, शॉर्ट वेव -1)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -94.00%** **जनसंख्या -99.00%** **एफ एम कवरेज : क्षेत्र -28.00%** **जनसंख्या -35.50%**		
291	अजमेर	रिले	200 किलोवाट मीडियम वेव	603 किलो हर्ट्ज़	
292	अलवर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 किलोवाट एफ एम	103.1 मेगा	एम पी

				हर्ट्ज़	
293	बांसवाडा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 किलोवाट एफ एम	101.3 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
294	बाडमेर		20 किलोवाट मीडियम वेव	1458 किलो हर्ट्ज़	एम पी
295	बीकानेर		20 किलोवाट मीडियम वेव	1395 किलो हर्ट्ज़	टाइप II
			10 किलोवाट एफ एम	101.6 मेगा हर्ट्ज़	
296	चितौडगढ	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 किलोवाट एफ एम	102.9 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
297	चुरू		6 किलोवाट एफ एम	100.7 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
298	जयपुर		1 किलोवाट मीडियम वेव	1476 किलो हर्ट्ज़	टाइप III, अपलिंक, न्यूज ऑन फोन, आरएनयू
			6 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर विविध भारती	100.3 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			50 किलोवाट शॉर्ट वेव		
299	जैसलमेर		10 किलोवाट एफ एम	101.8 मेगा हर्ट्ज़	टाइप I
300	झालावार	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	103.2 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
301	जोधपुर		300 किलोवाट मीडियम वेव	531 किलो हर्ट्ज़	टाइप III
			6 किलोवाट एफ एम विविध भारती	102.1 मेगा हर्ट्ज़	
302	कोटा	स्थानीय रेडियो केन्द्र	20 किलोवाट मीडियम वेव	1413 किलो हर्ट्ज़	एम पी
303	माउंट आबू		6 किलोवाट एफ एम	103.5 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
304	नागौर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	103.7 मेगा हर्ट्ज़	एम पी

305	सवाई माधोपुर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	101.5 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
306	सूरतगढ		300 किलोवाट मीडियम वेव	918 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
307	उदयपुर		20 किलोवाट मीडियम वेव	1125 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
			10 किलोवाट एफ एम,* विविध भारती	101.7 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो *(चूंकि 75 एम उपलब्ध नहीं है इसलिए कम शक्ति पर)
308	नाथवाड़ा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
309	झुनझुनू	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
310	भरतपुर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
311	करौली	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
312	अनूपगढ	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
313	डूंगरपुर		1 किलोवाट मीडियम वेव	1485 किलो हर्ट्ज़	वाइस ओवर रिकार्डिंग सुविधाओं के साथ ट्रांसमिशन स्टूडियो
सिक्किम [7] **ट्रांसमीटर-10 (मीडियम वेव -1, एफ एम -8, शॉर्ट वेव -1)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -72.00%** **जनसंख्या -95.60%** **एफ एम कवरेज : क्षेत्र -72.50%** **जनसंख्या -84.80%**		
314	गंगटोक		20 किलोवाट मीडियम वेव	1404 किलो हर्ट्ज़	टाइप I, आरएनयू
			10 किलोवाट शॉर्ट वेव	100.3 मेगा हर्ट्ज़	
			10 किलोवाट एफ एम	103.0 मेगा हर्ट्ज़	
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा	

				हर्ट्ज़	
315	रांगपो	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
316	रोंगली	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
317	यांगयांग	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
318	तासीडिंग	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
319	ज़ोरथांग	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
320	नामची	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
तमिलनाडु [15] ट्रांसमीटर- 28 (मीडियम वेव - 9,शॉर्ट वेव -2, एफ एम - 17)			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -99.00%* जनसंख्या -99.00%* एफ एम कवरेज : क्षेत्र -68.40% \जनसंख्या -74.50%**		
321	चेन्नई		200 किलोवाट मीडियम वेव 'ए'	720 किलो हर्ट्ज़	मल्टी ट्रैक
			20 किलोवाट मीडियम वेव 'बी'	1017 किलो हर्ट्ज़	टाइप IV प्लस, अपलिंक
			20 किलोवाट मीडियम वेव विविध भारती	783 किलो हर्ट्ज़	न्यूज़ ऑन फोन, आरएनयू
			10 किलोवाट एफ एम विविध भारती		
			20 किलोवाट एफ एम, (रेनबो)	101.4 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			20 किलोवाट एफ एम, (गोल्ड)	102.3 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			50 किलोवाट शॉर्ट वेव		
			100 किलोवाट शॉर्ट वेव विविध भारती सिंक		
322	कोयम्बटूर		20 किलोवाट मीडियम वेव	999 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
			10 किलोवाट एफ एम	103 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो

323	कोडाईकनाल		10 किलोवाट एफ एम	100.5 मेगा हर्ट्ज़	एम पी (स्टीरियो)
324	मदुरै		20 किलोवाट मीडियम वेव	1269 किलो हर्ट्ज़	टाइप II
			10 किलोवाट एफ एम	103.3 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
325	नागरकोइल	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 किलोवाट एफ एम	101 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
326	उटकमंड		1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलो हर्ट्ज़	एम पी
			100 वाट एफ एम	101.8 मेगा हर्ट्ज़	
327	तिरूचिरापल्ली		100 किलोवाट मीडियम वेव	936 किलो हर्ट्ज़	टाइप IV, आरएनयू
			10 किलोवाट एफ एम	102.1 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
328	तिरूनेलवेली		20 किलोवाट मीडियम वेव	1197 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
			10 किलोवाट एफ एम	102.6 मेगा हर्ट्ज़	
329	तूतीकोरिन		200 किलोवाट मीडियम वेव विदेश सेवा	1053 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
			1 किलोवाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
330	धर्मपुरी	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर	102.5 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
331	सलेम (येरकुड)	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.9 मेगा हर्ट्ज़	
332	तंजौर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	101.2 मेगा हर्ट्ज़	
333	रामेश्वरम	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
334	वेल्लौर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	

335	तिरूपत्तूर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
तेलंगाना [11] **ट्रांसमीटर- 15 (मीडियम वेव -2, एफ एम - 12, शॉर्ट वेव -1)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -99.00 %*** **जनसंख्या - 99.00 %*** **एफ एम कवरेज : क्षेत्र - 33.00 %** **जनसंख्या - 42.00 %**		
336	आदिलाबाद	स्थानीय रेडियो केन्द्र	1 किलोवाट मीडियम वेव	1485 किलो हर्ट्ज़	एम पी
337	हैदराबाद		200 किलोवाट मीडियम वेव	738 किलो हर्ट्ज़	टाइप IV, अपलिंक ,आरएनयू
			20 किलोवाट मीडियम वेव	1377 किलो हर्ट्ज़	न्यूज ऑन फोन
			10 किलोवाट एफ एम विविध भारती	102.8 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			10 किलोवाट एफ एम , रेनबो	101.9 मेगा हर्ट्ज़	
			50 किलोवाट शॉर्ट वेव		
338	करीमनगर	रिले	5 किलोवाट एफ एम	102.3 मेगा हर्ट्ज़	
339	कोट्टगुडम		6 किलोवाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
340	निज़ामाबाद	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	103.2 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
341	वारंगल	स्थानीय रेडियो केन्द्र	10 किलोवाट एफ एम	103.5 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
342	सूर्यापेट	रिले	1 किलोवाट एफ एम (अंतरिम सेटअप)	101.0 मेगा हर्ट्ज़	
343	कामारेड्डी	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
344	बांसवाड़ा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
345	महबूबनगर	रिले	10 किलोवाट एफ एम	101.2 मेगा हर्ट्ज़	नियमित एंटीना की संस्थापना

					लंबित होने के कारण कम शक्तिपर।
346	खम्मम	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	डी टी एच तेलुगू
त्रिपुरा [8] **ट्रांसमीटर -9 (मीडियम वेव -2 , एफ एम -7)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -84.31%** **जनसंख्या -89.00%** **एफ एम कवरेज : क्षेत्र -72.90%** **जनसंख्या -86.20%**		
347	अगरतला		20 किलोवाट मीडियम वेव	1269 किलो हर्ट्ज़	टाइप I , अपलिंक , आरएनयू
			10 किलोवाट एफ एम	101.6 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
348	बेलोनिया	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	103.7 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
349	कैलाशहर	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	103.2 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
350	अमरपुर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
351	खोवाई	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
352	तेलीमुरा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
353	साबरूम	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
354	धर्मनगर		1 किलोवाट मीडियम वेव	1584 kHz	वाइस ओवर रिकार्डिंग के साथ प्लेबैक तथा फील्ड प्रोडक्शन सुविधाएं
चंडीगढ़ संघ शासित क्षेत्र **ट्रांसमीटर - 2 (एफ एम -2)**			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -99.00%*** **जनसंख्या -99.00%*** **एफ एम कवरेज : क्षेत्र -99.00%*** **जनसंख्या -99.00%***		
355	चंडीगढ़ [1]	विविध भारती एक्सक्लूसिव	6 किलोवाट एफ एम	103.1 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो

			10 किलोवाट एफ एम	100.9 मेगा हर्ट्ज़	टाइप 1, आरएनयू
दादरा और नागर हवेली (1) ट्रांसमीटर -1 (एफ एम -1)			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -99.00%* जनसंख्या -99.00%* एफ एम कवरेज : क्षेत्र -29.50%* जनसंख्या -67.50%***		
356	सिलवासा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
दमन और दियू संघ शासित प्रदेश ट्रांसमीटर - 1 (एफ एम -1)			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -99.00%* जनसंख्या -99.00%* एफ एम कवरेज :क्षेत्र -64.30% जनसंख्या -61.00%**		
357	दमन [1]	स्थानीय रेडियो केन्द्र	3 किलोवाट एफ एम	102.3 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
पांडिचेरी [2] ट्रांसमीटर - 3 (मीडियम वेव - 1,एफ एम -2)			**कवरेज : क्षेत्र -99.00%* जनसंख्या -99.00%* एफ एम कवरेज : क्षेत्र -99.00% जनसंख्या -99.00%**		
358	पांडिचेरी		20 किलोवाट मीडियम वेव	1215 किलो हर्ट्ज़	एम पी , आरएनयू
			10 किलोवाट एफ एम	102.8 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो (एफ एम रेनबो चैन्नई)
359	कराईकल	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	100.3 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
लक्षद्वीप तथा मिनिकाय द्वीप समूह[1] ट्रांसमीटर - 2 (मीडियम वेव - 1, एफ एम -1)			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -99.00%* जनसंख्या -99.00%* एफ एम कवरेज : क्षेत्र -15.62% जनसंख्या -18.00%**		
360	कावारती		1 किलोवाट मीडियम वेव	1584 किलो हर्ट्ज़	एम पी
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह[1] ट्रांसमीटर -3 (मीडियम वेव -			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -99.00%* जनसंख्या -99.00%* एफ एम कवरेज : क्षेत्र -36.3%**		

1,शॉर्ट वेव -1, एफ एम -1)			**जनसंख्या -28.00%**		
361	पोर्ट ब्लेयर अंडमान तथा निकोबार		100 किलोवाट मीडियम वेव	684 किलो हर्ट्ज़	आरएनयू
			10 किलोवाट शॉर्ट वेव		टाइप II
			10 किलोवाट एफ एम	100-9 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
उत्तर प्रदेश [25] ट्रांसमीटर -39 (मीडियम वेव -8, शॉर्ट वेव - 6, एफ एम - 25)			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -99.90% जनसंख्या -99.90% एफ एम कवरेज : क्षेत्र -36.00% जनसंख्या - 43.00%**		
362	आगरा		20 किलोवाट मीडियम वेव	1530 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
363	अलीगढ	रिले	6 किलोवाट एफ एम , रेनबो	101.3 मेगा हर्ट्ज़	
			250 किलोवाट शॉर्ट वेव विदेश सेवा		
			250 किलोवाट शॉर्ट वेव विदेश सेवा		
			250 किलोवाट शॉर्ट वेव विदेश सेवा		
			250 किलोवाट शॉर्ट वेव विदेश सेवा		
364	इलाहाबाद		20 किलोवाट मीडियम वेव	1026 किलो हर्ट्ज़	टाइप III
			10 किलोवाट एफ एम विविध भारती	100.3 मेगा हर्ट्ज़	
365	बरेली	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	100.4 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
366	फैजाबाद	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	101.9 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
367	गोरखपुर		100 किलोवाट मीडियम वेव	909 किलो हर्ट्ज़	टाइप III, आरएनयू
			50 किलोवाट शॉर्ट वेव **		** दिनांक 16-9-2014 से अगले आदेशों तक बंद।

			10 किलोवाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
368	झांसी	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	103 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
369	कानपुर	विविध भारती एक्सक्लूसिव	1 किलोवाट एफ एम	103.7 मेगा हर्ट्ज़	टाइप I
			10 किलोवाट एफ एम	103.7 मेगा हर्ट्ज़	
370	लखनऊ		300 किलोवाट मीडियम वेव	747 किलो हर्ट्ज़	टाइप IV, अपलिंक, न्यूज़ ऑन फोन , आरएनयू
			10 किलोवाट एफ एम, रेनबो	100.7 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			10 किलोवाट एफ एम, विविध भारती	101.6 मेगा हर्ट्ज़	
			50 किलोवाट शॉर्ट वेव		
371	मथुरा		1 किलोवाट मीडियम वेव	1584 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
372	नजीबाबाद		200 किलोवाट मीडियम वेव	954 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
373	ओबरा		6 किलोवाट एफ एम	102.7 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
374	रामपुर		20 किलोवाट मीडियम वेव	891 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
			1 किलोवाट एफ एम	102.9 मेगा हर्ट्ज़	
375	वाराणसी		100 किलोवाट मीडियम वेव	1242 किलो हर्ट्ज़	टाइप II, अपलिंक (संस्थापनाधीन)
			10 किलोवाट एफ एम	100.6 मेगा हर्ट्ज़	
376	बहराईच	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	

377	ओरई	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
378	बलरामपुर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
379	महोबा	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
380	पीलीभीत	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
381	हरदोई	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
382	लखीमपुरखीरी	रिले	10 किलोवाट एफ एम	102.3 मेगा हर्ट्ज़	
383	मउनाथभंजन	रिले	10 किलोवाट एफ एम	102.2 मेगा हर्ट्ज़	
384	रायबरेली		5 किलोवाट एफ एम	102.8 मेगा हर्ट्ज़	वाइस ओवर रिकार्डिंग और प्लेबैक सुविधाओं के साथ स्टूडियो
385	अमेठी		5 किलोवाट एफ एम	103.1 मेगा हर्ट्ज़	वाइस ओवर रिकार्डिंग और प्लेबैक सुविधाओं के साथ स्टूडियो
386	बांदा		10 किलोवाट एफ एम	101.2 मेगा हर्ट्ज़	
उत्तराखंड [20] ट्रांसमीटर -23 (मीडियम वेव -5, एफ एम -18)			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -57.87% जनसंख्या -82.63% एफ एम कवरेज : क्षेत्र -38.50% जनसंख्या -50.00%**		
387	अल्मोड़ा		1 किलोवाट मीडियम वेव	999 किलो हर्ट्ज़	टाइप I, अपलिंक
388	भटवाड़ी	रिले	100 वाट एफ एम	100.3मेगा हर्ट्ज़	
389	गोपेश्वर (चमोली)		1 किलोवाट मीडियम वेव	1485 किलो हर्ट्ज़	एम पी
			100 वाट एफ एम	102.4 मेगा हर्ट्ज़	

390	मसूरी	रिले	10 किलोवाट एफ एम , रेनबो	102.1 मेगा हर्ट्ज़	
391	पौढ़ी		1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलो हर्ट्ज़	एम पी
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
392	पिथौरागढ़	रिले	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलो हर्ट्ज़	
			100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
393	उत्तरकाशी	रिले	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलो हर्ट्ज़	
394	प्रताप नगर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
395	बाछेर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
396	राजगढ़ी	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
397	टनकपुर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
398	खेतीखान	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
399	उखीमठ	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
400	नैनीताल	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
401	काशीपुर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
402	कालागढ़	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
403	रानीखेत	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
404	बागेश्वर		5 किलोवाट एफ एम	100.5 मेगा	वाइस ओवर

				हर्ट्ज़	प्लेबैक सुविधाओं के साथ स्टूडियो
405	गैयरसैन	रिले	1 किलोवाट एफ एम		
406	न्यू टिहरी	रिले	1 किलावाट एफ एम		
पश्चिम बंगाल [14] ट्रांसमीटर -24 (मीडियम वेव -5, शॉर्ट वेव -2, एफ एम -17)			**कुल कवरेज [मीडियम वेव +एफ एम]: क्षेत्र -99.00%* जनसंख्या -99.00%* एफ एम कवरेज : क्षेत्र -30.70% जनसंख्या -42.80%**		
407	आसनसोल	रिले	6 किलोवाट एफ एम रिले	100.3 मेगा हर्ट्ज़	
408	कोलकाता		200 किलोवाट मीडियम वेव 'ए'	657 किलो हर्ट्ज़	टाइप IV, अपलिंक , आरएनयू
			100 किलोवाट मीडियम वेव 'बी'	1008 किलो हर्ट्ज़	
			20 किलोवाट मीडियम वेव विविध भारती	1323 किलो हर्ट्ज़	
			10 किलोवाट एफ एम विविध भारती		
			20 किलोवाट एफ एम ट्रांसमीटर (गोल्ड)	100.2 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			10 किलोवाट एफ एम (रेनबो)	107 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
			50 किलोवाट शॉर्ट वेव		
			1000 किलोवाट मीडियम वेव (चिनसुरा)	*594 किलो हर्ट्ज़ और **1134 किलो हर्ट्ज़	*दिन के समय **रात्रि के समय
409	कुर्सियांग		50 किलोवाट शॉर्ट वेव		टाइप II, आरएनयू
			1 किलोवाट मीडियम वेव सेवा संबंधी	1440 किलो हर्ट्ज़	
			5 किलोवाट एफ एम , रेनबो	102.3 मेगा हर्ट्ज़	

410	मुर्शिदाबाद	स्थानीय रेडियो केन्द्र	6 किलोवाट एफ एम	102.2 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
411	शांतिनिकेतन	स्थानीय रेडियो केन्द्र	3 किलोवाट एफ एम	103.1 मेगा हर्ट्ज़	एम पी
412	सिलिगुड़ी		200 किलोवाट मीडियम वेव	711 किलो हर्ट्ज़	टाइप I
			10 किलोवाट एफ एम विविध भारती	101.4 मेगा हर्ट्ज़	स्टीरियो
413	दार्जिलिंग	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.2 मेगा हर्ट्ज़	
414	बालुरघाट	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	101.00 मेगा हर्ट्ज़	
415	मेदनीपुर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
416	पुरूलिया	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
417	फरक्का	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
418	कृष्णानगर	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
419	कूचबिहार	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	100.1 मेगा हर्ट्ज़	
420	बसंती	एल पी टी रिले	100 वाट एफ एम	103.7 मेगा हर्ट्ज़	
	केन्द्रों की कुल संख्या 420		**ट्रांसमीटरों की कुल संख्या - 612**		
* **इन राज्यों में कवरेज को 100% समझा जाए।**					

अनुलग्नक - I

दूरदर्शन केंद्र (स्टुडियो केंद्र)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	अवस्थिति
आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
	तिरुपति
अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर
असम	डिब्रूगढ़
	गुवाहाटी
	गुवाहाटी (पीपीसी)
	सिल्चर
बिहार	पटना
	मुजफ्फरपुर
छत्तीसगढ़	जगदलपुर
	रायपुर
गोवा	पणजी
गुजरात	अहमदाबाद
	राजकोट
हरियाणा	हिसार
हिमाचल प्रदेश	शिमला
जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर
	जम्मू
	लेह
	राजौरी
झारखंड	रांची
	डाल्टनगंज
कर्नाटक	बेंगलौर
	गुलबर्ग
केरल	कोझिकोड
	तिरुवनंतपुरम
	त्रिचुर
मध्य प्रदेश	भोपाल
	इंदौर
	ग्वालियर
महाराष्ट्र	मुंबई
	नागपुर
	पुणे
मणिपुर	इंफाल

मेघालय	शिलांग
	तुरा
मिज़ोरम	आइज़ोल
नागालैंड	कोहिमा
उड़ीसा	भुवनेश्वर
	भवानीपटना
	संबलपुर
पंजाब	जालंधर
	पटियाला
राजस्थान	जयपुर
सिक्किम	गंगटोक
तमिलनाडु	चेन्नै
	कोयंबटूर
	मदुरै
तेलंगाना	हैदराबाद
	वारंगल
त्रिपुरा	अगरतला
उत्तर प्रदेश	इलाहाबाद
	बरेली
	लखनऊ
	गोरखपुर
	मऊ
	वाराणसी
	मथुरा
उत्तराखंड	देहरादून
पश्चिम बंगाल	कोलकाता
	शांतिनिकेतन
	जलपाईगुड़ी
अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	पोर्ट ब्लेयर
चंडीगढ़	चंडीगढ़
दिल्ली	दिल्ली
	दिल्ली (सीपीसी)
पुदुच्चेरी	पुदुच्चेरी

अनुलग्नक- II

दूरदर्शन नेटवर्क (31.03.2017 की स्थिति)

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	ट्रांसमीटरों की संख्या												
		प्रारंभिक चैनल (डीडी 1)					न्यूज़ चैनल (डीडी न्यूज़)				अपने प्रसारण की संपूर्ण अवधि के दौरान क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रसारित कर रहे डीडी–1 ट्रांसमीटर				डीटीटी
		उ.ट्रां.श.	अ.श.ट्रां	अ.अ.श.ट्रां.	ट्रांस	कुल	उ.श. ट्रां	अ.श.ट्रां	अ.अ.श.ट्रां	कुल	उ.श.ट्रां	अ.श.ट्रां	अ.अ.श.ट्रां	कुल	उ.श.ट्रा.
1	आंध्र प्रदेश	7	38		1	46	3	6		9			8	8	
2	अरुणाचल प्रदेश	1	3	39		43	1			1				0	
3	असम	4	20	1	1	26	2	1		3				0	1
4	बिहार	4	28	2		34	2	2		4				0	1
5	छत्तीसगढ़	4	15	8		27	1			1				0	1
6	गोवा	1				1	1			1				0	
7	गुजरात	7	51			58	4	3		7			3	3	1
8	हरियाणा	2	13			15	1	7		8				0	
9	हिमाचल प्रदेश	3	7	39	2	51	2	1		3				0	
10	जम्मू और कश्मीर	10	7	67	1	85	5	3		8	4	8	17	29	
11	झारखंड	3	17	2		22	2	2	1	5				0	1
12	कर्नाटक	8	47			55	4	2		6			7	7	1
13	केरल	4	20			24	3	2		5			4	4	
14	मध्य प्रदेश	8	60	6		74	4			4				0	2
16	महाराष्ट्र	8	78			86	5	10		15			20	20	2
17	मणिपुर	2	1	4		7	1			1				0	
15	मेघालय	2	3	2		7	2			2				0	
18	मिजोरम	2	1	2		5	1	1		2				0	
19	नागालैंड	2	2	6	2	12	1	1		2				0	
20	उड़ीसा	5	62		1	68	2	7	2	11			16	16	1
21	पंजाब	4	4			8	3	1		4				0	1
22	राजस्थान	7	65	17	2	91	4	4		8				0	
23	सिक्किम	1		6		7	1			1				0	

24	तमिलनाडु	6	44		1	51	2	10		12	1		7	8	1
25	तेलंगाना	3	36			39	1			1			1	1	
26	त्रिपुरा	1	5	1	1	8	1	1		2				0	
27	उत्तर प्रदेश	11	53	3		67	7	9	1	17				0	1
28	उत्तराखंड	1	15	33	2	51	1	2		3				0	
29	पश्चिम बंगाल	8	17			25	4	2		6	1		1	2	1
30	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1	1	19		21	1	1	6	8				0	
31	चंडीगढ़		1			1				0				0	
32	दादर और नागर हवेली		1			1				0				0	
33	दमन और दीव		2			2				0				0	
34	दिल्ली	1				1	1			1				0	2
35	लक्षद्वीप		1	1		2			7	7			7	7	
36	पुदुच्चेरी	1	1	1		3		1		1			1	1	
	कुल	132	719	259	14	1124	73	79	17	169	6	8	92	106	17
	ट्रांसमीटरों की कुल संख्या					1416									

अनुलग्नक – III

दूरदर्शन सैटेलाइट चैनल

अखिल भारतीय चैनल (6)	डीडी नेशनल	डीडी न्यूज़	डीडी स्पोर्ट्स
	डीडी भारती	डीडी उर्दू	डीडी किसान
क्षेत्रीय चैनल (16)	डीडी मलयालमय	डीडी चंदना	डीडी यादगिरी
	डीडी पोढ़ीगई	डीडी सह्याद्री	डीडी गिरनार
	डीडी उड़ीया	डीडी कशीर	डीडी नार्थ ईस्ट
	डीडी बांग्ला	डीडी पंजाबी	डीडी राजस्थान
	डीडी बिहार	डीडी उत्तर प्रदेश	डीडी मध्य प्रदेश
	डीडी सप्तगिरी		
राज्य नेटवर्क (11)	हिमाचल प्रदेश	झारखंड़	छत्तीसगढ
	हरियाणा	उत्तराखंड़	त्रिपुरा
	मिज़ोरम	मेघालय	मणिपुर
	अरुणाचल प्रदेश	नागालैंड	
अंतर्राष्ट्रीय चैनल (1)	डीडी इंडिया		

डीडी फ्री डिश चैनलों का संक्षिप्त ब्योरा

अनुलग्नक - IV

टीवी चैनल				
1. डीडी–1	17. डीडी राजस्थान	33. नापतोल ब्लू	49. बिग मैजिक	65. मनोरंजन मूवीज़
2. डीडी न्यूज़	18. डीडी उड़िया	34. डीडी उर्दू	50. संस्कार	66. मूवीज़ हाऊस
3. डीडी स्पोर्ट्स	19. डीडी पोढ़िगै	35. सिनेमा टीवी	51. 9 एक्सएम	67. हाऊसफुल मूवीज़
4. डीडी किसान	20. डीडी पंजाबी	36. डीडी सप्तगिरि	52. महा कार्टून टीवी	68. स्टार उत्सव मूवीज़
5. डीडी भारती	21. डीडी सह्याद्रि	37. इंडिया टीवी	53. इंडिया 24X7	69. रशिया टुडे
6. डीडी बांग्ला	22. डीडी यादगिरि	38. आस्था टीवी	54. स्टार उत्सव	70. जी अनमोल सिनेमा
7. डीडी चंदना	23. डीडी मलयालम	39. मनोरंजन टीवी	55. जी अनमोल	71. 9एक्स बजाओ टीवी
8. डीडी गिरनार	24. लोक सभा	40. न्यूज़ नेशन	56. मस्ती	72. आरटी मूवीज़
9. डीडी कशीर	25. राज्य सभा	41 सोनी पल	57. बी–4यू म्यूज़िक	73. जी न्यूज़
10. महा मूवीज़	26. वा मूवीस	42. दबंग	58. दिल्लगी	74. डीडी इंडिया
11. आस्था भजन	27. दंगल	43. रिश्ते	59. न्यूज़ स्टेट यूपी	75. 9 एक्स जलवा
12. बी–4यू मूवीज़	28. भोजपुरी सिनेमा	44. सोनी मिक्स	60. न्यूज़ 24	76. रिश्ते सिनेप्लेक्स
13 . वाउ सिनेमा	29. डीडी बिहार	45. होम शॉप 18	61. सोनी वाह	77. मल्टीप्लेक्स
14 इंडिया न्यूज़	30. डीडी नार्थ ईस्ट	46. डीडी एमपी	62. आज तक	78. एमटीवी बीट्स
15 न्यूज़ 18 इंडिया	31. डीडी यूपी	47. एंटर 10	63. एबीपी न्यूज़	79. ईटीवी राजस्थान
16 बिग मैजिक गंगा	32. साधना नेशनल	48. एपीएन न्यूज़	64. चडदीकला टाईम टीवी	80. ईटीवी यूपी/उत्तराखंड

रेडियो चैनल			
1. एआईआर वीबीएस	9. एआईआर गुजराती	17. एआईआर कन्नड़	25. एआईआर रागम
2. एआईआर तेलुगु	10. एफएम रेनबो	18. एआईआर बांग्ला	26. एफएम रेनबो बैंगलुरू
3. एआईआर मराठी	11. एआईआर पंजाबी	19. एआईआर हिंदी	27. एआईआर उर्दू
4. एआईआर तमिल	12. एफएम गोल्ड	20. एआईआर एन.ई	28. एआईआर उड़िया
5. एआईआर नेशनल	13. रेडियो कश्मीर	21. एआईआर चेन्नै	29. एआईआर मलयालम
6. रेनबो कोलकाता	14. एआईआर लखनऊ	22. एफएम गोल्ड मुंबई	30. एआईआर असमिया
7. एआईआर विजयवाड़ा	15. एआईआर पटना	23. एआईआर जयपुर	31. एफएम गोल्ड चेन्नै
8. एआईआर इंफाल	16. एआईआर भोपाल	24. रेनबो मुंबई	32. एफएम गोल्ड कोलकाता

अनुलग्नक-V

दूरदर्शन नेटवर्क में कार्यान्वयन के अधीन डिजीटल उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों (डीटीटी) की सूची

क्र. सं.	राज्य/राज्य संघ	कार्यान्वयन के अधीन डीटीटी (44)	
		21 (11वीं अनुमोदित योजना में)	23 (12वीं अनुमोदित योजना में)
1.	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा	तिरुपति
2.	अरुणाचल प्रदेश		ईटानगर
3.	बिहार		मुजफ्फरपुर
4.	छत्तीसगढ़		जगदलपुर
5.	गुजरात	सूरत	
		वडोदरा	
		राजकोट	
6.	हरियाणा		हिसार
7.	हिमाचल प्रदेश	कसौली	शिमला
8.	जम्मू और कश्मीर		जम्मू
9.	झारखण्ड		जमशेदपुर
10.	कर्नाटक	मैसूर	शिमोगा
			धारवाड़
11.	केरल	कोची	कोझिकोड
12.	मध्य प्रदेश	ग्वालियर	
13.	महाराष्ट्र	नागपुर	अंबाजोगई
		पुणे	
14.	मणिपुर		चुड़ाचांदपुर
15.	मेघालय		शिलॉंग
16.	मिज़ोरम		लुंगलई
17.	नागालैण्ड़		मोकोक्चुंग
18.	उड़ीसा		बालासोर
19.	पंजाब	अमृतसर	
20.	राजस्थान	जयपुर	बाड़मेर
			बूंदी
21.	सिक्किम		गंगटोक
22.	तमिलनाडु	कोडइकैनाल	रामेश्वरम
23.	त्रिपुरा		अगरतला

24.	उत्तर प्रदेश	कानपुर	
		वाराणसी	
		इलाहबाद	
		आगरा	
		बरेली	
25.	उत्तराखण्ड	मसूरी	
26.	पश्चिम बंगाल	कर्सियांग	आसनसोल
		कृष्णानगर	

अनुलग्नक - VI

महत्वपूर्ण कवरेज			
क्र.सं.	कार्यक्रम	स्थान	दिनांक
1.	माननीय प्रधानमंत्री द्वारा स्टैंड–अप इंडिया स्कीम का शुभारंभ	नोएडा	05 अप्रैल,2016
2.	एशियाई खो–खो चैम्पियनशिप ।	इंदौर	08–10 अप्रैल 2016
3.	माननीय प्रधानमंत्री द्वारा जनसभा, ककरयाल, समीप श्री वैष्णो देवी विश्वविद्यालय को संबोधित करते हुए सीधा कवरेज	रियासी	19 अप्रैल,2016
4.	माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 10वें सिविल सेवा दिवस समारोह का विभिन्न मुख्यालयों पश्चिम सिक्किम (सिक्किम), नौगांव (असम), चंडीगढ़ (संघराज्य), नोर्थ24 परगना (प.बं.), हमीरपुर (हि.प्र.), बीकानेर (राज.), बलरामपुर (छत्तीसगढ़), पश्चिम जंटिया (मेघालय), अनंतपुरम (आं.प्र.),दादर नागर हवेली (संघ राज्य) से टेलीकान्फ्रेंसिग/हॉट स्विचिंग का सीधा कवरेज	विज्ञान भवन	21 अप्रैल 2016
5.	भारतीय बॉक्सिंग काउंसिल फाइट कार्ड आईबीसी–2	दिल्ली	23 अप्रैल 2016
6.	माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पंचायती राज दिवस पर ग्राम उदय अभियान का जमशेदपुर से सीधा कवरेज	जमशेदपुर	24 अप्रैल,2016
7.	20वीं फेडरेशन कप नेशनल सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप	दिल्ली	28–30 अप्रैल 2016
8.	आईटीएफ फ्यूचर 10के टेनिस टूर्नामेंट	चंडीगढ़	29–30 अप्रैल 2016
9.	6वां हॉकी भारतीय वार्षिक राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2016 (सीनियर वुमेन)	बैंगलूर	01 मई 2016
10.	प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लिए प्रधानमंत्री कवरेज	बलिया	01 मई,2016
11.	वाराणसी में ई–बोट आबंटन और संगीत कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री का कावरेज	वाराणसी	01 मई 2016
12.	ज्ञान प्रवाह संग्रहालय का प्रधानमंत्री कवरेज	वाराणसी	01 मई,2016
13.	रेल भवन, नई दिल्ली से रेल मंत्री द्वारा अनंतनाग, जम्मू और कश्मीर में डीएमयू की रिमोटली प्लैगिंग	दिल्ली और अंनतनाग	05 मई 2016
14.	प्रधानमंत्री का कोची दौरा	कोची	11 मई,2016
15.	अंतर्राष्ट्रीय वैचारिक महाकुम्भ का उद्घाटन	इंदौर	12–13 मई,2016
16.	उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ का कवरेज	उज्जैन	20 अप्रैल–22 मई,2016
17.	बोधगया मंदिर से श्रीलंका तक वैशाख दिवस समारोह का सीधा प्रसारण	गया	21 मई 2016
18.	असम के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह	गुवाहाटी	24 मई 2016
19.	पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह	कोलकाता	27 मई,2016
20.	प्रधानमंत्री का हेरिटेज गांव का दौरा	शिलांग	28 मई,2016

21.	अगरतला (त्रिपुरा),जिरीबम (मणिपुर), भैरबी (मिज़ोरम), कामाख्या, गुवाहाटी (असम) से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलांग से प्रधानमंत्री द्वारा सुदूर रेलगाड़ियों के शुभारंभ का कवरेज ।	शिलांग, अगरतला, जिरीबम,भैरबी और कामाख्या	27 मई,2016
22.	भारत सरकार के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर इंडिया गेट में लाइव कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री का कवरेज और करनाल, अहमदाबाद, मुंबई, विजयवाड़ा, गुवाहाटी, जयपुर और नागपुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग	दिल्ली, करनाल, अहमदाबाद, मुंबई, विजयवाड़ा, गुवाहाटी, जयपुर और नागपुर	28 मई 2016
23.	एशियाई कप – क्वालि. फुटबॉल मैच (भारत बनाम लाओस)	गुवाहाटी	07 जून 2016
24.	रिओ ऑलम्पिक बाक्सिंग योग्यता	नोएडा	11 जून 2016
25.	माननीय प्रधानमंत्री की रॉयल किंगडम, थाईलैंड के प्रधानमंत्री के साथ द्वीपक्षीय बैठक का सीधा कवरेज	हैदराबाद	17 जून 2016
26.	द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस का सीधा कवरेज	चंडीगढ	21 जून, 2016
27.	56वां राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक चैंम्पियनशिप	हैदराबाद	28–30 जून 2016
28.	5के महिलाओं के लिए आईटीएफ एशियन टेनिस टूर्नामेंट	दिल्ली	05–06–2016
29.	43वां जूनियर नेशनल एक्वटिक चैंपियनशिप	बैंगलुरु	05–09 जुलाई 2016
30.	डेविस कप ग्रुप फस्ट एशिया ओशिनिया सेकिंड राउंड भारत बनाम कोरिया गणराज्य	चंडीगढ	15–17 जुलाई, 2016
31.	राष्ट्रीय स्क्वाश चैंपियनशिप	बांद्रा (पश्चिम)	16–17 जुलाई 2016
32.	प्रधानमंत्री का दौरा गोरखधाम मंदिर, गोरखपुर का कवरेज	गोरखपुर	22 जुलाई 2016
33.	गोरखपुर की लोक रैली के लिए प्रधानमंत्री का कवरेज	गोरखपुर	22 जुलाई 2016
34.	आइएमएएस अंतर्राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप 2016	जयपुर	24 जुलाई 2016
35.	राष्ट्रीय स्टेडियम (इंडिया गेट) नई दिल्ली में "रन फॉर रियो" का प्रधानमंत्री कवरेज	दिल्ली	31 जुलाई 2016
36.	डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री का कवरेज	दिल्ली	02 अगस्त 2016
37.	रिओ ओलम्पिक खेल, 2016 का सीधा प्रसारण	दिल्ली	03–21 अगस्त 2016
38.	राष्ट्रीय हैन्डलूम दिवस पर कार्यक्रम का सीधा कवरेज	वाराणसी	07 अगस्त 2016
39.	हैदराबाद और गजवेल में माननीय प्रधानमंत्री का सीधा कवरेज	हैदराबाद और गजवेल	07 अगस्त 2016
40.	आंनदपुर (आं. प्रदेश) में स्वतंत्रता समारोह	आंनदपुर	15 अगस्त 2016
41.	लाल किला, दिल्ली में स्वंतत्रता समारोह	दिल्ली	15 अगस्त 2016
42.	जयपुर में ब्रिक्स महिला सांसदों की बैठक का उद्घाटन	जयपुर	20 अगस्त 2016
43.	हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री की इजिप्ट के राष्ट्रपति के साथ भेंट का सीधा कवरेज	दिल्ली	02 सितंबर 2016
44.	65वां अखिल भारतीय पुलिस एथलैटिक चैंपियनशिप 2016	हैदराबाद	03–07 सितंबर 2016

45.	डुरंड फुटबॉल टूर्नामेंट	नई दिल्ली	09–11 सितंबर 2016
46.	डेविस कप वर्ल्ड ग्रुप (प्ले ऑफ) टाई भारत बनाम स्पेन	दिल्ली	16–18 सितंबर 2016
47.	माननीय प्रधानमंत्री का नवसारी और लिमखेड़ा दौरे का कवरेज	नवसारी और लिमखेड़ा	17 सितंबर 2016
48.	भारतीय मास्टर्स बैडमिंटन लीग	तिरुपुर	17–18 सितंबर 2016
49.	कुड्लोर (तमिलनाडु), हैदराबाद, जम्मू, पालमपुर (हिमाचल प्रदेश) और जोरहाट में स्थित सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में माननीय प्रधानमंत्री की किसानों के साथ टेलीकान्फ्रेंसिंग सहित सीएसआईआर के शिलान्यास दिवस की प्लैटिनम जयन्ती का विज्ञान भवन से सीधा प्रसारण	विज्ञान भवन	26 सितंबर 2016
50.	भारत के महामहिम राष्ट्रपति का इस्कॉन, बैंगलुरु में दौरे का सीधा कवरेज	बैंगलुरु	27 सितंबर 2016
51.	भारत के महामहिम राष्ट्रपति का बैंगलुरु में नेशनल लॉ स्कूल के वार्षिक दीक्षांत समारोह में उपस्थिति का सीधा कवरेज	बैंगलुरु	28 सितंबर 2016
52.	भारतीय ग्लोबल प्रिमियर लीग टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट	नोएडा	04–06 अक्तूबर 2016
53.	गोवा में अंडर 17 प्रथम ब्रिक्स फुटबॉल टूर्नामेंट का सीधा कवरेज	गोवा	05–15 अक्तूबर 2016
54.	27वां लाल बहादुर शास्त्री हॉकी टूर्नामेंट	दिल्ली	08–09 अक्तूबर 2016
55.	कंप्लीट वर्क ऑफ दीन दयाल उपाध्याय पर कार्यक्रम में भाग ले रहे माननीय प्रधानमंत्री का लाइव कवरेज	विज्ञान भवन	09 अक्तूबर 2016
56.	दीक्षाभूमि, नागपुर से 60वें धर्म चक्र परिवर्तन दिन का सीधा कवरेज	नागपुर	09 अक्तूबर 2016
57.	डॉ. अंबेडकर स्टेडियम, नई दिल्ली में हुए सुब्रतो कप अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट का 57वां संस्करण	दिल्ली	10 अक्तूबर 2016
58.	माननीय प्रधानमंत्री का युद्ध स्मृति स्थल और परेड ग्राऊंड, भोपाल के दौरे का सीधा कवरेज	भोपाल	14 अक्तूबर 2016
59.	8वें ब्रिक्स सम्मेलन, बिमस्टेक आउटरीच बैठक और इंडो–रशियन द्विपक्षीय सम्मेलन जिसमें दूरदर्शन आयोजक प्रसारक था, उसका सीधा कवरेज	गोवा	15–17 अक्तूबर, 2016
60.	माननीय प्रधानमंत्री की म्यांमार के सिविल नेता ओंग सान सु क्यी के साथ बैठक का सीधा कवरेज	दिल्ली	19 अक्तूबर, 2016
61.	माननीय प्रधानमंत्री का नियंत्रक महालेखा परीक्षक कार्यालय के ऑडिटोरियम में समापन समारोह का सीधा कवरेज	दिल्ली	20 अक्तूबर 2016
62.	माननीय प्रधानमंत्री के नियंत्रक महालेखा नियंत्रक महालेखा कार्यालय के सभाभवन में समापन समारोह का सीधा कवरेज	दिल्ली	22 अक्तूबर 2016
63.	माननीय प्रधानमंत्री के बडोदरा दौरे में एयरपोर्ट के नए टर्मिनल के उद्घाटन और दिव्यांग से संबंधित समारोह के दौरे का सीधा कवरेज	वडोदरा	22 अक्तूबर, 2016
64.	पंजाब राज्य युद्ध स्मृति स्थल और संग्रहालय देश को समर्पित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री का सीधा कवरेज	अमृतसर	23 अक्तूबर 2016
65.	"भारत में मध्यस्थता एवं प्रवर्तन को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय पहल" पर सम्मेलन के लिए माननीय प्रधानमंत्री का सीधा कवरेज ।	विज्ञान भवन	23 अक्तूबर 2016
66.	61वां सीनियर फ्री स्टाइल, ग्रेको रोमन स्टाइल और 19वां महिला राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप	गोंडा (यूपी)	23–25 अक्तूबर 2016

67.	माननीय मुख्यमंत्री द्वारा टाउन हॉल, अमृतसर से हेरीटेज स्ट्रीट का उद्घाटन	अमृतसर	25 अक्तूबर, 2016
68.	माननीय प्रधानमंत्री की राष्ट्रीय जनजातीय कार्निवाल, 2016 में उपस्थिति का सीधा कवरेज	दिल्ली	25 अक्तूबर, 2016
69.	नेशनल केडिट कॉप्स(एनसीसी) खेलों का समापन समारोह	दिल्ली	26 अक्तूबर, 2016
70.	प्रधानमंत्री की न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री के साथ बैठक का सीधा कवरेज	दिल्ली	27 अक्तूबर 2016
71.	आईटीएफ महिला $ 10के टेनिस	पुणे	28–29 अक्तूबर 2016
72.	ब्रिक्स–हार्ट ऑफ एशिया सम्मेलन	अमृतसर	दिसंबर, 2016
73.	माननीय प्रधानमंत्री का कमल महल, आईटीसी मौर्या होटल में रामनाथ गोयंका एवार्ड का सीधा कवरेज	दिल्ली	2 नवंबर, 2016
74.	माननीय प्रधानमंत्री की चुनिंदा पत्रकारों से 9, अशोका रोड, नई दिल्ली में चर्चा का सीधा कवरेज	दिल्ली	03 नवंबर 2016
75.	डिज़ास्टर रिस्क रिडक्शन – 2016 पर पहला एशियाई मंत्रीमण्डलीय सम्मेलन के उद्घाटन के लिए माननीय प्रधानमंत्री का सीधा कवरेज	दिल्ली	3 नवंबर 2016
76.	प्रथम अंतर्राष्ट्रीय कृषि जैवविविधता कांग्रेस	दिल्ली	6 नवंबर 2016
77.	माननीय प्रधानमंत्री द्वारा इंडिया–यूनाइटेड किंगडम व्यापार संघ कार्यक्रम में संबोधन का कवरेज	दिल्ली	07 नवंबर, 2016
78.	हैदराबाद हाउस में यू.के. के प्रधानमंत्री के साथ माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बैठक का सीधा कवरेज	दिल्ली	07 नवंबर, 2016
79.	राष्ट्रपति का स्टेंडर्ड एंड कलर पुरस्कार समारोह का सीधा कवरेज	अंबाला	10 नवंबर, 2016
80.	माननीय प्रधानमंत्री का गाज़ीपुर (उ.प्र.) के दौरे के दौरान गाज़ीपुर में गंगा नदी पर रेल और सड़क पुल का शिलान्यास और दूरवर्ती रेल गाज़ीपुर से कोलकाता के उद्घाटन का सीधा कवरेज	गज़ीपुर	14 नवंबर, 2016
81.	राष्ट्रीय बाल फिल्म उत्सव के दूसरे संस्करण का सीधा कवरेज	जयपुर	14 नवंबर 2016
82.	ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया लेक्चर सैशन का सीधा कवरेज	विज्ञान भवन	16 नवंबर 2016
83.	भारतीय प्रेस परिषद के स्वर्ण जयन्ती समारोह का सीधा कवरेज	विज्ञान भवन	16 नवंबर 2016
84.	दरबार हाल, राष्ट्रपति भवन से सीधा कवरेज	दिल्ली	16 नवंबर 2016
85.	47वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) 2016 के शुभारंभ का सीधा कवरेज	पणजी	20 नवंबर 2016
86.	भटिंडा में एम्स की आधार शिला रखने के संबंध में माननीय प्रधानमंत्री के दौरे का सीधा कवरेज	भटिन्डा	25 नवंबर 2016
87.	संविधान दिवस उत्सव समारोह का सीधा कवरेज	दिल्ली	26 नवंबर 2016
88.	माननीय प्रधानमंत्री का कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) के दौरे का और गोरखपुर रेलवे स्टेशन से वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा हमसफर एक्सप्रेस का शुभारंभ, सीधा कवरेज	कुशीनगर(उत्तर प्रदेश)	27 नवंबर 2016
89.	47वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के समापन (आईएफएफआई) 2016 का सीधा कवरेज	पणजी	28 नवंबर 2016

90.	माननीय राष्ट्रपति द्वारा आईसीसीआर डिस्टिंगुईश्ड इंडोलोजिस्ट एवार्ड 2016 के प्रस्तुतिकरण का सीधा कवरेज	दिल्ली	01 दिसंबर 2016
91.	हैदराबाद हाउस में कतर के प्रधानमंत्री के साथ माननीय प्रधानमंत्री की बैठक का सीधा कवरेज	दिल्ली	03 दिसंबर 2016
92.	प्रधानमंत्री द्वारा 12वें अंतर्राष्ट्रीय तेल एवं गैस सम्मेलन और प्रदर्शनी, पैट्रोटैक–2016 का सीधा कवरेज	विज्ञान भवन	05 दिसंबर 2016
93.	भारतीय पोलर उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (पीएसएलवी–सी36) का प्रक्षेपण	श्री हरिकोटा	07 दिसंबर 2016
94.	राष्ट्रपति भवन में माननीय राष्ट्रपति का बच्चों के लिए लोरिएट्स एंड लीडर सम्मेलन का सीधा कवरेज	दिल्ली	11 दिसंबर 2016
95.	पार्लियामेंटेरियन कार रैली का सीधा कवरेज	दिल्ली	11 दिसंबर 2016
96.	हैदराबाद हाउस में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के साथ माननीय प्रधानमंत्री की बैठक का सीधा कवरेज	दिल्ली	12 दिसंबर 2016
97.	गेट नं. 11 और 12, संसद भवन के बीच पट्टिका का शहीदों को पुष्प श्रद्धांजली	दिल्ली	13 दिसंबर 2016
98.	तजाकिस्तान के राष्ट्रपति के साथ माननीय प्रधानमंत्री की बैठक का सीधा कवरेज	हैदराबाद हाउस	17 दिसंबर 2016
99.	हैदराबाद हाउस में किर्गीज़स्तान के राष्ट्रपति के साथ माननीय प्रधानमंत्री की बैठक का सीधा कवरेज	हैदराबाद हाउस	20 दिसंबर, 2016
100.	एम एम आर डी ए ग्राउंउ, मुम्बई में माननीय प्रधानमंत्री के दौरे का सीधा कवरेज	मुम्बई	24 दिसंबर 2016
101.	पतागंगा, मुंबई–पुणे राजमार्ग में माननीय प्रधानमंत्री के दौरे का सीधा कवरेज	मुंबई पुणे राजमार्ग	24 दिसंबर 2016
102.	मैट्रो की आधारशिला रखने के लिए माननीय प्रधानमंत्री के पूना दौरे का सीधा कवरेज	पुणे	24 दिसंबर 2016
103.	कोणार्क उत्सव 2016 का सीधा कवरेज	कोणार्क	01–05 दिसंबर 2016
104.	हार्ट ऑफ एशिया समिट का सीधा कवरेज	अमृतसर	03–04 दिसंबर 2016
105.	विज्ञान भवन में 28वें सूचना राज्य मंत्रियों के सम्मेलन का सीधा कवरेज	दिल्ली	09–10 दिसंबर 2016
106.	माननीय राष्ट्रपति जी का कर्नाटक का दौरा	मैंगलोर	29 दिसंबर 2016
107.	माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 104वीं विज्ञान कांग्रेस, तिरुपति से उद्घाटन का सीधा कवरेज	तिरुपति	03 जनवरी 2017
108.	श्री गुरु गोविन्द सिंह जी की 350वीं जन्म वर्षगांठ।	हरमंदिर साहब जी,पटना	05 जनवरी 2017
109.	जकरांदा में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा बैंगलुरु में प्रवासी भारतीय दिवस और युवा प्रवासी दिवस पुरस्कर का वितरण	जकरांदा, बैंगलुरु	07–09 जनवरी 2017
110.	अहमदाबाद में व्यापार मेले के उद्घाटन के लिए माननीय प्रधानमंत्री के गुजरात दौरे का सीधा प्रसारण	अहमदाबाद	09 जनवरी 2017
111.	सांइस सिटी, अहमदाबाद में नोबेल प्रतिष्ठितों के सम्मेलन का उद्घाटन	अहमदाबाद	09 जनवरी 2017
112.	प्रथम ए.बी.यू अंतर्राष्ट्रीय नृत्य उत्सव।	हैदराबाद	15 जनवरी 2017
113.	हैदराबाद हाउस में कीनिया के राष्ट्रपति के साथ प्रधानमंत्री की बैठक	हैदराबाद हाउस	11 जनवरी 2017

114.	गणतंत्र दिवस समारोह 2017	दिल्ली	26 जनवरी 2017
115.	विजयवाड़ा में गणतंत्र दिवस समारोह – 2017	विजयवाड़ा	26 जनवरी 2017
116.	गणतंत्र दिवस का सीधा कवरेज	अमरावती	26 जनवरी 2017
117.	गैरिसन परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री की एनसीसी रेली	दिल्ली	28 जनवरी 2017
118.	विजय चौक पर बीटिंग द रिट्रीट	दिल्ली	29 जनवरी 2017
119.	शहीदी दिवस	दिल्ली	30 जनवरी 2017
120.	डेविस कप एशिया – ओशीनिया ग्रुप का सीधा कवरेज	मुंबई	01–05 फरवरी 2017
121.	डेविस कप का सीधा कवरेज	पुणे	04–05 फरवरी, 2017
122.	राष्ट्रीय महिला संसद का सीधा कवरेज	विजयवाड़ा	10–12 फरवरी, 2017
123.	एयरो इंडिया 2017 के 11वें संस्करण के लिए माननीय रक्षा मंत्री के दौरे का सीधा कवरेज	बैंगलुरु	14 फरवरी, 2017
124.	पीएसएलवीवी–सी37/कार्टोसैट के लांच का सीधा कवरेज	श्रीहरिकोटा	15 फरवरी, 2017
125.	झारखंड सरकार द्वारा आयोजित वैश्विक निवेश संगोष्ठी का सीधा कवरेज	रांची	16–17 फरवरी 2017
126.	सतत विकास लक्ष्य (एमडीजी) प्राप्त करने पर दक्षिण एशिया स्पीकर्स शीर्ष सम्मेलन का सीधा कवरेज	इंदौर	18–19 फरवरी 2017
127.	महाशिवरात्रि उत्सव और आदियोगी प्रतिमा के अनावरण के लिए माननीय प्रधानमंत्री का सीधा प्रसारण	कोयंबटूर	24 फरवरी 2017
128.	राष्ट्रपति मानक उत्सव और कलर्स पुरस्कर समारोह, 2017 का सीधा कवरेज	तांबरम	3 मार्च, 2017
129.	प्रश्नकाल और अरूणाचल प्रदेश का सीधा कवरेज बजट स्पीच	ईटानगर	06–15 मार्च 2017
130.	वाईएसएस डाक टिकट प्रकाशन समारोह के लिए माननीय प्रधानमंत्री का सीधा कवरेज	दिल्ली	7 मार्च 2017
131.	ओएनजीसी के नए संयंत्र के उद्घाटन के लिए माननीय प्रधानमंत्री के दाहेज, गुजरात दौरे का सीधा कवरेज	दाहेज	7 मार्च 2017
132.	नारी शक्ति पुरस्कारों के लिए माननीय राष्ट्रपति का सीधा कवरेज	राष्ट्रपति भवन	8 मार्च 2017
133.	उत्तराखंड की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए माननीय प्रधानमंत्री का सीधा कवरेज	देहरादून	18 मार्च 2017
134.	उत्तर प्रदेश की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए माननीय प्रधानमंत्री का सीधा कवरेज	लखनऊ	19 मार्च 2017
135.	रक्षा और नागरिक पदरोहण के लिए माननीय राष्ट्रपति का सीधा कवरेज।	राष्ट्रपति भवन	30 मार्च 2017

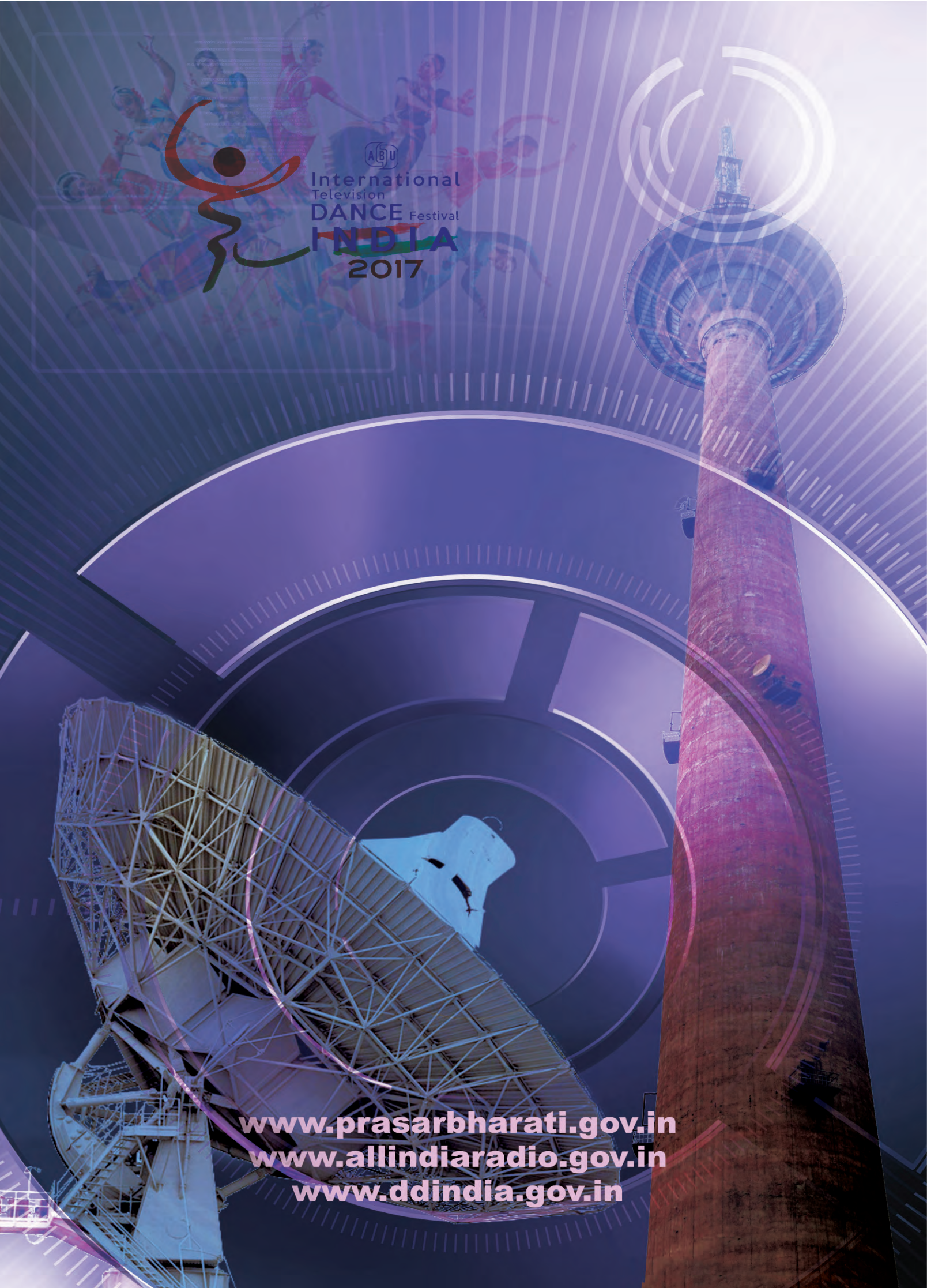
ABU
International
Television
DANCE Festival
INDIA
2017
www.prasarbharati.gov.in
www.allindiaradio.gov.in
www.ddindia.gov.in